THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 64 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **ज्येष्ठ शु.4 2080 मंगलवार, 23 मई 2023**

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर **पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये**

विदेशी प्रतिनिधियों का भव्य स्वागत

फिल्म पर्यटन को बढ़ावा देने पर हुई चर्चा

श्रीनगर, 22 मई (एजेंसियां)। भारत की जी-20 अध्यक्षता के तहत जम्मू और कश्मीर में तीसरी पर्यटन कार्य समूह की बैठक 22 मई से शुरू हुई। बैठक में हिस्सा लेने आए जी-20 समूह के करीब 60 विदेशी प्रतिनिधि कड़ी सुरक्षा के बीच सोमवार सुबह एक चार्टर्ड विमान से श्रीनगर अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डे पहुंचे जहां उन्हें पारंपरिक तरीके से स्वागत किया गया।

प्रतिनिधियों का स्वागत केंद्रीय पर्यटन मंत्री जी. किशन रेड्डी और जी-20 शेरपा अमिताभ कांत ने किया। इस बैठक में 60 विदेशी प्रतिनिधियों के अलावा देशभर से पर्यटन से जुड़े विभिन्न संगठनों के करीब 65 प्रतिनिधि हिस्सा ले रहे हैं। कार्यक्रम स्थलों की सुरक्षा के लिए एनएसजी और मरीन कमांडो की मदद से पूरी घाटी में सुरक्षा बढ़ाई गई है। इस बैठक का समापन 24 मई को होगा। बैठक के पहले दिन 22 मई को फिल्म पर्यटन को बढ़ाने पर केंद्रित एक साइड इवेंट का आयोजन शेर-ए-कश्मीर कन्वेंशन सेंटर में किया गया। इस दौरान 'भारत एक फिल्म पर्यटन गंतव्य के रूप में' विषय पर चर्चा आयोजित की गई।

एक्टर राम चरण डेलिगेट्स के साथ नाटू-नाटू पर डांस करते हुए।

सबसे आखिरी में फिल्म पर्यटन के वैश्विक परिप्रेक्ष्य में आर्थिक लाभ और गंतव्य पर फिल्म पर्यटन के प्रभाव पर पैनल चर्चा आयोजित हुई। इस मौके पर जी-20 शेरपा अमिताभ कांत ने कहा कि कश्मीर में इस मेगा आयोजन का सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा और राज्य में शांति, समृद्धि और नौकरियों का सृजन होगा। उन्होंने कहा कि इस बैठक से पर्यटन उद्योग बढ़ेगा और उच्च प्रभाव वाले पर्यटक आएंगे। इस मौके पर विभिन्न वक्ताओं ने फिल्मों के माध्यम से गंतव्यों को बढ़ावा देने के लिए अपनाई गई विभिन्न चुनौतियों और देश-विशिष्ट संबलों पर प्रकाश डाला। इस पैनल चर्चा में स्पेन, सिंगापुर, मॉरीशस, नाइजीरिया, दक्षिण अफ्रीका, ब्राजील और भारत के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। >14

पीएम मोदी ऑस्ट्रेलिया पहुंचे

आज 20 हजार लोगों को संबोधित करेंगे

सिडनी, 22 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को 2 दिन के दौरे पर ऑस्ट्रेलिया पहुंचे। यहां वो ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी एल्बनीज से मुलाकात करेंगे। इसके अलावा आज (मंगलवार) को मोदी सिडनी के ओलिंपिक पार्क में 20 हजार से ज्यादा भारतीय मूल के लोगों को भी संबोधित करेंगे। इस प्रोग्राम के लिए गाड़ियों और प्राइवेट चार्टर से लोगों को सिडनी लाया जा रहा है, जिसे मोदी एयरवेज नाम दिया गया है। प्रधानमंत्री जब सिडनी एयरपोर्ट पहुंचे तो विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने सोशल मीडिया पर कुछ फोटो पोस्ट किए। कैप्शन लिखा, वाइब्रेंट सिटी सिडनी में आपका स्वागत है। >14

प्रेसिडेंट देश की पहली नागरिक, उन्हें संसद का उद्घाटन करना चाहिए : खड़गे

नई दिल्ली, 22 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने नए संसद भवन के उद्घाटन समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को ना बुलाए जाने पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने ट्वीट कर कहा, ऐसा लगता है कि मोदी सरकार सिर्फ चुनावी फायदा उठाने के लिए दलित और आदिवासी सुमदाय से राष्ट्रपति बनाती है।

उन्होंने आगे कहा कि 28 मई को होने वाले नए संसद भवन के उद्घाटन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को नहीं बुलाया गया है। वे देश की पहली नागरिक हैं। अगर वे नए संसद भवन का उद्घाटन करतीं तो ये लोकतांत्रिक मूल्यों और संवैधानिक मर्यादा के प्रति सरकार के कमिटमेंट को दिखाता। खड़गे ने कहा कि नई संसद की नींव रखने के दौरान तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को भी नहीं बुलाया गया था। राष्ट्रपति देश का सबसे ऊंचा संवैधानिक पद है। वे अकेले ही सरकार, विपक्ष और हर नागरिक को रिप्रजेंट करती हैं। लेकिन, मोदी सरकार ने लगातार मर्यादा का अपमान किया है। भाजपा-आरएसएस की सरकार में राष्ट्रपति का पद दिखावटी रह गया है। आम आदमी पार्टी ने भी पीएम के संसद भवन के इनऑग्रेशन पर आपत्ति जताई। आप ने सोमवार को कहा कि नए संसद भवन के उद्घाटन के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की जगह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आमंत्रित

किया जाना उनका और साथ ही देश के आदिवासी और पिछड़े समुदायों का अपमान है। वहीं आप के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा कि, बीजेपी आदिवासी विरोधी, दलित विरोधी और पिछड़ी विरोधी मानसिकता की पार्टी है।

अभिषेक की याचिका पर सुनवाई को सुप्रीम कोर्ट तैयार

नई दिल्ली, 22 मई (एजेंसियां)। टीएमसी नेता और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी की याचिका पर सुनवाई के लिए सुप्रीम कोर्ट राजी हो गया है। अभिषेक ने शिक्षक भर्ती घोटाले में सीबीआई और ईडी को पूछताछ की अनुमति देने वाले कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ याचिका दाखिल की थी।

कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश के बाद सीबीआई ने 20 मई को अभिषेक से 9 घंटे पूछताछ की थी। पूछताछ के लिए जाते समय ही उन्होंने कहा था कि वे सुप्रीम कोर्ट में अपील करेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के लिए 26 मई तारीख तय की है। पूछताछ के बाद बाहर आकर अभिषेक ने कहा कि यह सीबीआई और मेरे समय की

बर्बादी के अलावा कुछ नहीं है। हम दिल्ली के बॉसेस के पेट डॉग नहीं बनेंगे। इसलिए हमें टारगेट किया। नोटबंदी पर अभिषेक ने कहा अब वोटबंदी का जमाना है, नोटबंदी से कुछ नहीं होगा। वोटबंदी 2024 में होगी...कर्नाटक के परिणाम 2024 में दोहराए जाएंगे। बंगाल में हुआ यह घोटाला 2014 का है। तब पश्चिम बंगाल स्कूल सर्विस कमीशन (एसएससी) ने सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की भर्ती निकाली। प्रक्रिया 2016 में शुरू हुई थी। उस वक्त पार्थ चटर्जी शिक्षा मंत्री थे। इस मामले में गड़बड़ी की कई शिकायतें कोलकाता हाईकोर्ट में दाखिल हुई थीं।

जिन कैंडिडेट के नंबर कम थे उन्हें मेरिट लिस्ट में टॉप पर रखा गया। कुछ कैंडिडेट का मेरिट लिस्ट में नाम न होने पर भी उन्हें नौकरी दे दी गई। ऐसे लोगों को भी नौकरी दी गई, जिन्होंने टीईटी परीक्षा भी पास नहीं की थी। मई 2022 में कलकत्ता हाईकोर्ट ने सीबीआई को आदेश दिया था कि पश्चिम बंगाल स्कूल सर्विस कमीशन और पश्चिम बंगाल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन की तरफ से 2014 से 2021 के बीच नॉन-टीचिंग स्टाफ और टीचिंग स्टाफ में जो भी अपॉइंटमेंट किए गए हैं, उनकी जांच की जाए।

मणिपुर में 18 दिन बाद एक बार फिर हिंसा

राजधानी इंफाल में उपद्रवियों ने कई घर फूंके, सेना बुलाई गई-कर्फ्यू भी लगाया गया

इंफाल, 22 मई (एजेंसियां)। मणिपुर में 18 दिन बाद एक बार फिर हिंसा हुई। राजधानी इंफाल के न्यू लम्बुलेन इलाके में सोमवार को उपद्रवियों ने कुछ खाली पड़े घरों में आग लगा दी। हिंसा को देखते हुए सरकार ने इलाके में सेना तैनात कर दी। इसके अलावा प्रशासन ने इन इलाकों में कर्फ्यू लगा दी। साथ ही 26 मई तक इंटरनेट पर बैन लगा दिया है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, एक लोकल मार्केट में जगह को लेकर मैतई और कुकी समुदाय के बीच झगड़ा हुआ। इसके बाद उपद्रवियों ने कुछ घरों में आग लगा दी। स्थिति पर नियंत्रण के लिए पारा मिलिट्री फोर्स और सेना को बुला लिया गया। हिंसा की वजह से अब तक 10 हजार से ज्यादा लोग विस्थापित हुए हैं। सरकार ने दंगाइयों को गोली मारने का आदेश दे रखा है। 17 मई को मामले की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में हुई। कोर्ट ने राज्य सरकार को हिंसा प्रभावित लोगों को दी जा रही राहत, सुरक्षा, पुनर्वास पर नई स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया है। सुप्रीम कोर्ट में मणिपुर ट्राइबल फोरम और हिल एरिया कमेटी ने याचिकाएं दाखिल

की हैं। गर्मी की छुट्टी खत्म होने के बाद जुलाई में कोर्ट एक बार फिर इस मामले पर सुनवाई करेगी।

3 मई से जारी है हिंसा :

मणिपुर में 3 मई को चुराचांदपुर जिले के तोरबंग इलाके से हिंसा भड़की थी। इस दिन ऑल ट्राइबल स्टूडेंट्स यूनियन ने आदिवासी एकजुटता मार्च बुलाया था। चुराचांदपुर में 4 मई को मुख्यमंत्री एन वीरेन सिंह के कार्यक्रम से पहले प्रदर्शनकारियों ने उनके मंच पर तोड़फोड़ और आगजनी की। इसके बाद राज्य के 10 से अधिक जिलों में हिंसक झड़प हुई थी।

हिंसा में अब तक 71 मौतें :

हिंसक घटनाओं में अब तक 71 लोगों की मौत हो चुकी है। करीब 230 से ज्यादा लोग घायल हो गए थे और 1700 घरों को जला दिया गया था। हिंसा के बाद से ही यहां इंटरनेट बंद है। समय-समय पर कर्फ्यू में ढील दी जा रही है। मणिपुर की लगभग 38 लाख की आबादी में से आधे से ज्यादा मैतेई समुदाय के लोग हैं। मणिपुर के लगभग 10 प्रतिशत क्षेत्रफल में फैली इंफाल घाटी मैतेई समुदाय बहुल है। मणिपुर हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को निर्देश दिया है कि मैतेई समुदाय की डिमांड पर विचार करें और 4 महीने के भीतर केंद्र को रिकमंडेशन भेजे। इसी आदेश के बाद मैतेई को अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने की मांग को लेकर 3 मई को ऑल ट्राइबल स्टूडेंट्स यूनियन (एटीएसयू) मणिपुर ने एक रैली निकाली। जो बाद में हिंसक हो गई।

कांग्रेस ने कर्नाटक विधानसभा का शुद्धीकरण किया

गंगाजल और गौ-मूत्र छिड़का, हनुमान चालीसा पढ़ी, एक विधायक बैलगाड़ी से पहुंचे

बेंगलुरू, 22 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस पार्टी ने सोमवार को कर्नाटक विधानसभा का शुद्धिकरण किया। पार्टी नेताओं ने विधानसभा भवन में गंगाजल और गोमूत्र छिड़का और हवन-पूजन के बाद हनुमान चालीसा का पाठ किया। कांग्रेस का कहना था कि भाजपा ने विधानसभा को अपने भ्रष्टाचार से दूषित कर दिया था। कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने इस साल जनवरी में कहा था कि विधानसभा को गोमूत्र से साफ करने का समय आ गया है।

चुनाव से पहले कांग्रेस ने भाजपा की डबल इंजन सरकार को टूबल-इंजन सरकार बताया था। 5 मई को कर्नाटक कांग्रेस ने भ्रष्टाचार रेट कार्ड जारी किया था, जिसमें सत्तारूढ़ भाजपा सरकार के घोटालों को बताया गया था। तब विपक्ष में बैठी कांग्रेस ने आरोप लगाया था कि भाजपा सरकार ने सत्ता में रहते हुए 1.50 लाख करोड़ रुपये लूटे। इसमें मुख्यमंत्री का रेट 2,500 करोड़ और एक मंत्री पद का रेट 500 करोड़ रुपये है।

2 मई को कांग्रेस ने कर्नाटक चुनाव के लिए अपना घोषणा पत्र जारी किया था, जिसमें पीएफआई और बजरंगदल जैसे संगठनों पर प्रतिबंध लगाने का वादा किया गया था। इसके बाद बजरंग दल और भाजपा ने इसके विरोध में प्रदर्शन किया था।

पीएम मोदी ने कहा, कांग्रेस को भगवान राम के बाद बजरंग बली से भी तकलीफ :

2 मई को ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कर्नाटक के विजयनगर में कहा था, यह देश का दुर्भाग्य है कि कांग्रेस पार्टी को प्रभु श्रीराम से भी तकलीफ होती थी और अब जय बजरंगबली बोलने वालों से भी तकलीफ हो रही है।

नोट बदलने के लिए भीड़ न लगाएं : आरबीआई गवर्नर

लोगों के पास 4 महीने का समय, इसके बाद भी 2000 के नोट लीगल रहेंगे

नई दिल्ली, 22 मई (एजेंसियां)। 2000 के नोट बदलने की प्रक्रिया मंगलवार से देश के सभी बैंकों में शुरू हो जाएगी। ऐलान के तीन दिन बाद रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि लोग नोट बदलने के लिए बैंकों में भीड़ ना लगाएं। हमने 4 महीने का समय दिया है। आप आराम से नोट बदलिए, लेकिन समय सीमा को गंभीरता से लीजिए। गवर्नर ने कहा, 30 सितंबर की डेडलाइन के बाद भी 2000 के नोट लीगल टेंडर रहेंगे यानी वैध रहेंगे। आरबीआई ने 19 मई को 2000 रुपये के नोट बंद करने का ऐलान किया। आरबीआई ने 30 सितंबर तक ऐसे नोट बैंकों में बदलने या अकाउंट में जमा करने को कहा है।

बैंक रोजाना नोटों का हिसाब रखेंगे, लोगों का ख्याल रखेंगे :

आरबीआई ने सोमवार को एक ओर गाइडलाइन जारी की। इसमें बैंकों से कहा गया है कि गर्मी को देखते हुए वो लोगों के लिए छायादार जगहों और पानी का इंतजाम करें। कितने नोट बदले गए और कितने जमा किए गए इसका रोजाना हिसाब रखें।

जो भी परेशानी आएगी, उसे दूर करेंगे :

आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा, जो भी परेशानी आएगी, उसे हम दूर करेंगे। हम भी बैंकों के जरिए इस प्रक्रिया पर नजर रखेंगे।

चिंता वाली कोई बात नहीं है। करेंसी मैनेजमेंट ऑपरेशन के तहत ही हमने 2000 के नोट सर्कुलेशन हटाने का काम शुरू किया है। पहले भी दुकान में लोग 2000 के नोट नहीं लेते थे। हमारे ऐलान के बाद यह शायद और बढ़ गया है। हमने कहा था कि ये लीगल टेंडर बना रहेगा। आप 2000 के नोटों से खरीदारी कर सकते हैं। 30 सितंबर तक ज्यादातर नोट हमारे पास आ जाएंगे और फिर हम फैसला करेंगे।

नोट बदलने के लिए आईडी की जरूरत नहीं

स्टेट बैंक ने रविवार को 2000 का नोट बदलने के लिए गाइडलाइन जारी की थी। भारत के सबसे बड़े बैंक ने कहा था कि नोट बदलने के लिए किसी आईडी की जरूरत नहीं है। कोई फॉर्म भी नहीं भरना होगा। एक बार में 10 नोट बदले जा सकेंगे। स्टेट बैंक ने नोटिफिकेशन इसलिए जारी किया गया, क्योंकि सोशल मीडिया पर नोट बदलने को लेकर अलग-अलग जानकारियां दी जा रही थीं। कहा जा रहा था कि नोट बदलने के लिए आधार जैसी कोई आईडी जरूरी होगी और फॉर्म भी भरना होगा।

यह फैसला करेंसी मैनेजमेंट के तहत लिया गया है। 2000 के नोट लीगल टेंडर रहेंगे। इसे सर्कुलेशन से हटाने के फैसले का इकोनॉमी पर असर बेहद कम पड़ेगा। सर्कुलेशन में चल रही कुल करेंसी का महज 10.8 प्रतिशत हिस्सा ही 2000 के नोटों में है। लोगों के पास 30 सितंबर तक का वक्त है। हड़बड़ाने की जरूरत नहीं है। किसी भी बैंक में नोट बदले जा सकते हैं। नोट बदलने के लिए बैंकों में भीड़ न लगाए, काफी वक्त है। 30 सितंबर तक ज्यादातर नोट हमारे पास आ जाने की उम्मीद है।

30 सितंबर के बाद पता चल जाएगा कि कितने नोट आए और कितने सर्कुलेशन में हैं। फिर फैसला करेंगे। जो भी परेशानी आएगी, उसे हम सुधारेंगे। हम भी बैंकों के जरिए इस प्रक्रिया पर नजर रखेंगे। चिंता वाली कोई बात नहीं है। हमने 2000 का नोट जमा करने के लिए कोई विशेष व्यवस्था नहीं बनाई है। जैसे आप पहले बैंकों में नोट जमा करते थे, वैसे ही ये नोट भी डिपॉजिट किए जाएंगे।

राष्ट्रहित मुद्दों पर चर्चा जरूरी सांसदों से बोले धनखड़

तिरुअनंतपुरम, 22 मई (एजेंसियां)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने संसद और विधानसभाओं में अशांति को एक राजनीतिक रणनीति के रूप में हथियार बनाने की बढ़ती प्रवृत्ति पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने सोमवार को सांसदों और विधायकों से लोकतंत्र के मंदिरों में अपना अधिकतम योगदान देने के लिए अपनी राजनीतिक विचारों पर काबू करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र के मंदिरों का उपयोग विचार-विमर्श, बहस, संवाद और चर्चा के लिए किया जाए तो बेहतर होगा।

राज्य सभा के सभापति धनखड़ का कहना है कि संसद और विधान सभाओं में राजनीतिक रणनीति के रूप में व्यवधान और गड़बड़ी को हथियार बनाने की बढ़ती प्रवृत्ति को लेकर बड़े पैमाने पर लोग दुखी हैं। धनखड़ ने केरल विधानसभा भवन-नियमसभा के रजत जयंती समारोह का उद्घाटन करते हुए कहा कि मैं आप लोगों से पूछना चाहता हूं कि क्या हम राजनीतिक रणनीति

के रूप में सदन के व्यवधान और गड़बड़ी को हथियार बना सकते हैं? उन्होंने कहा कि लोग पूछ रहे हैं कि संसद और विधानसभाओं में बहस और चर्चा क्यों नहीं हो रही हैं? क्यों हम करोड़ों रुपये केवल गड़बड़ी के लिए खर्च कर रहे हैं? उपराष्ट्रपति ने कहा कि मैं राज्य सभा की अध्यक्षता करता हूं। राज्यसभा का प्रत्येक सदस्य बहुत प्रतिभाशाली है। वह अपने अनुभव को सबके सामने लाते हैं। धनखड़ ने कहा कि सभी सदस्यों को अपनी राजनीतिक विचारधारा को काबू करने की आवश्यकता है ताकि वे राज्यसभा, संसद और विधानमंडल में अधिक से अधिक योगदान दे सकें। धनखड़ ने विधानसभा अध्यक्षों और सदनों के नेताओं से एक राष्ट्रीय सहमति बनाने का आग्रह किया।

सफदरजंग अस्पताल से तिहाड़ जेल लौटे सत्येंद्र जैन

रीढ़ में परेशानी हो गई थी, केजरीवाल बोले-भाजपा को भगवान माफ नहीं करेंगे

नई दिल्ली, 22 मई (एजेंसियां)। मनी लॉन्ड्रिंग के केस में तिहाड़ जेल में बंद आम आदमी पार्टी के नेता सत्येंद्र जैन को लेकर सोमवार को दिल्ली पुलिस सफदरजंग अस्पताल पहुंची। न्यूरोसर्जरी ओपीडी के डॉक्टरों ने बताया कि जैन को रीढ़ की हड्डी में परेशानी के चलते यहां लाया गया था।

शनिवार को भी सत्येंद्र जैन को दीन दयाल उपाध्याय अस्पताल ले जाया गया था, लेकिन वे दूसरा ओपिनियन चाहते थे, इसलिए सोमवार को पुलिस उन्हें सफदरजंग लाई। जांच के बाद तिहाड़ के पुलिसकर्मी उन्हें वापस ले गए। सत्येंद्र जैन 31 मई 2022 से हिरासत में हैं। 6 अप्रैल को दिल्ली हाईकोर्ट से जमानत याचिका खारिज होने के बाद उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में अपील की थी।

सुप्रीम कोर्ट में वकील ने दी थी सेहत की जानकारी

सत्येंद्र जैन के वकील अभिषेक एम सिंघवी ने सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान सत्येंद्र जैन की गिरती सेहत का हवाला दिया था। सिंघवी ने कहा था कि वो आदमी कंकाल हो गया है, जेल में 35 किलो वजन घट गया है। सेहत लगातार बिगड़ रही है और उनका केस वेटिंग लिस्ट में 416 नंबर पर है।

केजरीवाल बोले, सत्येंद्र के बेहतर स्वास्थ्य के लिए ईश्वर से प्रार्थना करता हूं :

दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट किया, सत्येंद्र जैन जी के बेहतर स्वास्थ्य के लिए मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं। बीजेपी सरकार के इस अहंकार और जुल्म को दिल्ली और देश के लोग अच्छे से देख रहे हैं। भगवान भी इन अत्याचारियों को कभी माफ़ नहीं करेंगे। इस संघर्ष में जनता हमारे साथ है, ईश्वर हमारे साथ हैं, हम सरदार भगत सिंह जी के चेले हैं। जुल्म, अन्याय और तानाशाही के खिलाफ हमारी ये लड़ाई जारी रहेगी। सुप्रीम कोर्ट में गर्मी की छुट्टियां शुरू हो चुकी हैं। जैन के वकील ने कहा था कि उन्हें वेकेशन बेंच में सुनवाई की छूट दी जाए। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें वेकेशन बेंच में जाने की परमिशन दी थी। जस्टिस एएस बोपन्ना और हिमा कोहली की बेंच ने मनी लॉन्ड्रिंग केस में सत्येंद्र की याचिका पर ईडी को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। इन्फोर्समेंट डायरेक्टोरेट (ईडी) ने 24 अगस्त 2017 को सीबीआई की तरफ से दर्ज की गई एफआईआर को आधार बनाकर जैन के खिलाफ मनी-लॉन्ड्रिंग मामले में जांच शुरू की थी।

राहुल गांधी को जान से मारने की धमकी देने वाले के खिलाफ केस दर्ज

नई दिल्ली, 22 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी को जान से मारने की धमकी देने के आरोप में लखनऊ में एक व्यक्ति के खिलाफ केस दर्ज किया गया है।

पुलिस के मुताबिक धमकी देने वाले शख्स का नाम मनोज राय है और वह गोरखपुर का रहने वाला है।

इस साल 25 मार्च को कांग्रेस के मीडिया संयोजक लल्लन कुमार के फोन पर ये धमकी दी गई थी।

शाहरुख के साथ हुई चैट क्यों लीक की?

बॉम्बे हाईकोर्ट ने समीर वानखेड़े को फटकारा, सीबीआई ने राहत नहीं देने को कहा

मुंबई, 22 मई (एजेंसियां)। बॉम्बे हाईकोर्ट ने सोमवार को स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) के पूर्व स्थानीय क्षेत्रीय निदेशक समीर वानखेड़े को उनके और अभिनेता शाहरुख खान के बीच व्हाट्सऐप पर हुई बातचीत को लीक करने को लेकर फटकार लगाई और उनसे पूछा कि क्या मीडिया में इस चैट को लीक करने के लिए वह जिम्मेदार हैं। अदालत वानखेड़े और शाहरुख खान के बीच कथित व्हाट्सएप बातचीत का जिक्र कर रही थी, जो मीडिया में लीक हो गई है और मामला विचाराधीन होने के बावजूद सोशल मीडिया पर यह वायरल हो रहा है।

कथित चैट में वानखेड़े, जो आर्यन खान से जुड़े ड्रग मामले के मुख्य जांच अधिकारी थे, को अभिनेता के साथ चल रही जांच पर चर्चा करते हुए और आर्यन खान पर नरमी बरतने का आश्वासन देते हुए देखा जा सकता है। वानखेड़े पर आरोप है कि उन्होंने शाहरुख के बेटे आर्यन खान को क्रूज जहाज कॉर्डेलिया से मादक पदार्थ की जब्ती के मामले में नहीं फंसाने के लिए अभिनेता से रिश्वत मांगी थी। इस बीच, वानखेड़े के वकील ने आरोप लगाया कि मामले में उनके पूर्ण सहयोग और समझ के बावजूद एक ईमानदार अधिकारी को जांच के बहाने परेशान किया जा रहा है। दूसरी ओर, सीबीआई ने दावा किया कि वानखेड़े इस मामले के कुछ पहलुओं के बारे में हमें जानकारी देने को तैयार नहीं हैं और यह भी आरोप लगाया कि उन्होंने ही शाहरुख खान के साथ अपनी निजी बातचीत को मीडिया में लीक कर दिया।

केंद्रीय एजेंसी ने यह भी मांग की कि वानखेड़े को अदालत द्वारा गिरफ्तारी के खिलाफ कोई राहत नहीं दी जाए क्योंकि वे सबूतो से छेड़छाड़ कर सकते हैं। इस पर वानखेड़े के वकील ने कहा कि उन्हें सीबीआई को जवाब देने के लिए 2 हफ्ते का वक्त चाहिए। सीबीआई ने कथित तौर पर साजिश रचने और रिश्वत से जुड़े अपराधों के अलावा जबरन वसूली के आरोप से जुड़ी एनसीबी की शिकायत पर वानखेड़े और चार अन्य के खिलाफ हाल में प्राथमिकी दर्ज की थी। हाईकोर्ट ने सभी दलीलों को सुनने के बाद समीर वानखेड़े को कठोर कार्रवाई से दिए गए अंतरिम संरक्षण की अवधि सोमवार को आठ जून तक बढ़ा दी।

समीर वानखेड़े को अगली सुनवाई तक राहत

मुंबई, 22 मई (एजेंसियां)। मुंबई एनसीबी के पूर्व जोनल निदेशक समीर वानखेड़े आर्यन खान ड्रग्स मामले में सीबीआई ने समीर के खिलाफ आपराधिक साजिश रचने और जबरन वसूली का मामला दर्ज किया है। इस मामले में शाहरुख खान के साथ समीर वानखेड़े की कथित चैट सामने आई है। वहीं आर्यन खान केस में मुंबई कोर्ट ने सीबीआई से 3 जून तक जवाब दाखिल करने को कहा है। इस मामले में अगली सुनवाई 8 जून हो होनी है।

अगले महीने होगी सुनवाई :

बता दें कि आर्यन खान केस में समीर वानखेड़े पर आरोप हैं। इस मामले में उनपर कोर्ट में सुनवाई चल रही है। क्रूज में ड्रग्स से जुड़े आर्यन खान केस में मुंबई कोर्ट ने सीबीआई से 3 जून तक जवाब दाखिल करने को कहा है। मामले की अगली सुनवाई 8 जून को है और कोर्ट ने समीर वानखेड़े को तब तक के लिए अंतरिम राहत दे दी है। वहीं हाल ही में समीर वानखेड़े ने खुद कहा था कि उनकी पत्नी को और उनको बीते चार दिन से धमकियां मिल रही हैं।

आरबीआई-एसबीआई के खिलाफ हाईकोर्ट पहुंची भाजपा

2,000 रुपये के नोट बिना फॉर्म, पहचान पत्र के बदले जाने का विरोध

नई दिल्ली, 22 मई (एजेंसियां)। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने हाल ही में दो हजार रुपये के नोट को चलन से वापस लेने का एलान किया है। अब यह मामला दिल्ली हाईकोर्ट पहुंच गया है। भाजपा नेता और वकील अश्विनी उपाध्याय ने एक जनहित याचिका दायर कर कहा है कि 2000 रुपये के नोट बिना किसी मांग पर्ची और पहचान प्रमाण के जमा कराने या अन्य छोटे मूल्य के नोट में नकद भुगतान किए जाने का आदेश मनमाना, तर्कहीन और भारत के संविधान के अनुच्छेद 14 का उल्लंघन है।

भ्रष्ट लोगों ने जमा कर रखे हैं रुपये

इसके अलावा, याचिका में कहा गया है कि बड़ी संख्या में नोट लोगों के लॉकर में पहुंच गए हैं। वहीं, शेष अलगाववादियों, आतंकवादियों, माओवादियों, मादक पदार्थ के तस्करों, खनन माफियाओं तथा भ्रष्ट लोगों ने जमा कर रखे हैं। काले धन पर रोक लगाने के लिए मांग की गई है।

संबंधित बैंक खातों में जमा कराए जाएं रुपये

याचिका में कहा गया है कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को निर्देश दिए जाएं कि 2000 रुपये के नोट संबंधित बैंक खातों में ही जमा कराए जाएं। इससे काले धन और आय से अधिक संपत्ति रखने वाले लोगों की आसानी से पहचान हो सकेगी। साथ ही भ्रष्टाचार, बेनामी लेनदेन को खत्म करने में मदद मिलेगी। इसमें कहा गया है कि अधिक मूल्य के नोट में नकद लेनदेन भ्रष्टाचार का मुख्य स्रोत है तथा इन नोटों का आतंकवाद, नक्सलवाद, अलगाववाद, कट्टरपंथ, जुआ, तस्करी, धन शोधन, अपहरण, वसूली, रिश्वतखोरी और दहेज आदि जैसे गैरकानूनी गतिविधियों में इस्तेमाल किया जाता है। याचिका के अनुसार, यह देखते हुए आरबीआई और एसबीआई को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि 2,000 रुपये के नोट केवल संबंधित बैंक खातों में ही जमा किए जाए।

प्रत्येक परिवार के पास है बैंक खाता

याचिका में कहा गया है कि हाल में केंद्र ने यह घोषणा की थी कि प्रत्येक परिवार के पास आधार कार्ड तथा बैंक खाता होना चाहिए। फिर क्यों आरबीआई बिना पहचान पत्र के 2,000 के नोट बदलने की अनुमति दे रहा है। यह बताना भी जरूरी है कि गरीबी रेखा से नीचे 80 करोड़ परिवारों को मुफ्त अनाज मिलता है। अश्विनी ने कहा कि हम आरबीआई तथा एसबीआई को यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाने का निर्देश देने का अनुरोध करते हैं कि 2,000 रुपये के नोट केवल बैंक खातों में ही जमा कराए जाएं।

बंगाल में पटाखों के गोदाम में विस्फोट मामले में 34 लोग गिरफ्तार

कोलकाता, 22 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले में पटाखों के एक अवैध गोदाम में हुए विस्फोट में तीन लोगों की मौत हो जाने के मामले में 34 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इन्हें सोमवार को कोलकाता की एक निचली अदालत में पेश किया जाएगा। 16 मई को पूर्वी मिदनापुर जिले के एगरा में एक अवैध पटाखा कारखाने में हुए विस्फोट के छह दिन बाद रविवार रात महेशतला इलाके में हुआ।

स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया है कि महेशतला में अवैध गोदाम एक निजी आवास के भूतल पर था और काफी समय से चल रहा था। उन्होंने यह भी दावा किया कि गोदाम के होने की जानकारी होने के बावजूद स्थानीय प्रशासन ने कोई कार्रवाई नहीं की। इस बीच, विस्फोट को लेकर एक राजनीतिक घमासान सामने आया है, विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने यूक्रेन के साथ पश्चिम बंगाल की मौजूदा स्थिति का वर्णन किया है।

अधिकारी ने एक ट्वीट में कहा, रूस ने 24 फरवरी, 2022 को यूक्रेन पर अपना आक्रमण शुरू किया। मुझे लगता है कि अगर कोई गणना करता है और अब तक यूक्रेन की धरती पर हुए विस्फोटों की संख्या की तुलना करता है, तो यह संख्या इस दौरान पश्चिम बंगाल में हुए विस्फोटों से कम होगी।

ममता बनर्जी से मिलने कोलकाता आएंगे अरविंद केजरीवाल

कोलकाता, 22 मई (एजेंसियां)। दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के नेता अरविंद केजरीवाल मंगलवार को कोलकाता आएंगे। कोलकाता में अरविंद केजरीवाल मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से मुलाकात करेंगे।

जानकारी के मुताबिक ममता से मुलकात का मकसद विपक्षी एकता और हाल ही में केंद्र सरकार द्वारा दिल्ली में लाए गए अध्यादेश को राज्यसभा में रोकना है। इसके लिए वह विपक्षी नेताओं के पास जाकर समर्थन जुटा रहे हैं। सूत्रों की मानें तो इस दौरान दोनों नेताओं के बीच विपक्षी दलों को एकजुट करने पर भी बातचीत होगी। उल्लेखनीय है कि पिछले कुछ महीनों से विभिन्न गैर-भाजपा नेता बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से मिल रहे हैं।

रोचक खबरें

महिला ने माथे पर गुदवाया पति का नाम

टैटू देखकर लोग बोले-इसे कहते हैं सच्चा प्यार!

सोशल मीडिया पर एक महिला का वीडियो वायरल हो रहा है, जिसने कथित तौर पर अपने पार्टनर का नाम माथे पर लिखवा लिया। जी हां, उसने माथे पर टैटू बनावाया, जिसका वीडियो इंस्टाग्राम पर इतना देखा गया कि मामला सुर्खियों का हिस्सा भी बन गया। अब एक बार फिर यह इंस्टाग्राम रील लोगों के बीच चर्चा में है। आप भी इस क्लिप को देखिए और बताइए कि ये टू लव है, या फिर टूरू लब?

जब टू लव होता है तो भैया... प्रेमी अपने पार्टनर का नाम हाथ पर क्या सीने पर भी गुदवा लेते हैं। कुछ लोग तो अपने बॉयफ्रेंड/गर्लफ्रेंड के पूरे नाम का टैटू बनवाते हैं, तो कुछ अपने और उसके नाम का पहला अक्षर ही गुदवाते हैं। लेकिन भैया... प्यार में कोई कितना आगे जा सकता है! इसकी कोई हद नहीं। सोशल मीडिया पर एक महिला का वीडियो वायरल हो रहा है, जिसने कथित तौर पर अपने पार्टनर का नाम माथे पर लिखवा लिया। जी हां, उसने माथे पर टैटू बनावाया, जिसका वीडियो इंस्टाग्राम पर इतना देखा गया कि मामला सुर्खियों का हिस्सा भी बन गया। अब एक बार फिर यह इंस्टाग्राम रील लोगों के बीच चर्चा में है। आप भी इस क्लिप को देखिए और बताइए कि ये टू लव है, या फिर टूरू लब?

इस वायरल क्लिप में हम देख सकते हैं कि एक महिला टैटू शॉप में बैठी है और माथे पर कुछ लिखवा रही है। दावा किया गया कि महिला अपने पार्टनर (हसबैंड) का नाम माथे पर गुदवा रही है। यह देखकर जहां कुछ लोग ने कहा कि यह बेवकूफी ही होगी, तो कुछ ने लिखा कि इसे कहते हैं टूरू लब। हालांकि, अधिकतर यूजर टैटू गुदवाने की प्रक्रिया को फेक बता रहे हैं। उनका कहना है कि लाइक्स और व्यूज के लिए ये सिर्फ दिखावा है। महिला ने असली में कोई नाम माथे पर नहीं गुदवाया।

400 साल पुरानी पेंटिंग में मॉडर्न जमाने के जूते !

लड़के के पैर देख चकराया दिमाग, समय यात्रा से है नाता?

टाइम ट्रैवल यानी समय यात्रा. एक ऐसा कंसेप्ट जिसके चर्चे फिल्मों से लेकर अन्य जगहों पर भी होते हैं मगर ये पूरी तरह से फिलहाल काल्पनिक है. समय यात्रा का अर्थ है, भविष्य या भूतकाल में यात्रा करना. ये पूरी तरह असंभव प्रक्रिया है पर इन दिनों एक पेंटिंग को देखकर ऐसा लग रहा है कि टाइम ट्रैवल भी हकीकत बन चुकी है. एक पेंटिंग में लड़का नजर आ रहा है जिसने आजकल के दौर के जूते पहने हुए हैं. हैरानी ये है कि ये पेंटिंग सैकड़ों साल पुरानी है.

रिपोर्ट्स के अनुसार 17वीं सदी में, यानी करीब 400 साल पहले, एक नीदरलैंड पेंटर फर्डिनैंड बोल ने 8 साल के बच्चे का पोर्ट्रेट बनाया था. इसमें बच्चा अपने हाथों में एक प्याला पकड़े हुए नजर आ रहा है. उसका पहनावा, उसी समय के हिसाब का है, पर जो सबसे हैरान करने वाली चीज है, वो ये कि बच्चे ने नाइक कंपनी के जूते पहने हुए हैं. आपको बता दें कि नाइकी कंपनी दुनिया की सबसे बड़ी स्पोर्ट्स से जुड़े सामानों को बनाने वाली कंपनी है जिसका गठन अमेरिका में साल 1964 के दौरान हुआ था.

400 साल पुरानी पेंटिंग में नाइक के जूते?

अब जब कंपनी करीब 60 साल पहले बनी है तो 400 साल पुरानी पेंटिंग में नाइकी का जूता कैसे नजर आ सकता है? जूते पर नाइकी का टिक यानी लोगो बना हुआ है. माना जाता है कि पेंटिंग में जो लड़का है उसका नाम फ्रेड्रिक स्लुएस्कन है और वो आर्टिस्ट की पत्नी का कजिन भाई लगता है. पेंटिंग लंदन गैलेरी में लगी थी जिसे देखने के लिए 57 साल की फियोना फॉस्केट नाम की महिला, अपनी 23 साल की बेटी हॉली के साथ गई थी. फियोना ने बड़े ही ध्यान से उस पेंटिंग को देखा, तब जाकर उसे पता चला कि बच्चे ने उसी निशान वाले जूते पहने हैं.

एक महिला ने तस्वीर में देखा जूता

महिला ने फिर या तो बच्चे का और या फिर आर्टिस्ट के टाइम ट्रैवलर होने का दावा किया. महिला ने कहा कि जैसे ही उनकी नजर पेंटिंग पर गई, उन्हें तुरंत लगा कि बच्चे ने नाइकी के जूते पहने हैं. नेशनल गैलेरी के प्रवक्ता ने कहा कि गैलेरी में आने वाली जनता के सामने ये फोटो काफी पॉपुलर हो रही है. उन्होंने सोशल मीडिया पर फोटो पोस्ट करते हुए लोगों से पूछा था कि क्या उन्हें फोटो में कोई मॉडर्न चीज नजर आ रही है!

डीएनए टेस्ट से तय हुआ गाय का मालिक : डेढ़ साल चला विवाद

एसपी-डीएसपी सब जुटे रहे

राजस्थान के चूरू जिले में गाय से जुड़ा हुआ अनोखा मामला सामने आया है. चूरू के सरदारशहर कस्बे में एक गाय (गाऊ) के मालिकाना हक को लेकर दो पशुपालकों में विवाद हो गया. करीब डेढ़ साल तक यह मामला पुलिस की फाइलों में घूमता रहा. अंततः गाय किसकी है इसका पता लगाने के लिए पुलिस ने गाय और उसकी मां का डीएनए टेस्ट कराया. दो दिन पहले इस डीएनए टेस्ट की रिपोर्ट आने के बाद इस केस का सुलटारा हो गया है. गाय को उसके असली मालिक को सौंप दिया गया है.

पुलिस के मुताबिक घटना सरदारशहर के रामनगर बास के वार्ड 1 की है. रामनगर के 70 वार्षिय पशुपालक दूलाराम डारा की गाय करीब 18 महीने पहले 8 दिसंबर 2021 को चोरी हो गई थी. इस बीच उसे किसी ग्रामीण ने फोन करके बताया कि उसके गाय मेरी दुकान के पास खड़ी है. इस पर दूलाराम जाकर गाय को ले आया. लेकिन मामला यहीं नहीं निपटा. दूलाराम गाय लेकर घर पहुंचा तो इसी इलाके का परतुराम और पांच-सात ग्रामीण उसके घर पहुंच गए. परतुराम ने दावा किया कि यह गाय उसकी है. परतुराम और उसके साथ आए ग्रामीण गाय को अपने साथ ले गए. इस पर दूलाराम ने 14 दिसंबर 2021 को सरदारशहर पुलिस थाने में इसकी रिपोर्ट दी. लेकिन वह दर्ज नहीं की हुई. उसके बाद दूलाराम अपनी शिकायत लेकर पुलिस अधीक्षक के समक्ष पेश हुआ और अपनी पीड़ा बताई. बाद में एसपी के निर्देश पर 21 दिसंबर 2021 में इसका केस दर्ज किया गया.

रील बनाने के लिए राष्ट्रीय पक्षी मोर के पंख उखाड़े

वन विभाग ने दर्ज किया केस, आरोपी की तलाश जारी

कटनी, 22 मई (एजेंसियां)। वीडियो रील बनाकर सोशल मीडिया पर पोस्ट करने के लिए एक युवक ने राष्ट्रीय पक्षी मोर के पंख उखाड़ दिए। उसके साथी ने वीडियो बनाया और सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया। वीडियो वायरल होने के बाद वन विभाग ने अज्ञात पर केस दर्ज किया है। आरोपी का पता नहीं चला है।

मामला मध्यप्रदेश के कटनी का है। वायरल वीडियो में मोर के साथ एक युवक और युवती बैठे नजर आ रहे हैं। एक अन्य युवक भी नजदीक ही ऊंचाई पर बैठा दिख रहा है। वीडियो में युवक मोर के पंख उखाड़ रहा है। वह हंसते हुए कैमरे के सामने देख रहा है।

रीठी क्षेत्र में दिखा आरोपी

वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि ये युवक जिले के रीठी क्षेत्र में दिखाई दिया है। इसलिए वहां तलाश शुरू की। वहीं वीडियो में जो बाइक दिख रही है, उसका मालिक परिवहन विभाग के रजिस्ट्रेशन नंबर के अनुसार डिंडौरी निवासी जयमनीषा बिहिलया है। विभाग वाहन मालिक से भी संपर्क करने की कोशिश कर रहा है। आरोपी युवक का पता लगाकर उसकी गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। वन विभाग के अलावा पुलिस भी इस मामले की जांच कर रही है।

दिल्ली हाईकोर्ट ने बीबीसी को जारी किया समन

नई दिल्ली, 22 मई (एजेंसियां)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने सोमवार को ब्रिटिश ब्रॉडकास्टिंग कंपनी (बीबीसी) को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर प्रतिबंधित डॉक्यूमेंट्री के खिलाफ मानहानि के मुकदमे में समन जारी किया। गुजरात स्थित गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ) जस्टिस ऑन ट्रायल द्वारा दायर याचिका में दावा किया गया है कि 'इंडियाः द मोदी क्वेश्चन' शीर्षक वाली डॉक्यूमेंट्री देश की प्रतिष्ठा और न्यायपालिका और प्रधानमंत्री की प्रतिष्ठा पर धब्बा लगाती है।

न्यायमूर्ति दत्ता ने मुकदमे में सम्मन जारी करते हुए मामले को सितंबर में अगली सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया। एनजीओ की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता हरीश साल्वे ने कहा कि डॉक्यूमेंट्री ने भारत और न्यायपालिका सहित पूरी व्यवस्था को बदनाम किया है। इससे पहले डॉक्यूमेंट्री से संबंधित एक अन्य मामले में, दिल्ली की एक अदालत ने बीजेपी नेता बिनय कुमार सिंह द्वारा दायर मानहानि के मुकदमे में बीबीसी, विकिमीडिया फाउंडेशन और यूएस-आधारित डिजिटल लाइब्रेरी इंटरनेट आर्काइव को समन जारी किया था।

जी 20 शिखर सम्मेलन प्रदेश के लिए गौरव की बात : एलजी सिन्हा

अमूल्य संस्कृति दिखाने का ऐतिहासिक अवसर

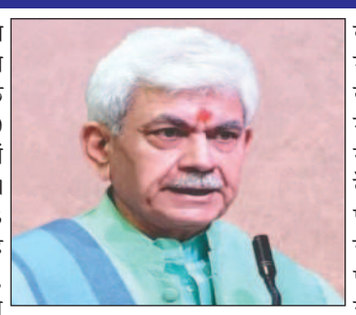

जम्मू, 22 मई (एजेंसियां)। उप राज्यपाल मनोज सिन्हा ने अवाम की आवाज कार्यक्रम में कहा कि श्रीनगर में होने वाले जी 20 शिखर सम्मेलन प्रदेश के लोगों के लिए गौरव की बात है। केंद्रशासित प्रदेश के 13 मिलियन लोगों के लिए यह आयोजन अमूल्य संस्कृति, विरासत, पर्यटन और गर्मजोशी से भरे आतिथ्य का प्रदर्शन करने का ऐतिहासिक अवसर है। सभी देशवासियों को आगे आकर इस यादगार आयोजन का हिस्सा बनना चाहिए।

जी 20 के सदस्य वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद के लगभग 85%, वैश्विक व्यापार के 75% से अधिक और विश्व की 60% से अधिक आबादी का प्रतिनिधित्व करते हैं। यह आयोजन वसुधैव कुटुंबकम के साझा दृष्टिकोण को बढ़ावा देने के साथ जम्मू के सामाजिक-आर्थिक विकास को गति देगा।

एलजी ने कहा कि जिला प्रशासन बांदीपोरा वुलर झील के किनारे स्थित अरगाम गांव को बदलने के मिशन पर है। अरगाम को स्थानीय समुदाय की सक्रिय भागीदारी के साथ जल्द ही देश के सबसे बड़े बुक विलेज में बदल दिया जाएगा। अनंतनाग के सगम गांव के किसान अपनी सुगंध के लिए प्रसिद्ध विरासती फसल मुश्कबुदजी को पुनर्जीवित कर रहे हैं। उन्होंने कठुआ की नीलम रानी के उद्यमशीलता की सराहना की। कहा कि नीलम ने स्थानीय महिलाओं को सशक्त बनाने के साथ बसोहली के पश्मीना शॉल के बाजार को व्यापक स्तर पर पहुंचाया है। अनंतनाग के गौहर जबीना ने कश्मीर डिवीजन में पहली कीवी नर्सरी 'ग्रीन पॉश नर्सरी यूनिट' की स्थापना की है। उनकी उपलब्धियां स्थानीय लोगों और नवोदित उद्यमियों को प्रेरित कर रही हैं। उधमपुर के रोहित सलारिया बेरोजगारों को उद्यमी बनने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। सोहन सिंह बलोरिया नवोदित कलाकारों को प्रशिक्षित कर रहे हैं।

कुलगाम के डॉ रिजवान रूमी और पुलवामा के एहसान कुद्दुसी ने बागवानी क्षेत्र में युवाओं को जोड़ रहे हैं। श्रीनगर की साइमा मुश्ताक और जम्मू की संचिता प्रधान ने प्रदेश की प्रसिद्ध लोक कलाओं और शिल्प को बढ़ावा देने के लिए साझा कदम उठाए हैं। डोडा की हुमेराह बलवान, सांबा की रिधम गुप्ता और जम्मू की अपूर्वा मिश्रा ने बालिकाओं के सशक्तिकरण पर सुझाव साझा किए हैं। अनंतनाग के मुश्ताक अहमद शेख और जम्मू के डॉ कुमार सौरभ ने जल संरक्षण और झील के कायाकल्प के लिए युवाओं की सक्रिय भागीदारी का सुझाव दिया है।

लुधियाना में ट्रिपल मर्डर

एएसआई की पत्नी-बेटे समेत हत्या दरवाजा लॉक कर भागे हत्यारे

मायके जाने से बची गर्भवती बहू, बंगाला गैंग पर शक

लुधियाना, 22 मई (एजेंसियां)। लुधियाना के गांव नूरपुर बेट में रिटायर्ड सहायक सब इंस्पेक्टर (एएसआई) कुलदीप सिंह, उसकी पत्नी व बेटे की हत्या कर दी गई। रविवार देर रात कोठी से ही तीनों के शव मिले। शुरूआती जांच में पता चला कि सब्बल जैसे लोहे के भारी हथियार से वार कर उनका कत्ल किया गया है। हमलावरों ने सिर और चेहरे पर वार किए हैं। ज्यादातर वार उनके चेहरों पर किए गए हैं।

यह भी आशंका है कि हत्या के वक्त तीनों सो रहे थे। मृतकों के शरीर पर खून सूख चुका था। आशंका जताई जा रही है कि उनके कत्ल को 24 घंटे का वक्त हो चुका था। उनका शरीर डी-कंपोज होना शुरू हो गया था।

हमलावरों ने घर से रिवाल्वर, बाइक, सोना और नकदी भी लूटी है। इस वारदात के पीछे कुख्यात बंगाला गैंग का हाथ होने की आशंका जताई जा रही है। फिलहाल पुलिस लूट और निजी रंजिश के एंगल से घटना की जांच कर रही है।

रिश्तेदारों के मुताबिक गुरविंदर की पत्नी गर्भवती है। पाली अभी दो दिन पहले ही पत्नी को ससुराल पायल गांव के पास छोड़ कर आया था। अगर वह भी यहां होती तो उसकी भी हत्या हो सकती थी लेकिन उसके मायके जाने की वजह से जान बच गई।

चुनाव से पहले हरक और हरीश खुलकर मैदान में

देहरादून, 22 मई (एजेंसियां)। हरिद्वार लोकसभा क्षेत्र में कांग्रेस के दो दिग्गज नेता हरीश रावत और पूर्व कैबिनेट मंत्री हरक सिंह रावत दावेदारी के लिए खुलकर मैदान में है। पिछले कुछ समय से दोनों दिग्गजों की चुनाव क्षेत्र में बढ़ी सक्रियता को टिकट की दावेदारी के तौर पर देखा जा रहा है। मजेदार बात यह है कि बयानों के जरिये दोनों दिग्गज एक-दूसरे की काट करने से भी नहीं चूक रहे हैं।

सक्रिय हो गए हरीश रावत

पिछले दिनों हरीश रावत हरिद्वार पहुंचे तो वहां गन्ना किसानों के मुद्दे पर धरने पर बैठ गए। सिर्फ इतना नहीं सड़क किनारे खुले में नहाने का उनका वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ। उनके इस प्रदर्शन से जिला प्रशासन भी दबाव में दिखा। पूर्व सीएम रावत हरिद्वार से सांसद रह चुके हैं।

पिछले चुनाव में पार्टी ने उन्हें हरिद्वार के बजाय नैनीताल लोस सीट से उतारा था। लेकिन हरिद्वार लोस क्षेत्र से हरीश का मोह छूटा नहीं है। उनकी बेटी अनुपमा रावत हरिद्वार ग्रामीण से विधायक हैं। अपने समर्थकों और बेटी के समर्थन के बहाने हरीश रावत जब चाहते हैं, हरिद्वार के सरोकारों के लिए मैदान में उतर जाते हैं।

हरक ने बढ़ाई सक्रियता

हरीश भले ही मैदान में उतरने में बहुत सहज हों लेकिन विस चुनाव के दौरान भाजपा से कांग्रेस में लौटे पूर्व कैबिनेट मंत्री हरक सिंह रावत की वजह से इस समय वह कुछ असहज हैं। सियासी जानकारों का मानना है कि हरक सिंह रावत की हरिद्वार में बढ़ी सक्रियता बता रही है कि वे लोस चुनाव में ताल ठोकने को बेताब हैं। उन्होंने अपनी दावेदारी की संभावना से इंकार भी नहीं किया है। हालांकि, हरीश खेमे का तर्क है कि हरक इस शर्त पर ही कांग्रेस में लौटे हैं कि वह चुनाव नहीं लड़ेंगे। इस बीच दोनों दिग्गजों की दावेदारी के बीच प्रदेश कांग्रेस असहज है। पार्टी नेताओं का मानना है कि टिकट की दावेदारी से पहले सांगठनिक मजबूती का सवाल है, जिसके दम पर चुनाव लड़ा जाना है। कांग्रेस में प्रत्याशियों के चयन की एक प्रक्रिया होती है। हाईकमान के स्तर से पेनलिस्ट भेजे जाते हैं, जो ब्लॉक स्तर तक कार्यकर्ताओं की राय जानते हैं। इसके अलावा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के स्तर से भी तीन-तीन नामों के पैनल भेजे जाते हैं। अंतिम निर्णय पार्टी हाईकमान के स्तर से ही लिया जाता है। उत्तराखंड में पीसीसी ने आम चुनाओं के लिए अपने स्तर पर तैयारी शुरू कर दी है। संभावित उम्मीदवारों के नाम भी सामने आने लगे हैं, लेकिन अभी इसका खुलासा नहीं किया जा सकता।

समलैंगिक अधिकार कार्यकर्ताओं को सता रहा केंद्र के अध्यादेश का डर

कोलकाता, 22 मई (एजेंसियां)। समलैंगिक विवाह के मुद्दे पर सर्वोच्च न्यायालय से अनुकूल फैसले की उम्मीद करते हुए समलैंगिक अधिकार कार्यकर्ताओं को न्यायालय के आदेश के खिलाफ केंद्र सरकार द्वारा अध्यादेश लाने का डर सता रहा है।

ऑल इंडिया प्रोफेशनल कांग्रेस (एआईपीसी) के पश्चिम बंगाल चैप्टर द्वारा रविवार को आयोजित 'मैरिज इक्वेलिटीः लीगलाइजिंग सेम-सेक्स मैरिज' पर एक इंटरैक्टिव पैनल डिस्कशन में प्रतिभागियों ने यह आशंका व्यक्त की। उनके अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी में नौकरशाहों पर नियंत्रण दिल्ली सरकार को सौंपने के शीर्ष अदालत के आदेश को नकारने के लिए केंद्र सरकार द्वारा लाए गए अध्यादेश के बाद इसकी आशंका पैदा हुई। कार्यकर्ताओं को लगता है, समलैंगिक जोड़ों के लिए विवाह के लिए प्रमाण पत्र का अधिकार प्राप्त करने के अंतिम लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए क्वीर-अनुकूल राजनीतिक दलों को शामिल करने से एक और लंबी लड़ाई शुरू होगी।

पश्चिम बंगाल में एआईपीसी के लिंग और विविधता समूह के राज्य-समन्वयक किंगशुक बनर्जी के अनुसार, शीर्ष अदालत से संभावित अनुकूल फैसले को नकारने के अध्यादेश की स्थिति में, संघर्ष की नई यात्रा बड़े आंदोलन को विकसित करने में होगी, इसमें समान विचारधारा वाले राजनेता, बुद्धिजीवी, शिक्षाविद, सामाजिक अधिकार समूह और आम लोग शामिल होंगे। उन्होंने कहा, क्वीर समुदाय के लोग देश में मतदाताओं का एक बड़ा हिस्सा हैं और हमें सरकार को यह महसूस कराना होगा।

पैनल चर्चा में भाग लेने वाले समलिंगी युगल, सुचन्द्र दास और श्री मुखर्जी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट में इस मामले की सुनवाई के दौरान, जबकि क्वीयर लोगों को बड़े नागरिक समाज से समर्थन प्राप्त हुआ, एक प्रयास बनाने का प्रयास प्रति-कथा ने भी समान-लिंग विवाह को शहरी-अभिजात्य संबंध के रूप में वर्णित करना शुरू कर दिया है। डिजिटल मार्केटिंग पेशेवर मुखर्जी ने कहा, लेकिन वास्तविकता यह है कि शहरी-अभिजात्य समान-सेक्स युगल वित्तीय बैकअप के आधार पर शादी के प्रमाण पत्र के बिना एक साथ रहना जारी रख सकते हैं, वही शहरी गरीबों के लिए संभव नहीं है।

उचित विवाह प्रमाण पत्र के बिना, कोई वास्तव में अपना नहीं बना सकता है। एक अन्य पैनलिस्ट पवन ढल, शहर में एलजीबीटीक्यू अधिकारों के आंदोलन के अग्रणी और वार्ता ट्रस्ट के संस्थापक ट्रस्टी, जो क्वीयर समुदाय के लोगों के लिए एक अखिल भारतीय समर्थन सेवा प्रदाता चलाते हैं, उन्होंने कहा, शादी करने या न करने का फैसला उस व्यक्ति पर छोड़ देना चाहिए। लेकिन उस प्रमाण पत्र का अधिकार हमेशा प्रबल होना चाहिए।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

मंगलवार, 23 मई, 2023 3

सुविचार

लोगो की बुराई करने में अपना समय व्यर्थ ना करे, बल्कि खुद के लिए बेहतर विकल्प सोचने में अपना समय खर्च करे।

महिलाओं और बाल सुरक्षा पर जागरूकता पैदा करेगी पुलिस : स्टीफन रवींद्र

सीपी ने सीडीईडब्ल्यू केंद्र का उद्घाटन किया

हैदराबाद, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद सीपी स्टीफन रवींद्र ने आज साइबराबाद पुलिस आयुक्तालय के तहत अलवाल, पेट बशीराबाद और जीडीमेटला पुलिस स्टेशनों में नव स्थापित सीडीईडब्ल्यू (सेंटर फॉर डेवलपमेंट एंड एम्पावरमेंट ऑफ वूमेन) परामर्श केंद्रों का उद्घाटन किया। इस अवसर पर सीपी ने कहा कि तेलंगाना पुलिस विभाग, डीजीपी अंजनी कुमार के निर्देशन में, सीएम केसीआर के आदेशानुसार महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा को उच्च प्राथमिकता दे रहा है। पारिवारिक समस्याओं को हल करने के लिए "सेफ सिटी प्रोजेक्ट" के तहत साइबराबाद पुलिस आयुक्तालय के तहत विभिन्न पुलिस स्टेशनों में विशेष रूप से सीडीईडब्ल्यू केंद्र स्थापित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि सीडीईडब्ल्यू केंद्र ऐसे कई लोगों की मदद करते हैं जो पारिवारिक विवादों के कारण अलग हो जाते हैं और उनकी समस्याओं को सौहार्दपूर्ण तरीके से सुलझाया जाता है। उन्होंने कहा कि इन सीडीईडब्ल्यू केंद्रों के माध्यम से महिला एवं बाल सुरक्षा के मामलों का तेजी से समाधान संभव होगा। उन्होंने कहा कि हर किसी के जीवन में कई उतार-चढ़ाव आते हैं, ये केंद्र उन्हें समझने और बंधनों को बनाए रखने में मदद करते हैं। पारिवारिक झगड़ों के चलते थाने आने वालों के लिए काउंसलिंग सत्र आयोजित किया जाएगा ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे अलग न हों। प्रत्येक सीडीईडब्ल्यू केंद्र में दो अनुभवी पार्षद नियुक्त किए गए हैं। उन्होंने कहा कि वे न सिर्फ काउंसिलिंग करते हैं बल्कि समय-समय पर फॉलोअप भी करते हैं। इसके एक भाग के रूप में, महिलाओं के मुद्दों और बाल सुरक्षा पर जागरूकता पैदा करने के लिए एक एवी ऑडियो विजुअल वाहन लॉन्च किया गया है। जल्द ही मोइनाबाद, राजेंद्रनगर, शमशाबाद और अर्सीपुरम थानों में भी सीडीईडब्ल्यू केंद्र स्थापित किए जाएंगे। साथ ही बालानगर जोन के जीडीमेटला पुलिस स्टेशन में बालानगर डीसीपी टी श्रीनिवास राव, आईपीएस स्टाफ सहित सीडीईडब्ल्यू सेंटर का उद्घाटन किया। सीपी साथ महिला और बाल सुरक्षा विंग डीसीपी नितिका पंत, मेडचल ट्रैफिक डीसीपी डीवी श्रीनिवास राव, पेट बशीराबाद एसीपी रामलिंगाराजू, मेडचल लॉ एंड ऑर्डर एसीपी वेंकट रेड्डी, मेडचल ट्रैफिक एसीपी वेंकट रेड्डी, अलवाल इंस्पेक्टर गंगाधर, पेट बशीराबाद इंस्पेक्टर प्रशांत, शमीरपेट इंस्पेक्टर सुधीर, इंस्पेक्टर राजशेखर रेड्डी, पेट बशीराबाद डीआई लक्ष्मीनारायण रेड्डी, शी टीम इंस्पेक्टर, शी टीम इंचार्ज इंस्पेक्टर वेणु माधव रेड्डी, सीसीएस इंस्पेक्टर शंकरैया, शी टीम के लॉ एंड ऑर्डर स्टाफ आदि साथ रहे।

एफपीएस डीलरों ने अपनी प्रस्तावित हड़ताल वापस ली

हैदराबाद, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। नागरिक आपूर्ति मंत्री गंगुला कमलाकर द्वारा डीलरों को दिए गए आश्वासन के बाद उचित मूल्य दुकान के डीलरों ने अपनी प्रस्तावित हड़ताल को वापस लेने का फैसला किया है।

जैसा कि एफपीएस डीलरों ने घोषणा की कि वे अपनी मांगों के समर्थन में 5 जून से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाएंगे, नागरिक आपूर्ति मंत्री गंगुला कमलाकर ने तेलंगाना एफपीएस डीलर्स ज्वाइंट एक्शन कमेटी के प्रतिनिधियों के साथ डॉ. बी.आर. अंबेडकर सचिवालय ने सोमवार को यहां डीलरों की 22 मांगों पर विस्तार से चर्चा की। बैठक के दौरान, मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार 22 में से 20 मांगों को हल करने के लिए प्रतिबद्ध है और वह एक सप्ताह के भीतर इस संबंध में शासनादेश जारी करने के लिए तैयार है।

उन्होंने कहा कि डीलरों के लिए मानदेय बढ़ाने और उनके कमीशन में वृद्धि की प्रस्तावित मांग को मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के संज्ञान में लिया जाएगा और कहा कि वह उनकी मांगों को हल करने का प्रयास करेंगे।

जीएचएमसी महापौर ने नाला कार्यों की समीक्षा की

हैदराबाद, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी महापौर विजयलक्ष्मी प्रतिदिन महापौर के कार्यालय में आने वाली शिकायतों पर जोनल कमिश्नर/सीई एसएनडीपी के साथ एक गूगल मीट आयोजित करेंगी। महापौर गदवाल विजयलक्ष्मी ने मानसून सीजन में एसएनडीपी के तहत नहरी कार्यों को तेजी से पूरा करने के निर्देश अंचल आयुक्तों को दिये हैं। जोनल कमिश्नर, एसई सिकंदराबाद ने कहा है कि अगले बरसात के मौसम से पहले अधूरे नाला कार्यों को जल्दी पूरा करने के लिए कदम उठाए जाएं। सोमवार को महापौर गदवाल विजयलक्ष्मी ने गूगल मीट के जरिए अंचल आयुक्तों के साथ नाला कार्यों की समीक्षा की। नल्लाकुंटा पद्मा कॉलोनी में मूसी नाला की रिटेनिंग वॉल गिरने के बाद वहां का काम दस दिनों के भीतर पूरा करने का आदेश दिया गया था।

ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए कार्रवाई की जानी चाहिए। नाला पद्मा कॉलोनी, सब्जी मंडी, पुराना राम मंदिर, फीवर अस्पताल से होकर बहता है और नागमैया कुंटा से पद्मा कॉलोनी में बनी रिटेनिंग वॉल हर साल बाढ़ से क्षतिग्रस्त हो जाती है। मेयर ने अधिकारियों को इस क्षतिग्रस्त दीवार को डी-सिल्टिंग के बाद फिर से बनाने का निर्देश दिया। बेमौसम बारिश से लोगों को किसी तरह की परेशानी न हो, इसके लिए उचित उपाय किए जाएं। उन्होंने कहा कि प्रतिदिन अधिकारियों के साथ नाला के कार्यों की समीक्षा की जाए और तय समय से पहले पूरा किया जाए। इस मौके पर संबंधित जोनल कमिश्नर ने नल्लाकुंटा पद्मा कॉलोनी में चल रहे नहर कार्यों के बारे में मेयर को जानकारी दी. इनमें से पहला पद्मा कॉलोनी गुरुदत्त स्कूल में 190 मीटर लंबा है, जिसमें से 71 मीटर का काम पूरा हो चुका है और 119 मीटर का काम चल रहा है। दूसरा हेरिटेज से कुष्ठ अस्पताल तक 690 मीटर चौड़ी नहर का 370 मीटर का काम पूरा हो चुका है और 320 मीटर का काम चल रहा है।

पद्मा कॉलोनी में हाल ही में हुई बारिश के कारण सीआरएस की 10 मीटर की दीवार गिर गई, जिसकी तत्काल मरम्मत की जरूरत है। पद्मा कॉलोनी समोसा पार्क में गाद निकालने के लिए 10 मीटर सीआरएस दीवार को हटाना। उन्होंने कहा कि इन कार्यों को डी-सिल्टिंग के बाद बहाल किया जाएगा। महापौर ने कहा कि अब से एसएनडीपी के कार्यों और शिकायतों पर प्रतिदिन गूगल मीट और सम्मेलन आयोजित किया जाएगा।

प्रशिक्षु आईएएस अधिकारियों के दल ने जीएचएमसी का दौरा किया

हैदराबाद, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी आयुक्त डी.एस. लोकेश कुमार ने सोमवार को पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से तेलंगाना राज्य को आवंटित 2021 बैच के आईएएस अधिकारियों के प्रशिक्षण के लिए जीएचएमसी में लागू की जा रही विभिन्न योजनाओं के बारे में बताया। वर्ष 2021 बैच के आईएएस अधिकारी विभिन्न जिलों में प्रशिक्षु सहायक कलेक्टर के रूप में कार्यरत हैं और डॉ. मरीं चेन्ना रेड्डी मानव संसाधन विकास संगठन के तहत प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। वे 22 और 23 मई को दो दिनों के लिए जीएचएमसी में लागू की जा रही योजनाओं का अध्ययन करने आए हैं। कार्यालय कमांड कंट्रोल मीटिंग हॉल में पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से स्वच्छता, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, यूबीडी, हरितहरम, सामुदायिक विकास, आईटी, राजस्व, कर, खेल, एसआरडीपी, सीआरएमपी, टाउन प्लानिंग , टीडीआर, प्रवर्तन, डीआरएफ कार्यान्वयन मोड संबंधित एचओडी द्वारा समझाया गया। आयुक्त लोकेश कुमार ने इस अवसर पर सहायक कलेक्टरों द्वारा उठाई गई कई शंकाओं का समाधान किया। प्रशिक्षु आईएएस अधिकारी राधिका गुप्ता, पी. श्रीजा, फैजान अहमद, पी. गौतमी, परमार पिंकेश कुमार, ललित कुमार, लेनिन वत्सल टोप्पो और शिवेंद्र प्रताप ने भाग लिया। इस दौरान ईवीडीएम के निदेशक प्रकाश रेड्डी, प्रियंका आला, चीफ इंजीनियर मोहम्मद जियाउद्दीन, अतिरिक्त आयुक्त वी. कृष्णा, सरोजा, विजयलक्ष्मी, जयराज कैनेडी, सीसीपी देवेंद्र रेड्डी, सीई देवानंद, जोनल कमिश्नर पंकजा, हाउसिंग ओएसडी सुरेश कुमार, एस सी विद्यासागर, यूसीडी परियोजना निदेशक सौजन्या, जेसी मंगथयारू, संध्या आदि उपस्थित रहे।

अधिकारियों को रात्रिकालीन निरीक्षण नियमित रूप से करने के निर्देश

दमरे के महाप्रबंधक ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की

हैदराबाद, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने रेल निलयम, सिकंदराबाद में प्रमुख विभागों के प्रमुखों के साथ पूरे जोन में ट्रेन संचालन की सुरक्षा पर समीक्षा बैठक की। सभी छह मंडलों अर्थात विजयवाड़ा, गुंटकल, गुंटूर, सिकंदराबाद, हैदराबाद और नांदेड़ मंडलों के मंडल रेल प्रबंधकों (डीआरएम) ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से भाग लिया। श्री जैन ने जोन में ट्रेन संचालन की सुरक्षा पर विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने दोहराया कि सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए और शॉर्टकट तरीकों से बचने के लिए देखभाल की जानी चाहिए जो ट्रेन की आवाजाही में असुरक्षित स्थिति पैदा करते हैं। उन्होंने रात्रि निरीक्षण पर बल देते हुए अधिकारियों को सभी प्रखंडों में रात्रिकालीन निरीक्षण नियमित रूप से करने के निर्देश दिये।

उन्होंने विशेष रूप से निरीक्षण के बाद माल शेड और साइडिंग में सुरक्षा आवश्यकताओं के अनुपालन की निगरानी के लिए एक प्रणाली बनाने की सलाह दी। उन्होंने गुड्स शेड के प्रबंधन और क्षमता वृद्धि के बारे में भी विस्तार से समीक्षा की। महाप्रबंधक ने अधिकारियों को निजी साइडिंग पर पटरियों के रखरखाव को सुनिश्चित करने और हर समय कार्यस्थल सुरक्षा आवश्यकताओं का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए निजी ठेकेदारों के पर्यवेक्षकों को उचित प्रशिक्षण प्रदान करने की सलाह दी। श्री जैन ने सुरक्षा श्रेणी के कर्मचारियों के लिए पुनश्चर्या पाठ्यक्रमों की स्थिति और दिए जा रहे प्रशिक्षण की गुणवत्ता की भी समीक्षा की।

हैदराबाद में गरज के साथ वर्षा होने से गिरा तापमान

हैदराबाद, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेज हवाओं (30 से 40 किमी प्रति घंटे) के साथ गरज के साथ छींटे पड़ने से बढ़ते तापमान से बहुत जरूरी राहत मिली है। भीषण तूफान ने सोमवार सुबह अधिकतम तापमान को भी नीचे ला दिया, जो पिछले कुछ दिनों से लगातार 40 डिग्री सेल्सियस को छू रहा था। सोमवार को तड़के 3 से 6 बजे के बीच गरज के साथ बौछारें विशेष रूप से गंभीर थीं, क्योंकि हैदराबाद के लगभग सभी क्षेत्रों में बारिश दर्ज की गई थी। ईसीआईएल, अलवाल, सैनिकपुरी, तरनाका, मुशीराबाद, विद्यानगर, एलबी नगर और सरूरनगर सहित सिकंदराबाद के बेगमपेट, पंजागुट्टा भागों में गरज और बारिश के साथ तेज़ हवाएँ चलने की सूचना है। शुरुआती घंटों में शुरू हुई गरज के साथ झमाझम बारिश का सिलसिला शुरू हो गया, जो सोमवार सुबह 6.30 बजे तक जारी रहा।

आईएमडी-हैदराबाद पूर्वानुमान के आधार पर, हैदराबाद और आदिलाबाद, कोमाराम भीम आसिफाबाद, मनचेरियल, निर्मल, जयशंकर भूपालपल्ली, मुलुगु, भद्राद्री कोत्तागुडेम, खम्मम, नलगोंडा, सूर्यापेट, महबूबाबाद, यदाद्री भुवनगिरी, रंगारेड्डी, मेडचल मल्काजगिरी, महबूबनगर, नागरकुर्नूल, वानापार्थी, नारायणपेट और जोगुलम्बा गडवाल अगले 48 घंटों के लिए इस प्रकार की स्थिति बनी रहेगी।

ग्रेटर हैदराबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन (जीएचएमसी) की आपदा प्रतिक्रिया बल (डीआरएफ) की टीमों ने सोमवार तड़के बारिश के बाद शहर के विभिन्न हिस्सों में बारिश से संबंधित कई शिकायतों पर ध्यान दिया।

कुछ क्षेत्रों में जहां डीआरएफ टीमों को तैनात किया गया था उनमें बेगम बाजार, कोटी, चंद्रायनगुट्टा और कोंडापुर शामिल हैं। ट्रैफिक पुलिस के कर्मियों के साथ डीआरएफ राहत टीमों ने जवाब दिया और पानी के ठहराव, यातायात को बाधित करने वाले पेड़ और पेड़ की शाखाओं से संबंधित शिकायतों का समाधान किया। टीमों ने निचले इलाकों से पानी निकाला और बारिश प्रभावित इलाकों में सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए राहत कार्य शुरू किया।

खेलों का शारीरिक और मानसिक विकास में अहम योगदान : सुधीर रेड्डी

सरूर नगर इंडोर स्टेडियम में सीएम कप का आज से हुआ आगाज

हैदराबाद, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। एलबी नगर के विधायक सुधीर रेड्डी ने रंगारेड्डी के जिला कलेक्टर एस हरीश के साथ 22 मई से 24 मई तक 3 दिनों के लिए रंगारेड्डी जिले के सरूर नगर इंडोर स्टेडियम में औपचारिक रूप से खेलों की शुरुआत की। इस अवसर पर बोलते हुए विधायक सुधीर रेड्डी ने कहा कि सरकार के युवा खेल विभाग के तत्वावधान में सीएम कप खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है ताकि युवाओं में मानसिक उत्साह लाने वाले खेलों के प्रति रुचि बढ़ाई जा सके। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने और उन्हें अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए मुख्यमंत्री कप-2023 खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन मंडल, जिला एवं राज्य स्तर पर किया जा रहा है। विधायक ने युवाओं से खेलों में आगे बढ़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सभी को खेलों को अपनी आदत बना लेनी चाहिए क्योंकि यह स्वास्थ्य और मानसिक खुशी में योगदान देता है। उन्होंने कहा कि खेलों में जीत स्वाभाविक है और हारने वालों को निराश नहीं होना चाहिए और विजेताओं से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ना चाहिए। सीएम कप खेल प्रतियोगिताएं खिलाड़ियों के लिए अपनी प्रतिभा दिखाने का एक बड़ा अवसर है और उन्हें इसका लाभ उठाना चाहिए। इस अवसर पर बोलते हुए जिला परिषद अध्यक्ष अनीता हरनाथ रेड्डी ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री कप-2023 खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन मंडल, जिला एवं राज्य स्तर पर किया जा रहा है, ताकि वे अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकें। मुख्यमंत्री केसीआर की दृष्टि हमेशा ग्रामीण लोगों के विकास पर केंद्रित है। इसी दिशा में ग्रामीण क्षेत्र के खिलाड़ियों के लिए प्रत्येक ग्राम पंचायत तथा शहरी क्षेत्र के सभी वार्डों में खेल मैदान बनाए गए हैं। उन्होंने ग्रामीण छात्रों और युवाओं से इनका लाभ उठाकर खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने का आह्वान किया। मालावत पूर्णा के साथ ही निखत ज़रीन, येंदला सौंदर्या, गुगुलोत सौम्या, हुसामुद्दीन, ईशासिंह जैसे कई खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं और उनसे प्रेरणा लेने का आह्वान किया है। एमएलसी दयानंद आरडीओ सूरज, जिला युवा एवं खेल अधिकारी ई. वेंकटेश्वर राव सहित संबंधित अधिकारी व अन्य ने भाग लिया।

सीपी ने नए थाने भवन का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। रचाकोंडा सीपी डीएस चौहान ने सोमवार को राचकोंडा कमिश्नरेट के तहत चेर्लापल्ली में बनने वाले नए थाने के भवन का निरीक्षण किया। राचकोंडा आयुक्त ने कहा कि चर्लापल्ली क्षेत्र की बढ़ती आबादी के अनुरूप कानून व्यवस्था के रखरखाव के तहत स्वीकृत नया पुलिस थाना जनता के मुद्दों को त्वरित न्याय प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि तेलंगाना राज्य के स्थापना दिवस के मौके पर जल्द ही इस नए थाने का उद्घाटन समारोह आयोजित किया जाएगा। इस दौरान आयुक्त के साथ डीसीपी मल्काजीगिरी जानकी, कुशाईगुड़ा एसीपी और अन्य अधिकारी भी थे।

लॉयन क्लब ऑफ हैदराबाद ईस्ट ने दान दी ह्विल चेयर

हैदराबाद, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। लॉयन क्लब ऑफ हैदराबाद ईस्ट द्वारा गवर्नमेंट हास्पिटल किंग कोठी अस्पताल को चार ह्विल चेयर भेंट स्वरूप दिये गये। इसके लिए लॉयन एम. सीतराव ने विशेष सहयोग प्रदान किया। इस अवसर पर सरकारी हास्पिटल में सुप्रिटेंडेंट डॉ. राजेन्द्रनाथ ने कहा इस तरह की सहायता हमेशा अस्पताल के लिए काम आती है। इस अवसर पर डॉ. मनोज रेड्डी, पार्षद डॉ. सुरेखा व श्रीमती अमृता, लॉयन विभा भारती (भूतपूर्व अध्यक्ष लॉयन्स क्लब ऑफ हैदराबाद ईस्ट), लॉयन श्रीमती डॉ.एम. विजयलक्ष्मी डिस्ट्रिक्ट चेयरमैन ऑफ वुमेन मेम्बरशिप एवं लॉयन श्रुतिकांत भारती, प्रोग्राम चेयरमैन व लॉयन क्लब द्वारा संचलित ब्लड बैंक को-चेयरमैन उपस्थित होकर सहयोग प्रदान किया।

भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री के साथ दस गिरफ्तार

कोत्तागुडेम, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस ने सोमवार को जिले के डुम्मुगुडेम मंडल के मुलाकनपल्ली वन क्षेत्र में माओवादियों के पास से भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री बरामद की है। पुलिस ने भाकपा (माओवादी)पार्टी के पांच कुरियर और मिलिशिया के पांच सदस्यों को भी गिरफ्तार किया जब वे एक पिकअप ट्रक में सामग्री को वन क्षेत्र में ले जा रहे थे और उन्हें एक ट्रैक्टर ट्रॉली में लोड कर रहे थे। उन्हें दुमुगुडेम पुलिस,सीआरपीएफ141 बटा कर्मियों और विशेष पार्टी पुलिस द्वारा एक संयुक्त तलाशी अभियान के दौरान गिरफ्तार किया गया।

यहां मीडिया से बात करते हुए पुलिस अधीक्षक डॉ. विनीत जी ने बताया कि पुलिस ने गिरफ्तार कोरियर और मिलिशिया सदस्यों के पास से 500 डेटोनेटर, 600 गारे की छड़ें, कॉर्डेक्स वायर के 90 बंडल, दो मोटरसाइकिल, एक ट्रैक्टर और एक पिकअप ट्रक जब्त किया है। माओवादी शीर्ष नेतृत्व के निर्देश पर गिरफ्तार किए गए लोगों ने पुलिस पर हमला करने के लिए बारूदी सुरंगें, आईईडी और रॉकेट लॉन्चर बनाने के लिए सामग्री का इस्तेमाल किया। एसपी ने कहा कि माओवादी कूरियर को विस्फोटक सामग्री की आपूर्ति करने वाली कंपनियों और व्यक्तियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। डॉ. विनीत ने कहा कि माओवादी नेता एजेंसी गांवों में निर्दोष आदिवासियों, ठेकेदारों और किसानों को पुलिस को मारने के लिए महंगी विस्फोटक सामग्री खरीदने और विकास कार्यों में लगे निर्माण उपकरणों को नुकसान पहुंचाने के लिए धमका रहे थे।

जो लोग विस्फोटक का कारोबार कर रहे हैं, उन्हें प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से माओवादियों को विस्फोटक सामग्री की आपूर्ति नहीं करनी चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर कोई सामग्री सप्लाई करता पाया गया तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। गिरफ्तार कोरियर की पहचान वारंगल जिले के जन्नू कोटि, अरेपल्ली श्रीकांत, मेकाला राजू, चिलुवेरु रमेश और तल्लापल्ली आरोग्यम के रूप में हुई है। मुशिकी रमेश, मुशिकी सुरेश, बड़ीसा लालू, सोदी महेश और मादीवी चेतु मिलिशिया सदस्य थे।

तेलंगाना जैन समाज के प्रमुख लोगों ने मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव से डॉ. बीआर अंबेडकर, सचिवालय हैदराबाद में मुलाकात की। जैन समाज की अल्पसंख्यक आयोग में स्थान देने, उप्पल में 2 एकड़ भूमि जैन भवन को आवंटित करने तथा महावीर अस्पताल को नि:शुल्क भूमि आवंटित करने की प्रक्रिया शुरू होने पर जैन समाज के लोगों ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर जैन समाज के समाजसेवी अशोक बरमेचा, गौतम जैन आदि उपस्थित थे।

लोककल्याण का आधार है सनातन धर्म आगे बढ़ने की देता है प्रेरणा : योगी

महराजगंज, 22 मई (एजेंसियां)। सृष्टि और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का भाव सनातन धर्म-संस्कृति की पहली विशेषता है। सनातन संस्कृति हमें कृतज्ञता का भाव सिखाता हैं, जो हमें निरंतर आगे बढ़ने की नई प्रेरणा प्रदान करता है। यह बातें मुख्यमंत्री गोरक्ष पीठाधीश्वर महंत योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को जिले के प्राचीन गुरु गोरखनाथ मंदिर चौक परिसर स्थित शिव मंदिर के जीर्णोद्धार एवं मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में सम्मलित होने के उपरांत लोगों को संबोधित करते हुए कहीं। उन्होंने कहा कि लोककल्याण ही धर्म का आधार है, धर्म हमें लोककल्याण को आगे बढ़ाने की प्रेरणा देती हैं। कहा कि हनुमान जी जब लंका में जा रहे थे तब पर्वत ने उनसे प्रश्न किया था कि सनातन धर्म की परिभाषा क्या है?

उन्होंने जवाब दिया था कि कोई आप पर कृपा करे तो उसके प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करना ही सनातन धर्म का कर्तव्य है। यही इसका पहला लक्षण भी है। हर सनातन धर्मावलंबी इस भाव को ठीक से समझता है। उन्होंने कहा कि जीवन चक्र जड़-चेतन के बेहतर समन्वय से चलता है। यही कारण है कि हमारे सनातन धर्म ने वनस्पतियों, जीव-जंतुओं के महत्व को समान रूप से स्वीकार किया है।

सीएम ने कहा कि चेतन जगत के प्रति हमारी श्रद्धा हमारी पहचान हैं और यही सनातन का आधार भी हैं, लोक कल्याण से जुड़ी हर क्रम सनातन का अंग हैं। दुनिया में तमाम धर्म, संस्कृति और पंथ आये और समाप्त हो गए, आगे भी तमाम आएंगे और जाएंगे लेकिन चीर सनातन धर्म आज भी उसी अवस्था में जीवंत हैं तो इसका एक मात्र कारण लोककल्याण की अवधारणा हैं, जो हमें सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया और वसुधैव कुटुम्बकम् की धारणा प्रदान करती हैं। इस अवसर पर कथावाचक बालक दास महराज, संतोष दास महराज, रविन्द्र दास, त्यागीनाथ उर्फ फलहारी बाबा, केन्द्रीय मंत्री पंकज चौधरी, विधायक जयमंगल कन्नौजिया, प्रेम सागर पटेल, ज्ञानेन्द्र सिंह, ऋषि त्रिपाठी आदि मौजूद रहें।

मंडप से भागा दूल्हा : दुल्हन बनी प्रेमिका ने 20 किमी पीछा कर पकड़ा

बीच सड़क पर हुआ हाईवोल्टेज ड्रामा

बरेली, 22 मई (एजेंसियां)। बरेली में दूल्हा बना युवक अपनी शादी के मंडप से भाग गया। उसकी शादी मंदिर में प्रेमिका से हो रही थी। इसी बीच वह बहाना बनाकर मंडप से चला गया। इस पर दुल्हन बनी प्रेमिका ने करीब 20 किलोमीटर पीछा कर उसे पकड़ लिया। काफी देर तक बीच सड़क पर ड्रामा हुआ। इसके बाद मंदिर में दोनों की शादी कराई गई।

जानकारी के मुताबिक बरेली के पुराना शहर की रहने वाली युवती का ढाई साल से बदायूं जनपद के बिसौली के युवक से प्रेम प्रसंग चल रहा था। जानकारी होने पर युवती के परिजनों ने बदनामी से बचने के लिए उसकी शादी कराने को तैयार हो गए। युवती ने भी प्रेमी को शादी के लिए राजी कर लिया। बरेली के एक मंदिर में युवती के घरवालों की मौजूदगी में शादी करने की तैयारियां की गईं। युवती सजधज कर दुल्हन बनी। फेरे लेने के लिए मंदिर में सजाए गए मंडप में आई। यहां अचानक प्रेमी का दिमाग घूम गया। वह प्रेमिका से खुद को सजने-संवरने और अपनी मां को बुलाने की बात कहकर मंडप से चला गया।

मुंडन संस्कार में जा रही सवारियों से भरी नाव गंगा में डूबी, तीन महिलाओं के मिले शव

बलिया, 22 मई (एजेंसियां)। यूपी के बलिया जिले में सोमवार सुबह बड़ा हादसा हुआ। माल्देपुर संगम घाट पर मुंडन संस्कार के लिए गंगा पार जा रही सवारियों से भरी नाव डूब गई। इसमें कई लोगों के डूबने की आशंका है। तीन महिलाओं के शव निकाले गए हैं। स्थानीय नाविकों और पुलिस ने 12 से ज्यादा लोगों को नदी से सुरक्षित बाहर निकाला। अन्य की तलाश पुलिस और गोताखोरों की टीम जुटी है। नदी से निकाले गए लोगों में से तीन महिलाओं को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना से कोहराम मचा है। घाट किनारे ग्रामीणों की भारी भीड़ उमड़ी है। माल्देपुर संगमघाट पर सोमवार को मुंडन संस्कार के लिए हजारों की भीड़ जुटी। नाविक अधिक कमाई के चक्कर में नाव पर क्षमता से अधिक सवारियों को बैठाकर गंगा पार करा रहे थे।

गिरिराज सिंह ने सीएम नीतीश से मांगा इस्तीफा

महबूबा मुफ्ती को आतंकी आक्रांताओं का उपासक बताया

बेगूसराय, 22 मई (एजेंसियां)। बेगूसराय के सांसद सह केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने सोमवार को नीतीश कुमार पर कटाक्ष कर मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा मांग लिया। वहीं, इस दौरान उन्होंने पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती को आतंकी आक्रांताओं की उपासक तक बता डाला।

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कटाक्ष करते हुए कहा कि मैं कई बार कह चुका हूं नीतीश कुमार व्याकुलता के साथ भारत में घूम रहे हैं। विपक्षी एकता, कौन सी विपक्षी एकता। वे खुद प्रधानमंत्री पद के दावेदार हैं। विपक्षी एकता, ये बिहार को संभालें या मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दें। एक कहावत है कि अपन ब्याह नहीं, सूरदास के बरतूहारी करने चले हैं।

हाल ही में पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने मैसूर में टीपू सुल्तान की कब्र पर फातिहा पढ़ा था। इसे लेकर वरिष्ठ भाजपा नेता मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि महबूबा मुफ्ती ने कश्मीर में आतंक फैलाया। अब एक दूसरे आतंक फैलाने वाले आक्रांता टीपू सुल्तान की मजार पर वह पूजा करें, नमाज पढ़ें; जो करना है करें। उन्होंने कहा कि लेकिन टीपू सुल्तान अंग्रेजों के खिलाफ नहीं लड़ा। टीपू सुल्तान भी आया था भारत को लूटने के लिए। भारत को लूट करके भारत में अपना शासन किया। वहीं, जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी ने महाराष्ट्र में एक धार्मिक कार्यक्रम में कहा था कि 'बजरंग दल पर प्रतिबंध' लगाकर कांग्रेस 70 साल पुरानी गलती सुधारेगी। इसका जवाब देते हुए गिरिराज ने कहा कि मदनी साहब 70 साल पहले हमारे पूर्वजों से भूल नहीं हुई होती देश के बंटवारे में अगर। पूरा मुस्लिम समुदाय अगर चला गया होता पाकिस्तान तो आज भारत में न कोई जाकिर मियां जन्म लेता, न ओवैसी और न ही मदनी पैदा होता।

इस तरह कोई भी भारत को गजवा-ए-हिंद करने की बात करता। इस पर पाबंदी लगनी चाहिए और यह 70 साल पहले देश का दुर्भाग्य है। हमारे पूर्वजों से बहुत बड़ी भूल हुई और वही भूल का खामियाजा आज की पीढ़ी भुगत रही है।

58 वर्ष की सास ने बेटे को दिया जन्म

विधवा बहू ने खड़ा कर दिया हंगामा, बोली-संपत्ति के लिए पैदा किया वारिस

आगरा, 22 मई (एजेंसियां)। आगरा में परिवार परामर्श केंद्र में रविवार को एक अलग तरह का मामला पहुंचा। 58 वर्ष की उम्र में सास ने बेटे को जन्म दिया तो उनकी विधवा बहू ने बखेड़ा खड़ा कर दिया। उसने संपत्ति में से उसे हिस्सा देने से बचने के लिए सास-ससुर पर इस उम्र में नया वारिस पैदा करने का आरोप लगाया। काउंसिलिंग के बाद भी नहीं सुलझ सका। अब उन्हें आगे की तारीख दी गई है।

विधवा का पति इकलौता संतान था

सैंया निवासी युवती ने बताया कि उसकी शादी चार साल पहले कमला नगर थाना क्षेत्र के निवासी जिम संचालक से हुई थी। दो साल पहले पति की हार्ट-अटैक से मौत हो गई। उनके कोई संतान नहीं है। पति की मौत के बाद वह मायके में रहने लगी। पति अपने माता-पिता की इकलौती संतान था। उसने अपने सास-ससुर से संपत्ति में हिस्सा मांगा। नहीं देने पर मामला परिवार परामर्श केंद्र में पहुंचा। रविवार को दोनों पक्षों को काउंसिलिंग के लिए बुलाया गया था।

सारी संपत्ति नए जन्मे वारिस को देंगे

यहां युवती ने आरोप लगाया कि उसने ससुराल में पति की संपत्ति से हिस्सा मांगा। लेकिन, सास-ससुर हिस्सा नहीं देना चाहते हैं। पांच महीने पहले सास ने 58 वर्ष की उम्र में बेटे को जन्म दिया है। सास-ससुर ने इस उम्र में भी नया वारिस पैदा कर दिया। सारी संपत्ति उसके नाम ही करना चाहते हैं।

सास-ससुर कहते हैं पैतृक गांव में रहो

वहीं ससुर का कहना था कि वो बहू से गांव में रहने के लिए बोल रहे हैं, लेकिन वह तैयार नहीं है। इस पर बहू ने बताया कि सास-ससुर कहते हैं कि पैतृक गांव में रहो।

वहां पर मकान नहीं बना है। मकान बनने पर ही वो रह सकती है। काउंसिलिंग में जब यह मामला नहीं सुलझ सका तो दोनों पक्षों को आगे की तारीख दे दी गई।

पुलिस अभिरक्षा में दुष्कर्म के आरोपी पर चाकू से हमला

प्रतापगढ़, 22 मई (एजेंसियां)। कचहरी में उस समय अफरातफरी मच गई जब पेशी पर आए एक युवक पर पुलिस अभिरक्षा में चाकू से हमला कर दिया गया। अचानक हुए हमले से सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मी भी सकते में आ गए। चाकू के हमले से युवक लहूलुहान हो गया। बताया जाता है कि युवक के साले ने ही उस पर चाकू से हमला किया है। दुष्कर्म के मामले में जेल में बंद अटल बिहारी पुत्र राधे श्याम निवासी कांशीराम कॉलोनी सरोज चौराहा को सोमवार को पेशी पर कचहरी लाया गया था। उसके केस की आज सुनवाई होनी थी। कई पुलिसकर्मी उसे वज्र वाहन से लेकर कचहरी पहुंचे थे।

आरक्षण के बहाने सियासत गरमाने में जुटे स्वामी प्रसाद

दिया 'रामराज हटाओ-आरक्षण बचाओ' का नारा

लखनऊ, 22 मई (एजेंसियां)। रामचरितमानस की चौपाई पर टिप्पणी करके विवादों में घिरे पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य ने अब "रामराज हटाओ-आरक्षण बचाओ" का नारा देना शुरू कर दिया है। इसके जरिए वह लोकसभा चुनाव 2024 से पहले प्रदेश की सियासत गरमाने में जुटे हैं। वह कहते हैं कि इस नारे के जरिए प्रदेश भर में जनजागरण करेंगे। लोगों को भाजपा सरकार की हर चाल से वाकिफ कराएंगे।

बसपा से वाया भाजपा होते हुए सपा में आए स्वामी प्रसाद मौर्य अपनी बयानबाजी को लेकर अक्सर सुर्खियों में रहते हैं। उन्होंने रामचरितमानस की चौपाई पर टिप्पणी की तो प्रदेश की सियासत में हलचल मच गई। अपनी ही पार्टी के कई विधायकों की आलोचना के भी शिकार हुए। सपा शीर्ष नेतृत्व ने उन्हें राष्ट्रीय महासचिव पद से नवाजा। पार्टी के नेताओं के बीच स्वामी प्रसाद को दो ध्रुव नजर आए। इसके बावजूद स्वामी प्रसाद अपने बयान पर अडिग रहे।

इस बीच उन्होंने बसपा संस्थापक कांशीराम की प्रतिमा स्थापित करके दलितों और पिछड़ों के बीच संदेश देने का प्रयास किया। प्रतिमा अनावरण समारोह में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने संविधान और आरक्षण बचाने की अपील की। सपा अध्यक्ष हर कार्यक्रम में आरक्षण का मुद्दा उठाते रहे हैं। एमएलसी चुनाव में पार्टी उम्मीदवार उतारते समय भी आरक्षण का ही दांव चला गया है। ऐसे में ग्राम पंचायत विकास अधिकारियों की नियुक्ति में आरक्षण का मुद्दा सामने आते ही स्वामी प्रसाद ने लपक किया है। उन्होंने ट्वीट किया कि रामराज धोखा है। पहले भी रामराज के नाम पर कभी शंबूक का सिर काटा गया तो कभी एकलव्य का अंगूठा और अब दलितों, आदिवासियों व पिछड़ों का आरक्षण काटा जा रहा है। उन्होंने लिखा कि यह संविधान प्रदत्त आरक्षण खत्म किया जा रहा। जागो सावधान हो जाओ। रामराज हटाओ-आरक्षण बचाओ।

स्वामी प्रसाद कहते हैं कि आरक्षण बचाने के लिए जल्द ही जिलेवार अभियान शुरू करेंगे। गाजीपुर, कुशीनगर, गोरखपुर सहित विभिन्न जिलों में आयोजित कार्यक्रम में वह आरक्षण बचाने की अपील कर चुके हैं। जल्द ही अन्य जिलों में जाएंगे। लोगों को बताएंगे कि आरक्षण बचाने के लिए भाजपा को सत्ता से हटाना होगा।

मजदूर हत्याकांड में माफिया मुख्तार अंसारी की हुई वर्चुअल पेशी

अब 30 को होगी सुनवाई

वाराणसी, 22 मई (एजेंसियां)। आजमगढ़ जनपद न्यायालय में सोमवार को दो महत्वपूर्ण मामलों में माफिया मुख्तार अंसारी व बाहुबली विधायक रमाकांत यादव के मामलों में सुनवाई हुई। मुख्तार अंसारी के मामले में 30 को अगली तरीख तय की गई। वहीं बाहुबली विधायक रमाकांत के मामले में 29 मई की तारीख तय की गई है।

तरवां थाना क्षेत्र के ऐराकला में सड़क ठेके को लेकर मुख्तार अंसारी के लोगों ने 2014 में ठेकेदार पर गोलीबारी की थी। घटना में दो मजदूर घायल हुए थे। एक की इलाज के दौरान मौत हो गई थी। ठेकेदार ने घटना के बाबत तरवां थाने में मुख्तार अंसारी के साथ ही उसके सहयोगियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। एमपी/एमएलए कोर्ट में सोमवार को सुनवाई थी। जिसमें गवाह प्रशांत की गवाही हुई। गवाही के दौरान माफिया मुख्तार भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कोर्ट में पेश हुआ। गवाही के बाद न्यायाधीश ने सुनवाई की अगली तारीख 30 मई निर्धारित की। वहीं दूसरा मामला बाहुबली रमाकांत से जुड़ा हुआ है। एमपी/एमएलए कोर्ट में चल रहे रमाकांत के मामले में भी सोमवार को सुनवाई थी, जिसमें पुनः तारीख पड़ गई। न्यायाधीश ने अब रमाकांत यादव के मामले में 29 मई की तिथि निर्धारित किया है।

कार का ट्रक से हुआ टक्कर, सगे भाइयों की पत्नी सहित पांच की मौत

देवरिया, 22 मई (एजेंसियां)। देवरिया जिले में एक दिल दहला देने वाली घटना समाने आई है। यहां भाटपाररानी थाना क्षेत्र के फुलवरिया चौराहे पर सोमवार की सुबह करीब साढ़े दस बजे कार और ट्रक की आमने-सामने की टक्कर में तीन सगे भाइयों की पत्नी सहित पांच लोगों की मौत हो गई। जबकि तीन लोग घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर लोग जुट गए और ट्रक चालक को पकड़ लिया। मरने वाले रुद्रपुर और देवरिया सदर के निवासी हैं। वह पूजा-अर्चना के लिए बिहार के मैरवा जा रहे थे। रुद्रपुर भर टोली निवासी अधिवक्ता आनंद प्रकाश मिश्र, उनके भाई चंद्र प्रकाश मिश्र के परिवार के साथ सोमवार को करीब सात बजे घर से मैरवा बिहार के लिए निकले थे। सभी को रिश्तेदार के एक लड़के के उपनयन संस्कार में शामिल होने के लिए बाबा हरेराम ब्रह्म स्थान पर जाना था।

जनता दल यूनाइटेड ने लौटाई केसी त्यागी की इज्जत

विशेष सलाहकार व मुख्य प्रवक्ता बनाया

पटना, 22 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ लंबे समय तक काम कर चुके किशनचंद त्यागी को जनता दल यूनाईटेड (जेडीयू) में एक बार फिर इज्जत के साथ पद पर वापसी हुई है। इस बार उन्हें विशेष सलाहकार बनाया गया है, लेकिन मुख्य धारा में रखने के लिए मुख्य प्रवक्ता की जिम्मेदारी भी दी गई है। राष्ट्रीय महासचिव और प्रवक्ता के पद से उन्हें मार्च महीने में हटाया गया था, तब उन्होंने कहा था कि वह पार्टी के किसी जिम्मेदारी वाले पद पर खुद काम नहीं करना चाहते हैं। तभी माना जा रहा था कि यह प्रतिक्रिया उन्होंने पद छीने जाने के कारण दी है, लेकिन तब जदयू की ओर से इसपर बयान नहीं दिया गया। अब जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह की ओर से ही विशेष चिट्ठी जारी कर केसी त्यागी को पुनः पार्टी में इज्जत के साथ पद दिया गया है। केसी त्यागी पिछले करीब दो दशकों से जदयू का राष्ट्रीय चेहरा थे। दिल्ली में किसी भी बात पर किसी तरह की चर्चा के लिए वह उपलब्ध रहते थे। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के लिए एक तरह से दिल्ली का सारा सिस्टम उनके आसपास ही रहता था। लेकिन, मार्च में जब राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह ने पार्टी के राष्ट्रीय पदाधिकारियों की सूची जारी की तो त्यागी का नाम ही गायब था। सूची पर सवाल उठे तो त्यागी ने खुद कहा कि उन्हें अब सक्रिय रूप से पार्टी में कोई जिम्मेदारी नहीं चाहिए और इसपर उन्होंने खुद ही अपील की थी।

लेकिन, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के राष्ट्रीय राजनीति में सक्रियता को देखते हुए त्यागी को वापस लाना पार्टी के लिए एक तरह से जरूरी हो गया था। जितने चुपचाप तरीके से उन्हें पार्टी ने मुख्य धारा से हटाया था, उसके उलट उतना ही प्रचारित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह ने उन्हें वापस कुर्सी दी। न केवल दी, बल्कि बढ़ाकर दी।

खुदाई में सोने व चांदी के 401 मुगलकालीन सिक्के मिले

सहारनपुर, 22 मई (एजेंसियां)। सहारनपुर जनपद के नानौता थानाक्षेत्र के गांव हुसैनपुर में सती के थान की खोदाई के दौरान मुगलकालीन सिक्के मिले हैं। ये सिक्के सोने व चांदी के बताए गए हैं। जानकारी के अनुसार गांव हुसैनपुर में भूमिया खेड़ा परिसर में बने सती के थान के पास खोदाई के दौरान 401 प्राचीन सिक्के निकलने पर ग्रामीणों ने पुलिस को सूचित किया। मौके पर पहुंची पुलिस ने सिक्कों को कब्जे में लेकर उपजिलाधिकारी को अवगत कराया। सती थान के पास सिक्के निकलने पर ग्रामीणों में सिक्को के प्रति जिज्ञासा उत्पन्न हो गई।

थाना क्षेत्र के गांव हुसैनपुर में भूमिया खेड़ा समिति द्वारा भूमिया खेड़ा परिसर में बने सती थान की चारदीवारी का कार्य कराया जा रहा है, तीन दिन से चल रहे चारदीवारी के लिए नींव खोदाई कार्य के बाद चलते अचानक से जमीन के अंदर से सफेद धातु के 401 सिक्के बरामद होने पर ग्रामीणों की भीड़ एकत्रित हो गई। सिक्के मिलने के बाद समिति द्वारा निर्माण कार्य भी बंद करा दिया गया है। बताया जाता है कि बरामद सिक्के संभवतः मुगलकालीन हैं जिन पर अरबी भाषा में लिखा हुआ है। सिक्के मिलने के बाद ग्रामीणों द्वारा थाना पुलिस को सूचना दी गई। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी सिक्कों को अपने कब्जे में लेकर अग्रिम कार्रवाई शुरू कर दी है। वहीं ग्राम प्रधान प्रमोद कुमार, हेमसिंह पूर्व प्रधान, रोहित कुमार आदि ने लिखित में सिक्के थाना पुलिस को सौंप दिए। वहीं थाना प्रभारी निरीक्षक चन्द्रसैन सैनी ने बताया कि हुसैनपुर में सती थान के पास से मुगलकालीन 401 सफेद धातु के सिक्के बरामद हुए हैं, इस सम्बंध में उपजिलाधिकारी रामपुर मनिहारान को अवगत कराते हुए आगे की कार्रवाई की जा रही है।

एएसआई से ज्ञानवापी के सर्वे की मांग पर मसाजिद कमेटी ने दाखिल की आपत्ति

अब सात जुलाई को सुनवाई

वाराणसी, 22 मई (एजेंसियां)। वाराणसी के ज्ञानवापी स्थित पूरे विवादित स्थल की कार्बन डेटिंग और ग्राउंड पेनेट्रेटिंग रडार (जीपीआर) तकनीक से भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) से सर्वे कराने संबंधी आवेदन पर अंजुमन इंतेजामिया मसाजिद कमेटी ने सोमवार को आपत्ति दाखिल कर दी। इस मामले में जिला जज डॉ. अजय कृष्ण विश्वेश की अदालत ने सुनवाई की अगली तिथि सात जुलाई तय कर की। इसके साथ ही ज्ञानवापी प्रकरण से जुड़े सात मुकदमों की एक साथ सुनवाई किए जाने के मामले में भी सात जुलाई की तिथि तय की गई। इस मामले में शाम को आदेश आने के आसार हैं।

नौ लोगों की तरफ से दाखिल हुआ था प्रार्थना पत्र

सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन ने ज्ञानवापीपरिसर के सर्वे से संबंधित प्रार्थना पत्र नौ आवेदकों मंजू व्यास, लक्ष्मी देवी, सीता साहू, रेखा पाठक, आदि महादेव धर्मालय मुक्ति न्यास परिषद के राम प्रसाद सिंह, शीतला मंदिर के महंत शिवनरायण पांडेय, रंजना अग्निहोत्री, शिशिर चतुर्वेदी और राकेश कुमार अग्रवाल की तरफ से मां श्रृंगार गौरी के मूल वाद के तहत दाखिल किया है। प्रार्थना पत्र के जरिये ज्ञानवापी परिसर स्थित विवादित स्थल यानी आराजी नंबर 9130 के सर्वेक्षण की वीडियोग्राफी और फोटोग्राफी कराने का अनुरोध भी किया गया है। एडवोकेट विष्णु शंकर जैन ने बताया कि इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेशानुसार वजूखाने के पास मिले शिवलिंग की चार चरणों में जांच होने पर स्थिति स्पष्ट होगी। शिवलिंग के ऊपर कटे खांचे की जांच होगी, तब पता चलेगा कि उसे कब नुकसान पहुंचाया गया। जीपीआर तकनीक से जमीन के नीचे की भी वास्तविकता का पता चल सकेगा। साइंटिफिक सर्वे से विवादित स्थल पर मौजूद स्ट्रक्चर की उम्र और प्रकृति का पता चल सकेगा।

यूपी में 4 हजार मदरसों को विदेश से फंडिंग

नेपाल, बांग्लादेश और खाड़ी देशों से फंड मिला; सर्वे में 8441 बिना मान्यता चलते मिले

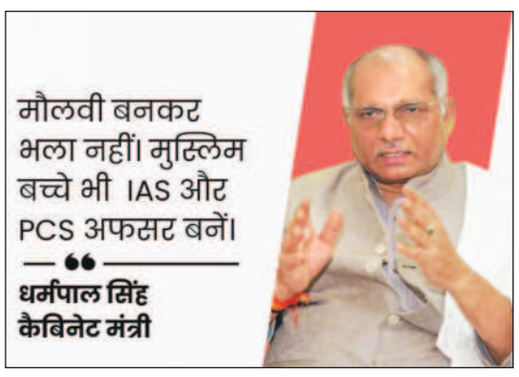

लखनऊ, 22 मई (एजेंसियां)। यूपी के 4 हजार मदरसों को विदेशी फंडिंग मिल रही है। नवंबर 2022 में हुए सर्वे में 8441 मदरसा बिना मान्यता चलते हुए मिले थे। अब अल्पसंख्यक विभाग परीक्षाएं खत्म होने के बाद कार्रवाई की तैयारी कर रहा है। दरअसल, 12 बिंदुओं पर हुए सर्वे में ज्यादातर मदरसा संचालकों ने जकात (चंदा) को आय का सोर्स बताया था। शुरुआती जांच में नेपाल, बांग्लादेश और खाड़ी देशों से फंडिंग के संकेत मिले हैं।

इस पूरे मामले पर अल्पसंख्यक मंत्री धर्मपाल सिंह ने कहा, परीक्षाएं खत्म होने के बाद पुलिस विभाग के साथ मिलकर कार्रवाई की जाएगी। हम गरीब मुस्लिमों को मुख्य धारा से जोड़ना चाहते हैं। मौलवी बनने से उनका भला नहीं होगा। एनसीईआरटी का सिलेबस भी पढ़ाना होगा। मुस्लिम का बेटा भी आईएएस और पीसीएस अधिकारी बने।

2017 से मदरसा बोर्ड ने मान्यता नहीं दी

दरअसल, 10 सितंबर 2022 से 15 नवंबर 2022 तक यूपी सरकार ने मदरसों का सर्वे कराया था। इस टाइम लिमिट को बाद में 30 नवंबर तक बढ़ाया गया। सर्वे के बाद स्टेट में 8441 मदरसा गै-मान्यता संचालित मिले। उत्तर प्रदेश मदरसा बोर्ड ने 2017 से मान्यता देना बंद कर दिया है। सर्वे के दौरान कई मदरसा संचालकों ने अफसरों को मान्यता नहीं होने की यही वजह बताई है। मदरसा प्रबंधकों का कहना है कि सभी दस्तावेज देने के बाद भी मान्यता नहीं मिली है। ऐसे में वह दीनी तालीम देने के लिए मदरसा संचालित कर रहे हैं। सरकार के मुताबिक, प्रदेश में फिलहाल 15 हजार 613 मान्यता प्राप्त मदरसे हैं। जांच में सामने आया कि यूपी के सीमावर्ती जिले महाराजगंज, पीलीभीत, लखीमपुर, बहराइच, श्रावस्ती, बलरामपुर और सिद्धार्थनगर में संचालित मदरसा खासतौर पर फंडिंग के सोर्स स्पष्ट नहीं कर सके। यहां के मदरसों में सोर्स चंदा बताया गया था। दस्तावेज नहीं दिखा पाने की सूरत में अल्पसंख्यक विभाग कार्रवाई करने की तैयारी कर रहा है। फिलहाल, यूपी सरकार के पास संकेत हैं कि दुबई, नेपाल, बांग्लादेश से ये फंडिंग आ रही हैं। नवंबर 2022 में पूरे हो चुके सर्वे के बाद अब तक कोई कार्रवाई नहीं हो सकी। मदरसा बोर्ड की परीक्षाएं खत्म हो चुकी हैं।

पीएम मोदी का सम्मान, वैश्विक मंच पर भारत के बढ़ते कद का है प्रमाण : नड्डा

नई दिल्ली, 22 मई (एजेंसियां)। भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को फिजी और पापुआ न्यू गिनी द्वारा अपने-अपने देश के सर्वोच्च सम्मान से सम्मानित किए जाने को वैश्विक मंच पर भारत के बढ़ते कद का प्रमाण बताते हुए कहा है कि यह 140 करोड़ भारतीयों का सम्मान है और यह एक वैश्विक नेता के रूप में कार्य करने की भारत की क्षमताओं में दुनिया के भरोसे को भी दर्शाता है।

नड्डा ने फिजी द्वारा सर्वोच्च सम्मान से सम्मानित करने पर ट्वीट कर कहा, पीएम नरेंद्र मोदी को फिजी के सर्वोच्च सम्मान सम्मान कंपेनियन ऑफ द ऑर्डर ऑफ फिजी से सम्मानित किया जाना विश्व मंच पर भारत के बढ़ते कद का एक प्रमाण है। भारत 'वसुधैव कुटुम्बकम' की भावना से प्रेरित है और सभी के लिए बेहतर भविष्य की वकालत करने वाले एक प्रमुख नेता के रूप में उभरा है। नड्डा ने पीएम मोदी को पापुआ न्यू गिनी द्वारा दिए गए सम्मान को 140 करोड़ भारतीयों का सम्मान बताते हुए ट्वीट कर कहा, पापुआ न्यू गिनी द्वारा पीएम नरेंद्र मोदी को अपने सर्वोच्च सम्मान कंपेनियन ऑफ द ऑर्डर ऑफ लोगोहु से सम्मानित करना 140 करोड़ भारतीयों का सम्मान है। यह सम्मान एक प्रमुख विश्व नेता के रूप में कार्य करने के लिए भारत की क्षमताओं में विश्व व्यवस्था के भरोसे को दर्शाता है। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू, मनसुख मंडाविया और भाजपा आईटी सेल के हेड अमित मालवीय सहित कई केंद्रीय मंत्रियों और भाजपा नेताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मिले इन अवार्डस को वैश्विक स्तर पर बढ़ रहे भारत के कद और दुनिया भर में बढ़ रही प्रधानमंत्री मोदी की लोकप्रियता एवं प्रभाव का प्रतीक बताते हुए इसे भारत के लिए गर्व का विषय करार दिया है।

आपको बता दें कि, प्रधानमंत्री मोदी के वैश्विक नेतृत्व को मान्यता देते हुए फिजी ने उन्हें अपने सर्वोच्च सम्मान 'कंपेनियन ऑफ द ऑर्डर ऑफ फिजी' से सम्मानित किया है। वहीं पापुआ न्यू गिनी ने भी प्रशांत द्वीप देशों की एकता का समर्थन करने और ग्लोबल साउथ के मुद्दों का नेतृत्व करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी को अपने सर्वोच्च सम्मान, 'कंपेनियन ऑफ द ऑर्डर ऑफ लोगोहु' से सम्मानित किया है। पापुआ न्यू गिनी ने अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन जैसे बहुत कम अनिवासियों को ही अब तक इस पुरस्कार से सम्मानित किया है। पिछले 9 सालों के कार्यकाल के दौरान अमेरिका, रूस, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, बहरीन, अफगानिस्तान, फिलिस्तीन, मालदीव और भूटान सहित कई देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सम्मानित कर चुके हैं।

वर्ष 2016 में सऊदी अरब ने अपने सर्वोच्च आर्डर ऑफ अब्दुल अजीज सम्मान से प्रधानमंत्री मोदी को सम्मानित किया था। 2016 में ही अफगानिस्तान ने सर्वोच्च नागरिक सम्मान आमिर अमानुल्लाह खान अवार्ड से मोदी को सम्मानित किया था। वर्ष 2018 में फिलिस्तीन ने मोदी को अपने सर्वोच्च ग्रैंड कॉलर ऑफ द स्टेट सम्मान से नवाजा था।

वर्ष 2019 में संयुक्त अरब अमीरात ने अपने सर्वोच्च नागरिक सम्मान ऑर्डर ऑफ जायेद, रूस ने अपने सर्वोच्च नागरिक सम्मान ऑर्डर ऑफ सेंट एंड्रयू सम्मान , मालदीव ने सर्वोच्च सम्मान निशान इज्जुद्दीन और बहरीन ने शीर्ष पुरस्कार किंग हमाद ऑर्डर ऑफ द रेनेसां से सम्मानित किया था। वर्ष 2020 में उन्हें अमेरिकी सरकार द्वारा लीजन ऑफ मेरिट और 2021 में भूटान द्वारा ऑर्डर ऑफ द ड्रक ग्यालपो अवार्ड से सम्मानित किया गया था। दुनिया के विभिन्न देशों के अलावा कई अंतर्राष्ट्रीय संगठनों की तरफ से भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सम्मानित किया जा चुका है।

दिल्ली में महिला ने बाइकर को बीएमडब्ल्यू से कुचला

36 साल के शख्स की मौत, दवाई लेकर घर लौट रहा था...

नई दिल्ली, 22 मई (एजेंसियां)। दिल्ली में रविवार रात एक बीएमडब्ल्यू ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। पुलिस के मुताबिक, बीएमडब्ल्यू को 28 साल की महिला चला रही थी। वह ग्रेटर कैलाश से एक पार्टी से लौट रही थी, जबकि 36 साल का शख्स अपने लिए दवाई लेकर घर जा रहा था। बाइक को टक्कर मारने के बाद बीएमडब्ल्यू सड़क किनारे एक जनरेटर से जा टकराई। मृतक का नाम अजय गुप्ता है। हादसे में वह बुरी तरह जख्मी हो गया था, बाद में उसने अस्पताल में दम तोड़ दिया। अजय किराने की दुकान चलाता था। पुलिस ने बताया कि आरोपी महिला अशोक विहार की रहने वाली है। वह पेशे से आर्किटेक्ट है। पुलिस ने महिला को गिरफ्तार कर लिया है।

सुबह 4 बजे पीसीआर को जानकारी मिली

दिल्ली पश्चिम के डीसीपी घनश्याम बंसल ने बताया कि सुबह करीब 4 बजे पीसीआर को एक कॉल आया, जिसमें घटना की जानकारी दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची तो वहां कोई नहीं था।

एवरेस्ट फतह करने वाली मेघा नेता बनते ही कंट्रोवर्सी में

कमलनाथ ने एंबेसडर बनाया, शिवराज सरकार ने हटा दिया-चुनाव लड़ने का ऐलान

भोपाल, 22 मई (एजेंसियां)। दुनिया की सबसे ऊंची चोटी एवरेस्ट को फतह करने वाली मध्यप्रदेश की मेघा परमार को शिवराज सरकार ने पिछले दिनों बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान और सांची दुग्ध संघ की ब्रांड एंबेसडर पद से हटा दिया। मेघा के कांग्रेस जॉइन करने के दो दिन के भीतर ही सरकार ने ये कदम उठाया। मेघा का आरोप है कि भाजपा सरकार को मेरा कांग्रेस में आना बर्दाश्त नहीं हुआ इसलिए उन्होंने मुझे हटा दिया। मैंने पिछले 4 साल में लगातार काम करते हुए शिवराज सरकार की नाकामियों को उजागर किया है। हो सकता है कि ये भी इस फैसला के पीछे का कारण हो। 2019 में एमपी के पहले एवरेस्ट चढ़ने वाले रत्नेश पांडे ने मेघा पर आरोप लगाए थे कि वो झूठी हैं। मेघा ने एवरेस्ट फतह नहीं किया है। वो तो बस महिला कार्ड खेलने में माहिर हैं। इतना ही नहीं, रत्नेश ने मेघा को खुली डिबेट का चैलेंज भी दिया था।

मेघा बताती हैं कि बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ योजना की ब्रांड एंबेसडर होने के नाते मैंने प्रदेश के पूरे 52 जिले घूमे हैं। मैंने करीब 300 गांवों में जाकर देखा कि बड़े-बड़े राजनीतिक मंचों पर महिलाओं-बेटियों की बेहतर हालत की बड़ी-बड़ी बातें की जा रही है, लेकिन सच्चाई इसके विपरीत है। मैंने देखा कि गर्मियों में लड़कियों का आधा जीवन सिर्फ पानी भरने में जा रहा है। बेटियों के जन्म पर महिलाएं कैसे मार खाती हैं। कैसे वे घरेलू हिंसा की शिकार होती हैं। इन सब समस्याओं को लेकर किसी अधिकारी को फोन लगाओ तो वो फोन तक नहीं उठाते। इस दौरान मैंने कई स्लोगन दिए थे। आज भी महिलाएं पीरियड्स के दौरान कपड़े में राख लपेट कर उसे उपयोग कर रही हैं।

द केरल स्टोरी मूवी देखने के बाद युवती ने प्रेमी के खिलाफ दर्ज कराया केस

धर्मांतरण का बना रहा था दबाव

इंदौर, 22 मई (एजेंसियां)। द केरल स्टोरी मूवी देखने के बाद इंदौर में युवती को यह एहसास हुआ कि उसके साथ भी वैसा ही हो रहा है, जैसा फिल्म में बताया गया। उसके साथी ने भी उसे बहलाया फुसलाया उसके साथ संबंध बनाए और धर्म बदलने के लिए दबाव बनाया। इसके बाद उसने थाने की शरण ली और धर्मांतरण का दबाव बना रहे मुस्लिम युवक मोहम्मद फैजान के खिलाफ केस दर्ज कराया। युवती चार दिन पहले फैजान के साथ ही एक मल्टीप्लेक्स में द केरल स्टोरी मूवी देखने गई थी। मूवी देखने के बाद युवती की आंखें खुल गई और उसने शोषण कर रहे अपने साथी के खिलाफ केस दर्ज कराने फैसला लिया। आरोपी कई बार छात्रा को इस्लाम कबूल करने की बात भी कह चुका है। इस बात को लेकर 18 मई को आरोपी ने युवती के साथ मारपीट भी की थी। मूवी के दौरान युवती ने कई सवाल आरोपी से पूछे तो वह भड़क गया था और उसने चुप रहने की हिदायत दी।

कोचिंग क्लास में हुई थी मुलाकात

इंदौर के नंदा नगर क्षेत्र में रहने वाली युवती की आरोपी फैजान से कोचिंग क्लास में मुलाकात हुई थी। उसने युवती से दोस्ती की फिर नजदीक आने लगा था। आरोपी चार साल से युवती के संपर्क में था और कई बार उसका शोषण भी कर चुका है। खजराना थाना प्रभारी दिनेश वर्मा ने अमर उजाला को बताया कि युवती और आरोपी साथ में द केरल स्टोरी मूवी देखने गए थे। उसके बाद आरोपी ने उसके साथ मारपीट भी की थी। इसके बाद युवती ने थाने आकर शिकायत की। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

धनशोधन से जुड़े मामले में ईडी के सामने पेश हुए जयंत पाटिल

नई दिल्ली, 22 मई (एजेंसियां)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष जयंत पाटिल धनशोधन के एक मामले में सोमवार को पूछताछ के लिए प्रवर्तन निदेशालय के दफ्तर पहुंचे। प्रवर्तन निदेशालय की ओर से पूछताछ के लिए बुलाए जाने पर उन्होंने कहा कि विपक्ष का हिस्सा होने पर इस प्रकार की परेशानी का सामना करना पड़ता है।

घर से निकलने के पहले पाटिल ने यहां अपने आवास के बाहर संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि वह ईडी के समक्ष पेश होने जा रहे हैं। साथ ही उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से शांति बनाए रखने की अपील भी की। अधिकारियों ने बताया कि ईडी ने अब दिवालिया हो चुकी वित्तीय सेवा कंपनी आईएलएंडएफएस में कथित वित्तीय अनियमितताओं से जुड़े धनशोधन मामले में पूछताछ के लिए पाटिल को तलब किया है। इस्लामपुर सीट से 61 वर्षीय विधायक पाटिल को पहले 12 मई को पेश होने के लिए समन जारी किया गया था लेकिन उन्होंने कुछ व्यक्तिगत तथा आधिकारिक कामों के कारण दस दिन की मोहलत मांगी थी। इसके बाद उन्हें 22 मई को पेश होने के लिए कहा गया था।

ईडी की पूछताछ में शामिल होने के लिए घर से निकलने से पहले पाटिल ने सोमवार को कहा, '' मैं विपक्ष का हिस्सा हूं और इस प्रकार की परेशानी झेलनी होगी। मैंने आईएलएंडएफएस का नाम पहले कभी नहीं सुना लेकिन ईडी के अधिकारियों ने मुझे पेश होने के लिए कहा है। मैं उनके प्रश्नों का कानूनी दायरे के तहत जवाब देने की कोशिश करूंगा।' बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता राकांपा कार्यालय के बाहर एकत्र हुए जो दक्षिण मुंबई में ईडी के कार्यालय के बगल में स्थित है। पाटिल ने पार्टी कार्यकर्ताओं से शांति बनाए रखने और अधिकारियों को अपना काम करने देने की अपील की।

डॉक्टर वंदना की हत्या मामले में केरल के मुख्यमंत्री को नोटिस जारी

मुआवजे की मांग पर हो रही सुनवाई

तिरुवनंतपुरम, 22 मई (एजेंसियां)। केरल उच्च न्यायालय सोमवार को एक महिला डॉक्टर की हत्या के बाद उसके परिवार को मुआवजा देने वाली मांग की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। इसी को लेकर, उच्च न्यायालय ने केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन को नोटिस जारी किया है। बता दें, कोट्टायम जिले के कडुथुरुथी इलाके की मूल निवासी और अपने माता-पिता की इकलौती संतान डॉ. वंदना दास की कोल्लम जिले के एक तालुक अस्पताल में इलाज करने के दौरान हत्या कर दी गई थी। सोमवार को केरल उच्च न्यायालय उस याचिका पर सुनवाई कर रहा था, जिसमें डॉ. वंदना दास के परिवार को एक करोड़ रुपये का मुआवजा प्रदान करने के लिए राज्य सरकार को निर्देश देने की मांग की गई है। इस पर अदालत ने केरल के मुख्यमंत्री को नोटिस जारी कर दिया है। साथ ही याचिका को हत्या के बाद शुरू किए गए स्वतः संज्ञान मामले के साथ टैग करने का भी आदेश दिया है।

यह है मामला

अस्पताल में इलाज के लिए लाए गए एक व्यक्ति ने उसके घाव की मरहम-पट्टी करते वक्त कैंची और सर्जरी में इस्तेमाल होने वाले ब्लेड से हमला कर वंदना दास की हत्या कर दी थी। इसके बाद राज्य भर के विभिन्न अस्पतालों में स्वास्थ्य पेशेवरों, मेडिकल इंटर्न, छात्रों और हाउस सर्जनों ने सड़कों पर विरोध-प्रदर्शन शुरू कर दिया था। हत्या के विरोध में चिकित्सकों ने हड़ताल कर राज्य सरकार से अस्पतालों की सुरक्षा के लिए तत्काल प्रभाव से नया कानून लाए जाने की मांग की थी।

केरल में महिला चिकित्सक की हत्या के सनसनीखेज मामले की जांच जिला अपराध शाखा ने अपने हाथ में ले ली थी।

चीतों को मुकंदरा भेजने की वकालत : सुप्रीम कोर्ट ने कहा-शिफ्ट क्यों नहीं कर रहे

विशेषज्ञ बोले-कूनो अन्य विकल्पों से ज्यादा सुरक्षित

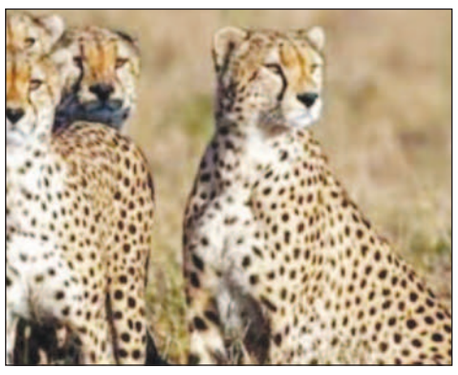

भोपाल, 22 मई (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के कूनो नेशनल पार्क से राजस्थान के जिस मुकंदरा नेशनल पार्क में चीतों को शिफ्ट करने की सबसे अधिक वकालत की जा रही है, वह उनके लिए और भी असुरक्षित है। विशेषज्ञों के मुताबिक, यहां अच्छे प्रे-बेस (भोजन के लिए शाकाहारी जानवर) की भारी कमी चीतों के लिए संकट बन सकती है।

5 मई को यहां एकमात्र मादा टाइगर एमटी-4 की पेट में इंफेक्शन के कारण मौत हो गई थी। एमटी-4 गर्भवती थी, जिसे 2019 में रणथंबौर से लाकर मुकंदरा में बसाया गया था। शिकार के अभाव में उसने कुछ गलत खा लिया था। 2020 में भी पेट में इंफेक्शन से नर टाइगर एमटी-3 की मौत हुई थी।

केवल एक टाइगर बच पाया

2013 में टाइगर रिजर्व बनाए गए मुकंदरा में अभी तक 7 टाइगर बाहर से लाकर बसाए गए हैं। इनमें से 6 की मौत किसी न किसी बीमारी के कारण हो चुकी है। सिर्फ एक नर टाइगर एमटी-5 यहां अकेला खुले जंगल में भटक रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में पूछा था कि कूनो में ज्यादा चीते होने पर राजस्थान में शिफ्ट करने पर विचार क्यों नहीं किया जा रहा है।

सुरक्षित विकल्प तैयार नहीं

चीता अभी मध्यप्रदेश की पहचान बन गया है। राजस्थान की टूरिज्म इंडस्ट्री को लगता है कि चीते राजस्थान नहीं गए, तो पर्यटक भविष्य में मध्यप्रदेश का ही रुख करेंगे। चीता टास्क फोर्स के एक सदस्य ने नाम का खुलासा न करने की शर्त पर बताया कि 2023 के अंत या विधानसभा चुनावों तक सभी चीतों को कूनो में ही रखना होगा। इसके अलावा सुरक्षित विकल्प तैयार नहीं है। चीता एक्शन प्लान में कूनो के अलावा 4 लैंडस्केप मुकुंदरा, गांधीसागर, नौरादेही और शाहगढ़ को प्राथमिकता में रखा गया था। मुकंदरा की कूनो से नजदीकी और 82 किमी लंबा चेन लिंक फेंसिंग बाड़ा इसे दूसरे विकल्पों से बेहतर बनाता है। टाइगर एक्शन प्लान में मुकंदरा में प्रे-बेस की कमी दूर करने की शर्त थी। मंदसौर की गांधीसागर वाइल्ड लाइफ सेंचुरी मुकंदरा के पास है। यहां प्रे-बेस बढ़ाने का काम हो गया है, लेकिन फेंसिंग नहीं होने से चीतों का आबादी से टकराव का खतरा है।

4-5 चीतों को शिफ्ट करना था, निर्णय में देरी से तैयारी अटकी

वाइल्ड लाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के पूर्व डीन और टाइगर प्रोजेक्ट तैयार करने वाले डॉ. वायवी झाला ने दैनिक भास्कर को बताया कि अफ्रीका और नामीबिया से लाए गए मौजूदा चीतों से दो पॉपुलेशन तैयार की जानी थी। 12 से 14 चीतों को कूनो में रखना है, जबकि 4 से 5 चीतों को किसी दूसरे पार्क या सेंचुरी में भेजना था। कूनो के नजदीक होने के कारण मुकंदरा या गांधीसागर इसके लिए सबसे मुफीद थे, लेकिन निर्णय लेने में देरी और राजनीतिक दखलंदाजी के कारण वक्त रहते तैयारियां नहीं की गईं।

'1 ही लड़की को 8 साल में 15 दूल्हों को बेचने का खुलासा'

अधेड़ उम्र के आदमियों की दुल्हन बनती थीं नाबालिग, दो से ढाई लाख तय होती थी कीमत

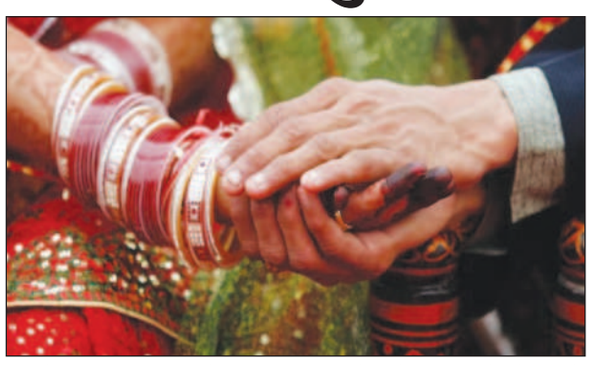

अहमदाबाद, 22 मई (एजेंसियां)। गुजरात में नाबालिग लड़कियों से जुड़े मानव तस्करी रैकेट मामले में हैरान कर देने वाला खुलासा सामने आया है. पुलिस की जांच-पड़ताल में पता चला है कि बरामद की गई लड़कियों में से एक लड़की को पिछले 18 वर्षों में शादी के लिए 15 पुरुषों को बेच दिया गया था, जिनकी उम्र 30-45 साल के बीच थी. पुलिस के मुताबिक गैंग कथित तौर पर लड़कियों के दो लाख रुपये से लेकर ढाई लाख रुपये के बीच बेचते थे. अनुमान लगाया जा रहा है कि पीड़ितों की संख्या 8 से भी अधिक हो सकती है.

13 साल की लड़की को 15 बार बेचा

एक रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस ने बताया कि लड़कियों में से 13 साल की एक लड़की को पिछले 8 वर्षों में 15 पुरुषों को दुल्हन के तौर पर बेच दिया गया था. रैकेट के कथित मास्टरमाइंड अशोक पटेल ने गुजरात, राजस्थान और महाराष्ट्र में उसके सहयोगियों ने बच्ची का इस्तेमाल करते हुए करीब 15 अन्य लड़कियों को उन जगहों से अगवा किया और फिर उन्हें बेच दिया. पुलिस अब उस बच्ची की तलाश कर रही है, जो आरोपी के खिलाफ अपना बयान दर्ज कराने के लिए गिरोह की पहली पीड़ितों में से एक है.

पुलिस ने आरोपियों को किया गिरफ्तार

रैकेट का खुलासा तब हुआ जब मामले की जांच कर रहे पुलिस अधिकारियों ने पता लगाया कि एक किशोरी 11 मई को अहमदाबाद जिले के कानभा गांव से लापता हो गई थी. इसके बाद 13 मई को गांधीनगर के बोरू गांव से उसको रेस्क्यू किया गया.

पुलिस ने मानव तस्करी रैकेट के कथित मास्टरमाइंड अशोक पटेल, उसकी 45 वर्षीय रेणुका, उसके 16 वर्षीय बेटे और 34 वर्षीय रूपल मेकवान नाम की महिला के बारे में पता चला, जो शहर के ओधव इलाके के रहने वाले हैं. पुलिस ने इस दौरान उनके अन्य साथियों को भी गिरफ्तार कर लिया. जिसमें 50 वर्षीय मोती सेनमा, 70 वर्षीय अमरतजी ठाकोर और 34 वर्षीय चेहर सिंह सोलंकी शामिल है. गिरोह द्वारा कथित तौर पर तस्करी की गई नाबालिग लड़कियों में से सात का अभी तक पता नहीं चल पाया है. हालांकि पुलिस का कहना है कि यह संख्या अभी और बढ़ सकती है.

खाप महापंचायत ने किया 28 मई को संसद के सामने महिला पंचायत करने का ऐलान

नई दिल्ली, 22 मई (एजेंसियां)। खाप महापंचायत ने रविवार को फैसला किया कि भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ प्रदर्शन का समर्थन करने वाली महिलाएं 28 मई को नए संसद भवन के समक्ष पंचायत करेंगी. इसी दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नए संसद भवन का उद्घाटन करेंगे.

खाप पंचायत के नेताओं ने रोहतक में ऐसे दिन बैठक की, जबकि किसी बड़े फैसले की उम्मीद की जा रही थी, लेकिन आखिर में उन्होंने संसद भवन तक जाने का ही फैसला किया. प्रदर्शनकारी पहलवानों में से साक्षी मलिक और उनके पति सत्यव्रत कादयान ने महापंचायत ने भाग लिया जबकि बजरंग पूनिया और विनेश फोगाट जंतर मंतर पर धरना स्थल पर ही रहे. पूनिया ने कहा, "उन्होंने चार फैसले किए हैं. संसद भवन के सामने 28 मई को महिला पंचायत का आयोजन किया जाएगा. इससे पहले 23 मई को हम जंतर मंतर से इंडिया गेट तक 'कैंडल लाइट मार्च' करेंगे. महापंचायत ने बृजभूषण को गिरफ्तार करने की उनकी मांग को दोहराया और वादा किया कि पहलवानों के बुलावे पर खाप पांच घंटे के भीतर धरना स्थल पर पहुंच जाएंगी." बजरंग से पूछा गया कि क्या वह महापंचायत के फैसले से संतुष्ट हैं, उन्होंने कहा, "हम महापंचायत के फैसलों का स्वागत करते हैं. महिलाओं के साथ पुरुष समर्थक भी जाएंगे या नहीं, इसका फैसला बाद में किया जाएगा."

केदारनाथ धाम में लगेगा कांसे का ओम

60 क्विंटल वजन; मंदिर से 250 मीटर पहले लगाई जाएगी

देहरादून, 22 मई (एजेंसियां)। उत्तराखंड में बाबा केदारनाथ की भव्यता को और बढ़ाने के लिए यहां एक 60 क्विंटल वजन की एक 'ओम' के आकार की प्रतिमा लगाई जाएगी। यह पूरी तरह ब्रांज से बनी है। इसे बाबा केदारनाथ धाम से 250 मीटर पहले गोल प्लाजा में लगाया जाएगा। केदारनाथ धाम में लगने वाली इस ओम की आकृति को गुजरात के कलाकारों ने बनाया है। ओम को स्थापित करते समय इसे चारों तरफ से तांबे से वेल्ड किया जाएगा। ताकि धाम में आने वाली किसी भी आपदा का इस पर असर न हो।

एक हफ्ते में लग जाएगी प्रतिमा

ओम को स्थापित करते समय किसी भी तरह की रुकवाट न हो, इसके लिए दो चरण में ट्रायल किया जा रहा है। फर्स्ट राउंड में स्टेट डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी ने इसका सफल ट्रायल कर लिया है। अथॉरिटी ने पीडब्ल्यूडी के साथ मिलकर हाइड्रा मशीन की मदद से गोल प्लाजा में ओम की आकृति को स्थापित करने का ट्रायल किया, जो पूरी तरह सफल रहा।

लाइटिंग के साथ रात में जगमगाएगी

इस प्रोजेक्ट से जुड़े अधिकारियों के मुताबिक, ओम को स्थापित किए जाने के बाद इस पर लाइटिंग भी की जाएगी, ताकि रात के वक्त ये और भी भव्य दिखाई दे। रुद्रप्रयाग के डीमए मयूर दीक्षित ने कहा कि ओम की आकृति स्थापित होने से केदारनाथ गोल प्लाजा की भव्यता और भी बढ़ जाएगी। इसकी स्थापना के लिए डीडीएमए द्वारा आवश्यक कार्रवाई पूरी की जा रही है।

केदारनाथ की दीवारें सोने कीं

केदानाथ धाम में पिछले साल गर्भगृह की दीवारें और छत पर 550 सोने की परतों चढ़ाई गईं थीं। सोने की दीवार बनाने का यह काम तीन दिन तक चला था। जिसमें 19 कारीगर लगे थे। महाराष्ट्र में एक गुमनाम व्यक्ति ने सोने का दान किया था। जिसके बाद बद्रीनाथ -केदारनाथ मंदिर समिति ने इस काम को पूरा किया।

पुणे में वैनिटी वैन का ब्रेक फेल, 2 की मौत

पुणे, 22 मई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पुणे में रविवार देर रात एक वैनिटी वैन का ब्रेक फेल हो गया। इसके बाद वैन से लगभग 7 वाहनों को टक्कर मारी और आखिर में एक टेंपो से टकराकर रुका। इस दौरान एक कार सवार पुरुष और एक बाइक सवार महिला की मौत हो गई, जबकि 5 अन्य घायल हो गए।

पुलिस के मुताबिक, हादसा पैलेस ऑचर्ड सोसाइटी, एनआईपीएम-उंड्री रोड, कोढ़वा में हुआ है। देर रात टाइम ट्रेवल्स की बस एनआरबीएम रोड स्थित ज्योति होटल से जा रही थी। ब्रेक फेल होने के बाद ड्राइवर जोर-जोर से चिल्लाकर लोगों को हटने के लिए बोलने लगा। कुछ लोग तो हट गए, लेकिन भीड़ वाली सड़क पर कुछ वाहन इसकी चपेट में आ गए। वैन ने एक बीएमडब्ल्यू, 3 कार, एक रिक्शा और बाइक को टक्कर मारी। इसके बाद वह एक टेंपो से टकराकर 500 मीटर दूर जाकर रुक गई। पुलिस ने वैन चालक मैनुद्दीन मेहबूब को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 23 मई- 2023

मानवता की दुहाई

समूह सात के शिखर सम्मेलन में भारत ने एक बार फिर रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त कर अमन के रास्ते पर चलने का जोर डाला है। शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यूक्रेन के प्रधानमंत्री वोलोदिमीर जेलेंस्की से मुलाकात कर जंग के रास्ते पर न चलने की अपील की। साथ ही पीएम मोदी ने भरोसा दिलाया कि इसके लिए भारत पूरी तरह से कृतसंकल्पित है। देखा जाए तो रूस और यूक्रेन की जंग शुरू होने के बाद पीएम मोदी और जेलेंस्की के बीच आमने-सामने की पहली मुलाकात थी। युद्ध समाप्त करने को लेकर फोन पर तो दोनों की चर्चा कई बार हुई है। बता दें कि युद्ध शुरू होने के कुछ समय बाद ही रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से प्रधानमंत्री शंघाई में मिले थे, तब भी उन्होंने पुतिन से युद्ध समाप्त करने पर जोर दिया था। पुतिन ने उनके सुझाव पर अमल का भरोसा तो दिला दिया था लेकिन उस सम्मेलन से लौटते ही उन्होंने यूक्रेन पर हमले और तेज कर दिए थे। अब तक सवा साल से दोनों देशों के बीच युद्ध ही तो चल रहा है। दोनों में से कोई भी देश लचीला रुख अपनाने को तैयार नहीं दिख रहा। रूस जब-तब कोई न कोई बहाना बना कर यूक्रेन पर चढ़ाई तेज कर देता है। यहां तक कि उसने यूक्रेन के एक बड़े हिस्से पर कब्जा भी कर लिया है। इस जंग के चलते पूरी दुनिया की आपूर्ति श्रृंखला बुरी तरह से प्रभावित हुई है और आसमान छूती महंगाई जैसी समस्या की जड में भी यह युद्ध ही है। इस युद्ध पर पूरी दुनिया की निगाह तो है ही साथ ही दुनिया की नजर भारत पर भी टिक गई है कि इसका असर उस पर क्या पडता है। यही वजह है कि पूरी दुनिया मान रही थी कि यदि भारत ने प्रयास किया तो इस जंग को रोकने में काफी मदद मिल सकती है। बता दें कि भारत रूस की मित्रता जगजाहिर है इसलिए उसकी मध्यस्थता का असर दोनों देशों पर पड सकता है। भारत ने इसके लिए पूरा प्रयास किया भी। जब भी प्रधानमंत्री ने पुतिन से बात की, उन्होंने उसे सुना तो ध्यान से मगर किया अपने मन की। यूक्रेन से भी भारत की निकटता आखिर कौन नहीं जानता, इसलिए वह भी भारत के सुझावों को गंभीरता से लेता रहा है। ऐसे में जब प्रधानमंत्री ने हिरोशिमा में जेलेंस्की से अलग से बात की और फिर सम्मेलन के मंच से दोनों देशों के बीच चल रहे युद्ध को मानवता के लिए गंभीर संकट बताया, तो सभी सदस्य देशों ने उस पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। पश्चिमी देशों ने पहले ही तय कर रखा था कि इस सम्मेलन में रूस पर और कड़े प्रतिबंध लगाए जाएंगे। इसमें भी अब सबसे बड़ा दुश्मन चीन नजर आने लगा है। समूह सात के देशों ने उसका नाम लिए बिना कड़ी निंदा की और कहा कि उसे रूस पर यह युद्ध रोकने के लिए दबाव बनाना चाहिए। देखा जाए तो रूस और यूक्रेन का युद्ध अब जिस निर्णायक मोड़ पर पहुंच गया है, वहां से किसी तरह के समझौते की गुंजाइश खत्म हो जाती है। पश्चिमी देश खुल कर यूक्रेन के पक्ष में उतर आए हैं, तो चीन खुल कर रूस को आशीर्वाद दे रहा है तो रूस के हमले से यूक्रेन अलग कराह रहा है। परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की आशंका हर क्षण बनी रहती है। ऐसे में भारत के लिए मध्यस्थता की कोई जगह तलाशना आसान नहीं है। रूस पर भारत दबाव बनाने की कोशिश भी करे, तो कैसे? इसके क्या परिणाम निकलेंगे यह भी तो किसी को पता नहीं है। रास्ते में चीन एक बड़ा रोड़ा है। फिर रूस जिस तरह यूक्रेन के खिलाफ बेबुनियाद आरोप लगा कर उस पर हमले के बहाने तलाशता रहता है, और पुतिन का जिस तरह का मिजाज है, उसमें अब लगता नहीं कि भारत की मानवता की दुहाई उस पर कोई असर करेगी। लेकिन हकीकत तो यही है कि इस युद्ध ने मानवता के लिए बड़ा संकट पैदा कर दिया है जो भविष्य के लिए कापी खतरनाक साबित हो सकता है।

कर्नाटक फतह का उत्साह और कांग्रेस का राजस्थान विवाद

नरेंद्र तिवारी

कांग्रेस ने कर्नाटक में जोरदार विजयी हासिल कर कमजोर होती पार्टी उसके कार्यकर्ताओं, नेताओं को संजीवनी दी है। कर्नाटक की विजय का दूरगामी प्रभाव पड़ेगा। ऐसा राजनीतिक समीक्षकों का मानना है। इन समीक्षकों का यह भी मानना है कि इस विजय से 2023 में मध्यप्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मिजोरम के विधानसभा चुनावों पर भी असर पड़ेगा। 2024 के लोकसभा चुनाव भी प्रभावित होंगे। समीक्षकों का यह भी कहना है कि कर्नाटक विजयी दक्षिण में कांग्रेस के विजय अभियान की शुरुवात है। दक्षिण के अन्य प्रांतों में भी कांग्रेस के पक्ष में माहौल बनेगा। कर्नाटक में कांग्रेस की विजय के कारण तलाशे जा रहे है। भाजपा की पराजय के कारणों की भी खोज हो रही है। राजनीतिक दलों को जय और पराजय के कारणों की ईमानदार समीक्षा करना भी चाहिए। दरअसल एक राज्य की विजय को परिवर्तन का संकेत समझ लेना भी राजनीतिक नासमझी ही है। कर्नाटक राज्य की अपनी परिस्थिति है। वहां कांग्रेस के स्थानीय चेहरे भाजपा के स्थानीय चेहरों से अधिक जनप्रिय एवं लड़ाकू साबित हुए। सत्ताधारी भाजपा के विरुद्ध सत्ता विरोधी माहौल भाजपा की पराजय का मुख्य कारण बना।

कांग्रेस के पक्ष में जातिगत समीकरणों का झुकाव, भाजपा का भष्टाचार और सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार का जनता के बीच पहुच पाना। विजयी के कारण रहे है। इन वजहों में कांग्रेस सगंठन का कुशल प्रबंधन और भारत जोड़ो यात्रा का प्रभाव भी माना जा सकता है। अब जबकि पूर्ण बहुमत से बनी कांग्रेस सरकार के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने अपना पदभार ग्रहण कर लिया है, सवाल उठता है कि 2023 के विधानसभा चुनाव और 2024 के लोकसभा चुनाव तक यह असर बना रहेगा, क्या कर्नाटक के उत्साह से प्रफुल्लित कांग्रेस कार्यकर्ता 2023 के चुनाव वाले प्रदेशो में विजयी पताका फहरा पाएंगे ? क्या दिल्ली की कुर्सी बैठी भाजपा के मजबूत संगठन से मुकाबला कर पाएंगे? क्या 9 साल से राष्ट्र में मजबूती से नैतृत्व कर रहें ख्याति प्राप्त प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रभाव पर यह विजयी असर डाल पाएंगी ? यह सवाल फिलहाल राजनीतिक नासमझी नजर आतें है किंतु असम्भव नहीं है। कर्नाटक की विजय महज कर्नाटक की विजयी है। इसे अन्य प्रांतों से जोडकर नहीं देखा जा सकता है। कर्नाटक राज्य में सत्ताधारी भाजपा सरकार की नाकामी कांग्रेस के नैतृत्व पर विश्वास भाजपा की पराजय और कांग्रेस की विजयी का महत्वपूर्ण कारण बना है। कुलमिलाकर राज्यों के विधानसभा चुनावों पर प्रांतों की स्थानीय गतिविधियों एवं राजनीतिक हालातो का व्यापक असर होता है। लोकसभा चुनाव के समय मतदाताओं का रुख परिवर्तित हो जाता है, लोकसभा में मोहर लगातें समय मतदाताओं का व्यापक दृष्टिकोण होता है। जब वह राष्ट्र की सरकार चुन रहा होता है, तब उसके मन मे सशक्त नैतृत्व का भाव तो रहता ही है। देश की आंतरिक परिस्थियों से निपटने में सक्षम नैतृत्व पर मतदाता की नजर होती है। मतदाता देश की सरकार से यह अपेक्षा रखता है कि वह उसकी रोटी, कपड़ा, मकान की जरूरत को तो पूर्ण करेंगी ही, शिक्षा, स्वास्थ्य जैसी बुनियादी जरूरतों का भी ख्याल रखेगी। मतलब सीधा है। विधानसभा चुनाव के विषय अलग, केंद्र के विषय अलग। राजनीतिक घटनाक्रम बड़ी तेजी से बदलतें है। अखबारों की सुर्खियां और टीवी की बहसों के विषय भी हर दिन बदलते रहते है। कांग्रेस को कर्नाटक की जीत से संजीवनी मिल सकती है तो राजस्थान में गहलोत और पायलट के मध्य जारी वर्चस्व की लड़ाई का रिसता घाव भी नुकसान पहुचा सकता है। राजस्थान में बार-बार सिर उठाता गहलोत, पायलट विवाद अब इतना आगे बढ़ चुका है कि कांग्रेस के तेजतर्रार नेता, भारत मे कांग्रेस का प्रभावी चेहरा सचिन राजेश पायलेट अपनी सरकार के खिलाफ प्रदेश व्यापी यात्रा पर निकल गए। राजस्थान में वर्चस्व की लड़ाई से जुड़ा यह विवाद राज्य के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट के मध्य है। इस विवाद ने राजस्थान प्रदेश में कांग्रेस को दो खेमों में विभाजित कर दिया है। ऐसा नहीं है कि खेमेबाजी सिर्फ कांग्रेस में ही है, राजस्थान भाजपा भी खेमेबाजी की समस्या से जूझ रही है। इस वक्त बात कांग्रेस की चल रही है। कांग्रेस की खेमेबाजी मारपीट तक पहुच गयी है। विधायक गुटों और खेमों में बटे हुए नजर आते है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार विधानसभा चुनाव का फीडबैक लेने अजमेर पहुची कांग्रेस की सह प्रभारी अमृता धवन के कार्यक्रम के दौरान दोनों गुटों के कार्यकर्ता और विधायकों के मध्य मारपीट की खबरें है। राजस्थान में इस साल के अंत मे प्रस्तावित विधानसभा चुनाव के मध्य राज्य में जारी मुख्यमंत्री की कुर्सी की लड़ाई का खामियाजा भी कांग्रेस को भुगतना पड़ सकता है। यह नुकसान राजस्थान का ही नहीं होगा। यह पांच राज्यो के विधानसभा चुनाव सहित लोकसभा में भी कांग्रेस कार्यक्रताओं को निराश करेगा। यह कांग्रेस के केंद्रीय नैतृत्व की असफलता का परिणाम है कि गहलोत और पायलट विवाद अब तक निपट नहीं पाया है। सचिन पायलट ने अपनी ही राज्य सरकार के विरुद्ध 11 अप्रेल को पहले एक दिवसीय उपवास किया।

इसके बाद जन सँघर्ष यात्रा निकाली। सचिन का उपवास और यात्रा राजस्थान कांग्रेस के लिए असहज स्थिति पैदा करने वाली रही है। केंद्रीय नैतृत्व राजस्थान में चल रहे इस विवाद का समय रहते हल खोजने में नाकाम सिद्ध हुआ है। कर्नाटक की विजय बेशक कांग्रेस के लिए उत्साह का वातावरण निर्माण करने वाली हो, किन्तु राजस्थान कांग्रेस में चल रही रसाकसी भी हिंदी प्रदेशों में चर्चा का कारण बना हुआ है। सचिन पायलट कांग्रेस का राष्ट्रीय चेहरा है। सूत्र बताते है कि उनका सब्र अब जवाब दे गया है। वे कांग्रेस से अलग अपनी नई पार्टी बनाने की राह में आगे निकल चुके है।

उनका कांग्रेस से अलग होना कांग्रेस के लिए नुकसान का उतना ही बड़ा कारण बन सकता है। जितना बड़ा कारण कर्नाटक राज्य में मिली विजयी के बाद राष्ट्रव्यापी उत्साह के रूप में देखा जा रहा है। पायलट अभी गए नहीं है। वह कांग्रेस में रहकर ही अपना विरोध कर रहे है। यह समय है कांग्रेस हाईकमान इस विवाद का कोई स्थायी हल निकालें। जो काम कर्नाटक में सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार ने किया राजस्थान में अशोक गहलोत और सचिन पायलट करते आए है। दोनों की संयुक्त ताकत से ही राजस्थान प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बन सकी है। इस ताकत का टूटना राजस्थान सहित देश मे कांग्रेस कार्यकर्ताओं को निराश करेगा। राजनीति संभावनाओं का खेल है, यहा हर पल दृश्य बदलता रहता है। कर्नाटक की संजीवनी राजस्थान में आकर रिसता घाव बनता दिख रहा है। इस रिसते घाव पर कांग्रेस की महलम पट्टी का असर नही हो रहा है। यह घाव नासूर हो सकता है। कर्नाटक में कांग्रेस विपक्ष में थी। राजस्थान में सत्ता पर काबिज है। इस राज्य में भी पांच साल में परिवर्तन जैसा रिवाज प्रचलित है। सचिन पायलट का आक्रमक रवैय्या राजस्थान में कांग्रेस की सत्ता खोने का कारण तो बनेगा ही यह अन्य प्रदेशों के विधानसभा एवं 2024 के लोकसभा चुनाव को भी प्रभावित कर सकता है।

कांग्रेस नैतृत्व को बूढ़े हो चुके गहलोत को आराम देकर चुनाव पूर्व सचिन को राजस्थान की कमान सौपना चाहिए। यह निर्णय कांग्रेस हाईकमान को पंजाब में किये चुनाव पूर्व प्रयोग से मिली असफलता के कारण रोकता जरूर है। किंतु यह भी सच है कि पंजाब और राजस्थान की परिस्थियों में अंतर है। सचिन का नैतृत्व राजस्थान की हर पांच साल में सरकार बदलने की परंपरा के बीच लिया गया सफल निर्णय हो सकता है। कांग्रेस को विधानसभाओं और 2024 लोकसभा चुनावों में विजयी प्राप्त करने के लिए सख्त निर्णय लेने की दरकार है। सचिन को मुख्यमंत्री बनाने का फैसला देश मे युवाओं को आकर्षित कर सकता है। कर्नाटक की जीत की खुशी को बरकरार रखने के लिए समय रहते राजस्थान का हल खोजना कांग्रेस की महती आवश्यकता है।

यह सचिन की उपेक्षा से तो कतई सम्भव नहीं है। यह सचिन की चुनाव पूर्व ताजपोशी से ही सम्भव नजर आता है। राजस्थान में सचिन की ताजपोशी कर्नाटक में मिली विजयी के उत्साह को बरकरार रखेगी।

जी 20 के बाद जी 7 का मोदी पर विश्वास

डॉ दिलीप अग्निहोत्री

अंतरराष्ट्रीय राजनीति और विदेश नीति में चित्रों का भी महत्व होता. कई बार ऐसे चित्रों और बॉडी लेंग्वेज से भी निष्कर्ष निकाले जाते है, आकलन किया जाता है. ऐसा ही दुर्लभ चित्र मोदी पापुआ न्यू गिनी में दिखाई दिया. नरेंद्र मोदी यहां के मोरेस्बी हवाई अड्डे पर पहुँचे थे. यहां एक दुर्लभ क्षण दिखाई दिया. पापुआ न्यू गिनी के प्रधानमंत्री जेम्स मारापे ने उनके पैर छूए और उनका आशीर्वाद मांगा. य़ह मोदी और भारत के प्रति दुर्लभ अभिव्यक्ति थी. इसके पहले नरेंद्र मोदी ने जी7 सत्र को संबोधित करते हुए संयुक्त राष्ट्र की कमजोरियों का उल्लेख किया. कहा कि य़ह दुनिया की वर्तमान वास्तविकता को प्रतिबिंबित नहीं करता है. सुधार ना हुआ तो केवल बातचीत का मंच ही बनकर रह जाएगा. संयुक्त राष्ट्र में आतंकवाद की परिभाषा तक को स्वीकार नहीं किया गया. य़ह सुझाव नरेंद्र मोदी ने कई वर्ष पहले दिया था. चीन आतंकी संगठनों और उनको संरक्षण देने वाले मुल्कों का बचाव करता है. वह संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य है.आतंकवाद की परिभाषा कैसे तय हो सकती है. रूस यूक्रेन युद्ध में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्य परोक्ष अपरोक्ष रूप से शामिल है. एक तरफ रूस है, दूसरी तरफ अमरीका, ब्रिटेन, फ्रांस मिल कर यूक्रेन की सहायता कर रहे है. जाहिर है कि संयुक्त राष्ट्र संघ की उपयोगिता पर प्रश्नचिह्न लगा है. इसमें सुधार की तत्काल आवश्यकता है. जिन समस्याओं पर इसे ध्यान देने की आवश्यकता है, उन्हें नरेंद्र मोदी ही उठा रहे है. उनका समाधान भी बता रहे है. खाद्य, स्वास्थ्य और विकास मानवीय मूल्यों की रक्षा, लोकतंत्र की रक्षा, मानवाधिकारों की रक्षा, अंतर्राष्ट्रीय शांति का समर्थक, समृद्धि और सतत विकास के सिद्धांत,जलवायु परिवर्तन, युद्ध, आतंकवाद और वैश्विक निर्धनता के विभिन्न पक्षों पर मोदी के सुझाव समाधान करने वाले हैं. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विदेश नीति का नया अध्याय लिखा है. उन्होंने विश्व शांति और सौहार्द का प्रभावी संदेश दिया है. यही कारण है कि विकसित देश भी भारत की बढ़ती भूमिका को स्वीकार कर रहे हैं. वैश्विक सम्मेलन में सर्वाधिक आकर्षण नरेंद्र मोदी के प्रति होता है. यह तथ्य हिरोशिमा में भी दिखाई दिया. नरेंद्र मोदी जी 7 की शिखर बैठक में सम्मलित होने व्हाइट गए थे. भारत जी 20 का अध्यक्ष है. इस रूप में भी मोदी के विचारों का विशेष महत्व था. मोदी दोनों संगठनों के बीच सहयोग के सूत्रधार बने है. उन्होंने कहा कि G20 और G7 के बीच एक महत्वपूर्ण लिंक बनाई जा सकती है. नरेंद्र मोदी ने जी-7 शिखर सम्मेलन में खाद्य, स्वास्थ्य और विकास से संबंधित मुद्दों के समाधान के लिए दस सूत्री कार्ययोजना का आह्वान किया है। सुझाव दिया कि वैश्विक नेताओं को ऐसी समावेशी खाद्य प्रणाली विकसित करनी चाहिए जिससे गरीब किसानों सहित सबसे कमजोर लोगों की रक्षा की जा सके। पोषण और पर्यावरण के हित में मोटे अनाज के उपयोग होना चाहिए. स्वास्थ्य सेवाएं विकसित करने के लिए डिजिटल व्यवस्था बढ़ाना आवश्यक है. विकासशील देशों की जरूरतों से प्रेरित विकास मॉडल होना चाहिए. परस्पर सहयोग से स्वास्थ्य सेवा,आरोग्य तथा खाद्य सुरक्षा जैसे क्षेत्रों से संबंधित चुनौतियों का समाधान करना महत्वपूर्ण है। भारत जी-7 समूह का हिस्सा नहीं है. फिर भी भारत को इसमें शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया है। प्रधानमंत्री मोदी लगातार चौथी बार जी-7 में शामिल हुए. 7 दुनिया की सात सबसे बड़ी विकसित अर्थव्यवस्थाओं वाले देशों का समूह है। इसमें कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान, ब्रिटेन और संयुक्त राज्य अमेरिका शामिल हैं,जी-7 समूह की स्थापना1973 में की गई थी। इसका किसी भी देश में मुख्यालय नहीं है। यह ग्रुप मानवीय मूल्यों की रक्षा, लोकतंत्र की रक्षा, मानवाधिकारों की रक्षा, अंतर्राष्ट्रीय शांति का समर्थक, समृद्धि और सतत विकास के सिद्धांत पर चलता है. वस्तुतः नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जी 20 को नई दिशा मिल रही है. जी 7 के सदस्य भी भारत की इस भूमिका से प्रभावित है. नरेंद्र मोदी की क्षमताओं का वह लाभ उठाना चाहते है. नरेंद्र मोदी की कार्यशैली पर दुनिया का विश्वास है. नरेंद्र मोदी पहले प्रधानमन्त्री हैं जिन्होंने अपनी विदेश नीति में भारतीय संस्कृति का भी समावेश किया है. जिसमें सर्वे भवन्तु सुखिनः की कामना है. विश्व शांति का सपना केवल भारतीय चिंतन के माध्यम से ही साकार हो सकता है. नरेंद्र मोदी ने इसी चिंतन का उद्घोष जी 20 में भी किया है. अन्य देशों सभ्यताओं के लिए यह विचार दुर्लभ है. नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत के प्रति वैश्विक दृष्टि में परिवर्तन आ चुका है .आज भारत विश्व का नेतृत्व करने हेतु तैयार है.जलवायु परिवर्तन, युद्ध, आतंकवाद और वैश्विक निर्धनता के विभिन्न पक्षों पर मोदी के सुझाव समाधान करने वाले हैं. .'सर्वे भवन्तु सुखिनः,' 'वसुधैव कुटुम्बकम' भारतीय दर्शन एवं भारतीय जीवन दृष्टि का प्राण तत्त्व है . भारतीय दृष्टि धरित्री को भूगोल मानने तक सीमित नहीं है. अपितु यह इसे माँ के सदृश मानती है.इसी दृष्टि से भारत की जी 20 की अध्यक्षता को लिया गया.पूर्व में आर्थिक रूप से संपन्न रहे भारत की तस्वीर को वापस लाना होगा.आज मानवता के कल्याण के लिए भारत के पास एक सशक्त नेतृत्व है जिसने नवीकरणीय उर्जा के क्षेत्र से लेकर आर्थिक विकास एवं सामरिक हितों को सशक्त किया है.आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत न केवल राष्ट्रीय स्तर पर अपना विकास कर रहा, अपितु वसुधैव कुटुंबकम की भावना के अनुरूप संपूर्ण विश्व को एक परिवार मानते हुए सबके साथ सहयोग-भाव लेकर भी चल रहा है। किसी वैश्विक संगठन ने पहली बार भारतीय सूक्ति को अपना ध्येय वाक्य बनाया है। वस्तुतः यह भारतीय चिंतन के बढ़ते प्रभाव और लोकधर्म की प्रतिध्वनि है। इसे विश्व सहजता से स्वीकार कर रहा है। लोगों को धीरे-धीरे यह समझ में आ रहा है कि वैश्विक समस्याओं का समाधान भारतीय चिंतन के माध्यम से किया जा सकता है। विश्व गुरु भारत ने सम्पूर्ण मानवता के लिए वसुधैव कुटुम्बकम का विचार दिया था। किसी अन्य सभ्यता संस्कृति के लिए यह दुर्लभ चिंतन था। इसमें सभ्यताओं के बीच संघर्ष की कोई संभावना नहीं थी। लेकिन कालान्तर में ऐसे संघर्ष का दौर भी चला।

तुष्टीकरण व सांप्रदायिकता दो सगी बहनें

राकेश सैन

अस्सी के दश शाहबानो नामक केस सामने आया। सर्वोच्च न्यायालय ने निर्णय दिया कि जिस औरत को तिहरा तलाक दिया गया है, उसका पति गुजर बसर के लिए मुआवजा दे। कठमुल्लों ने इसे इस्लाम में हस्तक्षेप बताया। भीड़ आई, समर्थन आया तो गंगा में डुबकी लगाने राजीव गांधी भी पहुंच गए। उन्हें वहां सस्ती भीड़ मिली। राजीव ने संसद में एक कानून बनाकर न्यायालय के निर्णय को धोबीपटका दे दिया। भीड़ खुश हुई, मौलवी नाचे, इस्लाम वालों का माशा अल्लाह हुआ और राजीव जिंदाबाद हो गए लेकिन इस तुष्टीकरण का परिणाम क्या निकला? उत्तर है कि- मुसलमानों के एक वर्ग का तालिबानीकरण, जिहादी आतंक की तपिश, ट्रिपल तलाक के नाम पर बच्चियों का शोषण, कई दंगे जिनमें हजारों लाशें और इसके अलावा भी न जाने किस-किस रूप में इस नीति के विषैले फल हमने चखे।

तुष्टीकरण बीज है तो सांप्रदायिकता फसल, दोनों परस्पर यूं जुड़ी हैं जैसे एक कोख जाई बहनें। क्या तब ऐसे लोग नहीं रहे होंगे, जिन्होंने उस तुष्टीकरण पर सवाल किया हो? निश्चित ही किया होगा, पर उन्हें 'इस्लामोफोबिक' कह नकारा गया होगा या उन पर सांप्रदायिकता का ठप्पा लगा दिया होगा। जिस तुष्टीकरण के चलते देश का विभाजन हुआ ,वही नीति न तो बंटवारे के बाद बंद हुई और राजनीतिक दलों की कुर्सी की भूख बताती है कि न ही निकट में इस पर विराम लगने की कोई संभावना दिखाई दे रही चाहे इसके लिए कितना भी गम्भीर परिणाम भुगतना पड़ जाए। कर्नाटक विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने परम्परा अनुसार खुल कर तुष्टीकरण की चौसर खेली। राज्य की निवर्तमान भाजपा सरकार ने मुसलमानों को अन्य पिछड़ा वर्ग के कोटे से दिए जा रहे चार प्रतिशत आरक्षण की सुविधा वापिस ले ली। देश की छद्म धर्मनिरपेक्ष जाति ने न केवल इस पर हल्ला मचाया बल्कि मामला सर्वोच्च न्यायालय तक ले गए। संवैधानिक व्यस्था के तहत धर्म के आधार पर आरक्षण की सुविधा नहीं दी जा सकती। भाजपा सरकार ने इस मुद्दे पर संवैधानिक व्यवस्था स्थापित करने का प्रयास किया परन्तु कांग्रेस सहित तमाम छद्मधर्मनिरपेक्ष योद्धाओं ने इसे मुस्लिम विरोधी बता कर तुष्टीकरण का पुराना खेल खेलना शुरू कर दिया।

इतना ही नहीं, कांग्रेस ने चुनावी घोषणापत्र में बजरंग दल व पापुलर फ्रंट आफ इंडिया पर प्रतिबंध लगाने का भी वायदा किया। सभी जानते हैं कि पीएफआई एक आतंकी संगठन है जिसकी किसी भी तरह से बजरंग दल जैसे उस संगठन से तुलना नहीं की जा सकती जो देश की संवैधानिक मर्यादा के अनुकूल अपनी गतिविधियां संचालित करता है। सभी जानते हैं कि राष्ट्रवादी संगठन शुरू से ही कांग्रेस की आंखों की किरकिरी रहे हैं और पार्टी अपने घोषणापत्र में बजरंग दल पर प्रतिबन्ध की बात कर केवल मुस्लिम तुष्टीकरण का कार्ड खेल रही है।

कुछ ऐसा ही लव जिहाद व जबरन धर्मांतरण विषयों को लेकर बनाई गई 'द केरल स्टोरी' को लेकर देखने को मिला। 'द केरल स्टोरी' सुदीप्तो सेन द्वारा निर्देशित और विपुल शाह द्वारा निर्मित फिल्म है। यह केरल की महिलाओं के एक समूह की कहानी है जो धर्मान्तरित होकर आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एण्ड सीरिया में शामिल हो जाती हैं।

फिल्म ने खुद को एक सच्ची कहानी के स्पष्ट चित्रण के रूप में प्रस्तुत किया है और यह बताया है दुनिया की हजारों महिलाओं को इस्लाम में जबरदस्ती परिवर्तित किया जा रहा है और आईएसआईएस में भर्ती किया जा रहा है। सिनेमाघरों में उमड़ रही भीड़ बताती है कि देशवासियों को यह फिल्म खूब पसन्द आई है परन्तु तुष्टीकरण की पीठ पर सवार दलों ने इसका भी यह कहते हुए विरोध करना शुरू कर दिया कि फिल्म की कहानी मुसलमानों को बदनाम करने का काम कर रही है। विरोध करने वाले यह बताने में असमर्थ हैं कि आतंकी संगठन आईएसआईएस का पर्दाफाश करने वाली फिल्म इस्लाम के खिलाफ कैसे मानी जा सकती है? आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होने का ग्रामोफोन चलाते आ रहे हमारे धर्मनिरपेक्षतावादी क्या इस फिल्म का विरोध कर खुद ही आतंकवाद का इस्लाम से नाता तो नहीं जोड़ रहे?

कर्नाटक में तुष्टीकरण के गरलमंथन से कांग्रेस पार्टी ने सत्ता तो हासिल कर ली, क्योंकि चुनावी विश्लेषण बताते हैं कि इन चुनावों में मुसलमानों के थोक वोट कांग्रेस को मिले, जिससे जनता दल (एस) का पांच प्रतिशत मत खिसक कर कांग्रेस में मिल गया और वह चुनाव जीत गई परंतु क्या ऐसा करके कांग्रेस ने साम्प्रदायिकता की नई पृष्ठभूमि तो नहीं तैयार कर दी? राजनीतिक दल सचेत रहें, तुष्टीकरण की नीति कुछ विधायक व सांसद तो बनवा देती है परन्तु इसके परिणाम पूरे देश को साम्प्रदायिकता व आतंकवाद के रूप में भुगतने पड़ते हैं।

सुनहरा कल कठिन सीढ़ियों से चढ़ कर ही बनता है

संजीव ठाकुर

हमें सदैव वर्तमान में जीना चाहिए, इतिहास से शिक्षा लेनी चाहिए और भविष्य के प्रति सकारात्मक सोच के साथ आगे सदैव अग्रसर होते रहना चाहिए। किसी भी राष्ट्र को बड़ा बनाने या समृद्ध बनाने के लिए वर्षों की मेहनत अथक प्रयास और सकारात्मक सोच के साथ संयम एवं उच्च मनोबल की आवश्यकता होती है, तब जाकर ही राष्ट्र एक मजबूत तथा विकासवान राष्ट्र बन पाता है। आजादी के 75 वर्ष के बाद भारत ने विकास की गति को बहुत मजबूती के साथ थामा हुआ है। 135 करोड़ की जनसंख्या वाले देश में युवा जनसंख्या का प्रतिशत बहुत ज्यादा है, आने वाले भविष्य में देश की बागडोर इन्हीं युवा हाथों में होने वाली है। एक बहुत अच्छी कहावत है कि ₹आशाओं पर आकाश टिका हुआ है₹ और निसंदेह आशा,उम्मीद, संभावना बहुत ही सारगर्भित एवं चमत्कारिक शब्द भी हैं। उम्मीद जो इतिहास में कई बार चमत्कार करती आई है। यह आशा एवं उम्मीद का ही प्रतिफल है कि हम सकारात्मक होकर उच्च मनोबल के साथ किसी लक्ष्य की तरफ आगे बढ़ते है। फिर यदि लक्ष्य मेडिकल साइंस में किसी नई दवा को इजाद करना हो या स्पेस रिसर्च में नई टेक्नोलॉजी लाना हो या देश मे विकास की नई धारा को प्रवाहित करना हो, तो सकारात्मक ऊर्जा हमें इस संदर्भ में मदद करने वाला तत्व होता है। अच्छी और सही सोच हमेशा अच्छे परिणाम देने वाला होती है, पर बिना सकारात्मक सोच के और बिना किसी सार्थक परिणाम की कल्पना किए हुए उस पर पसीना बहाना बड़ा ही दुष्कर कार्य प्रतीत होता है। अच्छे पद अथवा अच्छे अंक प्राप्त करने के लिए विद्यार्थी सकारात्मक सोच और उच्च मनोबल तथा संयम को लेकर ही आगे अपनी तैयारी करता है एवं उच्चतम अंक या उच्च पद की प्राप्ति करता है। कोई भी खिलाड़ी ओलंपिक में बिना पदक की लालसा के तैयारी नहीं कर सकता और पदक को लक्ष्य मानकर जब वह पूर्ण मनोबल के साथ आशाओं की लकीरों के मध्य वह जब अपना पसीना मैदान में बहाता है तो वह लक्ष्य प्राप्ति की ओर लगातार अग्रसर होता है और उसे अंत में अपनी सकारात्मक ऊर्जा के कारण वह पदक अवश्य प्राप्त होता है। दार्शनिक भी कहते हैं कि लक्ष्य प्राप्ति के लिए एक बेहतर और अच्छी शुरुआत सफलता का बहुत बड़ा हिस्सा होती है। हम संभावनाओं के दम पर जो हमें निरंतर प्रेरित करती है अपना पहला कदम उठाकर सफलता सुनिश्चित करते हैं। जीवन की कटु सच्चाई तथा जिंदगी के उतार-चढ़ाव को झेलने के लिए एवं सफलता की ओर अग्रसर होने के लिए हमें आशा एवं सकारात्मक सोच की सदैव मदद करती इसके बिना किसी सफलता के बारे में सोचना भी बेमानी होगा। संभावनाओं को दृष्टिगत रखते हुए हमें अपने संपूर्ण मनोबल के साथ उस कार्य को अंजाम देने के लिए अपनी तरफ से पूरी पूरी कोशिश करनी होगी एवं लक्ष्य के साथ दे तथा साधनों के बारे में पूरी जानकारी प्राप्त कर उस के संदर्भ में उसके अंतर्निहित हर तत्व को भलीभांति पहचान कर उस पर मेहनत करनी होगी अन्यथा बड़े लक्ष्य की प्राप्ति के लिए यदि मेहनत और कठोर श्रम न किया जाए तो असफलता ही हाथ लगती है ।यही वजह है कि जिन भी बड़े लोगों ने बड़ी सफलता प्राप्त की है निसंदेह उन्होंने कठिन परिश्रम अपने लक्ष्य के लिए किया था, है और करेंगे। हर बड़े कार्य को करने के लिए अच्छी योजना ,अच्छा आकलन एवं उस सफलता को अपना बनाने के लिए सही विचार तथा नीतियां बनानी होगी एवं अपने उपलब्ध संसाधनों का विश्लेषण तथा अवलोकन कर उसकी क्षमता का आकलन करना होगा।

पूछना बेकार है

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

जनता से कुछ नहीं पूछना चाहिए। वह हमेशा भीतर से भेड़ और बाहर से महंगाई के खिलाफ होती है। विपक्षी दल से पूछा गया तो उनके एक नेता ने कहा - मैंने ही तो सबसे पहले यह मुद्दा उठाया था। उसने सत्तारूढ़ दल से भी पूछ लिया। उन्होंने कहा - हम आजादी के बाद से ही इसके खिलाफ कटिबद्ध हैं। अतिशीघ्र हम एक बिल ला रहे हैं। सत्तारूढ़ दल विपक्ष से कम उत्साहित थोड़े न था। उसने अपने गठबंधन दलों से पूछ लिया। वे भी कौन से दूध के धुले थे। कह दिया - महंगाई को जड़ से मिटाना ही चाहिए। सबने एक स्वर से कहा। उसने किसानों से पूछा, वे भी खिलाफ थे। जवानों से पूछा, वे भी खिलाफ थे। पुलिस से पूछा, वह भी ख़िलाफ़ थी। उसने चोर, डाकुओं, लुटेरों से पूछा, वे भी खिलाफ थे। उसने पेट्रोल से पूछा, वह भी खिलाफ था। उसने डीजल से पूछा, वह भी ख़िलाफ़ था। उसने गैस सिलेंडर से पूछा, वह भी खिलाफ था। मुद्रा से पूछा, वह भी खिलाफ थी। क्या ठोस, क्या द्रव्य, क्या गैस सारा देश महंगाई के खिलाफ धरने पर था। कमाल का माहौल दिख रहा है! वह बुदबुदाया। आप भी आइए न बहिन जी, क्या आप महंगाई के खिलाफ नहीं हैं। एक प्रदर्शनकारी ने उससे कहा। बिलकुल हूँ, मैं क्या देश से अलग हूँ आपसे अलग हूँ। उसने पूरी विनम्रता से कहा। हाँ, लगती तो बिलकुल हमारी जैसी हो। आओ बैठो न हमारे साथ - लोगों ने मिलकर कहा। वह आराम से उनके बीच जा बैठी। बातचीत होने लगी। उसने कुछ नए नारे भी बनाए। थोड़ी ही देर में लगने लगा कि वह उनसे अलग कभी थी ही नहीं। आपका नाम क्या है बहिन जी? यूँ ही किसी ने पूछ लिया। ₹महंगाई₹ उसने, निडर होकर जवाब दिया। पहले तो किसी ने ध्यान न दिया। ₹क्या₹ एकाएक कोई चौंका। यह वक्त इन बातों को सोचने का नहीं कि कौन क्या है, हर किसी का समर्थन कीमती है – किसी ने भीड़ में से कहा और बहस शुरु हो गई। नहीं-नहीं, ऐसा कैसे हो सकता है? निकालो इस कुलक्षणा को यहाँ से - रोष से जिसने यह कहा था वही हैरानी से बोला - अरे! पर वह गयी कहाँ? अभी तो यहीं थी! मैंने अभी उसे विपक्षी दल के पास बैठे देखा था – सत्ता दल के एक नेता ने कहा। ऐसा कैसे हो सकता है! बिलकुल अभी मैंने उसे मंच पर देखा – विपक्षी नेता आँखें दिखाते हुए कहने लगा। पागल हो गए हो क्या? वह गठबंधनधारियों के बीच है, जाकर पकड़ो उसे।

अगस्त्य मुनि ने पी लिया था समुद्र का पानी

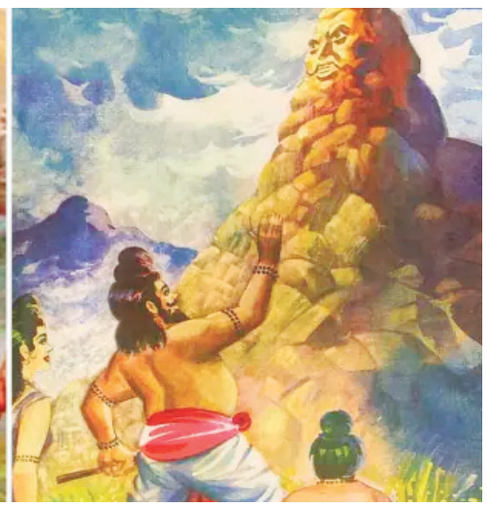

22 मई को अगस्त्य तारा अस्त हो चुका है । दक्षिण दिशा में एक सबसे चमकदार तारा दिखता है, इसे अगस्त्य तारा कहते हैं। 7 सितंबर को अगस्त्य तारा उदय हो जाएगा। जनवरी से अप्रैल तक दक्षिण दिशा में इस तारे को आसानी से देखा जा सकता है। इन महीनों में इसके आसपास कोई अन्य इतना चमकीला तारा नहीं होता है।

भारत के दक्षिणी क्षितिज पर दिखाई देने वाला ये तारा अन्टार्कटिका में सिर के ऊपर दिखाई देता है। ये तारा पृथ्वी से करीब 180 प्रकाश वर्ष दूर है। एक प्रकाश वर्ष करीब 95 अरब किमी के बराबर होता है। ये तारा सूर्य से लगभग सौ गुना अधिक बड़ा है। शास्त्रों में अगस्त्य तारे की कथा बताई गई है। ये कथा अगस्त्य मुनि से जुड़ी हुई है।

सूर्य और अगस्त्य की वजह से होता है वाष्पीकरण

सूर्य और अगस्त्य तारा की किरणे पृथ्वी पर पड़ती हैं। सूर्य और अगस्त्य की वजह से ही दक्षिण दिशा के समुद्रों से वाष्पीकरण होता है। सूर्य जनवरी में उत्तरायण होता है और अगस्त्य तारा मई तक उदय रहता है। इस कारण अगस्त्य तारे के अस्त होने तब तक समुद्रों से वाष्पीकरण की प्रक्रिया चलती रहती है। जब अगस्त्य तारा अस्त हो जाता है, उसके कुछ दिनों बाद वर्षा ऋतु शुरू होती है। आचार्य वराहमिहिर के सिद्धांत के अनुसार सूर्य और अगस्त्य तारे की वजह से मेघ यानी बादल बारिश के लिए तैयार हो जाते हैं। अगस्त्य तारे के अस्त होने के बाद मई के अंतिम सप्ताह से मानसून केरल से शुरू हो जाता है और जून के अंतिम सप्ताह में उत्तर भारत में पहुंचता है।

अगस्त्य तारे से जुड़ी धार्मिक मान्यताएं

सूर्य के साथ ही अगस्त्य तारे की वजह से भी होता है वाष्पीकरण

अगस्त्य तारे के संबंध में धार्मिक मान्यता ये है कि पुराने समय में वृत्तासुर नाम का एक राक्षस था। देवराज इंद्र ने वृत्तासुर का वध कर दिया तो उसकी सेना समुद्र में छिप गई थी। रात में असुरों की सेना समुद्र से निकलती और देवताओं पर आक्रमण कर देती थी और फिर समुद्र में छिप जाती थी। सभी देवता समुद्र में असुरों को खोज नहीं पा रहे थे। तब सभी देवता विष्णु जी के पास पहुंचे। विष्णु जी ने देवताओं को अगस्त्य मुनि के पास भेज दिया। अगस्त्य मुनि ने देवताओं की परेशानी समझी और समुद्र का पानी पी लिया। इसके बाद देवताओं ने असुरों की सेना का संहार कर दिया।

इस कथा की वजह से कहा जाता है कि अगस्त्य तारा समुद्र का पानी पी लेता है। अगस्त्य तारे की वजह से समुद्र से वाष्पीकरण होता है, इसे ही अगस्त्य का समुद्र पीना कहते हैं।

अंगारक चतुर्थी: गणेश जी के साथ हनुमान जी और मंगल ग्रह की पूजा का शुभ योग

मंगलवार, 23 मई को ज्येष्ठ मास के शुक्ल पक्ष की विनायकी चतुर्थी है। मंगलवार को चतुर्थी होने से इसे अंगारक चतुर्थी कहते हैं। इस तिथि पर गणेश जी के लिए व्रत किया जाता है। इस बार मंगलवार को ये तिथि होने से इस दिन हनुमान जी और मंगल ग्रह की पूजा का शुभ योग बना है।

चतुर्थी पर गणेश जी के लिए व्रत-उपवास और पूजा-पाठ करने से घर में सुख-समृद्धि बनी रहती है। मंगलवार का कारक ग्रह मंगल है। इस वजह से अंगारक चतुर्थी पर मंगल की भी पूजा करें।

शिवलिंग के रूप में होती है मंगल देव की पूजा

मंगल देव को ग्रहों का सेनापति माना जाता है। ये ग्रह मेष-वृश्चिक राशि का स्वामी है। अंगारक चतुर्थी पर सबसे पहले गणेश पूजन करें। मंगल ग्रह की पूजा शिवलिंग रूप में की जाती है। इसलिए शिवलिंग पर जल चढ़ाएं, लाल गुलाल, लाल फूल चढ़ाएं। इस शुभ योग में मंगल की भात पूजा भी कर सकते हैं। इस पूजा में शिवलिंग का पके हुए चावल से श्रृंगार किया जाता है और फिर पूजा की जाती है। पूजा करते समय ऊँ अं अंगारकाय नमः मंत्र का जप करते रहना चाहिए। हनुमान जी के सामने दीपक जलाएं और सुंदरकांड या हनुमान चालीसा का पाठ करें।

मंगलवार को ही हनुमान जी का जन्म हुआ था, इस कारण हर मंगलवार श्रीराम के परम भक्त हनुमान जी की पूजा करने की परंपरा है। पूजा में ऊँ रामदूताय नमः मंत्र का जप कर सकते हैं।

अंगारक चतुर्थी पर ऐसे कर सकते हैं व्रत

मंगलवार को सुबह जल्दी उठें और स्नान के बाद गणेश जी की प्रतिमा स्थापित करें। भगवान के सामने पूजा और व्रत करने का संकल्प लें। श्री गणेश को सिंदूर चढ़ाएं। गणेश मंत्र ऊँ गं गणपतयै नमः जप करते हुए दूर्वा दल चढ़ाएं। फूलों से श्रृंगार करें।

लड्डुओं का भोग लगाएं। गणेश जी के मंत्र का जप करें या अथर्वशीर्ष का पाठ करें। पूजा के बाद जरूरतमंद लोगों को भोजन कराएं। व्रत कर रहे हैं तो पूरे दिन अन्न का सेवन न करें। फलाहार या दूध ले सकते हैं। शाम को चंद्र उदय के बाद श्री गणेश जी पूजा करें, चंद्र पूजा करें। इसके बाद भोजन ग्रहण कर सकते हैं।

घर में हो सकते हैं एक से अधिक तुलसी के पौधे?

हिंदू धर्म में तुलसी के पौधे को बेहद पवित्र और पूजनीय माना जाता है। हर हिंदू परिवार के घर में तुलसी का पौधा लगा हुआ मिल जाएगा। वास्तु शास्त्र मानता है, कि तुलसी का पौधा घर में लगाने से सुख-समृद्धि, यश, वैभव और धन लाभ होते हैं। मान्यता है जिस घर में तुलसी का पौधा लगा होता है। वहां माता लक्ष्मी के साथ भगवान विष्णु की कृपा भी बरसती है। इसके अलावा घर में लगा तुलसी का पौधा सकारात्मक ऊर्जा का संचार बढ़ाता है। इसका शुभ असर घर के सदस्यों पर पड़ता है, लेकिन बहुत से लोग यह नहीं जानते कि घर में तुलसी के पौधे लगाने के भी कुछ नियम हैं। जिनका पालन करना बेहद जरूरी है। ऐसा ना किया जाए तो तुलसी के पौधे का उल्टा असर होने लगता है। भोपाल निवासी ज्योतिषी एवं

यदि आप अपने घर में एक से अधिक तुलसी के पौधे रखना चाह रहे हैं। तो ऐसे में इन पौधों की संख्या का ध्यान रखना बहुत जरूरी हो जाता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार घर में तुलसी के 1 से ज्यादा पौधे लगाने के लिए आपको इन्हें 3, 5, 7 अंकों की संख्या में लगाना चाहिए। यह संख्या विषम संख्या होती है, जो कि शुभ मानी जाती है।

वास्तु विशेषज्ञ पंडित हितेंद्र कुमार शर्मा बता रहे हैं, तुलसी का पौधा घर में लगाने के कुछ नियमों के बारे में।

इस तरह लगाएं तुलसी का पौधा

-तुलसी का पौधा आप अपने घर की छत पर या आंगन में लगा सकते हैं। ध्यान रहे कि तुलसी का पौधा घर के पूर्व या उत्तर पूर्व दिशा में ही लगाएं। ऐसा करने से आपको लाभ प्राप्त होगा। तुलसी के पौधे को सदैव साफ व स्वच्छ रखना चाहिए, साथ ही इसके आसपास की जगह को भी साफ स्वच्छ रखें। तुलसी के पौधे के आसपास जूते चप्पल नहीं रखनी चाहिए।

-तुलसी के पौधे को कभी भी सीधे जमीन में लगाना अच्छा नहीं होता, यदि आप तुलसी के पौधे के सकारात्मक परिणाम पाना चाहते हैं। तो इसे हमेशा गमले में ही लगाएं।

इसके अलावा गमले में लगे हुए, तुलसी के पौधे को कभी भी नीचे जमीन में ना छूने दें।

महाभारत से पहले युधिष्ठिर नहीं जानते थे सच पता चलते ही जीत पर नहीं हुए खुश

हिंदू धर्म में प्रचलित धार्मिक ग्रंथों में एक महाभारत भी है, जिसके बारे में हम सभी जानते हैं। महाभारत कौरवों और पांडवों के बीच धर्म-अधर्म को लेकर 18 दिनों तक हुए युद्ध पर आधारित है। इस दौरान कई ऐसी घटनाएं घटित हुईं, जो आज तक लोगों को उपदेश, संदेश और शिक्षा दे रही है। हालांकि, इस युद्ध के दौरान धर्मराज युधिष्ठिर और सर्वश्रेष्ठ धनुर्धर अर्जुन के अलावा, अनेक योद्धाओं ने कई तरह का छल कपट का किया था। युधिष्ठिर ने अपनी मां कुंती को क्या श्राप दिया था और कुंती ने युधिष्ठिर से क्या छुपाया था?

युधिष्ठिर कर रहे थे विलाप

धार्मिक ग्रंथों के अनुसार, महाभारत युद्ध की समाप्ति के बाद जब परिजनों और रिश्तेदारों का तर्पण किया गया। उसके बाद पांडव पूरे 1 महीने गंगा के तट पर ही रुके थे। इस दौरान धर्मराज युधिष्ठिर को कई महान ऋषि मुनि और संत सांत्वना देने आ रहे थे। इसी क्रम में देव ऋषि नारद का आना हुआ। उन्होंने युधिष्ठिर से पूछा कि क्या आप पापी दुर्योधन को हराने के बाद खुश नहीं हैं?

युधिष्ठिर का जवाब

युधिष्ठिर में देव ऋषि नारद को भारी मन से जवाब देते हुए कहा कि भले ही मैंने भगवान कृष्ण की कृपा, ब्राह्मणों के आशीर्वाद और भीम अर्जुन की शक्ति से इस युद्ध पर विजय प्राप्त कर ली, लेकिन फिर भी मुझे यह सच जानकर बेहद गहरा सदमा लगा है कि मैंने लालच वश इतनी बड़ी संख्या में अपनों को ही मार दिया। अभिमन्यु के निधन से जो पीड़ा द्रौपदि को उत्पन्न हुई है, इसे देखकर मैं इस जीत को अपनी जीत नहीं मानता। युधिष्ठिर कहते हैं, जब इन सभी योद्धाओं का वध कर दिया गया, उसके बाद मुझे पता चला कि कर्ण मेरे भाई थे। वे सूर्य देव और

माता कुंती के पुत्र थे। दुनिया के सभी लोग ये मानते थे कि वे राधा के पुत्र हैं, लेकिन सच तो ये है कि वे मेरी मां के सबसे बड़े पुत्र थे। इस बात से मैं, भीम, अर्जुन, नकुल और सहदेव हम सभी अनजान थे, परंतु कर्ण ये जानते थे कि हम सभी उनके छोटे भाई हैं। भगवान कृष्ण और माता कुंती ने कर्ण को ये जानकारी दी थी कि हम उनके छोटे भाई हैं परंतु दुर्योधन के साथ घनिष्ठता के कारण वे हमारे साथ इस युद्ध में नहीं आ सके। उन्होंने हमारा वध नहीं करने का वचन दिया था। आगे युधिष्ठिर कहते हैं कि यदि मेरे पास अर्जुन और कर्ण दोनों भाई होते तो मैं इस दुनिया पर भी विजय पा सकता था। इतना कहकर युधिष्ठिर भावुक हो उठे। तभी वहां माता कुंती आ जाती हैं और अपने पुत्र से शोक नहीं करने के लिए कहती हैं। आगे वे बताती हैं कि उन्होंने कर्ण को आप सभी के बारे में बताने की कोशिश की थी। सूर्यदेव मेंम ने भी उनसे बात करने का प्रयास किया था परंतु दुर्योधन से घनिष्ठ मित्रता होने के कारण कर्ण ने उनका साथ नहीं छोड़ा।

माता कुंती से नाराज हो गए युधिष्ठिर

जब कुंती पुत्र युधिष्ठिर से विलाप ना करने और शांत होने के लिए आग्रह कर रही थीं तो धर्मराज युधिष्ठिर शांत ना होते हुए और अधिक क्रोधित हो उठे। उन्होंने अपनी मां से इस बात की नाराजगी जाहिर की, कि इस सच को छुपा कर कि कर्ण हमारे बड़े भाई थे। आपकी वजह से मैं अपने ही भाई का हत्यारा बन गया। इस सच को जानने के बाद युधिष्ठिर अपनी मां से नाराज हो गए थे।

गुरु-पुष्य योग में होगा...सूर्य का रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश, मौसम पर पड़ेगा खास प्रभाव

सनातन धर्म में रोहिणी नक्षत्र का अपना अलग महत्व है। सूर्य देव रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करते हैं तो तापमान बढ़ने लगता है। गर्मी अपने चरम सीमा पर पहुंच जाती है। ज्योतिष के अनुसार, रोहिणी नक्षत्र पड़ते ही आम पकने की शुरुआत होने लगती है। वहीं, रोहिणी नक्षत्र सत्य में वृद्धि और सर्वोच्च विकास का प्रतीक माना जाता है।

बैद्यनाथ धाम के ज्योतिषी पंडित नंद किशोर मुदगल बताते हैं कि इस बार सूर्य गुरु पुष्य योग में रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश कर रहा है। रोहिणी नक्षत्र 25 मई को रात में शुरू हो जाएगा। इस नक्षत्र का प्रभाव 14 दिनों तक रहने वाला है। 8 जून को इसका समापन होगा। गुरु पुष्य योग में सूर्प्रय का रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करना शुभ माना जाता है। लिहाजा इस बार खूब बारिश होगी। किसान अच्छी पैदावार कर पाएंगे।

जमकर होगी बारिश!

पंडित नन्द किशोर मुदगल ने बताया कि रोहिणी नक्षत्र प्रारम्भ होते ही किसान खेती की शुरुआत कर देते हैं। इस बार गुरु पुष्य योग में सूर्य रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश कर रहा है। लिहाजा किसानों के लिए अच्छा रहेगा। इस साल अच्छी बारिश होने की भी संभावना है। जिससे किसान अच्छी तरह से जुताई, बुआई कर पाएंगे।

धान बोना हो जाता है शुरू

खेती करने वाले किसान को रोहिणी नक्षत्र का इंतजार रहता है। रोहिणी नक्षत्र पड़ते ही किसान धान बोने की तैयारी में जुट जाते हैं। साथ ही खेती का नया सीजन भी प्रारम्भ हो जाता है। किसान अपने-अपने खेतों में धान की नर्सरी तैयार करने मे जुट जाते हैं। वहीं रोहिणी नक्षत्र में

धान के बीज डालने के साथ रोपनी भी समयानुसार होती है।

महत्वपूर्ण बातें

शुरुआत: सूर्य का रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश 25 मई, दिन बृहस्पतिवार को रात 01 बजकर 16 मिनट पर होगा। समाप्ति: 08 जून, दिन बृहस्पतिवार को सुबह 06 बजकर 40 मिनट पर।

दान की है परंपरा

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, रोहिणी नक्षत्र मे ठंडक देने वाली चीजों का दान करना बहुत ही खास माना गया है। इस चीजों में पानी, सत्तू, पंखा, मटका आदि चीजें प्रमुख हैं। इसके अलावा छाता, पंखा और जूते-चप्पल का दान भी इस दौरान कर सकते हैं।

पूजा की घंटी में किसका चित्र होता है?

ज्योतिष शास्त्र मानता है कि घंटी के बिना पूजा अधूरी होती है। आरती करते समय या आरती के बाद लोग घंटी बजाते हैं और अपनी मनोकामनाएं भगवान तक पहुंचाते हैं। माना जाता है कि घंटी सभी प्रकार की नकारात्मकता को दूर करती है और वातावरण को पवित्र और सकारात्मक बनाती है। हिंदू धर्म की हर पूजा में आरती के समय घंटी बजाते हैं, लेकिन यदि आपने कभी गौर किया होगा तो आपको घंटी के ऊपर किसी देवता का चित्र अंकित दिखाई दिया होगा।

कितनी तरह ही होती हैं घंटियां

मंदिर पूजा-पाठ के स्थानों या घर में इस्तेमाल की जाने वाली घंटियां चार प्रकार की होती हैं पहली गरुण घंटी, दूसरी द्वार घंटी, तीसरी हाथ घंटी और चौथी घंटा। गरुड़ घंटी छोटी होती है, जिसे हाथ से

बजाया जा सकता है। द्वार घंटी वह घंटी होती है, जो मंदिरों के द्वार पर लटकी हुई होती है। यह बड़ी और छोटी दोनों ही प्रकार की हो सकती है। हाथ घंटी पीतल की ठोस एक गोल प्लेट की तरह होती है। इसको लकड़ी के एक गद्दे से ठोक कर बजाते हैं, और घंटा बहुत बड़ा होता है, यह कम से कम 5 फुट लंबा और चौड़ा हो सकता है। इसको बजाने के बाद आवाज कई किलोमीटर तक जा सकती है। हिंदू धर्म में माना जाता है कि सृष्टि की रचना जिस नाद से हुई है वह इसी गरुड़ घंटी से निकलता है। मान्यताओं के अनुसार पूजा पाठ या आरती के समय घंटी बजाने से आसपास की मौजूद नकारात्मक ऊर्जा का नाश होता है। हम अपने घर के पूजा स्थान में जिस घंटी का उपयोग करते हैं उसे गरुड़ घंटी कहा जाता है।

पूजा घंटी में क्यों अंकित होते हैं गरुड़ भगवान

घरों और मंदिरों में हम जिस हाथ से घंटी का उपयोग करते हैं। उस घंटी के ऊपर गरुड़ भगवान की छवि अंकित होती है। गरुड़ घंटी छोटे आकार की होती है। ऐसा माना जाता है कि गरुड़ घंटी का पूजा में इस्तेमाल करने से मोक्ष की प्राप्ति होती है। इसके अलावा ऐसी भी मान्यता है, कि जिस घर में गरुड़ घंटी का इस्तेमाल किया जाता है। उस घर में सदैव सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है।

कौन हैं गरुड़ भगवान

हिंदू धर्म में गरुड़ देवता को भगवान विष्णु का वाहन बताया गया है। गरुड़ देव हिंदू धर्म के महत्वपूर्ण पक्षियों और भगवान के रूप में पूजे जाते हैं। पूजा की घंटी में इनका चित्र अंकित होता है। जिसके पीछे यह माना जाता है कि यह भगवान विष्णु के वाहन के रूप में भक्तों का संदेश भगवान तक पहुंचाते हैं। इसलिए गरुड़ घंटी बजाने से मनोकामना की पूर्ति होती है, और प्रार्थना भक्तों से सीधे भगवान तक पहुंच जाती है।

साउथ के दिग्गज अभिनेता सरथ बाबू का निधन

71 साल की उम्र में ली अंतिम सांस

साउथ के दिग्गज एक्टर सरथ बाबू का निधन हो गया है। उन्होंने 71 साल की उम्र में अंतिम सांस ली है। साउथ सिनेमा में गम का माहौल पसरा हुआ है। इस खबर से हर किसी को धक्का लगा है और कोई इस बात पर विश्वास नहीं कर पा रहा है। सरथ अपनी फिल्मों के लिए जाने जाते थे। दर्शक भी उनकी फिल्म का खूब लुत्फ उठाते हैं, लेकिन अब यह सिलसिला और नहीं चल पाएगा क्योंकि अभिनेता हमारे बीच नहीं रहें।

काफी समय से बीमार चल रहे थे सरथ

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पिछले दिनों सरथ की तबीयत काफी खराब चल रही थी, लेकिन उनकी बहन ने उनकी हेल्थ का अपडेट शेयर किया है। उन्होंने कहा 'सरथ बाबू के बारे में सोशल मीडिया पर सभी खबरें गलत आ रही हैं। सरथ बाबू थोड़ा ठीक हो गए हैं और रूम शिफ्ट कर दिया गया है। मुझे उम्मीद है कि सरथ बाबू पूरी तरह से ठीक हो जाएंगे और जल्द ही मीडिया से मुखातिब होंगे। मेरा अनुरोध है कि सोशल मीडिया पर किसी भी खबर पर विश्वास न करें'।

वेंटिलेटर पर थे सरथ

खबरों की मानें तो सरथ बाबू पिछले काफी दिनों से सेप्सिस की बीमारी से जूझ रहे थे। उनके गुर्दे, फेफड़े सब फेल हो गए थे, जिसके बाद उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया था। डॉक्टर्स की तमाम कोशिशों के बावजूद उन्हें बचाया नहीं जा सका और हैदराबाद के एआईजी अस्पताल में उनका निधन हो गया। अभिनेता की यूं चले जाना सबको लिए गमगीन हो गया है। पूरे साउथ इंडस्ट्री में शोक की लहर दौड़ पड़ी है।

सोशल मीडिया पर फैंस दे रहे हैं श्रद्धांजलि

सोशल मीडिया पर फैंस से लेकर साउथ सेलेब्स तक, सभी लोग अभिनेता को श्रद्धांजलि दे रहे हैं। फैंस को यह बात अब तक हजम नहीं हो पाई है और वह अभी तक इस बात पर विश्वास नहीं कर पाए हैं। आपको बता दें कि साल 1973 में उन्होंने तेलुगु फिल्म राम राज्यम से अभिनय की शुरुआत की थी, जिसके बाद उनकी लोकप्रियता बढ़ती ही गई।

जूनियर एनटीआर अपने दादा एनटी रामा राव के शताब्दी समारोह में नहीं हुए शामिल, क्या राम चरण हैं वजह?

साउथ के सुपरस्टार जूनियर एनटीआर हैदराबाद में अपने दादा एनटी रामा राव के शताब्दी समारोह में नहीं पहुंचे। जिसके बाद हर कोई हैरान है, क्योंकि इसकी किसी ने कल्पना भी नहीं की थी। जिसके बाद चर्चा शुरू हो गई है कि राम चरण की वजह से उन्होंने ऐसा किया, क्योंकि राम चरण शताब्दी समारोह में शामिल हुए थे। कहा जा रहा है कि ऑस्कर अवॉर्ड सेरेमनी के समय दोनों अभिनेताओं के बीच दूरियां आ गईं।

जूनियर एनटीआर और रामचरण के रिश्ते में आई खटास!

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, ऑस्कर कैंपेन के दौरान एसएस राजामौली ने राम चरण को ज्यादा तरजीह देने की वजह से जूनियर एनटीआर खफा हैं। उस दौरान कई मौकों पर राजामौली आरआरआर के लिए राम चरण की तारीफ करते दिखे, जो जूनियर एनटीआर को रास नहीं आया। जिसके चलते उन्होंने ऑस्कर कैंपेन से दूरी बना ली थी। हालांकि, बाद में वह एकेडमी अवॉर्ड सेरेमनी के लिए अमेरिका जरूर पहुंचे थे। लेकिन दोनों अभिनेताओं के बीच दूरियां कम नहीं हुईं।

शताब्दी समारोह में राजनीति और सिनेमा जगत के लोग हुए शामिल

पिछले सप्ताह दिग्गज एक्टर, दमदार राजनेता और आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत नंदकुमारी तारक रामा राव का शताब्दी समारोह मनाया गया। रजनीकांत और चंद्र बाबू नायडू से लेकर राजनीति और सिनेमा जगत के लोग इस समारोह में शामिल हुए थे। ऐसे में जूनियर एनटीआर का न आना, हर किसी को चौंका रहा है। 20 मई को ही जूनियर एनटीआर का जन्मदिन भी था। ऐसे में उनका समारोह से दूर रहना सभी को खटक रहा है।

एनटीआर रामा राव को लोग भगवान की तरह पूजते थे

बता दें कि जूनियर एनटीआर के दादा एनटीआर रामा राव ने भी 300 से ज्यादा फिल्मों में काम किया था। इसके बाद उन्होंने खुद की राजनीतिक पार्टी बनाई थी, उन्होंने राजनीतिक पार्टी टीडीपी यानी तेलुगु देशम पार्टी की स्थापना की थी, जो आज भी आंध्र की एक बड़ी पार्टी है। एनटीआर रामा राव को लोग भगवान की तरह पूजते थे।

'मुझे ओटीटी की ताकत का अंदाजा नहीं था': अदिति राव हैदरी

हाल ही में अदिति राव हैदरी एक अवॉर्ड फंक्शन में शामिल हुईं। इस दौरान उन्होंने अपने करियर और पर्सनल लाइफ के बारे में मीडिया से बात की। उन्होंने जूम से बात करते हुए बताया कि जुबली और ताजः डिवाइडेड बाय ब्लड जैसी वेब सीरीज में काम करने के बाद अब उन्हें ओटीटी की पकड़ का अंदाजा हुआ है। उन्होंने ये भी बताया कि कुछ समय पहले तक उनका मानना ये था कि सिर्फ बिग स्क्रीन पर आने वाली फिल्में ही अच्छा परफॉर्म कर सकती हैं। लेकिन, उन्हें इस बात की खुशी है कि वो गलत साबित हुईं।

अदिति ने ओटीटी पर आने वाले कंटेंट की पहुंच के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा- अब काफी एक्टर्स ओटीटी को लेकर सीरियस हैं। नए लोग भी मीडियम की परवाह किए बगैर ही ओटीटी पर हाथ आजमाने को तैयार हैं क्योंकि अब हमें इसकी पहुंच और पकड़ का अंदाजा है।

लॉकडाउन की वजह से ओटीटी पर रिलीज हुई थी फिल्मः अदिति

अदिति ने 2020 में मलयाली फिल्म सूफियम सुजातायुम के साथ ओटीटी डेब्यू किया था। उन्होंने कहा- मैंने मलयाली फिल्म में काम किया था, जो थिएटर के लिए बनाई गई थी। लेकिन, लॉकडाउन की वजह से फिल्म को ओटीटी पर रिलीज कर दिया गया। इस वजह से मैं काफी अपसेट थी। लेकिन, फिल्म को इतना पसंद किया गया कि रिलीज के बाद रातों-रात इससे जुड़ा कंटेंट वायरल होने लगा। ये मेरे लिए बहुत बड़ी बात थी क्योंकि मलयालम इंडस्ट्री में किसी आउटसाइडर का जगह बनाना थोड़ा मुश्किल है। ओटीटी पर इस फिल्म को जो सक्सेस मिली, उसके बाद से मेरे मन से मीडियम का डर खत्म हो गया।

ताजः डिवाइडेड बाय ब्लड और जुबली को मिल रहे प्यार पर अदिति ने कहा- ताज में काम करना बेहतरीन अनुभव था। मुझे अब भी यकीन नहीं होता कि मुझे इन दोनों शोज के लिए इतना प्यार मिला। जब आपको कोई काम करना पसंद हो, और आपको उसे लेकर तारीफ भी मिल रही हो, तब काम करने का मजा दोगुना हो जाता है। ऑडियंस ने मुझे और मेरे काम को सराहा है, मुझे इस बात की खुशी है।

आपका चहेता 'टप्पू' अब इस फिल्म से मचाएगा धमाल

टीवी शो 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' को घर घर में पसंद किया जाता है। इस शो में नजर आने वाले किरदारों को लोगों ने दिलों में बसा रखा है। इस शो से कई कलाकारों ने अपनी एक अलग पहचान बनाई है। इन दिनों यह शो विवादों से घिरा हुआ है। जहां एक तरह शो लगातार विवादों में चल रहा है। वहीं, दूसरी तरफ इस शो में टप्पू का किरदार निभाने वाले भव्य गांधी अपनी आने वाली फिल्म की तैयार में जुट गए हैं।

2017 में 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' का उल्टा चश्मा को कहा अलविदा

भव्य गांधी ने करीब नौ सालों तक 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' शो में टप्पू बनकर लोगों का मनोरंजन किया। 2017 में उन्होंने शो को अलविदा कह दिया, जिसके बाद राज अनादकट ने इस किरदार को निभाया था। शो से निकलने के बाद भव्य गांधी ने गुजराती फिल्मों में एक्टिंग शुरू की।

लंदन से फिल्म की दिखाई झलकी

भव्य गांधी ने लंदन से अपनी 'न्यू बिगनिंग्स' की झलक फैंस के साथ शेयर की है। इस अनटाइटल्ड फिल्म के सेट से उन्होंने कास्ट और क्रू मेंबर्स के साथ कई तस्वीरें शेयर कीं, जिसे देखने के बाद फैंस की एक्साइटमेंट बढ़ गई है।

बता दें कि भव्य गांधी की फिल्म में हार्दिक संगानी, हेमंग देव, टीकू तलसानिया, नवीन बावा और व्रिती वघानी भी एक्टिंग करते नजर आएंगे।

इन दिनों विवादों में है शो

बता दें कि इस शो में रोशन कौर सोढ़ी का किरदार निभाने वाली एक्ट्रेस जेनिफर मिस्त्री बंसीवाल ने शो छोड़ते ही इसके निर्माता असित कुमार मोदी पर यौन शोषण का आरोप लगाया तो हर कोई चौंक गया। जेनिफर मिस्त्री बंसीवाल ने प्रोजेक्ट हेड सोहेल रमानी और कार्यकारी निर्माता जतिन बजाज के खिलाफ मामला दर्ज कराया। इस वजह से यह शो काफी चर्चाओं में है।

टीवी एक्टर आदित्य सिंह राजपूत की मौत

घर के बाथरूम में मिली लाश; ड्रग्स ओवरडोज की आशंका, एक रात पहले की थी पार्टी

टीवी एक्टर और कास्टिंग डायरेक्टर आदित्य सिंह राजपूत की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। सोमवार को टीवी एक्टर और कास्टिंग डायरेक्टर आदित्य सिंह राजपूत की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। अंधेरी स्थित उनके घर के बाथरुम से उनकी लाश मिली है। उनके दोस्त और बिल्डिंग का वॉचमैन उन्हें हॉस्पिटल लेकर गया, जहां डॉक्टर्स ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, उनकी मौत की वजह ड्रग्स का ओवरडोज हो सकती है। आदित्य सिंह राजपूत दिल्ली के रहने वाले थे। उन्होंने 17 साल की उम्र में बतौर मॉडल अपने करियर की शुरुआत की थी। उन्होंने मैंने गांधी को नहीं मारा और क्रांतिवीर जैसी फिल्मों में काम किया था। आदित्य लगभग 300 से ज्यादा ऐड वीडियोज में नजर आए थे। वे रियलिटी शो स्प्लिट्सविला में भी देखे गए थे। उन्होंने कल ही रात इंस्टाग्राम पर स्टोरी पोस्ट की थी, इन तस्वीरों से जाहिर होता है कि निधन के कुछ घंटे पहले वे पार्टी कर रहे थे।

सौरव गांगुली और ऋतिक के साथ किया था ऐड

आदित्य का जन्म भले ही दिल्ली में हुआ था, लेकिन उनका परिवार मूल रूप से उत्तराखंड का रहने वाला है। आदित्य के परिवार में उनके मां-बाप के अलावा उनकी एक बड़ी बहन भी हैं। उन्होंने सौरव गांगुली और ऋतिक रोशन के साथ हीरो होंडा का एक ऐड भी किया था।

शाहरुख ने बेटी को किया बर्थडे विश

शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान आज 23 साल की हो गई हैं। इस खास मौके पर किंग खान ने सुहाना का एक अनसीन वीडियो शेयर कर उन्हें बर्थडे विश किया है।

वीडियो में सुहाना रोलर स्केट्स पहन कर गोल-गोल घूमती हुई नजर आ रही हैं। ये वीडियो स्लो-मो में रिकॉर्ड किया गया है, जिसमें सुहाना प्यारी सी स्माइल करते हुए दिखाई दीं।

वीडियो में सुहाना ने ब्लैक क्रॉप टॉप और डेनिम जीन्स पहनी है। वीडियो में वह काफी खुश लग रही हैं। वीडियो को शेयर करते हुए किंग खान ने कैप्शन में लिखा, 'आज अपनी खुशियां पाने का दिन है...लव यू बेबी।' किंग खान के इस पोस्ट पर फैंस से

लेकर सेलेब्स तक सभी सुहाना को बर्थडे की बधाईयां दे रहे हैं।

पापा के इस पोस्ट पर सुहाना ने रिएक्शन देते हुए लिखा, 'लव यू द मोस्ट'। वहीं सुहाना की बेस्ट फ्रेंड शनाया कपूर और अनन्या पांडे ने भी उन्हें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर बर्थडे विश किया है।

बता दें, सुहाना, शाहरुख गौरी खान की इकलौती बेटी हैं। उनका एक बड़ा भाई आर्यन खान और एक छोटा भाई अबराम खान है। उन्होंने न्यूयॉर्क में अपनी पढाई पूरी की है। सुहाना जोया अख्तर की द आर्चीज के साथ बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही हैं।

इस फिल्म में उनके साथ खुशी कपूर,अगस्त्य नंदा कपूर और वेदांग रैना भी नजर आने वाले हैं। यह फिल्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। इसके अलावा सुहाना खान न्यूयॉर्क के ब्यूटी ब्रांड मेबेलिन की ब्रांड एंबेसडर भी हैं।

दिया मिर्जा के अकाउंट पर वापस नहीं आया ब्लू टिक

दिया मिर्जा ने हाल ही में ट्वीट कर पूछा है कि उनके अकाउंट पर अभी तक ब्लू टिक क्यों नहीं आया है। उन्होंने ट्वीट करते हुए बताया कि उन्होंने ट्विटर का ब्लू सब्सक्रिप्शन भी लिया हुआ है। इसके बावजूद उनके अकाउंट पर ब्लू टिक अब तक वापस नहीं आया है। उनके इस ट्वीट पर फैंस ने भी रिएक्ट किया है।

दिया मिर्जा ने ट्वीट करते हुए लिखा- मैं 2010 से ट्विटर यूज कर रही हूं। मेरा वेरिफाइड अकाउंट भी है। मैंने ट्विटर का नया ब्लू प्लान भी खरीद लिया है फिर भी मेरे अकाउंट पर अब तक ब्लू टिक वापस नहीं आया है, ऐसा क्यों है ?

दिया के इस ट्वीट पर रिएक्ट करते हुए एक व्यक्ति ने लिखा- अगर अपने अपनी प्रोफाइल पिक्चर बदली हो तो आपके अकाउंट पर एक हफ्ते बाद ब्लू टिक दिखने लगेगा।

2009 में ट्विटर पर ब्लू टिक का कॉन्सेप्ट आया था। ब्लू टिक फेक अकाउंट से बचने और आइडेंटिटी थेफ्ट को कम करने के लिए लाया गया था। पहले अकाउंट के वेरिफिकेशन और ब्लू टिक को खरीदने की जरूरत नहीं थी। एलन मस्क ने ट्विटर के ब्लू टिक को सिर्फ प्रीमियम कस्टमर्स के लिए सब्सक्रिप्शन प्लान में शामिल कर दिया है।

सगाई के बाद पहली बार नजर आईं परिणिति चोपड़ा

राघव ने पोस्ट कर लिखा- एक खूबसूरत लड़की मेरी जिंदगी में आई

परिणीति चोपड़ा ने 13 मई को दिल्ली में आप नेता राघव चड्ढा के साथ सगाई की है। अब सगाई के बाद परिणीति पहली बार नजर आई हैं। रविवार शाम परिणीति को मुंबई एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया, जिसका एक वीडियो सामने आया है। वीडियो में परिणीति कैजुअल लुक में नजर आईं।

फैंस के साथ ली सेल्फी

एयरपोर्ट पर उन्होंने व्हाइट टीशर्ट- डेनिम जीन्स के साथ ब्लेजर पहनी हुई है। इस लुक को उन्होंने ब्लैक हैंड बैग और ब्लैक गॉगल्स के साथ कम्पलीट किया है। परिणीति को देखते ही फैंस ने उन्हें घेर लिया, जहां उन्होंने एक-एक करके फैंस के साथ सेल्फी ली। इसके बाद वह अपनी कार की तरफ निकल गईं।

पैपराजी ने परिणीति को दी बधाई

एयरपोर्ट पर मौजूद पैपराजी ने परिणीति को उनकी सगाई के लिए बधाई दी। वही एक मीडिया पर्सन ने उनकी शादी को लेकर भी सवाल पूछा, 'परी जी शादी कब है?₹ हालांकि उन्होंने इस सवाल का जवाब नहीं दिया, लेकिन पैपराजी के बधाई देने पर हाथ जोड़ कर उनका धन्यवाद किया।

राघव ने पोस्ट कर परिणीति की तारीफ की

राघव चड्ढा ने अपने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर परिणीति के लिए एक स्पेशल पोस्ट किया है। उन्होंने लिखा, 'एक दिन, ये खूबसूरत लड़की मेरे जीवन में आई, जिसने मुस्कान, हंसी का साथ मेरी लाइफ में रौनक बढ़ा दी। कोई आश्चर्य नहीं कि हमारी सगाई एक ऐसा खुशी का अवसर था जहां खुशी के आंसू, हंसी, खुशी और मस्ती ने हमारे परिवार को और भी करीब ला दिया, खास तौर पर पंजाबी तरीके से'।

परिणीति ने बताया ब्रेकफास्ट के दौरान राघव से हुआ प्यार

अब परिणीति ने सोशल मीडिया पर सगाई की कुछ अनसीन फोटोज शेयर की हैं। इन फोटोज को शेयर करते हुए उन्होंने अपनी और राघव की लव स्टोरी के बारे में बताया। परिणीति ने लिखा, 'एक ब्रेकफास्ट किया और मैं समझ गई कि वो मुझे मिल गया है।

जो एक शानदार व्यक्ति, बेहद शांत और इंस्पाइरिंग होगा। जिसका ह्यूमर, सपोर्ट और सच्ची दोस्ती खुशी देने वाला है। वह मेरा घर है। हमारी इंगेजमेंट पार्टी एक एक सपने की तरह थी। एक ऐसा सपना जो प्यार, इमोशन, हंसी और बहुत सारे डांस से भरपूर था'। उन्होंने आगे लिखा कि उनका भी बचपन का सपना था उनकी फैरीटेल भी ऐसी हो। लेकिन उनके हिसाब से ये उससे भी बेहतर है।

सगाई में इमोशनल हो गई थीं परिणीति

परिणीति कि इन तस्वीरों में से एक में सगाई के दौरान परिणीति चोपड़ा इमोशनल होते हुए नजर आईं, वहीं राघव उनके आंसू पोछते दिख रहे हैं। तो वहीं दूसरी फोटो में राघव- परिणीति एक दूसरे को गले लगाए हुए दिखाई दिए। एक अन्य फोटो में प्रियंका चोपड़ा राघव को तिलक लगा रही

बता दें कि कीर्ति सुरेश ने बीते दिनों एक्शन ड्रामा फिल्म 'दशहरा' के जरिए खूब चर्चा बटोरीं। इस फिल्म में उन्होंने फीमेल लीड रोल प्ले किया और नानी के साथ स्क्रीन शेयर करती नजर आईं।

चर्चित अभिनेत्री कीर्ति सुरेश इन दिनों अपनी शादी की खबरों को लेकर चर्चा में हैं। मीडिया रिपोर्ट्स में ऐसा दावा किया जा रहा है कि एक्ट्रेस जल्द ही दुबई के बिजनेसमैन से शादी रचाने वाली हैं। मगर, हाल ही में कीर्ति ने खुद इस मामले में चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने बाकायदा सोशल मीडिया पर इस मामले में प्रतिक्रिया दी है।

ट्विटर पर दिया जवाब

काफी वक्त से कहा जा रहा है कि कीर्ति दुबई के बिजनेसमैन फरहान बिन लियाकत के साथ रिलेशनशिप में हैं और जल्द ही दोनों घर बसाने की तैयारी में हैं। अब कीर्ति ने ऐसी ही एक खबर पर प्रतिक्रिया दी है। पहले तो कीर्ति इस तरह की खबर देख अपनी हंसी ही नहीं रोक पाईं। उन्होंने ऐसी खबर को रिट्वीट करते हुए लिखा, 'हाहाहा ! अभी ऐसा कुछ नहीं है, फिलहाल मेरे दोस्त का नाम बीच में लाना सही नहीं है। जब भी मुझे शादी करनी होगी, मैं सच में उस रियल मिस्ट्री मैन का खुलासा करूंगी। तब तक शांत रहें।'

इस फिल्म में आईं थीं नजर

बता दें कि कीर्ति सुरेश ने बीते दिनों एक्शन ड्रामा फिल्म 'दशहरा' के जरिए खूब चर्चा बटोरीं। इस फिल्म में उन्होंने फीमेल लीड रोल प्ले किया और नानी के साथ स्क्रीन शेयर करती नजर आईं। कीर्ति ने फिल्म की शूटिंग के आखिरी दिन क्रू को 130 सोने के सिक्के बांटे थे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इन सिक्कों की कीमत करीब 70 लाख रुपये थी।

इन तमिल फिल्मों में आएंगी नजर

आने वाले वक्त में कीर्ति के पास कई अहम प्रोजेक्ट्स हैं। इस साल उनकी कई फिल्में रिलीज होंगी। इन्हीं में से एक फिल्म है 'मामन्नन'। इसके अलावा कीर्ति मेगास्टार चिरंजीवी की 'भोला शंकर' में नजर आएंगी। इसके अलावा कीर्ति 'सायरन', 'रघु थाथा' और 'रिवॉल्वर रीटा' जैसी तमिल फिल्मों का भी हिस्सा हैं।

गर्मियों में शरीर को रखना चाहते हैं तरो-ताजा तो नींबू और जीरे का पानी आ सकता है काम

यदि आप गर्मियों में कुछ ठंडा पीना चाहते हैं जो सेहत के लिए उपयोगी भी हो, तो ऐसे में आप अपनी डाइट में नींबू और जीरे का पानी भी जोड़ सकते हैं. जानते हैं नींबू और जीरे के पानी के फायदों के बारे में...

गर्मियों में अक्सर लोगों का मन ठंडा पीने का करता है. इस तलब को मिटाने के लिए कभी वे घर में शिकंजी बना लेते हैं तो कभी रूह अफजा का पानी. ऐसे में बता दें कि आप गर्मियों में नींबू और जीरे का पानी भी पी सकते हैं. नींबू जीरा दोनों ही सेहत के लिए बेहद उपयोगी है. आज का हमारा लेख नींबू और जीरे के फायदों पर है. आज हम आपको अपने इस लेख के माध्यम से बताएंगे कि आप गर्मियों में नींबू और जीरे को अपनी डाइट में क्यों जोड़ें.

नींबू और जीरा पानी के फायदे

नींबू और जीरे का पानी सेहत के लिए बेहद उपयोगी साबित हो सकता है. बता दें कि यह पेट को तंदुरुस्त बनाए रखने के साथ-साथ पाचन क्रिया को भी दुरुस्त बनाए रखने में उपयोगी है. नींबू और जीरे का पानी पेट की कई समस्याएं जैसे – अपच, पेट फूलने की समस्या, गैस आदि समस्याओं को दूर करने में भी उपयोगी है. यदि आप अपना वजन घटाना चाहते हैं तो ऐसे में आप नींबू और जीरे के पानी को अपनी डाइट में जोड़ सकते हैं. यह शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने के साथ-साथ शरीर में फैट भी जमा होने नहीं देता है. ऐसे में आप गुनगुने पानी में नींबू और जीरे को मिलाकर पी सकते हैं.

यदि आप लिवर को डिटॉक्स करना चाहते हैं तो यह ड्रिंक आपके बेहद काम आ सकता है. बता दें कि लिवर की गंदगी के साथ-साथ शरीर की गंदगी को बाहर निकालने में भी ये उपयोगी साबित हो सकता है. जीरा और नींबू त्वचा पर निखार लाने में आपके काम आ सकते हैं. ऐसे में आप नियमित रूप से जीरा और नींबू से बने ड्रिंक का सेवन कर सकते हैं.

बढ़ते वजन के डर से नहीं खाते हैं चावल तो इस राइस को डाइट में करें शामिल

आजकर बढ़ते वजन की समस्या से हर कोई परेशान है. ऐसे में हम कई चीजों को खाना छोड़ देते हैं. खासकर चावल से हम दूरी बना लेते हैं. ऐसे में पारबॉइल्ड राइस को खाने से आप हेल्दी रह सकते हैं. बढ़ते वजह को रोकने के लिए लोग अक्सर चावल से दूरी बना लेते हैं. हालांकि अधिकतर लोगों को चावल खाना पसंद होता है, लेकिन फिर भी ये बढ़ते वजह के चलते इसे अपनी थाली से हटा देते हैं. लोग चावल को वजह बढ़ने की असल वजह मानते हैं.

चावल में कार्बोहाइड्रेट्स की मात्रा अधिक होती है, जिसके चलते ये वजन बढ़ाने में मदद करता है. जब भी हम डाइट फॉलो करते हैं तो हमें चावल से दूर रहने की सलाह दी जाती है और मन को मारकर हम इसे खाना बंद कर देते हैं, लेकिन आज हम आपको एक ऐसा उपाय बताने जा रहे हैं, जिससे आप चावल का आनंद भी ले सकते हैं और ये आपको हेल्दी भी रखेगा.

कई लोग हैं जिन्होंने वजह बढ़ने के चलते चावल को छोड़ रखा है, लेकिन यदि आप 'पारबॉइल्ड राइस' का सेवन करते हैं तो आप हेल्दी बनें रह सकते हैं. दुनिया में हुए कई शोध और अध्ययन भी इस बात की पुष्टि करते हैं कि पारबॉइल्ड राइस सेहत के लिए सामान्य राइस की तुलना में ज्यादा फायदेमंद होता है. ऐसे में इन्हें आप आराम से खा सकते हैं.

पारबॉइल्ड राइस को अधपका चावल के नाम से भी जाना जाता है. इन्हें भूसे के अंदर ही उबाल दिया जाता है. इसे पहले 4 घंटे से लेकर 8 घंटे तक धान सहित पानी में भिगोकर रखा जाता है इसके बाद इसे भाप में पकाते हैं और फिर इसे धूम में सुखाकर इसकी भूसी निकालते हैं. ये सामान्य चावल से बिल्कुल अलग होते हैं.

इस चावल की अच्छी बात ये है कि इसे और चावलों की तरह पॉलिश नहीं किया जाता है. ऐसे में इसमें सामान्य चावल की तुलना में पौष्टिक तत्व कहीं ज्यादा होते हैं. इसकी खास प्रक्रिया के चलते इसमें विटामिन की मात्रा अधिक होती है, जिससे आप हेल्दी रहते हैं.

पारबॉइल्ड राइस के फायदे-

-पारबॉइल्ड राइस सेहत के लिए काफी अच्छे होते हैं. इनमें पोषक तत्व की मात्रा अधिक पाई जाती है. इनमें फाइबर, कैल्शियम, विटामिन और पोटेशियम अधिक मात्रा में मिलते हैं. ऐसे में ये वजन को नियत्रण में रखते हैं.

-पारबॉइल्ड राइस में प्रीबायोटिक अधिक मात्रा में पाया जाता है, जो पेट के लिए अच्छा होता है. ये पेट के अच्छे बैक्टीरिया को बढ़ावा देते हैं.

-पारबॉइल्ड राइस में फाइबर की मात्रा ज्यादा होता है, जिससे पेट अधिक समय तक भरा महसूस होता है. ऐसे में ये वजन घटाने में सहायक होते हैं.

-वजह घटाने के साथ साथ ये शुगर के मरीजों के लिए भी अच्छा होता है. इसमें ग्लाइसेमिक इंडेक्स लेवल कम होता है, जिससे शुगर नियंत्रित रहती है.

– इसके साथ ही यदि आप आयरन की कमी से जूझ रहे हैं तो ये चावल आपके लिए अच्छा साबित हो सकता है.

उम्र से पहले चेहरे पर नजर आने लगेगा बुढ़ापा अगर नहीं छोड़ेंगी इन चीजों को खाना

महिलाओं की त्वचा की चमक और कसावट 30 की उम्र के बाद कम होने लगती है. इसलिए हेल्थ एक्सपर्ट इस उम्र के बाद खान पान का खास ख्याल रखने की सलाह देते हैं. आर्टिकल में हम आपको कुछ ऐसे फूड के बारे में बताने जा रहे हैं जिसको खाने से आपके चेहरे पर बुरा असर पड़ सकता है. आप उम्र से पहले बूढ़ी नजर आ सकती हैं.

क्या 30 की उम्र के बाद नहीं खाना चाहिए

अगर आप 30 साल की हो गई हैं तो फिर चीनी का सेवन कम करिए. इसके अलावा कोल्ड ड्रिंक्स से भी परहेज करें. आप शराब और सिगरेट से भी दूरी बनाकर रहें. चॉकलेट भी इस उम्र में ना खाएं ज्यादा नहीं तो आपके शरीर में शुगर का लेवल बिगड़ सकता है.

फास्ट फूड का सेवन भी आपको नहीं करना चाहिए. इसमे वसा की मात्रा अधिक होती है जो आपको मोटा कर सकता है. एकबार जब शरीर में चर्बी जम जाए तो उसे गलाना मुश्किल होता है. इससे पार्किंसंस बीमारी का भी खतरा होता है.

इस उम्र में कैमोमाइल चाय, एक गिलास दूध, अखरोट और फैटी फिश का सेवन करना चाहिए, इससे नींद अच्छी आएगी. इसके अलावा आप हरी सब्जियों का सेवन जरूर करें. यह आपके शरीर में पोषक तत्वों की कमी नहीं होने देता. पोटैशियम से भरपूर खाद्य पदार्थों को डाइट में शामिल करिए यह हेल्दी होते हैं.

गर्मियों में जरूर करें किशमिश का सेवन, वजन होगा कम और बढ़ेगी एनर्जी

इसका सेवन सेहत के लिए बेहद उपयोगी होता है. किशमिश के अंदर फास्फोरस के साथ-साथ कैल्शियम, पोटेशियम और कई जरूरी पोषक तत्व पाए जाते हैं जो सेहत के लिए बेहद उपयोगी होते हैं. ऐसे में गर्मियों में किशमिश का सेवन करना सेहत के लिए उपयोगी साबित हो सकता है. आज का हमारा लेख इसी विषय पर है. आज हम आपको अपने इस लेख के माध्यम से बताएंगे कि गर्मियों में किशमिश के सेवन से सेहत को क्या-क्या फायदे हो सकते हैं.

गर्मियों में किशमिश का सेवन

किशमिश के अंदर कैल्शियम और फाइबर मौजूद होता है जो न केवल शरीर को मजबूत बनाए रखने में उपयोगी है बल्कि शरीर में उर्जा भी बनाए रख सकता है.

गर्मियों में किशमिश के सेवन से खून की कमी को भी दूर किया जा सकता है. यह शरीर में आयरन के लेवल को बढ़ाने में भी उपयोगी साबित हो सकता है.

किशमिश के सेवन से न केवल गैस की समस्या को दूर किया जा सकता है बल्कि कब्ज को दूर करने में भी उपयोगी है.

किशमिश के अंदर फाइबर पाया जाता है जो पाचन को बेहतर बनाने में आपके बेहद काम आ सकता है.

किशमिश के सेवन से आसानी से वजन को भी हटाया जा सकता है. बता दें कि आप नियमित रूप से 10 से 12 किशमिश भिगोकर खा सकते हैं.

यदि आप मुंह की बदबू से परेशान हैं तो ऐसे में आप किशमिश को अपनी डाइट में जोड़ सकते हैं. किशमिश के सेवन से ओरल हेल्थ में सुधार आ सकता है. आंखों की सेहत को तंदुरुस्त बनाने में भी किशमिश आपके बेहद काम आ सकती है. किशमिश के अंदर एंटीऑक्सीडेंट तत्व पाए जाते हैं. वहीं इसके अंदर विटामिन ए और बीटा कैरोटीन मौजूद होता है जो आंखों के लिए बेहद उपयोगी साबित हो सकता है.

तीन महीने तक रोजाना दालचीनी का सेवन ब्लड प्रेशर रोगियों के लिए रामबाण

प्राचीन भारतीय चिकित्सा पद्धति में कई ऐसी औषधियों का जिक्र मिलता है जो कई गंभीर रोगों के जोखिमों को कम करने में मददगार हो सकती हैं। कई औषधियों का हम सभी के घरों में मसाले के तौर पर भी प्रयोग होता आ रहा है। आयुर्वेद के अलावा मेडिकल साइंस में भी हुए अध्ययनों में इन औषधियों से होने वाले स्वास्थ्य लाभ का जिक्र मिलता है। दालचीनी ऐसी ही एक कारगर औषधि है, जिसके कई स्वास्थ्य लाभ हो सकते हैं।

डायबिटीज से लेकर ब्लड प्रेशर के कंट्रोल रखने और कोशिकाओं में होने वाली क्षति को कम करने में यह औषधि कारगर हो सकती है। शोधकर्ताओं ने पाया कि अगर हम सभी रोजाना दालचीनी को अपने आहार का हिस्सा बना लें तो इससे मौजूदा समय में तेजी से बढ़ रही कई बीमारियों के जोखिम को कम किया जा सकता है।

ब्लड प्रेशर में देखे गए हैं इसके लाभ

शोधकर्ताओं ने ब्लड प्रेशर की स्थिति में दालचीनी के सेवन को लाभकारी पाया है। एक अध्ययन में शोधकर्ताओं ने पाया कि 3 महीने तक हर दिन दालचीनी खाने से आपका सिस्टोलिक ब्लड प्रेशर 5 प्वाइंट तक कम हो सकता है। हालांकि यह अध्ययन सामान्य लोगों पर किया गया था। प्रीडायबिटीज और टाइप-2 डायबिटीज या फिर जिन लोगों को हाई ब्लड प्रेशर की समस्या रही है, उनमें इसके क्या लाभ हो सकते हैं, इसे जानने के लिए और अधिक अध्ययनों की आवश्यकता है।

अध्ययन में क्या पता चला?

रक्तचाप को नियंत्रित करने के लिए दालचीनी का उपयोग का समर्थन करने के लिए अन्य अध्ययनों में भी सबूत मिलते हैं। 582 लोगों पर किए गए अध्ययनों की समीक्षा में पाया गया कि दालचीनी का संयमित सेवन सिस्टोलिक-डायस्टोलिक दोनों रक्तचाप को कम करने में मदद कर सकती है। इसके अलावा 40 प्रतिभागियों के साथ किए एक अन्य अध्ययन में पाया गया कि दालचीनी रक्तचाप को बढ़ने से रोकने में सहायक है जिससे हृदय रोगों के विकसित होने का खतरा कम हो जाता है।

डायबिटीज रोगियों में भी देखे गए बेहतर परिणाम

जिन लोगों को मधुमेह की दिक्कत होती है, उनमें हाई ब्लड प्रेशर के विकसित होने का जोखिम अधिक हो सकता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि बढ़े हुए रक्त शर्करा का स्तर आपकी रक्त वाहिकाओं को नुकसान पहुंचाने लगती है जिससे आपके दिल पर अतिरिक्त दबाव पैदा हो सकता है। मधुमेह और उच्च रक्तचाप दोनों हृदय रोग के लिए जोखिम कारक हैं।

अध्ययनों में पाया गया कि रक्त शर्करा के स्तर को कम करने में भी दालचीनी प्रभावी हो सकती है। दालचीनी न सिर्फ मधुमेह को कंट्रोल करती है साथ ही इससे ब्लड प्रेशर बढ़ने का जोखिम भी कम हो जाता है।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ?

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, अध्ययनों में दालचीनी के सेवन से बेहतर परिणाम देखने को मिले हैं पर इसे दवाओं की जगह पर इस्तेमाल नहीं किया जा सकता है। सहायक उपचार के रूप में किसी भी औषधि का सेवन डॉक्टर की सलाह के बाद ही करें।

औषधियों में मौजूद रसायन या यौगिक कुछ स्थितियों में दवाओं के साथ प्रतिक्रिया कर सकते हैं। दालचीनी का अधिक सेवन करना भी सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकता है।

मुंह में पानी आने लगता है व पेट भारी भी रहता है...

प्रश्न : प्रसव के बाद से ही पेट पेडू में दर्द बना रहता है । कृपा कर इलाज बताएं।

-श्रीमती संध्या देवी, वरंगल

उत्तर : ऐसे लक्षणों का वर्णन आयुर्वेद में वर्णित रमक्कल शूलर में दिखाई पड़ते हैं । प्रसव के बाद की कुछ विकृतियों के कारण नाभि व बस्ती प्रदेश में शोथ हो जाता है जिससे नाभि व पेड़ू सहित पूरे पेट में बहुत तेज दर्द होता है।

एकौषधि में धनिया का चूर्ण गुड़ के साथ लेने पर लाभ होता है।

* चातुर्जात चूर्ण को 3 ग्राम की मात्रा में पुराने गुड़ के साथ लेने पर लाभ होता है ।

* ऊंझा त्रिकटु चूर्ण 3 ग्राम को 6 ग्राम पुराने गुड़ के साथ लेने पर बेहद लाभ होता है।

* देवदार्व्यादि क्वाथ में सेंधानमक मिलाकर लेने से बहुत लाभ होता है ।

* वात नाशक चिकित्सा इसमें लाभकारी होती है। दिन में सोना, ठंडे पानी से स्नान करना बंद करें।

प्रश्न : मेरी उम्र 27 वर्ष है । भूख नहीं लगती । मुंह में पानी आने लगता है। पेट भारी रहता है। कृपया आयुर्वेदिक उपचार बताएं।

- केशव प्रसाद वर्मा, करीमनगर

उत्तर : आपके लक्षणों से लगता है कि आपको अग्निमांद्य नामक रोग हो गया है । अग्निमांद्य रोग में जाठराग्नि की मंद शक्ति के कारण आहार का उचित पाचन नहीं होता। अजीर्ण, अरुचि, स्वादहानि, लालास्राव , खट्टी डकार तथा पेट में भारीपन -अग्निमांद्य के मुख्य लक्षण हैं।

एकौषध प्रयोग में :

*सोंठ चूर्ण 2 ग्राम सुबह-शाम गर्म पानी के साथ लेने से डिस्पेप्सिया दूर होता है।

* अदरक 5 ग्राम नमक या गुड़ से लेने पर भी अग्निमांद्य रोग दूर होता है।

* हरीतकी चूर्ण को गुड़ से लेने पर जठराग्नि प्रदीप्त होकर अग्निमांद्य रोग दूर होता है।

* नींबू का रस भोजन के बाद लेने पर अजीर्ण दूर होता है ।

योगों में:

* ऊंझा लवण भास्कर चूर्ण, ऊंझा हिंग्वाष्टक चूर्ण, शिवाक्षार पाचन चूर्ण परम उपयोगी है।

* भोजन के पहले ऊंझा चित्रकादि वटी चूसने से अग्निमांद्य दूर होता है।

* शंख व टी ,

अग्नितुंडी वटी, रसोनादि वटी भी इस रोग में बहुत ही उपयोगी है ।

*भोजन के बाद जीरकाद्यारिष्ट या उंझा द्राक्षासव लेने से अजीर्ण दूर होता है । अरुचि नष्ट होकर भोजन का सही पाचन होता है। अग्निमांद्य में देर से हजम होने वाले पदार्थ, रेचक द्रव्य , शीतल पानी, दूषित जल न लें। हल्का, सुपाच्य और समय से भोजन ही लेवें।

प्रश्न : मेरी उम्र 27 वर्ष है। पिछले 2 माह से छींके बहुत आती है। नाक से पानी भी बहने लगता है। इसका आयुर्वेदिक उपचार बताएं।

- श्रीमती प्रतिभा राव, मेदक

उत्तर : आपको अनूर्जताजन्य प्रतिश्याय है। एलर्जिक कारणों से इसके बढ़ने की संभावना रहती है। अंग्रेजी एंटीहिस्टामिन्स के प्रयोग से उनींदापन, सिर चकराना, अत्यंत कमजोरी और रक्तचाप का गिरना जैसी समस्याएं आ सकती है। आयुर्वेद की औषधियां इस प्रकार के पार्श्व प्रभाव यानी साइड इफेक्ट से मुक्त रहती है।

ऋतु परिवर्तन जन्य एलर्जिक सर्दी - जुकाम में औरा एलेक्झी टिकिया काफी असरकारी है। इसे महालक्ष्मी विलास रस या लक्ष्मी विलास रस के साथ सुबह शाम लेने से अनूर्जताजन्य प्रतिश्याय शांत होता है। इसके साथ यदि खांसी हो तब औरा फ्रीलंझ सिरप का प्रयोग करें। यदि खांसी के साथ कफ या बलगम हो और श्वास लेने में कठिनाई हो तब ऊंझा कफकेशरी सिरप का प्रयोग उचित और हानि रहित है।

तेज नजले में नाक में षडबिंदु तेल का प्रयोग तुरंत नतीजे देता है एलर्जिक प्रतिश्याय में तेज सुगंध, इत्र - फुलेल, धूल -धूआं से एवं जहां प्रदूषित वातावरण हो वहां जाने से बचें । दही, केला, अमरूद, अन्नानास, आइसक्रीम, आदि से परहेज जरूरी है । घर का वातावरण साफ सुथरा रखें। सोने का कमरा हवादार एवं शांत हो।

डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा

email : purushottambidada@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी
स्वतंत्र वार्ता
396, लोअर टैंक बंड, हैदराबाद-80

लंबे समय से रहा है तनाव तो जानिए पूरे शरीर पर क्या हो सकते हैं इसके दुष्प्रभाव?

तनाव, मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित समस्या है जिसके कारण आप अक्सर घबराहट , चिड़चिड़ापन, काम में मन न लगने और मूड से संबंधित विकारों का अनुभव करते रह सकते हैं। लंबे समय तक बनी रहने की तनाव की इस स्थिति पर अगर ध्यान न दिया जाए तो इसके कारण अवसाद होने का जोखिम भी बढ़ जाता है।

क्या आप जानते हैं कि इस स्थिति में तनाव सिर्फ मानसिक स्वास्थ्य विकारों तक ही सीमित नहीं रहता बल्कि शरीर पर भी इसके कई प्रकार के दुष्प्रभाव दिखने शुरू हो जाते हैं?

शोधकर्ताओं ने अध्ययन में बताया कि क्रोनिक या लंबे समय तक बने रहने वाली तनाव की स्थिति हृदय स्वास्थ्य से लेकर, रक्तचाप, मांसपेशियों की समस्या, डायबिटीज और कई अन्य तरह की दिक्कतों को भी बढ़ाने वाली हो सकती है। तनाव की स्थिति आपके इम्यून रिस्पांस को भी कमजोर कर सकती है जिसके कराण रोगों से लड़ने की आपकी क्षमता पर भी असर होने लग जाता है।

हृदय प्रणाली पर इसका असर

लंबे समय से बने रहने वाले तनाव का सबसे ज्यादा दुष्प्रभाव हृदय प्रणाली पर देखा जाता रहा है। स्ट्रेस की स्थिति में आपके रक्तप्रवाह में एड्रेनालाईन हार्मोन की मात्रा बढ़ने लगती है।

इससे आपका हृदय और अन्य महत्वपूर्ण अंग हाई अलर्ट पर चले जाते हैं, हृदय गति और रक्तचाप बढ़ जाता है। एड्रेनालाईन के कारण ब्लड शुगर की समस्या बढ़ने का भी खतरा हो सकता है।

मांसपेशियों में बढ़ने लगती है दिक्कत

जैसे-जैसे आपके तनाव का स्तर बढ़ता है, आपकी मांसपेशियों पर

इसका असर दिखना शुरू हो सकता है। मांसपेशियों में जकड़न-कसाव की समस्या के कारण माइग्रेन और कंधे या गर्दन में दर्द हो सकता है। मांसपेशियों में बढ़े तनाव की स्थिति के साथ, स्ट्रेस के कारण बढ़ा हुआ कोर्टिसोल हार्मोन का स्तर मांसपेशियों के ऊतकों के क्षीण होने का कारण बन सकता है जिसके कारण मस्कुलोस्केलेटल समस्याओं और क्रोनिक दर्द का जोखिम बढ़ता जाता है।

सांस की समस्याओं का जोखिम

सांस की तकलीफ या तेजी से सांस लेना, तनाव की स्थिति में होने वाला सामान्य शारीरिक लक्षण है। हालांकि अगर तनाव लंबे समय तक बनी रहती है तो यह बेचैनी, अस्थमा या पैनिक अटैक का कारण भी बन सकती है। तनाव की समस्या आपके इम्यून रिस्पांस को कमजोर कर देती है जिसके कारण फ्लू जैसी बीमारियों के बार-बार होने का जोखिम पहले की तुलना में काफी बढ़ जाता है। आपको अक्सर पैनिक अटैक की दिक्कत हो सकती है।

हो सकता है हार्मोन इंबैलेंस

इंडोक्राइन सिस्टम का नेटवर्क है जो हाइपोथैलेमिक-पिट्यूटरी-एडर्नल आदि ग्रंथियों से हार्मोन रिलीज कराने में मदद करता है। तनाव की स्थिति में इन हार्मोन्स के रिलीज होने पर भी असर हो सकता है।

में कई हार्मोन्स बहुत अधिक या कम हो सकते हैं, जिससे शरीर का पूरा फंक्शन खराब होने लगता है। यह स्थिति डिप्रेशन और पीटीएसडी जैसी मानसिक स्वास्थ्य स्थितियों का कारण बन सकती है।

यूरोपियन यूनियन की बड़ी कार्रवाई

मेटा पर लगा अब तक का सबसे बड़ा जुर्माना

नई दिल्ली, 22 मई (एजेंसियां)। वॉल स्ट्रीट जर्नल की एक रिपोर्ट के मुताबिक फेसबुक की पैरेंट कंपनी मेटा प्लेटफॉर्म्स इंक पर यूरोपियन यूनियन की गोपनीयता नियामकों ने 1.3 बिलियन डॉलर यानी करीब 10,765 करोड़ का जुर्माना लगाया है। यह जुर्माना अन्य देशों के फेसबुक-इंस्टाग्राम यूजर्स के डाटा को अमेरिका में भेजने के लिए लगाया गया है। यह जुर्माना Amazon.com इंक पर पिछले साल लगे $821.20 मिलियन के जुर्माने से अधिक है। दरअसल यह पूरा मामला यूरोपियन यूनियन के देशों से जुड़ा है। नियामक को इस बात का डर है कि यदि किसी देश के यूजर्स का डाटा अमेरिका पहुंचता है तो वह डाटा अमेरिकी खुफिया एजेंसी तक भी पहुंच सकता है। आयरलैंड के डाटा संरक्षण आयुक्त हेलेन डिक्सन के नेतृत्व में यूरोपीय संघ के नियामक फेसबुक द्वारा यूरोपीय उपयोगकर्ता डाटा को स्थानांतरित करने के लिए उपयोग किए जाने वाले कानूनी उपकरण पर प्रतिबंध लगाने को अंतिम रूप दे रहे हैं। पिछले महीने ही उन्होंने कहा था कि आयरिश डीपीसी के पास फेसबुक के ट्रान्साटलांटिक डाटा ट्रांसफर को रोकने के लिए एक महीने का समय था। अब कहा जा रहा है कि मई के अंत तक प्रतिबंध लग सकता है जिसके बाद फेसबुक यूजर्स का डाटा ट्रांसफर नहीं कर पाएगा। यूरोप की सर्वोच्च अदालत ने 2020 में फैसला सुनाया था जिसमें सर्विलांस का हवाला देते हुए ईयू-यूएस डाटा ट्रांसफर समझौता को अवैध बताया गया था। मेटा को पिछले साल डाटा ट्रांसफर डाटा ट्रांसफर को लेकर चेतावनी भी दी गई थी। उसके बाद यूरोप में फेसबुक की सेवा को भी सस्पेंड किया गया था।

सोना और चांदी हुए सस्ते

खरीदारी पर बचेंगे पैसे- जानें कितने घटे दाम

नई दिल्ली, 22 मई (एजेंसियां)। सोना और चांदी आज भारतीय बाजार में सस्ते रेट पर मिल रहे हैं. इसके चलते अगर आप खरीदारी करने जा रहे हैं तो आपके सर्राफा बाजार में पैसे बचा सकते हैं। सोने के दाम में आज अच्छी गिरावट है और चांदी भी ऊपरी स्तर से सस्ती होकर मिल रही है।

सोने के दाम कहां पर हैं आज

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोना आज 169 रुपये या 0.28 फीसदी सस्ता होकर मिल रहा है और गोल्ड के रेट 60210 रुपये प्रति 10 ग्राम पर हैं. सोना आज नीचे में 60203 रुपये तक गया था और ऊपर में इसके रेट 60335 रुपये प्रति 10 ग्राम तक दिखाई दिए हैं। सोने के ये दाम इसके जून वायदा के लिए हैं।

चांदी के रेट का क्या है हाल

चांदी में तो आज ज्यादा गिरावट देखी जा रही है और ये करीब 500 रुपये सस्ती होकर मिल रही है. इस तरह चांदी की खरीदारी पर आपकी बड़ी बचत हो सकती है. एमसीएक्स पर चांदी 454 रुपये या 0.62 फीसदी की गिरावट के साथ कारोबार कर रही है। चांदी 72867 रुपये प्रति किलो के रेट पर कारोबार कर रही है। चांदी में आज नीचे की तरफ के रेट देखें तो ये 72810 रुपये प्रति किलो तक गई थी और इसके अलावा इसमें ऊपर की तरफ 73100 रुपये के लेवल देखे गए थे। चांदी के ये दाम इसके जुलाई वायदा के लिए हैं।

ग्लोबल बाजार में कैसे हैं सोने और चांदी के दाम

ग्लोबल बाजार में सोना आज सस्ता हुआ है जिसका असर घरेलू बाजार पर भी देखा जा रहा है. सोना आज कॉमैक्स पर 6.20 डॉलर की गिरावट के बाद 1,975.40 प्रति औंस पर कारोबार कर रहा है। इसके अलावा आज चांदी भी कॉमैक्स पर 0.158 डॉलर या 0.66 फीसदी की गिरावट के बाद 23.902 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही है।

मुंबई में जल्द चलने लगेगी लोकल ट्रेन की जगह वंदे भारत मेट्रो

रोज की भीड़ से मिलेगा छुटकारा

मुंबई, 22 मई (एजेंसियां)। मुंबई लोकल से सफर करने वाले यात्रियों के लिए अच्छी खबर आई है।अब उन्हें रोजाना सफर के दौरान भीड़ की परेशानियों से छुटकारा मिल जाएगा।दरअसल रेलवे मुंबई में जल्द ही वंदे भारत मेट्रो लाने का प्लान बना रही है।मुंबई रेलवे विकास कॉर्पोरेशन के अधिकारी ने जानकारी दी कि रेलवे बोर्ड से मंजूरी मिलने के बाद अब जल्द ही यहां की लोकल ट्रेनों को वंदे भारत मेट्रो से रिप्लेस कर दिया जाएगा।रेलवे मुंबई में 238 वंदे भारत मेट्रो चलाने का प्लान बना रही है।

मेक इन इंडिया के तहत किया जाएगा तैयार

एमआरवीसी ने बताया कि इसके रैक मुंबई अर्बन ट्रांसपोर्ट प्रोजेक्ट-III (एमयूटीपी-III) और 3ए (एमयूटीपी-3ए) के तहत खरीदे जाएंगे।उन्होंने कहा कि इन ट्रेनों का निर्माण इंडस्ट्री और इंटरनल ट्रेड को बढ़ावा देने के लिए किया जाएगा।इसके साथ ही इसे केंद्र सरकार के मेक इन इंडिया के गाइडलाइन के तहत तैयार किया जाएगा।एमयूटीपी-III और एमयूटीपी 3ए प्रोजेक्ट क्रमशः 10,947 करोड़ और 33,690 करोड़ रुपये की है।एमआरवीसी के द्वारा इसकी खरीदारी 35 वर्षों के रखरखाव के साथ की जाएगी।

2023-24 के बजट में की गई थी घोषणा

वंदे भारत मेट्रो देश की पहली स्वदेशी सेमी-हाई-स्पीड ट्रेन 'वंदे भारत' का मिनी वर्जन है।इसकी घोषणा 2023-24 के बजट में की गई थी।रेलवे के अनुसार वंदे भारत मेट्रो एक अत्याधुनिक रैक होगी, इससे करीब 100 किलोमीटर की दूरी को कवर किया जाएगा।इसमें मेट्रो ट्रेन की तरह आठ कोच होंगे।नॉर्मल वंदे भारत एक्सप्रेस में 16 कोच होते हैं।वंदे भारत मेट्रो शुरू होने के बाद मुंबई के यात्रियों को बहुत फायदा होगा।यहां के लोकल ट्रेन की भीड़ किसी से छिपी नहीं है।रोजाना लोगों की बहुत बड़ी भीड़ इस ट्रेन में सफर करती है।इस ट्रेन की शुरुआत होने से खासकर ऑफिस जाने वाले लोगों को बड़ी राहत मिलने वाली है।

ब्रांडेड दवाओं जितनी ही असरदार और सुरक्षित हैं जेनेरिक दवाएं

जरूरी है प्रोत्साहन और पहुंच बढ़ाना

नई दिल्ली, 22 मई (एजेंसियां)। हाल ही में केंद्र सरकार ने अपने सरकारी अस्पतालों और केंद्र सरकार की स्वास्थ्य योजना के तहत आने वाले आरोग्य केंद्रों से जुड़े चिकित्सकों को सख्ती से हिदायत दी है कि वे मरीजों के लिए जेनेरिक यानी सस्ती दवाइयां लिखने के नियम का पालन करें। सरकार ने चेताया है कि ऐसा न होने पर उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। साथ ही केंद्र सरकार ने चिकित्सकों को यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि अस्पतालों में दवा कंपनियों के प्रतिनिधियों के आने पर रोक लगाई जाए। इस चेतावनी और सख्ती की वजह यह है कि समय-समय पर दिए गए निर्देशों के बावजूद चिकित्सकों द्वारा मरीजों के नुस्खे में जेनेरिक दवाएं नहीं लिखी जा रही हैं, जबकि जेनेरिक दवाइयों से मरीजों के इलाज का खर्च घट जाता है। जेनेरिक दवाइयों का कोई चर्चित ब्रांड नहीं होता। इन औषधियों को बनाने में लगे केमिकल सॉल्ट के नाम से ही इन्हें बाजार में बेचा जाता है। ऐसे में, इनका मूल्य ब्रांडेड दवाइयों की तुलना में काफी कम होता है। हालांकि जेनेरिक दवाइयां भी ब्रांडेड दवाइयों के समान ही सुरक्षित और असरदार होती हैं। जेनेरिक दवाओं के मामले में हमारा देश आज दुनिया का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता है। सरकार इनकी पहुंच बढ़ाने को लेकर प्रतिबद्ध है। यही वजह है कि वर्ष 2025 तक सरकार का 10,500 प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र स्थापित करने का लक्ष्य है। इस परियोजना के तहत देश भर में पहले से ही 9,000 से अधिक जन औषधि केंद्र काम कर रहे हैं।

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना के तहत सस्ती जेनेरिक दवाएं लोगों तक पहुंचाने के लिए देश भर में जेनेरिक दवाओं की दुकानें खोली गई हैं। बावजूद इसके चिकित्सकों द्वारा मरीजों को अक्सर महंगी दवाइयां ही लिखी जा रही हैं, जबकि परिवार के एक सदस्य की गंभीर बीमारी पूरे घर की आर्थिक स्थिति बिगाड़ देती है। लंबे समय तक चलने वाले इलाज में तो आमदनी ही नहीं, जमा पूंजी का भी बड़ा हिस्सा दवाइयों पर ही खर्च हो जाता है। होना तो यह चाहिए कि स्वयं चिकित्सक लोगों को सस्ती जेनेरिक दवाइयां खरीदने के प्रति जागरूक बनाएं, लेकिन वे ब्रांडेड दवा कंपनियों के प्रभाव में जेनरिक दवा लिखने से परहेज करते हैं। सरकार जेनेरिक दवाओं के उपयोग को प्रोत्साहन देने का काम कर रही है। पिछले साल उत्तर प्रदेश सरकार ने भी आम जन को सस्ती दवाएं उपलब्ध करवाने के लिए ऐसा ही आदेश जारी किया था। सरकारी नियमों को धरातल पर उतारने की बड़ी ज़िम्मेदारी चिकित्सकों के ही हिस्से में ही है। दरअसल, विशेष ब्रांड की दवाइयों की कीमत ज्यादा होने के पीछे अनुसंधान एवं विकास, विपणन, प्रचार और ब्रांडिंग की बड़ी लागत का होना है। जबकि जेनेरिक दवाइयों का मूल्य सरकार के हस्तक्षेप से तय होता है। साथ ही, इन दवाओं के प्रचार पर भी बड़ा खर्च नहीं किया जाता। कई रोगों की दवाओं की कीमत से जुड़े अध्ययन बताते हैं कि ब्रांडेड और जेनेरिक दवा की कीमतों में 204 गुना तक का अंतर भी देखा गया है। एक अनुमान के अनुसार, किसी भी रोगी की चिकित्सा पर होने वाले व्यय का 70 प्रतिशत केवल दवाओं पर खर्च हो जाता है। चार वर्ष पहले सरकार ने लोकसभा में पूछे गए प्रश्न के उत्तर में बताया था कि उपचार और दवा पर होने वाले खर्च की वजह से देश में हर साल तीन करोड़ आठ लाख लोग गरीबी रेखा से नीचे चले जाते हैं। समझना मुश्किल नहीं कि अपेक्षाकृत कम खर्च में बीमारियों का उपचार करवाने की स्थितियां लोगों के लिए कितनी मददगार हो सकती हैं। स्वास्थ्य हर नागरिक का मूलभूत अधिकार है। बड़ी आबादी वाले हमारे देश में इस मोर्चे पर पहले से ही बहुत-सी समस्याएं मौजूद हैं। ऐसे में सस्ती दवाओं की पहुंच बढ़ाने के लिए बने नियमों को सख्ती से लागू किया जाना आवश्यक है। इसके लिए और नए जन औषधि केंद्र खोलना, जेनेरिक दवाओं की उपलब्धता एवं आमजन की जागरूकता जरूरी है। साथ ही चिकित्सकों का भी यह नैतिक दायित्व है कि वे मरीजों को सस्ती जेनेरिक दवाओं को अपनाने का सुझाव दें।

विमान यात्री बढ़ रहे, पर कंपनियां घट रहीं : 81% बाजार पर इंडिगो और टाटा का कब्जा,

गो फर्स्ट सहित कई कंपनियों की हालत खराब

नई दिल्ली, 22 मई (एजेंसियां)। देश में विमानन सेवाओं का बिजनेस बढ़ रहा है, लेकिन कंपनियां कम होती जा रही हैं। घरेलू मार्गों पर 81% से ज्यादा बाजार हिस्सेदारी इंडिगो और टाटा समूह की है। बाकी 19% में से भी करीब 15% हिस्सेदारी दो कंपनियों की हैं। इनमें से एक गो फर्स्ट का ऑपरेशन बंद हो गया है और स्पाइसजेट की हालत भी ठीक नहीं है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि घरेलू एविएशन सेक्टर डुओपॉली की तरफ बढ़ रहा है। मतलब बाजार में दो कंपनियों या समूह का ही दबदबा होगा।कहने को तो देश में 15 विमानन कंपनियां हैं, लेकिन सिर्फ 7 ऑपरेशनल हैं। इनमें दो (गो फर्स्ट और स्पाइसजेट) की माली हालत खराब है और दो (एअर इंडिया, विस्तारा) मर्ज होने वाली हैं। एलकेपी सिक्योरिटीज के रिसर्च हेड एस रंगनाथन के मुताबिक, 'डुओपॉली की स्थिति साफ नजर आ रही है। जेट एयरवेज का ऑपरेशन शुरू होना मुमकिन नहीं लग रहा है।आकासा ऑपरेटर तो कर रही है, लेकिन नाम के लिए। कंपनी के पास बाजार हिस्सेदारी 0.5% भी नहीं है।' मालूम हो, 30 अप्रैल को नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने बताया था कि 2,978 फ्लाइट्स में रिकॉर्ड 4,56,082 यात्रियों ने उड़ान भरी। इसके दो ही दिन बाद 3 मई को गो फर्स्ट ने ऑपरेशन बंद कर दिया था।

गो फर्स्ट: एयर लाइन का घाटा ढाई गुना से ज्यादा बढ़ा

कंपनी की वेबसाइट के मुताबिक, वित्त वर्ष 2020-21 में उसे 1,346.72 करोड़ रुपए का घाटा हुआ। यह 2021-22 में बढ़कर 1,807.8 करोड़ रुपए हो गया। इस साल अप्रैल तक की स्थिति के मुताबिक, गो फर्स्ट पर कुल 11,463 करोड़ रुपए का कर्ज है। एविएशन कंसल्टेंट हर्षवर्धन ने कहा, 2008 से ही ज्यादातर भारतीय विमानन कंपनियां घाटे में हैं। जेट एयरवेज, किंगफिशर जैसी कंपनियां बंद हो गईं। कुछ बिक गईं। हालांकि इंडिगो विस्तार करती रही। टाटा समूह भी इसी राह पर है। दोनों की बैलेंसशीट मजबूत है।

विमानन नियामक डीजीसीए के आंकड़ों के मुताबिक, अप्रैल में घरेलू एयर ट्रैफिक 15% बढ़ा। बीते माह रोजाना 4.3 लाख पैसेंजर ने फ्लाइट से यात्रा की। इसके मुकाबले मार्च में खत्म वित्त वर्ष 2022-23 में रोज औसत 3.73 लाख लोगों ने फ्लाइट ली थी।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारभ समय	
सूर्य-	वृष	में	मेष--	03-32 बजे
चंद्र-	मिथुन	में	वृष--	05-17 बजे
मंगल	कर्क	में	मिथुन..	07-17 बजे
बुध-	मेष	में	कर्क...	09-30 बजे
गुरु-	मेष	में	सिंह...	12-42 बजे
शुक्र-	मिथुन	में	कन्या..	13-48 बजे
शनि-	कुंभ	में	तुला...	15-54 बजे
राहु-	मेष	में	वृश्चिक.	18-04 बजे
केतु-	तुला	में	धनु.....	20-18 बजे
			मकर..	22-23 बजे
			कुंभ...	00-14 बजे
			मीन...	01-52 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2080
शक संवत् -1945, सूर्य उत्तरायणे,ऋतु-ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत -2549,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय- 05-46 सूर्य अस्त- 18-39
भोग्य कलि वर्ष-426876
कलियुग संवत् -5124 वर्ष,
कल्पारभ संवत् -1972949124
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885124
दिशाशूल --उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
तिथि- चतुर्थी - 00 -58 तक उपरान्त पंचमी
मास - ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष , मंगलवार May 23
नक्षत्र - आर्द्रा - 12- 38 - तक उपरान्त पुनर्वसु
योग - शूल - 16 - 45 - तक उप - गण्ड
करण- वणिज -12 -05 - तक उप- विष्टि
विशेष:- व्रत -त्योहार - भद्रा 12 -06 से

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 15:28 से 17:05 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया	
रोग	05:45 - 07:21	अशुभ	काल.	18:39 - 20:05 अशुभ
उत्पात	07:21 - 08:58	अशुभ	लाभ.	20:05 - 21:28 शुभ
चंचल	08:58 - 10:36	शुभ	उत्पात	21:28 - 22:50 अशुभ
लाभ	10:36 - 12:13	शुभ	शुभ	22:50 - 00:13 शुभ
अमृत	12:13 - 13:50	शुभ	अमृत	00:13 - 01:35 शुभ
काल	13:50 - 15:28	अशुभ	चंचल	01:35 - 02:58 शुभ
शुभ	15:28 - 17:05	शुभ	रोग	02:58 - 04:21 अशुभ
रोग	17:05 - 18:39	अशुभ	काल.	04:21 - 05:45 अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, आ,)

काम का दबाव और घर में अनबन कुछ तनाव दे सकती है। आज आपके माता-पिता आपकी फिजूलखर्ची और फिजूलखर्ची से चिंतित हो सकते हैं और इसलिए आपको उनके गुस्से का शिकार होना पड़ सकता है। माता-पिता को खुश करने में आपको परेशानी होगी। सकारात्मक परिणाम देने के लिए चीजों को उनके नजरिए से समझने और देखने की कोशिश करें।

वृष (ई, उ, ए, ओ,वा, वी, वू, वे, वो,)

आपके बच्चे का प्रदर्शन आपको अत्यधिक खुशी दे सकता है। आपका आर्थिक जीवन आज समृद्ध रहेगा। साथ ही आपको अपने कर्ज या चल रहे कर्ज से भी मुक्ति मिल सकती है। कुछ अनपेक्षित समस्याओं से पारिवारिक शांति भंग हो सकती है। लेकिन चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है।

मिथुन (का, की, कू, घ,ड छ, के,को,ह)

कुछ मनोरंजन के लिए अपने दफ़्तर से जल्दी निकलने की कोशिश करें। आज आपको आर्थिक लाभ होने की प्रबल संभावना है, लेकिन आप दान-पुण्य अवश्य करें, इससे मानसिक शांति प्राप्त होगी। अपने घर में सद्भाव लाने के लिए तालमेल से काम करें। जब आप अपने प्रेमी के साथ बाहर जाएं तो अपने रूप और व्यवहार में मौलिक रहें।

कर्क (ही, हू , हे, हो, डा , डी, डू, डे, डो,)

अपने स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए अपने आहार में बदलाव करें। अगर आप अपने घर के सबसे बड़े हैं तो आज आप परिवार के साथ बाहर घूमने की योजना बना सकते हैं और यात्रा के दौरान पर्याप्त धन खर्च करेंगे। बच्चे आपकी उम्मीदों पर खरे न उतरने से निराश हो सकते हैं।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)

दोस्त सहयोगी हैं और आपको खुश रखेंगे। पैसों से जुड़े मामलों को लेकर जीवनसाथी के साथ आपकी कहासुनी होने की संभावना है। वह आपको आपके अनावश्यक खर्च और शाही जीवन शैली पर व्याख्यान दे सकता/सकती है। दोस्त आपको एक सुखद शाम के लिए अपने घर आमंत्रित करेंगे।

कन्या (टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,)

अपनी ऊर्जा को फिर से हासिल करने के लिए पूरा आराम करें क्योंकि कमजोर शरीर दिमाग को कमजोर कर देता है। धन की आवश्यकता कभी भी पड़ सकती है, इसलिए अपने वित्त की योजना बनाएं और जितना हो सके अभी से बचत करना शुरू करें। आपकी उपलब्धि आपके परिवार के सदस्यों का उत्साह बढ़ाएगी।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)

अपनी भावनाओं, खासकर गुस्से पर काबू रखने की कोशिश करें। जो लोग अब तक बेवजह पैसा उड़ा रहे थे, उन्हें आज से अपने कार्यों पर नियंत्रण रखना चाहिए और बचत करना शुरू कर देना चाहिए। छोटे बच्चे आपको व्यस्त रखते हैं और आपको खुशी देते हैं। घर में समस्याएँ खड़ी हो सकती हैं।

वृश्चिक (तो,ना,नी, नू,ने,नो या, यी ,यू,)

दोस्तों या परिवार के सदस्यों के साथ मौज-मस्ती की यात्रा आपको सुकून देती है। जिन लोगों ने जमीन खरीदी थी और अब उसे बेचना चाहते हैं, उन्हें आज कोई अच्छा खरीदार मिल सकता है और इसके बदले उन्हें अच्छा पैसा मिल सकता है। पारिवारिक जीवन को उचित समय और ध्यान दें।

धनु (ये, यो,य, भा, भी,भू धा ,फा, ढा, भे)

बड़ों को अच्छा लाभ पाने के लिए अपनी अतिरिक्त ऊर्जा का सकारात्मक उपयोग करने की आवश्यकता है। आर्थिक रूप से आप मजबूत रहेंगे। ग्रहों और नक्षत्रों की शुभ स्थिति के कारण आज आपको धन कमाने के कई मौके मिलेंगे। सभी को अपनी बड़ी पार्टी में शामिल करें- आज आपमें थोड़ी अतिरिक्त ऊर्जा होगी।

मकर (भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, गा, गी)

सुषुप्ति की समस्याएँ मानसिक दबाव लाकर सतह पर आएंगी। जिन लोगों ने कहीं निवेश किया था उन्हें आज आर्थिक नुकसान हो सकता है। अपने परिवार के सदस्यों को लाभान्वित करने के लिए सकारात्मक विचारों और अपनी वाणी के साथ कई सुझावों के साथ अपनी उपयोगिता की शक्ति का विकास करें।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा)

मुस्कुराइए क्योंकि यह आपकी सभी समस्याओं के लिए सबसे अच्छा मारक है। अपने ख़र्चों पर क़ाबू रखने की कोशिश करें- और आज सिर्फ़ ज़रूरी चीज़ें ही ख़रीदें। घरेलू मसलों पर तुरंत ध्यान देने की जरूरत है। आज आपका प्यार यह दिखाने के लिए खिलता है कि आपने कितना सुंदर काम किया है।

मीन (दी, दू,थ, झ, ज्ञ, दे, दो, चा,ची)

ध्यान और आत्मज्ञान लाभकारी सिद्ध होगा। अनियोजित स्रोतों से धन लाभ आपके दिन को रोशन कर देगा। बच्चे अपनी उपलब्धियों से आपको गौरवान्वित महसूस कराएंगे। आपके प्रेमी या प्रेमिका आज पारिवारिक परिस्थितियों के कारण नाराज़ रह सकते हैं। बात करके उन्हें शांत करने की कोशिश करें।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

हरे निशान पर बंद हुआ बाजार; सेंसेक्स 194 अंक चढ़ा, निफ्टी 18300 के पार

नई दिल्ली, 22 मई (एजेंसियां)। हफ्ते के पहले कारोबारी दिन घरेलू शेयर बाजार में जोरदार एक्शन दिखा। सोमवार को सेंसेक्स 234.00 (0.38%) अंकों की बढ़त के साथ 61,963.68 अंकों के लेवल पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 111 (0.61%) अंकों की बढ़त के साथ 18300 का लेवल पारकर 18,314.40 पर बंद हुआ। सोमवार के कारोबारी सेशन के दौरान बाजार में आईटी और मेटल सेक्टर के शेयरों में तेजी दिखी। निफ्टी आईटी और मेटल इंडेक्स दो-दो प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुए। इस दौरान अदाणी समूह के शेयरों में तेजी दिखी। अदाणी एंटरप्राइजेज के शेयर करीब 20 फीसदी के उछाल के साथ बंद हुए।

श्रीराम 1.50 लाख एजेंटों की करेगी भर्ती

इन्फोगेन 1,000 लोगों को देगी नौकरी

नई दिल्ली, 22 मई (एजेंसियां)। आईटी कंपनी इन्फोगेन 1,000 कर्मचारियों की भर्ती करेगी। श्रीराम जनरल इंश्योरेंस 1.50 लाख एजेंटों को नियुक्त करेगी। श्रीराम जनरल इंश्योरेंस (एसजीआई) कारोबार बढ़ाने के लिए एजेंटों की संख्या बढ़ाकर दो लाख करेगी। अभी पाइंट ऑफ सेल्सपर्सन सहित इसके 57 हजार एजेंट हैं। एसजीआई के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ अनिल अग्रवाल ने कहा, कंपनी ने हर साल ब्रांच नेटवर्क को 20 फीसदी बढ़ाने की योजना भी बनाई है। इसकी 235 शाखाएं हैं। चालू वित्त वर्ष में 750 और तीन साल में 5,000 कर्मचारियों की भर्ती करेगी। इन्फोगेन चालू वित्त वर्ष में 1000 कर्मचारियों में से 800 की भर्ती भारत में करेगी।

इसके 6,000 कर्मचारी हैं जिसमें से 5,000 कर्मचारी भारत में हैं। अधिग्रहण की भी योजना बना रही है। कंपनी के अध्यक्ष दयापात्रा नेवतिया ने कहा, कि जब दुनियां में कंपनियां छंटनी कर रही है, ऐसे में उसने किसी भी कर्मचारी की छंटनी नहीं की है।

इस सप्ताह आ सकते हैं 4 एसएमई आईपीओ

इस हफ्ते चार एसएमई इनिशियल पब्लिक ऑफर (आईपीओ) आएंगे। इसमें वसा डेंटिसिटी, हेमंत सर्जिकल और अन्य हैं। वसा का इश्यू मंगलवार से खुलकर 25 मई को बंद होगा। 121-128 के भाव पर 54 करोड़ जुटाएगी। इसकी ई-कॉमर्स में भी मौजूदगी है। बीआरएलएम हेम सिक्योरिटीज है। वसा के पास 300 घरेलू व अंतरराष्ट्रीय ब्रांड हैं।

एफआईआई निवेश व कंपनियों के नतीजे से तय होगी बाजार की चाल

शेयर बाजार में पिछले सप्ताह की गिरावट के बाद इस हफ्ते कई कारक बाजार की चाल तय करेंगे। विदेशी निवेश, कंपनियों के नतीजे व वैश्विक कारकों से बाजार की चाल पर असर दिख सकता है। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का सेंसेक्स पिछले हफ्ते 298 अंक गिरकर बंद हुआ था।

मप्र में जनहित की कितनी योजनाएं चल रही किसी को नहीं पता

घोषणा होने के बाद लाभ लेने के लिए भटक रहे लोग

नई दिल्ली, 22 मई (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश सरकार जरूरतमंदों के लिए तमाम तरह की योजनाएं चला रही है। चुनावी साल होने की वजह से पिछले छह महीने में तो इन योजनाओं में और भी अधिक इजाफा हुआ है। अमर उजाला ने यह पता करने की कोशिश की कि मध्यप्रदेश के लोग प्रदेश सरकार की योजनाओं का लाभ कैसे उठा सकते हैं? इस पर पता चला कि प्रदेश सरकार की योजनाओं की जानकारी किसी एक जगह पर उपलब्ध नहीं है। पांच साल पहले तक सरकार जनसंपर्क विभाग के माध्यम से एक किताब छपवाती थी लेकिन अब वह किताब छपना बंद हो चुकी है। वहीं वेबसाइट पर योजनाओं की जानकारी अपडेट करने की शुरुआत की गई थी लेकिन वह भी अपडेट नहीं हो रही है। मध्यप्रदेश सरकार ने https://mp.gov.in/Gov-schemes वेबसाइट पर योजनाओं की जानकारियां अपडेट करना शुरू की थी जो बाद में बंद हो गई। इस पर लंबे समय से कई योजनाओं की जानकारी अपडेट नहीं हुई है। जो योजनाओं की जानकारी है उनमें भी यह नहीं बताया गया है कि किस योजना में कितना लाभ मिलेगा और कैसे मिलेगा। योजना का लाभ लेने के लिए कौन कौन से दस्तावेज लगाना होंगे यह भी नहीं बताया गया है। वेबसाइट पर किसी भी योजना में यह नहीं बताया गया है कि क्या दस्तावेज लगेंगे और क्या लाभ मिलेगा। उदाहरण के लिए मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के विषय में यह नहीं बताया गया है कि इसमें सरकार क्या क्या सहायता देती है। इसके साथ यह भी नहीं बताया कि कौन कौन से दस्तावेज जमा करना होंगे।

इंस्टाग्राम 2 घंटे रहा डाउन:दुनियाभर में 1.88 लाख यूजर्स ने शिकायत की

नई दिल्ली, 22 मई (एजेंसियां)। फोटो शेयरिंग ऐप इंस्टाग्राम सोमवार सुबह दो घंटे से ज्यादा समय तक डाउन रहा। सुबह करीब 3:15 बजे इंस्टाग्राम के डाउन हुआ। दुनियाभर में हजारों लोगों के ऐप में पोस्ट दिखाई देने बंद हो गए, जिसके चलते लोगों ने इसकी शिकायत करनी शुरू की।डाउन डिटेक्टर वेबसाइट के मुताबिक, सुबह 4:16 बजे सबसे ज्यादा 1.88 लाख लोगों का ऐप डाउन रहा। इंस्टाग्राम ने सुबह 5:45 बजे ट्वीट करके जानकारी दी कि तकनीकी खराबी के चलते इंस्टाग्राम डाउन हुआ था। इस खराबी को दूर कर लिया गया है और इंस्टाग्राम अब चल रहा है। यह चार दिनों में इंस्टाग्राम के डाउन होने का दूसरा मामला है। इससे पहले 18 मई को दुनियाभर में कई यूजर्स ने ऐप के न चलने की शिकायत की थी। वहीं इससे पहले मार्च में भी इंस्टाग्राम पर एक्सेस करने में यूजर्स को परेशानी का सामना करना पड़ा था। भारत में इंस्टाग्राम के करीब 23 करोड़ यूजर हैं।ट्विटर को टक्कर देने के लिए मेटा का सोशल नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम एक नया माइक्रोब्लॉगिंग टेक्स्ट-बेस्ड ऐप लाने की तैयारी कर रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इंस्टाग्राम के इस नए ऐप को जून के आखिरी तक लॉन्च किया जा सकता है।सूत्रों के मुताबिक, कंपनी अभी इस प्रोजेक्ट की टेस्टिंग कर रही है।

सिगरेट पीने की तलब पड़ेगी भारी

प्लेन-ट्रेन के बाथरूम में पीने पर लगेगा जुर्माना, हो सकती है 2 साल की जेल

नई दिल्ली, 21 मई (एक्सक्लूसिव डेस्क)। राजस्थान मारवाड़ के रहने वाले प्रवीण कुमार केम्पेगौड़ा को इंटरनेशनल एयरपोर्ट (केआईए) उतरने के बाद गिरफ्तार कर लिया गया। प्रवीण अकासा एयरलाइंस की फ्लाइट से अहमदाबाद से बेंगलुरु जा रहे थे।

उन पर आरोप था- फ्लाइट में बीड़ी पीने का

प्रवीण ने अपनी सफाई में कहा कि वह पहली बार प्लेन में बैठे थे। ट्रेन में सफर के दौरान अक्सर स्मोकिंग करते हैं। प्लेन में भी ऐसा कर सकते हैं, यही सोचकर उन्होंने टॉयलेट में बीड़ी पी।

इस मामले में केआईए के एक अधिकारी ने बताया कि प्लेन में बैठने से पहले हर पैसेंजर का सिक्योरिटी चेक होता है। उस दौरान सिगरेट या बीड़ी का पता न लगा पाना भी एक बड़ी गलती है।

स्मोकिंग को लेकर फ्लाइट में क्या नियम हैं?

इंडियन एयरक्राफ्ट एक्ट 1937 की धारा 25 में लिखा है कि फ्लाइट में स्मोकिंग करने पर पूरी तरह से रोक है। विमान में पायलट, क्रू मेंबर्स और यात्री स्मोकिंग नहीं कर सकते।

अगर फ्लाइट में स्मोकिंग करते हुए पाए गए, तो क्या एक्शन हो सकता है?

आपको फ्लाइट से उतारा जा सकता है, आपको सजा के तौर पर जेल हो सकती है। जुर्माना भी लग सकता है।

इसके लिए डायरेक्टर जनरल ऑफ सिविल एविएशन यानी डीजीसीए ने 2017 में एक गाइडलाइन जारी की थी। इसके तहत, गलत बिहेवियर करने वाले यात्री को 3 महीने से लेकर 2 साल या फिर हमेशा के लिए 'नो फ्लाई लिस्ट' में डाला सकता है। ट्रेन में वैसे तो लगभग कोई भी सामान लेकर चलने की परमिशन रेलवे देता है, लेकिन कुछ चीजें हैं जिन्हें बैन किया गया है। उसकी लिस्ट नीचे लगे क्रिएटिव में दी गई है।

उत्तर रेलवे के चीफ पब्लिक रिलेशन ऑफिसर दीपक कुमार के मुताबिक अगर आप इन बैन सामानों को यात्रा के दौरान साथ लेकर जा रहे हैं तो रेलवे एक्ट 1989 की धारा 164-165 के तहत कार्रवाई की जा सकती है। इस धारा के तहत 1000 रुपए का जुर्माना, 3 साल की सजा या फिर दोनों की सजा सुनाई जा सकती है।

बिल्कुल नहीं। रेलवे एक्ट की धारा 167 के तहत ट्रेनों में स्मोकिंग करना जुर्म है। किसी अन्य यात्री के मना करने पर या आपत्ति जताने के बाद डिब्बे में स्मोकिंग करते पाए जाने पर 100 से 500 रुपए तक का जुर्माना लगाया जा सकता है।

इसका जवाब नहीं है। जलती हुई सिगरेट बट या माचिस की तीली को टॉयलेट के कूड़ेदान में फेंकने या कहीं भी फेंकने से आग लग सकती है। इससे काफी नुकसान हो सकता है।

भारतीय रेलवे बोर्ड ने 'जीरो टॉलरेंस' की नीति के तहत रेलवे सुरक्षा बल और टिकट जांच कर्मचारियों को, ट्रेनों में सिगरेट पीने वालों के उल्लंघन करने पर सजा देने का प्रावधान है।

सिगरेट एंड अदर टोबैको प्रॉडक्ट्स एक्ट यानी सीओटीपीए की धारा-4 में पब्लिक प्लेसेस पर स्मोकिंग की रोक लगाई गई है। इसके अंतर्गत पब्लिक प्लेसेस जैसे होटल, रेस्टोरेंट, एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन, प्राइवेट एवं सरकारी कार्यालयों पर स्मोकिंग करना प्रतिबंधित है।

इस अधिनियम के तहत सभी पब्लिक प्लेसेस के इंचार्ज की तरफ से धूम्रपान निषेध क्षेत्र यानी नो स्मोकिंग एरिया वाले बोर्ड लगाना जरूरी है।

पब्लिक प्लेसेस जैसे सिनेमाहॉल, हॉस्पिटल, रोडवेज बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, ऑडिटोरियम, एयरपोर्ट, पब, सरकारी कार्यालय, लाइब्रेरी, कोर्ट, पोस्ट ऑफिस, मार्केट, शॉपिंग मॉल, कैंटीन, रिफ्रेशमेंट रूम, बैंक्वेट हॉल, कॉफी हाउस, डिस्को, स्कूल, पार्क, एम्यूजमेंट सेंटर के साथ और भी कई जगहें हैं, जहां पब्लिक अपने मर्जी से आ जा सकती है।

हां बिल्कुल है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने 2009 में धूम्रपान कानून के उल्लंघन की शिकायतों को दर्ज करने के लिए एक हेल्पलाइन नंबर 1800110456 भी शुरू किया।

रेस्पिरेटरी स्पेशलिस्ट और फोर्टिस हॉस्पिटल, नई दिल्ली के डायरेक्टर डॉ. विवेक नांगिया का कहना है कि सिगरेट मुंह से लेकर पेट, लिवर, गले जैसे कई तरह के कैंसर का कारण बन सकती है।

सिगरेट पीने का शरीर पर कई तरह से असर होता है

1. मुंह

सिगरेट का धुआं नाक की बाहरी लेयर को डैमेज कर देता है। इससे मुंह, चेहरे और नाक की स्किन पर भी असर पड़ता है। होंठ और मसूड़े काले हो जाते हैं। मसूड़ों का कैंसर तक हो सकता है। धुआं और हीट मुंह के अंदर की सेंस्टिव स्किन को भी डैमेज करते हैं। चेहरे पर झुर्रियां पड़ने लगती हैं।

धुआं मुंह में जाते ही दांतों के इनेमल पर जमा होकर उन्हें पीला करने लगता है। दांतों के बीच की कैविटी में टार जमने लगता है। टार और केमिकल्स मुंह और नाक को जोड़ने वाली नली में जमने से ब्रीदिंग प्रॉब्लम हो सकती है।

इसमें मौजूद टार टेस्ट बड्स और सलाइवा ग्लैंड को ब्लॉक कर देता है। मुंह में लार कम बनती है। मुंह सूखने लगता है। मुंह के गुड बैक्टीरिया मर जाते हैं और मुंह से बदबू आने लगती है। नाक की नली में सिगरेट के धुएं में मौजूद टार और केमिकल जमने से सूंघने की क्षमता कमजोर होने लगती है।

2. गला

सिगरेट का धुआं गले में मौजूद पतली झिल्ली को नुकसान पहुंचाता है। इससे ड्रायनेस, और इरिटेशन हो सकता है।

सिगरेट के धुएं में मौजूद फार्मेल्डिहाइड और एक्रोलीन नामक केमिकल थ्रॉट इन्फेक्शन और कैंसर का कारण बनते हैं।

सिगरेट के धुएं में मौजूद केमिकल्स वोकल कार्ड को नुकसान पहुंचाते हैं इससे आवाज पर असर पड़ता है। गले का कैंसर भी हो सकता है।

3. विंड पाइप

सिगरेट के धुएं से विंड पाइप में मौजूद ऑर्गन डैमेज होते हैं। इससे खांसी और लेरिंजाइटिस नामक प्रॉब्लम हो सकती है।

4. फूड पाइप

सिगरेट के धुएं में मौजूद केमिकल्स फूड पाइप की मसल्स को डैमेज कर देते हैं। इससे पेट का एसिड गले तक पहुंचकर जलन पैदा करता है।

5. फेफड़े

सिगरेट का धुआं रेस्पिरेटरी सिस्टम में जमा होने लगता है। इससे ब्रॉंकाइटिस, अस्थमा जैसी प्रॉब्लम हो सकती है।

सिगरेट के धुएं में मौजूद टार फेफड़ों में जमा होकर ब्लॉकेज पैदा करता है। इससे थकान, ब्रीदलेसनेस, सीटी जैसी आवाज आने लगती है।

सिगरेट के धुएं में मौजूद कार्बन मोनोऑक्साइड गैस ब्लड में ऑक्सीजन लेवल कम कर देती है। इससे शरीर के सभी अंगों को नुकसान होता है। सिगरेट का धुआं जब आप इन्हेल करने के बाद वापस छोड़ते हैं तो यही प्रोसेस फिर से होती है और नुकसान डबल हो जाता है।

ये हैं खतरनाक चीजें-

टारः ये लंग्स में मौजूद इन्फेक्शन और बैक्टीरिया को रोकने वाले बालों पर जम जाता है। इसमें मौजूद केमिकल कैंसर का कारण बनते हैं।

कार्बन मोनोऑक्साइडः ये खून में मौजूद ऑक्सीजन को कम करती है। इससे जल्दी थकान और कमजोरी आने लगती है। इससे लंग्स की बीमारी हो सकती है।

ऑक्सीडेंट गैसः ये गैस ऑक्सीजन के साथ रिएक्ट करती हैं और खून को ज्यादा गाढ़ा बना देती हैं, इससे स्ट्रोक और हार्ट अटैक का रिस्क बढ़ जाता है।

बेंजीनः ये बॉडी सेल्स को डैमेज करता है। कई तरह के कैंसर का कारण भी बन सकता है।

स्मोकिंग से हर साल 8 लाख लोगों की मौत

स्मोकिंग करना किस हद तक डेंजरस हो सकता है, यह इसी बात से समझा जा सकता है कि भारत में हर साल 8 लाख लोगों की मौत तंबाकू और इससे जुड़े प्रोडक्ट को खाने से होती है। इसके बावजूद लोगों को अपनी मौत छोटी लगती है और तांबाकू की तलब ज्यादा महत्वपूर्ण।

मां ने 40 साल के बेटे को मार डाला

पुलिस से बोली - इलाज कराकर और रोज के झगड़े से तंग थी, इसलिए की हत्या

धमतरी, 22 मई (एजेंसियां)। धमतरी में 65 साल की बुजुर्ग मां ने अपने 40 साल के बेटे को मार डाला। वो बेटे का इलाज करवाकर तंग आ चुकी थी। घर में भी कई बार उसका बेटे-बहू से झगड़ा हो चुका था। इसलिए उसने युवक को मारने का प्लान बनाया और हंसिए से कई वार कर बेटे की जान ले ली। फिर थाने पहुंचकर पुलिस को घटना की जानकारी दी। मामला रुद्री थाना क्षेत्र का है। 15 मई को गंगरेल बाजार पारा में रहने वाले गणेश पटेल(40) की लाश उसके ही घर पर खून से लथपथ हालत में मिली थी। उसकी मां फुलेश्वरी पटेल ने बताया था कि किसी ने उसके बेटे की हत्या कर दी है। उसका कहना था कि घटना के वक्त उसकी बहू अपने मायके गई थी। मैं दूसरे कमरे में सो रही थी। अगले दिन सुबह सोकर उठी तो गणेश का शव उसके बिस्तर पर पड़ा था। शिकायत मिलने पर पुलिस ने मामले में जांच शुरू की। जांच में पता चला कि गणेश की मानसिक हालत ठीक नहीं थी। उसका रायपुर के माना के किसी अस्पताल में काफी समय से इलाज चल रहा था। जिसका खर्चा उसकी मां फुलेश्वरी उठाया करती थी। पुलिस को जांच में यह भी पता चला कि फुलेश्वरी का उसकी बहू से भी झगड़ा होता था। इसके बाद पुलिस ने युवक की मां से पूछताछ की, तब उसने अपना गुनाह कबूल कर लिया। बुजुर्ग महिला ने बताया कि मैं मजदूरी करती थी। बेटा कभी कभी काम पर जाता था। उसकी मानसिक हालत ठीक नहीं थी। इलाज में बहुत खर्च हो रहे थे। पैसे भी नहीं थे। बहू भी किसी न किसी बात को लेकर मुझे परेशान करती थी। रोज झगड़ा होता था। इसलिए मैंने ऐसा किया। आरोपी महिला ने बताया कि 14 मई को गणेश की पत्नी अपने मायके कांकेर चली गई थी। उस दिन घर पर मैं और मेरा बेटा गणेश थे। रात को खाना खाकर वह सो गया था। फिर रात को 3 बजे के आस-पास सोते वक्त हंसिए से उसके पेट पर कई वार किए। जिसके चलते उसकी मौत हो गई।

महिला के जुर्म कबूल करने के बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है। पूरे मामले का खुलासा सोमवार को किया गया है।

भीषण सड़क हादसे में 3 लोगों की मौत

धमतरी, 22 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले में हुए भीषण सड़क हादसे में 3 लोगों की मौत हो गई है। यहां दो बाइक में आमने-सामने की टक्कर हो गई। जिसके चलते तीनों लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया था। हादसा नगरी थाना क्षेत्र में हुआ है। जानकारी के मुताबिक, सेमरा निवासी भीषम नेताम और रेखराज मरकाम बाइक में सवार होकर किसी काम से धमतरी जा रहे रहे थे। वे अभी धमतरी-सिहावा मार्ग पर घोटगांव गौठान के पास पहुंचे थे। उसी दौरान यह हादसा हो गया है। बताया जा रहा है कि मुकुंदपुर निवासी कोशल सोनवानी बाइक में सवार होकर विपरीत दिशा से आ रहा था। जिसके चलते दोनों बाइक में टक्कर हो गई और यह हादसा हो गया है।

घटना के बाद आस-पास के लोग मौके पर पहुंचे थे। मगर तीनों की जान जा चुकी थी। यह हादसा सुबह 5 से 6 बजे के बीच हुआ है।

'गौशाला-गौठान में अंतर नहीं जानते बीजेपी नेता'

सीएम भूपेश बोले- लग्जरी गाड़ियों में घूमते हैं, विदेशी कुत्ते रखते हैं, अब चुनाव आया तो गौठान जा रहे हैं

रायपुर, 22 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में इन दिनों बीजेपी नेता रोजाना गौठानों का दौरा कर रहे हैं। चलबो गौठान खोलबो पोल' अभियान के तहत तमाम बीजेपी के नेता गौठानों का दौरा कर वहां की हकीकत जनता के सामने लाने की बात कह रहे हैं। उनके इस अभियाsन को लेकर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने तंज कसा है।

सीएम ने कहा कि इनको गौशाला और गौठान में अंतर समझ में नहीं आता और दूसरी बात यह है कि बड़ी-बड़ी गाड़ियों में घूमने वाले, उनकी गाड़ियों में विदेशी कुत्ते रहते हैं, अब ये गाय और गरवा के बारे में क्या समझेंगे। चुनाव आ गया तब गौठान जा रहे हैं। उससे पहले नहीं गए थे। सीएम ने कहा कि गौठान जा रहे हैं अच्छी बात है लेकिन कुछ अच्छे सुझाव देना चाहिए। जिसे हम भी अमल

कर सकें। कुछ कमी या खामियां है उसको सुधार सकें। लेकिन 1 दिन गोढ़ी के गौठान में गए और बता दिया कि 13 करोड़ का घोटाला हो गया। सीएम ने कहा कि इनकी स्क्रिप्ट पहले से तय थी और फिर इन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर लिया।

सीएम भूपेश ने कहा मध्यप्रदेश गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष आए थे तारीफ करके गए। केंद्रीय मंत्री सांसदों की टीम तारीफ करके गई। गुजरात की टीम आ गई, कितनी ही विधानसभा की टीम आ गई जो अध्ययन करके जा रही है और इनको भ्रष्टाचार नजर आ रहा है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि राष्ट्रीय नेताओं से नीतीश कुमार की लगातार मुलाकात हो रही है। मल्लिकार्जुन खड़गे से भी बेंगलुरु में जहां सभी राष्ट्रीय नेता मौजूद थे, वहां मुलाकात हुई। सीएम ने बताया कि उस दौरान नीतीश कुमार और वे एक साथ ही बैठे थे तब उनके अभियान के बारे में बातचीत भी हुई। सीएम ने कहा कि अच्छा है वरिष्ठ नेता विपक्ष के सारे नेताओं को एकजुट करने के अभियान में लगे हुए हैं और मुझे विश्वास है कि नीतीश कुमार इसमें सफल होंगे। सीएम भूपेश बघेल ने कहा की पीएम मोदी विदेश जाते हैं, तो विदेशों से हमारे क्या संबंध बने और देश को क्या लाभ मिला ये भी बताना चाहिए।

ना कि ये बताना चाहिए कि कौन ऑटोग्राफ ले रहा है और कौन पैर छू रहे हैं। इससे बहुत ज्यादा फर्क नहीं पड़ता है। अगर कोई राष्ट्र अध्यक्ष या प्रधानमंत्री दूसरे देश की यात्रा करते हैं तो उससे कूटनीतिक क्या लाभ हुआ और उसके बाद दोनों देश के आपसी संबंध में कितनी प्रगाढ़ता आई उसके साथ-साथ व्यापार व्यवसाय में कितना इसका इजाफा हुआ।

पुलिस की जांच पर सवाल, अब न्यायिक जांच की मांग

बिलासपुर, 22 मई (एजेंसियां)। बिलासपुर जिले के रतनपुर में रेप पीड़िता की मां पर काउंटर केस दर्ज करने का मामला शांत नहीं हो रहा है। सोमवार को सर्व ब्राह्मण समाज ने नेहरु चौक से रैली निकालकर कलेक्टोरेट का घेराव किया और जमकर हंगामा मचाया।

इस दौरान कलेक्टर सौरभ कुमार ने केस में पुलिस की भूल मानी है और जांच कर पीड़िता को न्याय दिलाने का भरोसा दिलाया है। समाज के पदाधिकारियों ने कहा कि बवाल मचने के बाद मामले को दबाने के लिए टीआई को लाइन अटैच किया गया है। वहीं, जांच कमेटी बनाकर गंभीर केस को ठंडा करने की साजिश चल रही है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का तीन दिवसीय दौरा

राजभवन, ट्रिपल आईटी और हाईकोर्ट भवन का दो किमी रेडियस बना रेड जोन, चार आईएएस प्रतिनियुक्त

रांची, 22 मई (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू विशेष विमान से 24 मई को रांची पहुंच रही हैं। वे 26 मई तक रहेंगी। उनके रांची आगमन और वापसी को लेकर तमाम तैयारियां पूरी कर ली गयी हैं। सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। उनके प्रस्तावित कार्यक्रम स्थल के 02 किलोमीटर की परिधि क्षेत्र को अस्थाई रूप से रेड जोन घोषित किया गया है। रांची के एसएसपी ने ड्रोन नियम 2021 के तहत अस्थायी रूप से रेड जोन घोषित किया गया है।

इसलिए बनाया गया रेड जोन

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 24 से 26

मई 2023 तक रांची में रहने वाली हैं। उनके निर्धारित कार्यक्रम के मुताबिक वह राजभवन में रूकेंगी। नए हाईकोर्ट भवन और नामकुम स्थित आईआईआईटी में आयोजित दीक्षांत कार्यक्रम में भाग लेंगी। उग्रवादी एवं आतंकी गतिविधि के मद्देनजर सुरक्षात्मक दृष्टिकोण से उक्त स्थानों को रेड जोन घोषित किया गया है।

निम्न क्षेत्र हैं रेड जोन

सीनियर एसपी की ओर से ड्रोन नियम 2021 के नियम 22, 24 एवं 26 में दी गयी शक्तियों का प्रयोग करते हुए नए उच्च न्यायालय भवन, धुर्वा से 02 किमी, जेयूटी (आईआईआईटी) नामकुम से 02 किमी एवं राजभवन से 02 किमी की परिधि क्षेत्र को 24 मई से 26 मई तक अस्थायी रूप से रेड जोन घोषित किया गया है। रेड जोन में कोई भी व्यक्ति सक्षम पदाधिकारी की पूर्व अनुमति के बिना ड्रोन का परिचालन नहीं कर सकेगा।

अवैध शराब बिक्री पर लगेगा लगाम

रांची, 22 मई (एजेंसियां)। झारखंड में बड़े पैमाने पर हो रही शराब की अवैध बिक्री रोकने के लिए अब एटीएस की मदद ली जाएगी। संगठित रूप से अवैध शराब बनाकर बेचने वाले अंतर जिला और अंतरराज्यीय गिरोहों के विरुद्ध सुनियोजित कार्रवाई करने पर मंथन चल रहा है। गृह विभाग इस धंधे से जुड़े बड़े गैंगस्टर और गिरोहों के विरुद्ध ठोस कार्रवाई में एटीएस को शामिल करने की तैयारी कर रहा है। गृह विभाग इस पर विधि विभाग की सहमति ले चुका है, उत्पाद विभाग की सहमति लेना जरूरी है। उत्पाद की सहमति मिलने के बाद कैबिनेट इस पर निर्णय लेगा। पिछले दिनों उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग ने राज्य में अवैध शराब की बिक्री के विरुद्ध ठोस कार्रवाई करने के लिए अपराध अनुसंधान विभाग से मदद मांगा था। उत्पाद आयुक्त ने सीआईडी को पत्र लिखकर अवैध अल्कोहल, शराब के चौर्य व्यापार, निर्माण, बिक्री व वितरण से संबंधित अपराध की रोकथाम के लिए शराब की अवैध बिक्री को संगठित अपराध घोषित कर कार्रवाई करने का आग्रह किया था।

7दिनों की रिमांड पर नक्सली दिनेश गोप

कड़ी सुरक्षा के बीच हुई पेशी, संगठन से जुड़े दूसरे नक्सलियों के ठिकानों का पता लगायेगी एनआईए

रांची, 22 मई (एजेंसियां)। पीएलएफआई सुप्रीमो दिनेश गोप को आज एनआईए कोर्ट में पेश किया गया। पेशी के दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम थे। दिनेश गोप के चेहरे को ढक कर रखा गया था। पेशी के बाद कोर्ट ने दिनेश गोप को 7 दिन की एनआईए रिमांड पर भेजा गया है। एनआईए ने 15 दिनों के रिमांड की मांग की थी। इस दौरान एनआईए उससे संगठन से जुड़े कई अहम सवाल और दूसरे नक्सलियों के ठिकाने की जानकारी भी मांगेगी।

पीपुल्स लिबरेशन फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएलएफआई) के सुप्रीमो दिनेश गोप को शनिवार को गिरफ्तार किया गया था। खुंखार नक्सली को पड़ोसी देश नेपाल से गिरफ्तार किया गया था। रविवार शाम 5:30 बजे कड़ी सुरक्षा के बीच उसे दिल्ली से बिरसा मुंडा एयरपोर्ट से बाहर लाया गया। दिनेश गोप की

गिरफ्तारी सुरक्षा बलों के लिए बड़ी सफलता है। झारखंड पुलिस ने 25 लाख रुपए का इनाम घोषित कर रखा था. वहीं एनआईए ने भी उस पर 5 लाख रुपये का इनाम रखा था।

नेपाल में रहकर संगठन को मजबूत कर रहा था दिनेश गोप

नेपाल में रहकर दिनेश गोप झारखंड में अपने संगठन को मजबूत कर रहा था। झारखंड में पीएलएफआइ के अन्य उग्रवादियों द्वारा वसूले गये लेवी के पैसे उसके कुछ समर्थक उस तक नेपाल पहुंचाने का काम करते थे। दिनेश गोप कभी भी किसी से सामान्य कॉल पर बात ही नहीं करता था। तकनीकी तौर पर भी उसने खुद को इतना मजबूत कर लिया था कि कोई आसानी से उसतक ना पहुंच सके। दिनेश गोप ने लेवी में वसूले पैसे को नेपाल में भी निवेश कर रहा था। वहां स्थानीय लोगों से भी दिनेश गोप ने अपनी अलग पहचान बना ली थी। दिनेश गोप पूरी कोशिश करता था कि उसके लोकेशन का किसी को पता ना चले। झारखंड पुलिस के साथ एनकाउंटर के दौरान जब दिनेश गोप को गोली लगी तो उसने सुरक्षित ठिकाने के रूप में नेपाल को चुना। वह किसी पीएलएफआइ उग्रवादी को मिलने के लिए नहीं बुलाता था। वह ऐसे लोगों को अपने लोकेशन की कोई जानकारी नहीं देता था जो पुलिस की रडार में है। अब एनआईए पूछताछ में उससे संगठन के कई बड़े राज जानेगी।

बिजली संकट को लेकर बाबूलाल मरांडी ने कसा तंज

बिजली कटौती से लोग बिलबिला रहे हैं और सीएम एसी कमरे में बैठ जांच एजेंसी से बचने की जुगत सोच रहे

रांची, 22 मई (एजेंसियां)। राज्य में बिजली संकट छाया हुआ है। राजधानी रांची समेत राज्य के अन्य जिलों में लोड शेडिंग की जा रही है। अब तो स्थिति ऐसी बनने लगी है कि बिजली न रहने से पानी संकट गहराने लगा है। इसके बाद भी सरकार का रवैया असंवेदनशील है। राज्य की ऐसी स्थिति को देखते हुए विपक्ष के नेता बाबूलाल मरांडी ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर तंज कसा है। उन्होंने कहा कि राज्य में बिजली कटौती से लोग बिलबिला रहे हैं। लोगों का इनवर्टर डाउन हो गया। शहरों में जेनरेटर प्रदूषण उगल रहे हैं। गांवों में स्थिति तो और बदतर है। इसके बाद भी सरकार चुप है। भाजपा नेता बाबूलाल मरांडी ने अपने फेसबुक वॉल पर यह बात लिखा है। उन्होंने लिखा है कि इसीलिए मैं कहता हूं, हेमंत सोरेन जनता के नहीं, हवा हवाई वादों के मुख्यमंत्री हैं। इनको जनता की चिंता नहीं है। जनता का हाल बेहाल है और शायद मुख्यमंत्री जी अपने आवास के एसी कमरे में बैठकर यह जुगत लगा रहे होंगे कि जांच एजेंसियों से अपना गला कैसे बचाया जाए। बाकी जनता जाए भाड़ में, यही बात है न हेमंत जी? राज्य में बिजली की खपत अप्रत्याशित रूप से बढ़ी है। अब तक रिकॉर्ड 2800 मेगावाट तक बिजली की मांग रिपोर्ट हो रही थी। लेकिन रविवार को यह मांग 2900 मेगावाट तक पहुंची। बिजली की रिकॉर्डतोड़ मांग के बीच व्यस्त समय में शाम छह से रात बारह बजे के दौरान आपूर्ति 2500 मेगावाट तक हो पा रही है। सूबे में व्यस्त समय के दौरान बिजली की मांग और आपूर्ति में 200 से 400 मेगावाट तक का अंतर लोड शेडिंग का कारण बन रहा है।

पहली बार सरकारी स्कूल में नियुक्त होंगे मैनेजर

रांची, 22 मई (एजेंसियां)। झारखंड के सरकारी स्कूलों में पहली बार मैनेजर और लाइब्रेरियन की नियुक्ति होगी। स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग की ओर से तैयारी शुरू कर दी गयी है। यह नियुक्ति नवनिर्मित 80 स्कूल ऑफ एक्सीलेंस में की जा रही है। मैनेजर पद के लिए 25 मई तक आवेदन मांगा गया है। वैसे विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक दोनों पदों पर उम्मीदवारों के चयन के लिए साक्षात्कार का विकल्प रखा गया है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने स्कूल ऑफ एक्सीलेंस के उद्घाटन के मौके पर स्कूल मैनेजर नियुक्ति की बात कही थी। 80 स्कूल ऑफ एक्सीलेंस में मैनेजर की नियुक्ति के लिए वैसे शिक्षकों को मौका दिया जाएगा जो सीबीएसई या आइसीएसई से संबद्ध स्कूलों, नवोदय विद्यालय, केंद्रीय विद्यालय से सेवानिवृत्त हो चुके होंगे। विभाग के सूत्रों की मानें तो सीबीएसई से संबद्धता प्राप्त स्कूलों के सेवानिवृत्त प्राचार्य को नियुक्ति में प्राथमिकता दी जाएगी। इसके लिए अधिकतम आयु सीमा 62 वर्ष निर्धारित की गई है। इनकी नियुक्ति के लिए साक्षात्कार रखा गया है, पर आवेदन अधिक आने पर लिखित परीक्षा भी ली जा सकती है। प्रत्येक स्कूल ऑफ एक्सीलेंस मे एक-एक प्रबंधक की नियुक्ति होगी। इनका मुख्य काम स्कूलों में आधारभूत संरचना को बनाए रखना, बच्चों की सुरक्षा, साफ-सफाई सुनिश्चित करना और प्राचार्य को एकेडमिक सपोर्ट देना होगा।

इमरान का आर्मी चीफ पर आरोप

बोले- जनरल मुनीर नहीं चाहते मैं सत्ता में वापसी करूं, मेरे कत्ल की साजिश रची जा रही

इस्लामाबाद, 22 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने एक बार फिर आर्मी चीफ जनरल मुनीर पर गंभीर आरोप लगाए हैं। रविवार को खान ने दो इंटरव्यू दिए। 9 मई को हुई हिंसा को गलत ठहराने से परहेज करते रहे। कहा- ये मेरी गिरफ्तारी का रिएक्शन था।

एक सवाल के जवाब में कहा- आर्मी चीफ जनरल मुनीर नहीं चाहते कि मैं फिर प्रधानमंत्री बनूं। इतना ही नहीं, कुछ लोग मेरे कत्ल की साजिश रच रहे हैं। हो सकता है, मंगलवार को मुझे फिर गिरफ्तार कर लिया जाए।

मुनीर को हटवाने के आरोप गलत

'अल जजीरा' को दिए इंटरव्यू में खान ने कहा- यह आरोप सरासर गलत हैं कि 2019 में मेरे कहने पर वर्तमान आर्मी चीफ जनरल आसिम मुनीर को आईएसआई चीफ की पोस्ट से हटाया गया था।

इमरान ने ये नहीं बताया कि फिर आसिम को आईएसआई के चीफ की पोस्ट से क्यों हटाया गया था। इसकी वजह यह है कि उनको हटाने का फैसला तो खुद इमरान ने ही किया था। कहा ये जाता है कि जनरल मुनीर ने उस वक्त इमरान को उनकी पत्नी बुशरा बीबी के करप्शन से जुड़े कई सबूत सौंप दिए थे और कहा था कि वो बुशरा और उनकी दोस्त फराह गोगी पर लगाम लगाएं।

खास बात यह है कि बुशरा और फराह गोगी उस अल कादिर ट्रस्ट केस में आरोपी हैं, जिसमें इमरान को 9 मई को गिरफ्तार किया गया था और इसके बाद पाकिस्तान सुलग उठा था। पुलिस रिकॉर्ड्स के मुताबिक हिंसा में 8 लोग मारे गए थे। इमरान का आरोप है कि कुल 40 लोगों की मौत हुई थी।

इमरान ने इंटरव्यू में आसिम मुनीर को हटाने के आरोप से इनकार किया तो हुकूमत की मिनिस्टर मरियम औरंगजेब ने फौरन सोशल मीडिया पर उनसे पूछा- खान साहब ये बताएं कि अगर मुनीर को आईएसआई चीफ के पद से बुशरा बीबी के कहने पर नहीं हटाया गया था तो फिर और क्या वजह थी?

मुनीर पर नया आरोप

इमरान खान ने एक सवाल के जवाब में कहा- मैं पाकिस्तान का सबसे पॉपुलर लीडर हूं। इसके बावजूद आर्मी चीफ नहीं चाहते कि मैं फिर से प्रधानमंत्री बनूं और मेरी पार्टी सत्ता में वापसी करे। आखिर क्यों? इसका जवाब क्यों नहीं दिया जाता, जबकि

पाकिस्तान में तो जम्हूरियत यानी लोकतंत्र है।

खान ने कहा- मैं आज तक नहीं समझ पाया कि आखिर जनरल मुनीर को मुझसे दिक्कत क्या है। मैंने आज तक उनके खिलाफ कुछ नहीं किया। मैं तो अपनी फौज की दिल से इज्जत करता हूं, लेकिन अगर वो मुझसे नाराज हैं तो इसकी वजह भी वही जानते होंगे।

एक सवाल के जवाब में खान ने कहा- कोई बताएगा कि मेरे खिलाफ 150 केस कैसे बन गए। 9 मई की हिंसा के बाद मेरी पार्टी की टॉप लीडरशिप और 10 हजार वर्कर्स को गिरफ्तार क्यों किया गया।

गिरफ्तारी का खतरा

इमरान ने दावा किया कि मंगलवार को जब वो अदालत में पेशी के लिए जाएंगे तो उन्हें किसी न किसी केस में गिरफ्तार कर लिया जाएगा। खान ने कहा- पाकिस्तान में हर वो कदम उठाया जा रहा है जो डेमोक्रेसी को खत्म कर सकता है।

एक सवाल के जवाब में खान ने कहा- अब तक जो हम देख रहे हैं, वो लोकतंत्र को खत्म करने की साजिश नहीं तो और क्या है। मैं तो लोगों के लिए सड़कों पर निकलने के लिए तैयार हूं। मेरे दौर में मुल्क की इकोनॉमी जितनी बेहतर थी, आज उतनी ही खराब है। पता नहीं हमारी आर्मी क्या चाहती है, क्योंकि उसकी मर्जी के बिना तो पाकिस्तान में कुछ हो ही नहीं सकता।

क्या है अल-कादिर ट्रस्ट केस

सरकार के मुताबिक खान जब प्रधानमंत्री बने तो उन्होंने लैंड माफिया मलिक रियाज को मनी लॉन्ड्रिंग केस में फंसाया। लंदन में उसके 40 अरब जब्त कराए। बाद में ये पैसा ब्रिटेन सरकार ने पाकिस्तान को सौंप दिया। इमरान ने यह जानकारी कैबिनेट को भी नहीं दी।

आरोप है कि यह पैसा एक सीक्रेट अकाउंट के जरिए इमरान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के खाते में ट्रांसफर कराई गई। कुल मिलाकर यह घोटाला 60 अरब पाकिस्तानी रुपए का है।

इसके बाद इमरान ने अल कादिर ट्रस्ट बनाया। इसने मजहबी तालीम देने के लिए अल कादिर यूनिवर्सिटी बनाई। इसके लिए अरबों रुपए की जमीन मलिक रियाज ने दी। बुशरा बीबी को डायमंड रिंग भी गिफ्ट की। बदले में रियाज के तमाम केस खत्म कर दिए गए। उसे करोड़ों रुपए के सरकारी ठेके भी मिले।

होम मिनिस्टर राणा सनाउल्लाह ने कहा- 60 अरब रुपए की चपत सरकारी खजाने को लगी।

13 महीने में एक बार भी इमरान या बुशरा पूछताछ के लिए नहीं आए। 4 साल बाद भी इस यूनिवर्सिटी में 32 स्टूडेंट्स ही हैं।

पाकिस्तान पुलिस की कस्टडी से गायब हुआ पत्रकार

लाहौर एचसी को जवाब देने में छूटा आईजी का पसीना, सीजे की सीधी चेतावनी

नई दिल्ली, 22 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान में इमरान खान और शहबाज शरीफ सरकार के बीच चूहे बिल्ली का खेल चल रहा है। शरीफ पीटीआई नेता को किसी भी सूरत में जेल भेजने पर आमादा हैं। दूसरी तरफ पाकिस्तान की न्यायपालिका से इमरान खान को लगातार सुरक्षा कवच मिल रहा है। लेकिन इस सारे घटनाक्रम के बीच एक पत्रकार की गुमशुदगी पुलिस के गले की हड्डी बन गई है। इतनी कि लाहौर हाईकोर्ट को जवाब देने में आईजी का पसीना छूट गया।

सियालकोट एयरपोर्ट से अरेस्ट हुआ था इमरान नियाज खान

दरअसल पाकिस्तान के एक पत्रकार इमरान नियाज खान को पुलिस ने सियालकोट एयरपोर्ट से 11 मई को गिरफ्तार किया था। नियाज के पिता ने पुलिस के अफसरों के साथ कुछ अज्ञात लोगों के खिलाफ 16 मई को केस दर्ज कराया था। सुराग नहीं मिला तो वो लाहौर हाईकोर्ट तक जा पहुंचे। 19 मई को मोहम्मद ने आंसुओं से भरी आंखों से चीफ जस्टिस से गुहार लगाई कि अपने देश पर रहम करिए। कानून से मत खेलिए।

पत्रकार के पिता का कहना था कि सभी जानते हैं कि उनके बेटे को किसके हवाले किया गया। ये पाकिस्तान का सच है। लोग यहां से गायब हो जाते हैं। चीफ जस्टिस से उन्होंने कहा कि उनके बेटे का केवल इतना कसूर था कि वो सच बोल रहा था। मैंने उसे सच बोलना ही सिखाया है। लेकिन यही चीज उसकी जान पर बवाल बन गई।

हाईकोर्ट में दूसरी एजेंसियों पर ठीकरा फोड़ने लगे आईजी

लाहौर हाईकोर्ट के जज मुहम्मद अमीर भट्टी ने पाकिस्तान पुलिस से जवाब तलब किया था। उन्होंने पत्रकार को कोर्ट में पेश करने का हुक्म दिया था। लेकिन आईजी पुलिस डॉ. उस्मान अनवर ने कोर्ट को बताया कि नियाजी का पाकिस्तान की किसी भी जेल में कोई सुराग नहीं मिल सका है। चीफ जस्टिस ने तल्ख रवैये में आईजी से पूछा- कोई डवलपमेंट है कि नहीं। आईजी का कहना था कि पत्रकार की उन्हें जरूरत नहीं थी। लेकिन एजेंसियों ने एक पुलिस वैन की मांग की थी। आप उनसे क्यों नहीं पूछते कि उन लोगों ने वैन क्यों मांगी थी।

चीफ जस्टिस बोले- नहीं मिला पत्रकार तो पुलिस को भुगतने होंगे परिणाम

चीफ जस्टिस ने आईजी से कहा कि पत्रकार को नहीं तलाश कर पाए तो गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। वो सरकार की मदद क्यों नहीं लेते। आईजी बोले कि आप सरकार को क्यों नहीं बुलाते। चीफ जस्टिस ने दो टूक कहा कि इमरान नियाज खान को कुछ भी हुआ तो वो किसी को नहीं छोड़ेंगे। उनका कहना था कि वो पुलिस को आखिरी मौका दे रहे हैं। पत्रकार को हाईकोर्ट में पेश किया जाए।

राहुल की अमेरिकी यात्रा का पित्रोदा ने बताया मकसद

कहा- लोकतंत्र के साझा मूल्यों को बढ़ावा देना उद्देश्य

वाशिंगटन, 22 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी जून में संयुक्त राज्य अमेरिका की यात्रा पर जाने वाले हैं। इस दौरान जनसभाओं को संबोधित करने और विश्वविद्यालय के छात्रों के साथ बातचीत करने का कार्यक्रम है। उनकी यात्रा को लेकर कांग्रेस के इंडियन ओवरसीज अध्यक्ष सैम पित्रोदा ने कहा कि राहुल की अमेरिका की यात्रा का मकसद 'वास्तविक लोकतंत्र' के साझा मूल्यों को बढ़ावा देना है।

यह है राहुल का तय कार्यक्रम

पित्रोदा ने रविवार को बताया कि राहुल गांधी का सैन फ्रांसिस्को, वाशिंगटन और न्यूयॉर्क जाने का कार्यक्रम है, जहां वह भारतीय अमेरिकियों की दो बैठकों को संबोधित कर सकते हैं। साथ ही संसद भवन में सांसदों और थिंक टैंक के सदस्यों से मुलाकात कर सकते हैं वहीं,

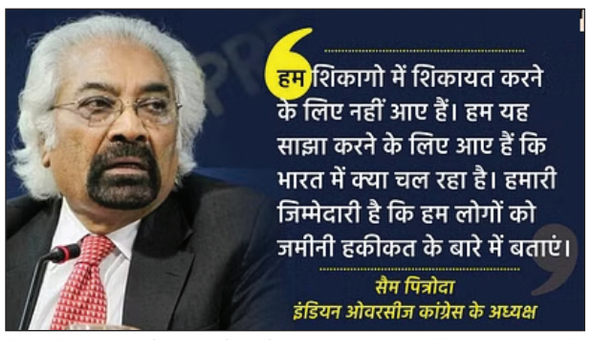

विश्वविद्यालय के छात्रों से बातचीत कर सकते हैं। बता दें, इन कार्यक्रमों को इंडियन ओवरसीज कांग्रेस आयोजित कर रहा है।

गौरतलब है, पित्रोदा कर्नाटक विधानसभा में कांग्रेस को मिली जीत की खुशी में आयोजित एक कार्यक्रम को शिकागो में संबोधित कर रहे थे। इसका आयोजन समुदाय के नेता इफ्तिकार शेरिफ और 'इंडियन ओवरसीज कांग्रेस-यूएसए' ने किया था।

हम यहां शिकायत करने नहीं आए

इस दौरान कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष की अमेरिकी यात्रा के मकसद तथा एजेंडा के बारे में ब्योरा देते हुए पित्रोदा ने कहा कि हम यहां शिकायत करने के लिए नहीं आए हैं। हम यह साझा करने के लिए आए हैं कि भारत में क्या चल रहा है। भारतीय लोकतंत्र विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम लोगों को जमीनी हकीकत के बारे में बताएं।

किसी से मदद के लिए नहीं कह रहे

उन्होंने शिकागो में कांग्रेस समर्थकों के एक समूह से कहा कि हम किसी से आने और मदद करने के लिए नहीं कह रहे।

हम समस्याओं से निपट सकते हैं। हम आपके साथ साझा करना चाहते हैं कि किस चीज की जरूरत है। उन्होंने रविवार को एक बयान में कहा कि राहुल गांधी की यात्रा का मकसद संपर्क बनाना, विभिन्न लोगों से बातचीत करना, संस्थाओं तथा मीडिया के साथ वार्ता करना है। इनमें भारतीय समुदाय भी शामिल है, जिनकी संख्या अमेरिका में तथा विदेशों में बढ़ रही है। दौरान वह विश्व भर में स्वतंत्रता, समावेश, स्थिरता, न्याय, शांति आदि पर केंद्रित वास्तविक लोकतंत्र के साझा मूल्यों और दृष्टिकोण को बढ़ावा देंगे।

चीन ने संबंध न बिगाड़ने की दी धमकी

तो जापान ने दिया मुंहतोड़ जवाब, कहा- पहले व्यवहार में लाओ परिवर्तन

बीजिंग, 22 मई (एजेंसियां)। चीन का जब मन करता है, तब किसी भी देश को धमकी दे देता है। अब ड्रैगन ने जापान को धमकी दे डाली है। उसने कहा कि संबंधों को बिगाड़ने का काम न करें। हालांकि, जापान ने भी मुंहतोड़ जवाब दिया है। बता दें, चीन के उप विदेश मंत्री सन वेइदॉन्ग ने ग्रुप ऑफ सेवन (जी7) शिखर सम्मेलन में चीन से संबंधित मुद्दों के बारे में दिए गए बयान पर विरोध दर्ज कराने के लिए जापानी राजदूत को तलब किया है। बता दें, इससे पहले चीनी दूतावास ने लंदन से कहा था कि वह चीन-ब्रिटेन संबंधों को नुकसान से बचाने के लिए चीन की बदनामी करना बंद करे।

गौरतलब है, जापान के हिरोशिमा में जी7 शिखर सम्मेलन आयोजित हुआ था। इस दौरान दुनिया के प्रमुख लोकतंत्रों के प्रमुखों ने पूर्वी और दक्षिण चीन सागर में बढ़ते तनाव के साथ-साथ तिब्बत और झिंजियांग सहित चीन में मानवाधिकारों की स्थिति के बारे में चिंता व्यक्त की थी।

जापान पर नियमों के उल्लंघन का लगाया आरोप

चीन के उप विदेश मंत्री का कहना है कि जापान ने जी 7 शिखर सम्मेलन में अन्य देशों के साथ मिलकर चीन को बदनाम करने की कोशिश की है। साथ ही उसने अन्य देशों की मदद से चीन पर हमला करने के साथ ही उसके आंतरिक मामलों में व्यापक रूप से हस्तक्षेप किया है। वहीं, 1972 के चीन-जापान संयुक्त वक्तव्य का जिक्र करते हुए सन ने कहा कि जापान ने जी7 के शिखर सम्मेलन के दौरान अंतरराष्ट्रीय कानून के बुनियादी सिद्धांतों का उल्लंघन किया है। जापान की कार्रवाइयां चीन की संप्रभुता, सुरक्षा और विकास हितों के लिए हानिकारक हैं। इसलिए चीन जापान का विरोध करता है। उन्होंने कहा कि जापान को पहले चीन को लेकर अपनी समझ बढ़ानी चाहिए। रणनीतिक स्वायत्तता को समझना चाहिए। साथ ही चीन-जापान के बीच तय चार राजनीतिक दस्तावेजों के नियमों को ध्यान में रखना चाहिए। विरोध करने की बजाय उन्हें द्विपक्षीय संबंधों के स्थिर विकास को सही मायने में बढ़ावा देना चाहिए।

जापान ने किया पलटवार

रिपोर्ट के अनुसार, जापान के राजदूत हिदेओ तरुमी ने चीन के विरोध का खंडन किया। उन्होंने कहा कि जी-7 में सामान्य मुद्दों पर बात करना स्वाभाविक है। वह पहले से ऐसा करते आ रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि अगर चीन अपने स्वभाव में बदलाव नहीं करेगा तो हम भविष्य में भी इस तरह के मुद्दों पर चर्चा करते रहेंगे। तरुमी ने आगे कहा कि चीन अगर चाहता है कि बात नहीं की जाए तो उसे इन मुद्दों को सुलझाने के लिए सकारात्मक कदम उठाने चाहिए।

क्या अब अमेरिका को मनाने में जुट गए हैं इमरान खान?

इस्लामाबाद, 22 मई (एजेंसियां)। क्या पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान गुपचुप अमेरिका से अपने रिश्ता सुधारने के प्रयासों में जुटे हुए हैं? एक ऑडियो लीक होने के बाद यह सवाल यहां चर्चित हुआ है। पिछले साल अपनी सरकार गिरने के बाद से इमरान खान आरोप लगाते रहे हैं कि उनकी सरकार गिराने के पीछे अमेरिका का हाथ था। इसलिए वे शहबाज शरीफ सरकार को 'आयातित सरकार' कहते रहे हैं। लेकिन अब लीक हुए ऑडियो क्लिप में वे एक अमेरिकी सांसद से मदद मांगते सुने गए हैं।

अमेरिकी सांसद मैक्साइन मूर वॉटर्स के साथ इमरान खान की बातचीत का ऑडियो लीक हुआ है। पाकिस्तान के अखबार एक्सप्रेस ट्रिब्यून ने अपनी एक रिपोर्ट में बताया है कि पिछले कुछ समय से इमरान खान ने अमेरिका की आलोचना धीमी कर दी है। इस रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि पूर्व प्रधानमंत्री परदे के पीछे से अमेरिका से संबंध सुधारने की कोशिश में जुटे हुए हैं। ऑडियो क्लिप के लीक होने से इमरान खान के आलोचकों को उनके खिलाफ एक मुद्दा मिल गया है। इसको लेकर खान पर दोमुंही बातें करने का इल्जाम लगाया जा रहा है। लीक हुए ऑडियो में इमरान खान को वॉटर्स के साथ कई मुद्दों पर बातचीत करते सुना गया। इसमें इमरान खान ने यह दावा किया है कि वे देश के सबसे लोकप्रिय नेता हैं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान इस समय अपने इतिहास के सबसे कठिन दौर से गुजर रहा है।

जिनपिंग का मजाक उड़ाया, कॉमेडियन का सोशल मीडिया अकाउंट सस्पेंड

अंकल रॉजर ने मुंह बनाकर कहा था- चीन अच्छा देश, राष्ट्रपति शी अमर रहें

बीजिंग, 22 मई (एजेंसियां)। चीन ने 'अंकल रॉजर' के नाम से मशहूर ब्रिटिश-मलेशियन कॉमेडियन निगेल एनजी का सोशल मीडिया अकाउंट सस्पेंड कर दिया है। उन्होंने हाल ही में एक शो के दौरान शी जिनपिंग की सरकार का मजाक उड़ाया था। इसके बाद सरकार ने कहा- निगेल एनजी ने कानून का उल्लंघन किया है, इसलिए उसके बिलिबिली और वीबो अकाउंट को ब्लॉक किया गया है।

'अंकल रॉजर' ने एक कॉमेडी शो के दौरान ऑडियंस में मौजूद एक शख्स से पूछा कि वो कहां के रहने वाले हैं। जबाव में शख्स ने कहा- चीन के ग्वांगझोउ। फिर 'अंकल रॉजर' ने मुंह बनाते हुए कहा- चीन अच्छा देश है। अब तो यही कहना पड़ेगा, है ना, यहां हो रही हमारी बातें भी रिकॉर्ड हो रही हैं। क्योंकि इस शख्स के पास हुवावे का फोन है। इसके बाद

'अंकल रॉजर' ने शख्स की जेब में रखे फोन पर हाथ रखा और कहा- राष्ट्रपति शी अमर रहें।

'अंकल रॉजर' यहीं नहीं रुके उन्होंने ताइवान से आए लोगों की तरफ देखते हुए कहा- ये तो देश ही नहीं है, उम्मीद करते हैं कि ये जल्द अपनी मातृभूमि (चीन) में फिर से शामिल होगा। इसी दौरान ऑडियंस ठहाके लगाती नजर आई। दरअसल, चीन हमेशा ताइवान को अपना हिस्सा बताता है और इस पर कब्जा करना चाहता है। अंकल रॉजर ने कहा- शख्स के पास हुवावे का फोन है, हमारी बातें रिकॉर्ड हो रही हैं। दरअसल, चीन की सेना पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के एक पूर्व इंजीनियर रेन की कंपनी हुवावे पर अमेरिकी कंपनी सिस्को सिस्टम की टेक्नोलॉजी चुराने का आरोप है। वहीं, कनाडा, ब्राजील, ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया जैसे कई देशों ने हुवावे के खिलाफ जांच कराई। ब्रिटेन ने साफ तौर पर कहा कि हुवावे अपने नेटवर्क का इस्तेमाल चीन की फौज के लिए जासूसी में करती है। भारत ने भी इस कंपनी को एंट्री नहीं दी। अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड भी हुवावे पर बैन लगा चुके हैं। 4 दिन पहले चीन में एक महिला को सेना का अपमान करने के आरोप में गिरफ्तार किया था। शी नाम की महिला पर आरोप था कि उसने चीनी सेना पर किए गए मजाक पर कमेडियन का समर्थन किया था। दरअसल, एक कॉमेडी शो के दौरान मशहूर चीनी कमेडियन हाओशी ने दो कुत्तों के बिहेवियर की तुलना शी जिनपिंग के मिलिट्री स्लोगन से कर दी थी। इस मजाक पर कमेडियन को कंपनी से निकाल दिया गया। इस पर महिला ने कहा था कि कमेडियन को बर्खास्त करना गलत है।

कॉमेडी फर्म पर 15 करोड़ का जुर्माना

कॉमेडी शो के दौरान शाओमी ने कहा था- मैं गिलहरी के पीछे दौड़ते हुए दो कुत्तों को देख रहा था। तभी, मुझे पीपल्स लिबरेशन आर्मी का नारा याद आया, जिसमें वो कहते हैं- 'फाइट वेल, विन द बैटल' यानी मजबूती से लड़ो और जंग जीतो।

युद्ध के बीच प्रेमः 5 दिन मोर्चे पर, वीकेंड परिवार संग

यूक्रेन में तैनात रूसी सैनिकों से मिलने पहुंच रही पत्नियां

क्रमातोर्स्क, 22 मई (एजेंसियां)। रूस के हमले का डटकर सामना कर रहे यूक्रेनी शहर बखमुट से करीब 30 किमी दूर क्रमातोर्स्क है। कीव से 1:38 बजे एक्सप्रेस ट्रेन जब क्रमातोर्स्क आकर रुकती है तो सैनिक गुलदस्तों और फूलों से इसके यात्रियों का स्वागत करते हैं। दरअसल, इस ट्रेन में आम यात्रियों के बजाय सैनिकों की पत्नियां और प्रेमिकाएं सफर करती हैं। वीकेंड में वे पति और पार्टनर्स से मिलने के लिए क्रमातोर्स्क पहुंचती हैं।

हाल में 27 साल की विक्टोरिया अपने पति अलेक्जेंडर तो 29 साल की कैरोलिना पार्टनर ब्लादिमीर से मिलने पहुंची हैं। एक दिन पहले अलेक्जेंडर और ब्लादिमीर गोलाबारी से जूझ रहे थे और अब उनके हाथ में बंदूकों की जगह गुलाब दिख रहे हैं।

किराए के अपार्टमेंट में बिताते हैं वीकेंड

जोड़े खुशी से एक-दूसरे को गले लगाते हैं और सरहद पर किराए के अपार्टमेंट में वीकेंड बिताते हैं। इन दिनों यूक्रेन के बखमुत पर रूस हमले कर रहा है। उसने कब्जे का दावा भी किया है। इसलिए यूक्रेनी सेना का भी पूरा फोकस बखमुट पर ही है।

युद्ध के इस कठिन दौर में भी जवान अपने साथियों के साथ कुछ यादगार पल सहेजने की कोशिश कर रहे हैं। कुछ वक्त पहले तक वीरान पड़ा औद्योगिक शहर क्रमातोर्स्क अब रोमांटिक डेस्टिनेशन बन गया है। 2022 में रूसी हमले के कुछ ही हफ्तों के भीतर, यहां कारखाने बंद हो गए और ज्यादातर लोग शहर छोड़ गए। अब सिर्फ सैनिक ही दिखते हैं, लेकिन इन सैनिकों के लिए रोमांटिक हब के रूप में क्रमोतर्स्क अब नई तरह की ऊर्जा का संचार कर रहा है। बड़ी सख्या में यूक्रेनी सैनिकों को बखमुट से दूर सफर करने की मंजूरी नहीं है। होटल बंद हैं। पर अपार्टमेंट दिन या घंटे के हिसाब से किराए पर ले सकते हैं। इससे फूलों और गिफ्ट की दुकानें, रेस्तरां और कैफे-भी गुलजार हो गए हैं।

पाकिस्तान-चीन के रिश्तों में तनाव

इस्लामाबाद/बीजिंग, 22 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान और चीन के रिश्तों में तनाव आ गया है। इसकी सबसे बड़ी वजह चाइना-पाकिस्तान इकोनॉमिक कॉरिडोर (सीपीईसी) का बंद होना है।

इस प्रोजेक्ट का बजट 60 अरब डॉलर था। चीन अब तक करीब 40 अरब डॉलर खर्च कर चुका है। चीन इस बात से सख्त नाराज है कि पाकिस्तान सरकार और फौज की तरफ से अब तक ऐसे कोई इंतजाम नहीं किए गए, जिससे यह लगे कि प्रोजेक्ट आगे बढ़ रहा है।

पति-पत्नी में घरेलू काम बांटने को ऐप लाएगी स्पेन सरकार

2 करोड़ खर्च कर इसी साल लॉन्चिंग की तैयारी, ऐसा करने वाला पहला देश

मैड्रिड, 22 मई (एजेंसियां)। पति घर के काम कर रहे हैं या नहीं, यह पता करने के लिए स्पेन की सरकार एक ऐप लॉन्च करने जा रही है। यह ऐप पत्नियों को बताएगा कि उनके पति घर के काम में कितना समय दे रहे हैं। यह ऐप लाने का मकसद महिला-पुरुषों के बीच घर के काम का बंटवारा करना है। ऐप यह भी ट्रेस करेगा कि घर का कौन मेंबर काम में कितना वक्त दे रहा है। इसके लिए सरकार दो करोड़ रुपए खर्च कर रही है। हालांकि यह ऐप काम कैसे करेगा, इस बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है। ऐप लॉन्च होने के बाद स्पेन महिला-पुरुष के घरेलू काम को मॉनिटर करने वाला पहला देश होगा। स्पेन को उम्मीद है कि ऐप सुनिश्चित करेगा कि पुरुष अपना वजन कम करें। स्पेन की जेंडर इक्वॉलिटी मिनिस्टर एंजेला रोड्रिग्ज ने बताया कि ऐप इसी साल गर्मियों में लॉन्च करने की प्लानिग हैं। यह ऐप घर को बेहतर तरीके से चलाने में मदद करेगा। मिसाल के तौर पर किचन साफ करने में 20 मिनट लग सकते हैं। यह इस बात पर निर्भर करता है कि किसी को वॉश-अप लिक्विड खरीदना याद है या उसने शॉपिंग लिस्ट बनाई है। इससे घर पर बेटे, बेटी, पिता, मां या पति-पत्नी के बीच काम साझा करने के लिए किया जा सकता है। अभी इन लोगों में काम के बंटवारे में बड़ी असमानता देखने को मिलती है। उन्होंने कहा कि हम महिलाएं, पुरुषों की तुलना में घरेलू कामों में अधिक समय देती हैं। नेशनल स्टैटिस्टिक्स इंस्टीट्यूट के एक सर्वे में भाग लेने वाली करीब आधी महिलाओं ने कहा कि वे अपने घर में ज्यादातर काम करती हैं। एक्सपर्ट्स को उम्मीद है कि स्पेन सरकार का यह ऐप घर के आसपास महिलाओं के न गिने जाने वाले कामों के साथ-साथ 'मानसिक भार' भी सामने लाएगा।

वसुंधरा पर पायलट के आरोपों को गजेंद्र का समर्थन

कहा- करप्शन के आरोपों की जांच हो, दो-तीन लोग एक-दूसरे को ढके, ये मैसेज गलत

जयपुर, 22 मई (एजेंसियां)। वसुंधरा राजे सरकार पर करप्शन के आरोपों की जांच की सचिन पायलट की मांग के मुद्दे ने कांग्रेस के बाद अब बीजेपी की सियासत भी गर्मा दी है। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने सचिन पायलट के करप्शन के आरोपों की जांच की मांग का समर्थन करते हुए सियासी चर्चाएं छेड़ दी हैं।

शेखावत ने कहा- मैं तो कहता हूं किसी के खिलाफ भी करप्शन का आरोप हो तो जांच होनी चाहिए। अगर किसी ने भी करप्शन किया तो जांच होनी चाहिए। पॉलिटिकल कारण से न तो जांच को रोका जाना चाहिए। न पॉलिटिकल कारण से जांच करनी चाहिए। निष्पक्ष रूप से जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा- अगर गजेंद्र सिंह ने भ्रष्टाचार किया है, उसके खिलाफ भी जांच होनी चाहिए। अगर भारतीय जनता पार्टी के किसी नेता ने किया तो उसके खिलाफ भी जांच होनी चाहिए। कम से कम जनता में यह संदेश कभी नहीं जाना चाहिए कि दो या तीन-चार लोग मिलकर इस तरह से एक दूसरे को ढकने का प्रयास करें। यह लोकतंत्र की आत्मा की हत्या करने के प्रयास जैसा होगा।

बयानों के मायने- गजेंद्र सिंह का पायलट के आरोपों का समर्थन, बीजेपी में गुटबाजी बढ़ने का संकेत

गजेंद्र सिंह शेखावत ने उसी लाइन पर बयान दिया है जिस पर सचिन पायलट ने सरकार को आंदोलन का अल्टीमेटम दे रखा है। पायलट ने वसुंधरा सरकार के करप्शन पर कार्रवाई की मांग को लेकर पहले 11 अप्रैल को जयपुर में अनशन किया। फिर 11 मई से पांच दिन तक अजमेर से जयपुर तक यात्रा निकाली। पायलट ने 15 मई को जयपुर में रैली करके जो तीन मांगें रखी थीं, उनमें एक मांग वसुंधरा सरकार के समय के करप्शन की जांच के लिए कमेटी बनाने की भी थी।

पायलट ने गहलोत के धौलपुर और कुचामन सिटी में दिए बयानों का हवाला कई बार दिया है। इसमें उन्होंने वसुंधरा राजे और कैलाश मेघवाल को उनकी सरकार बचाने में सहयोग का जिक्र किया। पायलट ने इशारों में गहलोत-वसुंधरा की मिलीभगत के आरोप भी लगाए थे। अब गजेंद्र सिंह भी मिलीभगत के आरोप इशारों में लगा रहे हैं।

गजेंद्र सिंह बोले- गहलोत ने कांग्रेस के बड़े-बड़े नेताओं का

वजूद खत्म कर दिया

गहलोत के उनके प्रति तल्खी के कारण पर गजेंद्र सिंह ने कहा- पता नहीं उनके मन में क्या है, लेकिन दो-तीन विषय हैं। एक तो उनके बेटे की हार बहुत बड़ा कारण है। पश्चिमी राजस्थान में पहली बार किसी ने अशोक गहलोत के वजूद को चुनौती दी है।

कांग्रेस पार्टी में बहुत बड़े-बड़े नेता थे। नाथूराम मिर्धा, रामनिवास मिर्धा पुराने जमाने के नेता थे। परसराम मदेरणा, राम सिंह बिश्नोई, खेत सिंह राठौड़, पूनम चंद बिश्नोई जैसे कांग्रेस के बड़े-बड़े दिग्गज नेता थे। इन सबका राजनीतिक वजूद समाप्त अगर किसी ने किया तो अशोक गहलोत ने किया। शेखावत ने कहा- भारतीय जनता पार्टी का पश्चिम राजस्थान में कभी कोई बड़ा मास लीडर नहीं था। जसवंत सिंह जी हुआ करते थे। उनका जनता से उतना कनेक्ट नहीं था। उनको पहली बार लगता है कि किसी जनता के आदमी ने उठके सीधे मेरे अस्तित्व को चुनौती दी है। मेरे बेटे को चुनाव हरवा दिया है। उनकी तल्खी का यह कारण हो सकता है।

गजेंद्र सिंह ने कहा- मेरे खिलाफ दर्ज किए गए केस सत्ता और एजेंसियों के दुरुपयोग का सबसे बेहतरीन उदाहरण है। ऑडियो वायरल होने के मामले में चार मुकदमे दर्ज किए गए थे। दो मुकदमे एसीबी में दर्ज किए गए। 2 मुकदमें एसओजी में दर्ज किए गए थे। इनमें से राष्ट्रद्रोह के मुकदमे भी दर्ज किए गए थे। 15 दिन तक मीडिया में हल्ला मचाने के बाद उनको पता नहीं कहां से यह ज्ञान हुआ, राष्ट्रद्रोह का मुकदमा वापस ले लिया गया। एक केंद्रीय मंत्री के खिलाफ इस तरह से आरोप लगा देना। बाद में मुकदमा वापस ले लेना। आप किसी को राष्ट्रद्रोही कह कर के 15 दिन तक बदनाम कर दो। फिर मुकदमा वापस ले लो। ऐसा क्या हो गया था?

मुझसे वॉयस सैंपल के लिए तीन साल किसी ने संपर्क नहीं किया

गजेंद्र सिंह ने कहा- वॉयस सैंपल को लेकर मुख्यमंत्री तीन साल से बयान दे रहे हैं। 2020 में जो मुकदमा दर्ज हुआ था, तब से तीन साल हो गए। तीन साल में मुझे वॉयस सैंपल के लिए किसी एजेंसी ने कोई समन नहीं भेजा, न मुझसे संपर्क किया। किसी भी व्यक्ति का वॉयस सैंपल लेने के लिए कोर्ट में जाने की जरूरत पड़ती है।

जब ये 2020 में कोर्ट गए तो कोर्ट ने साफ कहा कि अभियोजन पक्ष दूसरे उद्देश्यों के लिए इसका प्रयोग करना चाहता है। मना कर दिया। डेढ़ साल तक ये सोते रहे।

फिर एजेंसियों पर मुख्यमंत्री का जवाब आता है तो दोबारा हायर कोर्ट में अपील करते हैं। फिर अपील खारिज हो जाती है। हाईकोर्ट कहता है सैंपल नहीं दिया जा सकता। फिर भी यह कहते हैं कि वॉयस सैंपल दीजिए।

संजीवनी घोटाले में नाम आने पर गजेंद्र सिंह ने कहा- मेरे परिवार में से किसी भी व्यक्ति का संजीवनी क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसायटी से कोई संबंध नहीं है। मेरे परिवार को कोई भी मेंबर उस सोसायटी में सदस्य नहीं है। मैं संजीवनी के मालिक को जरूर जानता हूं, लेकिन जान-पहचान अपराध नहीं है। अब संजीवनी ने कोई फ्रॉड किया, उसके खातों की ऑडिट करने का काम तो राज्य सरकार का था। सरकार की भी तो कोई जिम्मेदारी बनती है। आप उनके खातों को हर साल सर्टिफाइड कर रहे थे।

संजीवनी के मालिक की तारीफ वाले वीडियो पर गजेंद्र सिंह ने कहा- संजीवनी के मालिक और उनके फादर को मैं जानता हूं।

भ्रष्टाचार का खजाना रखने वाले अफसर के मोबाइल-लैपटॉप खोलेंगे राज

तीन मोबाइल, दो लैपटॉप और एक हार्ड डिस्क जांच के लिए भेजी, तीन प्रापर्टी भी मिली

जयपुर, 22 मई (एजेंसियां)। डीओआईटी के जॉइंट डायरेक्टर वेद प्रकाश यादव तीन दिन एसीबी रिमांड पर है। रविवार को हुई पूछताछ में एसीबी को तीन प्रोपर्टी के बारे में जानकारी मिली है। एसीबी की टीम ने देर रात तक वेद प्रकाश के कार्यालय सहित तीन अलग-अलग जगहों पर सर्च की। वेद प्रकाश को पहले एसीबी की टीम योजना भवन लेकर गई। यहां एसीबी के अधिकारियों ने उसके चैम्बर से कई दस्तावेज उठाए।

इस दौरान सरकारी कम्प्यूटर सहित वेद प्रकाश के इलेक्ट्रोनिक उपकरणों को सीज किया गया। अब तक की पूछताछ में वेद प्रकाश यादव ने कई महत्वपूर्ण जानकारी दी है। इस आधार पर एसीबी की टीम योजना भवन सहित कुछ प्राइवेट लोगों को पूछताछ के लिए बुला सकती है। प्रारम्भिक पूछताछ में वेद प्रकाश ने एसीबी को अपने निजी संपत्ति की जानकारी दी है। जब वेद प्रकाश से मोबाइल ,लैपटॉप, आई फोन को खोलने की बात कही तो इनकार कर दिया। इस पर एसीबी अब इन सभी उपरणों की जांच करने के लिए एफएसएल भेजेगी। इससे पता चल सकेगा की आरोपी ने इन मोबाइल में क्या डाटा सेव किया हुआ है। तीन मोबाइल, दो लैपटॉप र एक हार्ड डिस्क एफएसएल भेजी जाएगी। दरअसल, एसीबी के अधिकारी कल देर रात तक वेद प्रकाश यादव के साथ उनके ऑफिस में सर्च कर रहे थे। इस दौरान 5 साल में जिन कम्पनियों के साथ डीओआईटी की डील हुई है। उनकी जानकारी ली है। साथ ही एसीबी जल्द इन कम्पनियों को लैटर लिख कर पूछताछ के लिए बुलाएगी। रात को एसीबी ने देव प्रकाश के कैबिन सहित उन कमरों की भी जांच की, जिनका कंट्रोल वेद प्रकाश के पास था। एसीबी को शक था कि अन्य बंद आलमारियों में भी उन्हें कुछ मिल सकता है।

'बीजेपी के सत्ता में आते ही भूखे भेड़िए जैसी स्थिति'

गहलोत बोले- केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह के खिलाफ प्रस्ताव पास क्यों नहीं करती भाजपा?

जयपुर, 22 मई (एजेंसियां)। राजस्थान बीजेपी प्रदेश कार्य समिति की बैठक में कांग्रेस सरकार के खिलाफ प्रस्ताव पास करने के मामले में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा- यह लोग हमारे खिलाफ करप्शन को लेकर प्रस्ताव पास कर रहे हैं। जबकि राजस्थान सरकार ने करप्शन को लेकर रिकॉर्ड कार्रवाई की है। बीजेपी की सत्ता में आते ही भूखे भेड़िए जैसी स्थिति बन जाती है। जिस तरह से भूखे भेड़िए को खाने के लिए मिल जाता है। उसकी स्थिति बन जाती है। उसी तरह से बीजेपी के हाल है। गहलोत रविवार को प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में मीडिया से बात कर रहे थे।

गहलोत ने कहा- केंद्र और राज्य में बीजेपी के सत्ता में आते ही आप देख लीजिए क्या हाल होता है? मैं नहीं कह रहा हूं आप किसी भी उद्योगपति से पूछ लीजिए। पहले इनकम टैक्स में एक फाइल के लिए 1 लाख रुपए देते थे। अब 10 लाख रुपए देने पड़ रहे हैं। इनके राज में करप्शन 10 गुना बढ़ा है। यह मैं नहीं कह रहा हूं, आप किसी से भी पूछ लीजिए।

गहलोत ने कहा- इनसे पूछो इन्होंने 30-40 साल में कितनी संपत्ति इकट्ठा कर ली। इसका ले खा - जो खा प्रदेशवासियों को दें। तुम राज में आना चाहते हो, यह सपना ही देखो। जनता तय करेगी, किस को सत्ता में लाना है।

गहलोत ने 2000 के नोट के 30 सितंबर बाद लीगल नहीं रहने के मामले में कहा- पहले जब नोटबंदी की गई, उस समय का हिसाब इन लोगों ने आज तक नहीं दिया। जितना भी पैसा मार्केट में था। वह पूरा पैसा बैंकों में जमा हो गया। यह लोकसभा में जानकारी दी गई।

2000 के नोट में कितना खेला होगा, यह किसी को नहीं पता। क्योंकि इन्होंने आज तक पिछला हिसाब नहीं दिया। इनसे हिसाब कौन पूछेगा। आरबीआई इनकी

मॉनिटरिंग कर सकता है क्या?

अमित शाह जिस बैंक के डायरेक्टर है। नोटबंदी में उस बैंक में 700 करोड़ का लेनदेन हुआ था।

बीजेपी के प्रस्ताव पास करने के मामले में गहलोत ने कहा- बीजेपी में दम है तो केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के खिलाफ प्रस्ताव पास करके दिखाएं। प्रधानमंत्री से प्रस्ताव पास करके कहे कि इस व्यक्ति के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप हैं। ऐसे में आप इसे मंत्रिमंडल से बर्खास्त करें।

उन्होंने गजेंद्र के सवाल पर कहा- इस व्यक्ति को सीरियस लेने की जरूरत नहीं है। इसे संजीवनी केस में एसओजी अभियुक्त मान चुकी है। जब मामला कोर्ट में जाएगा तो इस पर फैसला भी हो जाएगा। बीजेपी को अगर प्रस्ताव पास करना है तो गजेंद्र के खिलाफ प्रस्ताव पास करें। मुंबई में बनाई गई कंपनियों में कितना लेन-देन हुआ। किस तरह से ढाई लाख से ज्यादा लोगों का पैसा ठगा गया।

कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा- आज राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर हमने संकल्प लिया है कि हम जनता के बीच में सरकार की योजनाओं को लेकर जाएंगे। बीजेपी केवल सत्ता की लालची है। आज जनता इन्हें सत्ता के लालची भेड़िए के रूप में देखने लगी है। इन लोगों को बेरोजगारी,महंगाई और युवाओं के दर्द से कोई लेना-देना नहीं है। यह लोग केवल सत्ता के लालची है। इन्होंने देश में संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग किया है। राजस्थान में भी हम ईडी, इनकम टैक्स और सीबीआई का स्वागत करते हैं।

रंधावा ने कहा- हमने दक्षिण भारत को बीजेपी मुक्त कर दिया

कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने कहा- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस मुक्त भारत का नारा दिया था। यह सपना इनका कभी पूरा नहीं हो पाएगा। हमने दक्षिण भारत को बीजेपी मुक्त कर दिया है। आज दक्षिण भारत में बीजेपी की कोई सरकार नहीं है। वहीं, उत्तर भारत में केवल 4 राज्यों को छोड़ दिया जाए तो बीजेपी की अपने दम पर किसी भी राज्य में सरकार नहीं है।

वहीं, आने वाले विधानसभा चुनावों में कांग्रेस राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना में भी सरकार बनाने जा रही है। उन्होंने कहा- बीजेपी हमसे पूछती है कि हमने 70 सालों में क्या किया? लेकिन हम बीजेपी से पूछते हैं कि 9 साल में जो प्रधानमंत्री एक करेंसी नहीं चला सका।

हीटवेव के बीच बारिश-आंधी का अलर्ट

गर्मी से मिलेगी राहत, सीजन में पहली बार 45 डिग्री के पार तापमान

जयपुर, 22 मई (एजेंसियां)। राजस्थान में भीषण गर्मी के बीच हल्की बारिश का दौर शुरू हो गया। एक दिन पहले उदयपुर, नागौर में हुई बारिश के बाद कल भीलवाड़ा, झालावाड़, चित्तौड़गढ़ में भी पानी बरसा। तपन के बीच हुई बारिश ने कुछ राहत दी है। आज से अगले चार दिन राज्य में बारिश-आंधी का दौर शुरू होगा।

इस दौरान राजस्थान के बीकानेर, जयपुर, भरतपुर और अजमेर संभाग के जिलों में आंधी-बारिश होने के साथ-साथ कहीं-कहीं ओले भी गिर सकते हैं। इससे तापमान 4-5 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट हो सकती है।

पिछले 24 घंटे की रिपोर्ट देखें तो भीलवाड़ा, झालावाड़, चित्तौड़गढ़ जिलों के कुछ हिस्सों में बारिश हुई। भीलवाड़ा के सहाड़ा में 15MM बारिश दर्ज हुई। इधर चित्तौड़गढ़ के राश्मी में 5, रावतभाटा में 1, झालावाड़ के झालरापाटन और रायपुर में 8-8, झालावाड़ शहर में 5, बाकनी, पचपहाड़ में 2-2 और खानपुर, असनावर में 1-1 एमएम बारिश हुई।

मौसम केन्द्र जयपुर ने आज भी दोपहर बाद अलवर, भरतपुर, धौलपुर, झुंझुनूं, सीकर के अलावा पश्चिमी राजस्थान के बीकानेर, चूरू, गंगानगर और हनुमानगढ़ जिलों में कहीं-कहीं धूलभरी आंधी चलने के साथ कुछ स्थानों पर बादल छाने और हल्की बारिश होने की संभावना जताई है।

इससे पहले कल जयपुर, चित्तौड़गढ़, बीकानेर, चूरू, गंगानगर, धौलपुर, हनुमानगढ़ और करौली में जबरदस्त गर्मी रही। जयपुर को छोड़कर सात शहरों में कल सीजन का सबसे गर्म दिन रहा। कल सबसे ज्यादा गर्मी चूरू जिले में रही। जहां का अधिकतम तापमान 45.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। चूरू में ये तापमान इस गर्मी के सीजन का सबसे ज्यादा है। जयपुर में कल दिन का अधिकतम तापमान 43 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। जयपुर में ये दूसरी बार है, जब सीजन में पारा 43 पर पहुंचा है। दिन के साथ बीती रात भी गर्मी तेज रही। अजमेर, बीकानेर, कोटा, गंगानगर में रात का न्यूनतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस से ऊपर ही रहा। यहां रात में भी लोगों को गर्मी से कोई राहत नहीं मिल रही। जयपुर मौसम केन्द्र से जारी लॉन्गरेंज फॉरकास्ट के मुताबिक 23 मार्च को अजमेर, अलवर, भरतपुर, दौसा, धौलपुर, जयपुर, झुंझुनूं, करौली, सवाई माधोपुर, सीकर, टोंक, बीकानेर, चूरू, जैसलमेर, जोधपुर, नागौर, गंगानगर और हनुमानगढ़ एरिया में आंधी-बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। 24 और 25 मई को भी इन जिलों के अलावा दक्षिण-पूर्वी राजस्थान के प्रतापगढ़, कोटा, झालावाड़, बूंदी, बारां, एरिया में भी आंधी-बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है।

मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक एक वेस्टर्न डिस्टर्बेंस उत्तर भारत में सक्रिय होगा। ये सिस्टम बहुत सक्रिय है, जिसके कारण उत्तरी भारत के लद्दाख, जम्मू-कश्मीर समेत ऊंची पहाड़ियों पर बर्फबारी हो सकती है। इसके अलावा एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन पंजाब-पाकिस्तान के ऊपर बना है।

आग में जिंदा जल गई 7 साल की मासूम

ज्यादा आग होने के कारण अंदर नहीं घुस पाई पुलिस

धौलपुर, 22 मई (एजेंसियां)। घर में आग लगने से 7 साल की एक बच्ची जिंदा जल गई। इस दौरान 2 बच्चों को बाहर निकाल लिया गया। आग से घर में रखा लाखों रुपए का सामान भी जलकर राख हो गया। आग लगने की सूचना पर मौके पर पहुंचे पुलिसकर्मियों ने बच्ची को बचाने की कोशिश की, लेकिन भीषण आग के कारण अंदर घुसने में विफल रहे। मामला धौलपुर के दिहौली थाना क्षेत्र का है।

हेड कॉन्स्टेबल योगेन्द्र शर्मा ने बताया कि कंट्रोल रूम से आंतरोली गांव के सूखा और उसके भाई मुकेश लोधी के घर में आग लगने की सूचना मिली थी। पुलिस टीम पहुंची तो पीड़ित का घर आग में घिरा था, जिसको बुझाने के लिए ग्रामीण प्रयास कर रहे थे। ग्रामीणों ने मकान के अंदर मासूम गिरजा (7) पुत्री मुकेश के होने की जानकारी दी।

इस दौरान पुलिसकर्मियों ने कंबल ओढ़कर अंदर जाने की कोशिश की, लेकिन भीषण आग के कारण वे अंदर नहीं घुस पाए। इसके बाद ग्रामीणों की मदद से आग पर काबू पाया गया। आग बुझाने के बाद मासूम को गंभीर हालत में अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पायलट के सामने समर्थक विधायक के खिलाफ लगे नारे

चार की मौत के बाद परिवार से मिलने पहुंचे थे, गुस्साए लोगों ने लगाए मुर्दाबाद के नारे

चाकसू, 22 मई (एजेंसियां)। जयपुर के कोटखावदा में रविवार को सड़क किनारे पेड़ के नीचे बैठे परिवार के 6 लोगों को थार जीप से कुचल दिया। हादसे में मां-बेटे और पति-पत्नी की मौत हो गई। ग्रामीण और परिजन रातभर धरने पर बैठे रहे। मांगों को लेकर अभी तक शव लेने के लिए तैयार नहीं हुए है। करीब 24 घंटे बाद भी मांगों को लेकर सहमति नहीं बन पाई है। ऐसे में ग्रामीण धरना स्थल चार शवों के साथ टेंट लगाकर बैठे है। सोमवार सचिन पायलट और विधायक वेद प्रकाश सोलंकी धरना स्थल पर पहुंचे। इस दौरान आक्रोशित लोगों ने विधायक वेद प्रकाश सोलंकी के खिलाफ मुर्दाबाद के नारे लगाए।

मौके पर प्रशासनिक अधिकारियों के साथ तीन थानों का पुलिस जाप्ता तैनात है। रविवार देर शाम करीब 7 बजे राज्यसभा सांसद डॉ. किरोड़ीलाल मीणा धरना स्थल पर पहुंचे थे। परिजनों से समझाइश के साथ ढांढस बंधवाया।

सोमवार करीब 12.30 बजे पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट और विधायक वेद प्रकाश सोलंकी धरना स्थल पर पहुंचे। इस दौरान आक्रोशित लोगों ने विधायक के खिलाफ मुर्दाबाद के नारे लगाए। पुलिस ने सुरक्षा के बीच पायलट और सोलंकी को धरनास्थल तक पहुंचाया। करीब 20 मिनट तक परिजनों और ग्रामीणों के साथ बातचीत की। विरोध के चलते दोनों वापस लौट गए। इस दौरान आक्रोशित लोगों ने विधायक सोलंकी पर टायर और पत्थर फेंके।

इससे पहले रविवार को हादसे में एक ही परिवार के चार लोगों की मौत के बाद आसपास के क्षेत्र में सनसनी फैल गई। घटना को लेकर स्थानीय ग्रामीणों मे गहरा आक्रोश हो गया। रविवार दोपहर करीब 1 बजे चारों शवों को कोटखावदा बस स्टैंड पर स्टेट हाइवे के बीच लाकर रख दिए और धरना-प्रदर्शन शुरू कर दिया। इस दौरान सैकड़ों की संख्या में लोग एकत्रित हो गए। देर शाम में राज्यसभा सांसद डॉ. किरोड़ीलाल मीणा की मौजूदगी में SDM को ज्ञापन दिया गया। जिसमें 35-35 लाख रुपए मुआवजा, आश्रितों को सरकारी नौकरी, पीएम आवास का लाभ, आरोपी ड्राइवर के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग पर अड़े है। फिलहाल प्रशासन और ग्रामीणों के बीच मांगों को लेकर सहमति नहीं बन पाई है।

पड़ोसी ने किया मां-बेटी से रेप

नहाते समय दोनों के बनाए न्यूड वीडियो, वायरल करने की धमकी देकर किया ब्लैकमेल

जयपुर, 22 मई (एजेंसियां)। जयपुर में पड़ोसी युवक के मां और नाबालिग बेटी से रेप करने मामला सामने आया है। नहाते समय आरोपी ने दोनों के न्यूड वीडियो बना लिए। अश्लील वीडियो को वायरल करने की धमकी देकर दोनों से रेप किया। मानसिक अवसाद में बेटी को देखकर हरमाड़ा थाने में पीड़ित मां ने आरोपी पड़ोसी के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है। मामले की जांच एसएचओ (हरमाड़ा) राजेश गौतम कर रहे है।

पुलिस ने बताया कि हरमाड़ा निवासी 37 साल की महिला ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। वह अपने पति और 13 साल की बेटी के साथ रहती है। पड़ोसी होने के कारण आरोपी का घर पर आना-जाना था। मौका पाकर बाथरूम में नहाते समय रोशनदान से उसका न्यूड वीडियो बनाकर चला गया। पति की गैरमौजूदगी में आकर मोबाइल में न्यूड वीडियो को दिखाया। अश्लील वीडियो को वायरल करने की धमकी देकर रेप किया। ब्लैकमेल कर आरोपी पड़ोसी डरा-धमकाकर देहशोषण करने लगा। आरोप है कि घर पर आने-जाने के दौरान 13 साल की बेटी को भी अपने जाल में फांस लिया। नाबालिग बेटी के भी न्यूड वीडियो बनाकर उसके साथ रेप करने लगा।

नागौर में दो ट्रेलर भिड़े, एक ड्राइवर जिंदा जला

धमाके के साथ फटे डीजल टैंक, 2 गंभीर घायल

मेड़ता, 22 मई (एजेंसियां)। नागौर जिले के मेड़ता में सोमवार सुबह 9.20 बजे दो ट्रेलर की आमने-सामने की भिड़ंत हो गई। भिड़ंत के बाद दोनों ट्रेलर भभक उठे। एक ट्रेलर का ड्राइवर हादसे में जिंदा जल गया। जबकि दूसरे ट्रेलर का ड्राइवर और एक अन्य गंभीर रूप से घायल है। जिन्हें नागौर के जिला हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है।

हादसा नागौर के मेड़ता सिटी कस्बे के चिमरानी गांव की सरहद पर हुआ। हादसा इतना भयानक था कि टक्कर और फिर टैंकर का डीजल टैंक फटने की आवाज दूर तक सुनाई दी।

नेशनल हाइवे-62 पर बीच में डिवाइडर नहीं है। जोधपुर की तरफ से आ रहे ट्रेलर की नागौर की ओर से आ रहे ट्रेलर के साथ जोरदार भिड़ंत हुई। हादसे के कारणों का अभी खुलासा नहीं हो पाया है। क्योंकि दोनों ट्रेलर में सवार एक का ड्राइवर जिंदा जल गया, जबकि दूसरा अभी गंभीर रूप से घायल है।

टक्कर के बाद दोनों ट्रेलर के टैंक फट गए, जिससे दोनों में आग लग गई। आग पर काबू पाने के लिए नागौर से फायर ब्रिगेड पहुंची। सुबह 11.30 बजे तक नागौर, खींवसर पुलिस मौके पर मौजूद थी। फिलहाल, दोनों वाहनों को सड़क से हटाने की कार्यवाही की जा रही है।

देशी पिस्टल और कट्टे के साथ 2 बदमाश गिरफ्तार

पांच कारतूस बरामद, वारदात को अंजाम देने की फिराक में आ रहे थे बारां

बारां, 22 मई (एजेंसियां)। कोतवाली थाना पुलिस ने एक अवैध देशी कट्टा, देशी पिस्टल और 5 कारतूस के साथ 2 बदमाशों को गिरफ्तार किया है। वहीं एक आरोपी मौके से भागने से सफल हो गया। आरोपी किसी वारदात को अंजाम देने की फिराक में हथियार लेकर बारां आ रहे थे। इससे पहले ही पुलिस ने उन्हे दबोचा लिया। पुलिस आरोपियों से गहनता से पूछताछ में जुटी हुई है।

एसपी राजकुमार चौधरी ने बताया कि जिले में अवैध कार्यों जुआ-सट्टा, शराब, मादक पदार्थ और अवैध हथियारों की तस्करी के खिलाफ विशेष अभियान चलाकर कार्रवाई की जा रही है। इसके तहत एएसपी जिनेंद्र जैन और डीएसपी राजेंद्र मीणा के निर्देशन में कोतवाली सीआई राजेश खटाना की विशेष टीम गठित की गई। टीम की ओर से रविवार को झालावाड़ रोड अंडरब्रिज के नीचे से गश्त की

जा रही थी। इस दौरान झालावाड़ रोड की ओर से एक बाइक पर 3 लोग आ रहे थे। जो पुलिस टीम को देखकर भागने लगे, तभी पुलिस ने उनका पीछा किया। पुलिस ने बाइक सवार 2 लोगों को पकड़ लिया, लेकिन एक बदमाश फरार हो गया। पुलिस ने गाविंदनगर कोटा निवासी आसिफ अहमद पुत्र शाहिद अहमद और विज्ञाननगर निवासी शंकर बैरागी पुत्र रामप्रसाद बैरागी को डिटेन कर लिया।

अग्रवाल समाज, दोमलगुडा की वार्षिक साधारण सभा संपन्न

हैदराबाद, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज तेलंगाना की दोमलगुडा शाखा की वार्षिक साधारण सभा हिमायत नगर में सम्पन्न हुई। महाराजा श्री अग्रसेन जी की पूजा-अर्चना के उपरान्त अध्यक्ष प्रदीप अग्रवाल ने स्वागत संबोधन और मानद मंत्री योगेश अग्रवाल ने गत वर्ष की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की।

कोषाध्यक्ष विजय कुंछल की अनुपस्थिति में शाखा क्लीनिक के संयोजक ने शाखा की आय-व्यय के लेखा-जोखा के साथ ही क्लीनिक की भी रिर्पोट प्रस्तुत की। महिला समिति की प्रधान संयोजिका सरला अग्रवाल ने महिला समिति की रिपोर्ट और आय-व्यय का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर क्लीनिक में नियमित सहयोग प्रदान करने वालों के साथ ही शाखा के रजत जयंती कार्यक्रम के प्रमुख सहयोगी देवकी नन्दन जाजोदिया, राजेश दादू के साथ ही अन्य सहयोगियों के नामों की घोषणा कर उन्हें सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कई सदस्यों ने स्वेच्छा से आगे आकर क्लीनिक में आर्थिक सहयोग की घोषणा की।

शाखा के उपस्थित पूर्व सदस्यों गिरधारिलाल गुप्ता, दिनेश अग्रवाल, विजय जिन्दल, दिलीप कुमार पंसारी के साथ ही वर्तमान टीम के पदाधिकारियों और संयोजकों को भी उनके द्वारा प्रदान की गयी सेवाओं हेतु सम्मानित किया गया। नये सदस्यों ने अपना परिचय सभा के समक्ष दिया। इस वर्ष अग्रवाल समाज तेलंगाना के चुनाव में अध्यक्ष पद पर चुनाव हेतु शाखा ने दिलीफ पंसारी का नाम सर्वसम्माती से पारित कर दिलीफ पंसारी की विजय हेतु शाखा के हर सदस्य को सहयोग का अह्वान किया। सभा की समाप्ति उपरान्त चुनाव अधिकारी ओमप्रकाश पंसारी तथा सहयोगी टीम राजेश अग्रवाल और जुगल किशोर अग्रवाल के नेतृत्व में वर्ष 2023-25 हेतु नये पदाधिकारियों के नामों की घोषणा की गयी, जिसमें अध्यक्ष प्रदीप अग्रवाल, उपाध्यक्ष अनिल गर्ग, मानदमंत्री योगेश अग्रवाल, संयुक्त मंत्री प्रतीक अग्रवाल, कोषाध्यक्ष विजय कुच्छल, केन्द्रीय समिति सदस्य दिलीप पंसारी और विजय जिन्दल रहे। नये नियुक्त अध्यक्ष प्रदीप अग्रवाल ने उनकी पूरी टीम को एक बार फिर से चयन हेतु शाखा को धन्यवाद हेतु शाखा के उत्थान हेतु हर प्रयास का आश्वासन दिया। सभा में शाख के परामर्शदाता गिरधारी लाल अग्रवाल, श्याम लाल अग्रवाल एवं अन्य ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

जायसवाल समुदाय के लिए भूमि आवंटन की मांग

राकेश जायसवाल ने मंत्री से मुलाकात कर सौंपा ज्ञापन

हैदराबाद, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना जायसवाल सेवा समिति के अध्यक्ष राकेश जायसवाल ने जायसवाल समुदाय के लिए सरकार की ओर से भूमि आवंटित करने के लिए तेलंगाना के पशुपालन, मत्स्य पालन और छायांकन मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव से मुलाकात की तथा उन्हें एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में राकेश जायसवाल ने बताया कि सीएम केसीआर राज्य के सभी जाति व समुदाय को स्वाभिमान से जीने के लिए स्वाभिमान भवन के निर्माणार्थ जमीन दे रही है। हाल ही में राजपूत, अग्रवाल, जैन आदि समुदायों को जमीन दी गई है, जो सीएम का एक सराहनीय कदम है। हम भी जायसवाल समाज की ओर से उन्हें अपील करते हैं कि हमारे समाज के विवाह व अन्य कार्यों के लिए भी भवन निर्माण के लिए जमीन दें। इस पर मंत्री ने सकारात्मक आश्वासन दिया। राकेश जायसवाल ने कहा कि वह जरूरतमंदों के अनुकूल काम करेंगे। इस अवसर पर नितिन जायसवाल, संजय जायसवाल, अशोक जायसवाल, शरद जायसवाल आदि मौजूद रहे।

श्रीमद् भागवत कथा सप्ताह ज्ञान यज्ञ 4 अगस्त से, विशेष सभा आयोजित

हैदराबाद, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय गौभक्त उत्सह सेवा समिति के तत्वावधान में रमेश कुमार बंग फैन्स क्लब के संयोजकत्व में श्रावण अधिक मास के पावन उपलक्ष्य में "श्रीमद् भागवत कथा सप्ताह ज्ञान यज्ञ' का आयोजन माहेश्वरी भवन, बेगम बाजार में किया जायेगा। उक्त जानकारी यहाँ जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में भारतीय गौभक्त उत्साह समिति के निलेश मून्दड़ा द्वारा दी गई। विज्ञप्ति अनुसार व्यासपीठ पर परम पूज्य श्री अनिरुद्धजी दूनीवाले विराजमान होकर अपनी ओजस्वी वाणी में भक्तों को श्रीमद् भागवत अलौकिक सत्संग की ज्ञान गंगा प्रवाहित करेंगे।

कार्यक्रम के आयोजन के विषय पर विचार-विमर्श हेतु एक विशेष सभा का आयोजन नृसिंह मंदिर, बेगम बाजार में आयोजित की गई। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में गोशामहल के विधायक टी. राजा सिंह एवं महेश बैंक के चेयरमैन रमेश कुमार बंग उपस्थित थे। विधायक टी. राजा सिंह ने भारतीय गौभक्त उत्साह सेवा समिति द्वारा गौरक्षार्थ किए जा रहे प्रयासों की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए कार्यक्रम के आयोजन के लिए अपनी शुभकामनाएँ प्रेषित करते हुए कार्यक्रम के लिए हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। महेश बैंक के चेयरमैन रमेश कुमार बंग ने भारतीय गौभक्त उत्साह सेवा समिति पुरुषोत्तम मास के उपलक्ष्य में श्रीमद् भागवत के आयोजन पर शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि श्रीमद् भागवत कथा हेतु सभी आयोजनकर्ता अपनी-अपनी बहन-बेटियों एवं इष्ट-मित्रों को इस कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में आमंत्रित कर श्रीमद् भागवत कथा का पुण्य लाभ उठाए एवं सनातन धर्म के प्रचार-प्रसार करें।

बैठक के अंत में धन्यवाद ज्ञापन गौभक्त भरत ओझा ने दिया। बैठक में भारतीय गोभक्त उत्साह सेवा समिति, भाग्यनगर के जितेन्दर मिश्र, निलेश मून्दड़ा, भरत ओझा, दीपक मिश्रा, संदीप ठाकुर, आनन्द शर्मा, आशीष कालिया, अनिल रतावा, गोपाल काकडा, मुरली तिवारी, राकेश यादव, अनिल मून्दड़ा, गणेश यादव, गोपाल डोबा (पाल), घनश्याम मून्दडा, पुरुषोत्तम शर्मा, रमेश लखोटिया, संदीप शर्मा, संदीप जायलवाल, गिरीराज मिश्र, विनोद शर्मा, विजय तोतला, मनोज काकडा, कमल जाजू, विजय सारडा, श्याम गिलडा, सुरेश गाँधी, पीताम्बर पुरोहित, प्रकाश लड्ढा, राजेश तोषनीवाल, उमेश शर्मा, उर्मिला साबू, निर्मला बजाज, सरला मून्दडा, हेमा डोबा, संगीता काकडा, अर्चना मून्दडा, ललिता शर्मा, वंदना मिश्रा, विजया मिश्रा, आरती काकडा, माधुरी कालिया, उमा शर्मा, मीना नावंदर एवं अन्य भक्त उपस्थित थे।

श्री गीता भवन में आयोजित संपूर्ण श्रीमद्भागवद्गीता सामूहिक पारायणम में भाग लेते हुए समाजसेवी गोपाल बल्दवा व अन्य।

गौ सेवा मित्र मंडल द्वारा समर्थ कामधेनु गौशाला जियागुड़ा में थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों के लिए रक्तदान शिविर लगाया गया, जिसमें रक्त दाताओं ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। इस दौरान श्याम गिल्डा, धर्माराम ढाका, कमल जाजु, राजुभाई लडा, अरविंद शर्मा मौजूद रहे।

अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन एवं काव्य संध्याका आयोजन

हैदराबाद, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। निगम के कर्मचारियों में राजभाषा के प्रति जागरूकता एवं उनकी मनोवृत्ति बदलने के उद्देश्य से पावरग्रिड दक्षिणी क्षेत्र-1 एवं केंद्रीय कार्यालय के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन एवं काव्य संध्या का आयोजन किया गया।

प्रातः कालीन बेला में आयोजित किए गए राजभाषा सम्मेलन कार्यक्रम का शुभारंभ,मुख्य अतिथि महोदय डॉ. वीके सिंह, निदेशक (कार्मिक) द्वारा कार्यपालक निदेशक (राजभाषा/के.सं./विधि) सतीश चन्द्र, कार्यपालक निदेशक (द.क्षे.-1) राजेश श्रीवास्तव एवं वरिष्ठ अधिकारीगणों की गरिमामय उपस्थिति में दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया।

तत्पश्चात मुख्य अतिथि द्वारा अपने संबोधन में राजभाषा के साथ-साथ क्षेत्रीय भाषाओं को भी उन्नत किए जाने पर ज़ोर दिया गया। साथ ही पावरग्रिड के कार्यालयों में राजभाषा कार्यान्वयन हेतु किए जा रहे प्रयासों की सराहना भी की गयी। कार्यक्रम के दौरान राजभाषा की प्रगति हेतु तकनीकी प्रौद्योगिकी की सक्रिय भूमिका पर विभिन्न केंद्रीय कार्यालयों/उपक्रमों से पधारें अनुभवी संकाय सदस्यों द्वारा व्याख्यान दिए गए।

संध्या कालीन बेला में आयोजित काव्य संध्या में आमंत्रित कविगणों श्रीमती कविता तिवारी, दिनेश बावरा, रोहित शर्मा एवं उपेंद्र पाण्डेय द्वारा प्रस्तुत की गयी वीर,हास्य/व्यंग्य रस से युक्त कविताओं,छंदों एवं पंक्तियों ने सभा कक्ष में उपस्थित सभी श्रोतागणों को भाव विभोर एवं आनंदित कर दिया। उक्त कार्यक्रम में,मुख्यालय सिकंदराबाद के सभी कार्मिकों एवं दीप शिखा महिला समिति के सदस्यगणों के अतिरिक्त अधीनस्थ उपकेन्द्रों के प्रभारी/नोडल अधिकारीगणों,केंद्रीय/क्षेत्रीय कार्यालयों से राजभाषा प्रभारीगणों,नराकास हैदराबाद एवं इससे जुड़े हुए कार्यालयों के राजभाषा प्रेमियों की उपस्थिति रही।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

विदेशी प्रतिनिधियों का ...

तीसरे पर्यटन कार्य समूह की बैठक के दौरान प्रतिनिधि सरकार द्वारा आयोजित कला और शिल्प बाजार का भी दौरा किया।

इस तीन दिवसीय कार्यक्रम के दौरान पांच प्रमुख प्राथमिकता वाले क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा जिनमें हरित पर्यटन, डिजिटलीकरण, कौशल, पर्यटन एमएसएमई और गंतव्य शामिल हैं। पर्यटन समूह की यह बैठक क्षेत्र की पर्यटन क्षमता और सांस्कृतिक समृद्धि को उजागर करने के साथ-साथ घाटी के लोगों को अपनी समृद्ध संस्कृति और परंपरा को दुनिया के सामने प्रदर्शित करने का एक खास अवसर प्रदान करेगी। बैठक के अंतिम दिन बुधवार को सभी अतिथि श्रीनगर शहर में पोलो व्यू, झेलम रीवर फ्रंट और कुछ अन्य स्थानों की सैर कर कश्मीर में आए सकारात्मक बदलाव को स्वयं अनुभव करेंगे। पर्यटन कार्य समूह की पहली बैठक फरवरी में गुजरात के कच्छ के रण में और दूसरी अप्रैल में पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी में हुई थी।

पीएम मोदी ऑस्ट्रेलिया ...

मोदी ने भारत को नई पहचान दी :

सिडनी में भारतीय मूल के लोगों को प्रधानमंत्री का इंतजार था। न्यूज एजेंसी से बातचीत में एक भारतीय ने कहा, मोदी ने भारत को नई पहचान दी है। हमें जीवन में उनसे मुलाकात का एक सुनहरा मौका मिला है।

सिडनी में अब लिटिल इंडिया :

पीएम मोदी के शुरूआती शेड्यूल के मुताबिक उन्हें ऑस्ट्रेलिया क्वॉड की बैठक के लिए जाना था। हालांकि अमेरिका में चल रही कर्ज की समस्या के कारण बैठक को जी-7 समिट के दौरान जापान में ही कर लिया गया। इसके बावजूद पीएम ने ऑस्ट्रेलिया का दौरा रद्द नहीं किया। इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया में उनकी मौजूदगी में हैरिस पार्क के इलाके का नाम बदलकर लिटिल इंडिया कर दिया जाएगा।

मोदी 2014 में राजीव गांधी के बाद ऑस्ट्रेलिया जाने वाले दूसरे प्रधानमंत्री बने थे।

क्वॉड की बैठक के दौरान एल्बनीज ने कहा था कि सिडनी के जिस कम्युनिटी रिसेप्शन में पीएम मोदी का कार्यक्रम होगा उसमें 20 हजार लोगों की ही क्षमता है। ऐसे में एल्बनीज ने मोदी को बताया कि उनके सामने भीड़ को मैनेज करने की चुनौती है।

एल्बनीज ने अपने भारत दौरे को भी याद किया। जब 90 हजार लोगों ने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में उनका और मोदी का स्वागत किया था। इस पर बाइडेन ने कहा, मुझे आपका ऑटोग्राफ लेना चाहिए।

तेलंगाना में मजबूत होगी शिवसेना : सिंकर शिवाजी

तेलंगाना शिवसेना अध्यक्ष ने सार्वजनिक एजेंडा तैयार करने की बात कही

हैदराबाद, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। शिवसेना तेलंगाना के प्रदेश अध्यक्ष सिंकरू शिवाजी ने आज सोमाजीगुडा में आयोजित पत्रकार वार्ता में मीडिया को संबोधित करते हुए बताया कि वह तेलंगाना में शिवसेना पार्टी को मजबूत करने जा रहे हैं। शिवसेना पार्टी प्रमुख ने कहा कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में तेलंगाना के लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए एक सार्वजनिक एजेंडा तैयार किया गया है। उन्होंने ऐलान किया कि वे गली से लेकर राजधानी तक हर मुद्दे पर राजनीतिक लड़ाई लड़ने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम किसानों और बेरोजगारी, छात्रों, महिलाओं और कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान के लिए संघर्ष करेंगे। बताया गया कि दलित आदिवासी भाई-बहनों के साथ हो रहे अन्याय और पिछड़ा वर्ग के मुद्दों पर भी व्यापक आंदोलन किया जा रहा है। उन्होंने सरकार को तेलंगाना राज्य की उपलब्धि के लिए शहीद हुए शहीदों के परिवारों को न्याय दिलाने के लिए संघर्ष करने की चेतावनी दी। यह घोषणा की गई है कि पार्टी सबसे तेज गति से तेलंगाना राज्य को मजबूत करने की दिशा में कदम उठाएगी। जिलाध्यक्षों, हलकों के संयोजकों और मंडल अध्यक्षों ने कहा कि वे हर जिले में पूरी कमेटियां बनाने जा रहे हैं। इसी तरह शिवसेना पार्टी से जुड़े विद्यार्थी, युवा सेना, महिला सेना और कॉम गार सेना समितियों की नियुक्ति की जाएगी और स्पष्ट किया जाएगा कि वे एक मजबूत ताकत बनाएंगे। उन्होंने कहा कि अगर मुख्यमंत्री केसीआर गजवेल से चुनाव लड़ते हैं तो वह अपनी पार्टी के एक किसान को मैदान में उतारेंगे। इस अवसर पर मंच पर निजामाबाद जिलाध्यक्ष गोपी किशन, कम्माम जिलाध्यक्ष श्रीनिवास रेड्डी, प्रदेश नेता सूर्यवंशी रमेश, युवा सेना प्रदेश नेता साय, गौतम गौड़, गंगाधर थे।

सीएम केसीआर ने जेपीएस को नियमित करने का लिया फैसला

हैदराबाद, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने आज कनिष्ठ पंचायत सचिवों (जेपीएस) की सेवा को नियमित करने का फैसला किया। उन्होंने प्रमुख सचिव पंचायत राज संदीप कुमार सुल्तानिया को इस संबंध में तौर-तरीके फाइनल करने के निर्देश दिए हैं। सीएम ने सुझाव दिया कि इस संबंध में कनिष्ठ पंचायत सचिवों के प्रदर्शन का आकलन करने के लिए जिला स्तर पर कलेक्टरों की अध्यक्षता में समितियों का गठन किया जाना चाहिए. जिला कलेक्टर के अलावा, समिति में अतिरिक्त कलेक्टर (स्थानीय निकाय), जिला वन अधिकारी, जिला एसपी या डीसीपी सदस्य होंगे। राज्य स्तर से एक सचिव स्तर या एचओडी स्तर का अधिकारी पर्यवेक्षक के रूप में कार्य करेगा। राज्य स्तर पर पंचायती राज विभाग के प्रमुख सचिव की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया जायेगा। जिला स्तरीय समिति द्वारा भेजे गये प्रस्ताव की राज्य स्तरीय समिति द्वारा जांच की जायेगी। इसके बाद राज्य स्तरीय कमेटी मुख्य सचिव को रिपोर्ट भेजेगी। जिला कलेक्टरों ने राज्य में कुछ ग्राम पंचायतों में अस्थायी आधार पर कनिष्ठ पंचायत सचिवों की नियुक्ति की है। सीएम ने यह भी निर्देश दिया कि इन स्थानों पर नए कनिष्ठ पंचायत सचिवों को भरने की प्रक्रिया नियमितीकरण के बाद के चरण में शुरू की जाए। मंत्री हरीश राव, तलसानी श्रीनिवास यादव, एमएलसी पल्ला राजेश्वर रेड्डी, देशपति श्रीनिवास, पड़ी कौशिक रेड्डी, विधायक जीवन रेड्डी, बालका सुमन, मुख्य सलाहकार सोमेश कुमार, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव नरसिंह राव, सरकार के प्रमुख सलाहकार राजीव शर्मा, सीएस शांति कुमारी, पंचायत राज प्रमुख सचिव संदीप कुमार सुल्तानिया, वित्त विशेष मुख्य सचिव रामकृष्ण राव, राजस्व प्रधान सचिव नवीन मित्तल। मुख्यमंत्री के सचिव भूपाल रेड्डी, सूचना विभाग के विशेष आयुक्त अशोक रेड्डी सहित अन्य उपस्थित थे।

गोविंद राठी की भाजपा में वापसी, बंडी संजय ने किया स्वागत

हैदराबाद, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी की कार्यकारिणी की बैठक के दौरान समाजसेवी गोविंद राठी, मनोज जयसवाल एवं बाबू गुरु ने भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष बंडी संजय के नेतृत्व में आज भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इस दौरान पार्टी अध्यक्ष ने उनका पार्टी का खंडवा सौंपकर उनका स्वागत किया। गोविंद राठी ने आगे बताया कि भारतीय जनता पार्टी आते समय में तेलंगाना में सरकार बनाने के सक्षम है। इस अवसर अवसर पर राज्यसभा सदस्य राज्यसभा सदस्य डॉ. के. लक्ष्मण, सुनील बंसल, गोलकुंडा जिला के अध्यक्ष पांडु यादव, बेगम बाजार के पार्षद शंकर यादव एवं पूर्व मंत्री ईटेला राजेंद्र, विवेक वेंकटस्वामी आदि उपस्थित रहे।

अग्रवाल समाज दुर्गम चेरुवू महिला शाखा के चुनाव संपन्न

हैदराबाद, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज दुर्गम चेरुवू की महिला शाखा की वार्षिक साधारण सभा आयोजित की गई। शाखा की अध्यक्ष मंजरी अग्रवाल ने सभी सदस्यों का स्वागत किया मंत्री ने शाखा की रिपोर्ट प्रस्तुत की कोषाध्यक्ष ने वर्ष 2022-23 का लेखा जोखा प्रस्तुत किया जिसे सर्व सम्मति से पारित किया गया चुनाव अधिकारी कोमल अग्रवाल द्वारा वर्ष 2023-25 हेतु नव गठित कार्यकारिणी में अध्यक्ष अमिता अग्रवाल, उपाध्यक्ष रीना गुप्ता, मंत्री रितु गुप्ता, सह मंत्री सुमित्रा अग्रवाल, कोषाध्यक्ष रेणुका सिंघानिया, केंद्रीय समिति सदस्य नेहा गर्ग को निर्वाचित घोषित किया परामर्शदाता नेहा गर्ग कार्यकारिणी सदस्य हेतु कोमल अग्रवाल, रश्मि अग्रवाल, रुचिता मित्तल, सुमन गुप्ता, वनिता गोयल को चुना गया अध्यक्ष मंजरी अग्रवाल के धन्यवाद प्रस्ताव के साथ सभा का समापन हुआ।

रेवंत ने जीओ 111 को निरस्त करने के पीछे घोटाले का आरोप लगाया

हैदराबाद, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के अध्यक्ष रेवंत रेड्डी ने आज केसीआर सरकार पर जमकर निशाना साधा और आरोप लगाया कि जीओ 111 को निरस्त करने के पीछे एक बड़ा घोटाला है। उन्होंने कहा कि घोटाले के मूल्य की गणना करने के लिए एक अलग प्रणाली स्थापित करनी होगी।

सोमवार को गांधी भवन में वरिष्ठ कांग्रेस नेता वी. हनुमंत राव के साथ मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, रेवंत रेड्डी ने कहा कि सीएम केसीआर के जीओ 111 को रद्द करने के फैसले से बाढ़ के कारण राजधानी शहर में हजारों लोगों की मौत हो जाएगी। उन्होंने कहा कि केसीआर के विवादास्पद फैसलों के कारण राज्य की राजधानी को कई समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि हैदराबाद की बर्बादी केसीआर के मुख्यमंत्री बनने के बाद शुरू हुई। टीपीसीसी नेता ने आरोप लगाया कि राज्य के मंत्री केटीआर ने 111 जीओ को निरस्त करने के फैसले की तुलना परमाणु विस्फोट से करते हुए एक रियल एस्टेट माफिया बनाया था और आरोप लगाया था कि हैदराबाद एक और हिरोशिमा और नागासाकी शहरों में बदलने जा रहा है। यह कहते हुए कि हैदराबाद के सभी तालाब गायब हो गए हैं, उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य के शासक अब भवनों के निर्माण के लिए जलाशयों पर नजर गड़ाए हुए हैं। उन्होंने पूरे मामले पर अपनी पार्टी की ओर से एक तथ्यान्वेषी समिति के गठन की घोषणा की और कहा कि समिति जीओ 111 के तहत आने वाले गांवों का दौरा करेगी और जमीनी हकीकत का पता लगाएगी, पर्यावरणविदों के साथ चर्चा करेगी और पार्टी को एक व्यापक रिपोर्ट देगी। रेवंत रेड्डी ने कहा कि तथ्यान्वेषी समिति की रिपोर्ट के आधार पर उनकी पार्टी की भावी कार्रवाई की घोषणा की जाएगी। उन्होंने मांग की कि राज्य सरकार केसीआर के सत्ता में आने के बाद हुए सभी भूमि लेनदेन को सार्वजनिक करे।

भाग्यरेड्डी वर्मा को 135वीं जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई

हैदराबाद, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी आयुक्त डीएस लोकेश कुमार ने सोमवार को जीएचएमसी मुख्यालय में समाज सुधारक एमवी भाग्य रेड्डी वर्मा की 135वीं जयंती पर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर बोलते हुए आयुक्त ने कहा कि अछूत जातियों, देवदासी और जोगिनी के उत्थान जैसी कुरीतियों को खत्म करने के लिए विशेष प्रयास किए गए हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने हैदराबाद में 26 दलित लड़कियों के स्कूल स्थापित किए हैं और उनके उत्थान के लिए काम किया है। ईवीडीएम के निदेशक प्रकाश रेड्डी, अतिरिक्त आयुक्त प्रियंका अला, वी.कृष्णा, सरोजा, विजयलक्ष्मी, जयराज कैनेडी, पंकजा, सीएम और एचओ डॉ. पद्मजा, एच.आर.डी.सी.एल.ई. सरोज देवी, मुख्य लेखा परीक्षक वेंकटेश्वर रेड्डी, एएमसी रमना, जीवन कुमार और अन्य ने भाग लिया।

नए जीवंत स्प्रिंग समर 2023 कलेक्शन के साथ केपीएचबी के नेक्सस मॉल के दूसरे तल में सौंध बुटीक लॉन्च किया गया। शुभारंभ नगर पुलिस आयुक्त सी.वी. आनंद की पत्नी ललिता आनंद ने किया। समारोह के अवसर पर तुर्की गणराज्य के महावाणिज्य दूतावास और टीवी कलाकार और शीर्ष मॉडल उपस्थित रहे।

आज पहला क्वालिफायर गुजरात-चेन्नई के बीच

सीएसके नंबर 2 रहकर 3 बार चैंपियन बनी ; मुंबई 10वीं बार प्लेऑफ में, लखनऊ से एलिमिनेटर खेलेगी

खेल डेस्क, 22 मई (एजेंसियां)। इंडियन प्रीमियर लीग में 51 दिन और 70 मैचों के बाद प्लेऑफ की 4 टीमें मिल चुकी हैं। लीग स्टेज खत्म होने के बाद गुजरात टाइटंस पहले, चेन्नई सुपर किंग्स दूसरे, लखनऊ सुपरजायंट्स तीसरे और मुंबई इंडियंस पॉइंट्स टेबल में चौथे नंबर पर रहीं।

जीटी और सीएसक के बीच आज क्वालिफायर-1, वहीं एलएसजी और एमआई के बीच 24 मई को एलिमिनेटर मुकाबला खेला जाएगा। दोनों मैच चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम में होंगे।

महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी वाली चेन्नई अब तक खेले 14 सीजन में 12वीं बार प्लेऑफ में पहुंची। 10वीं बार टॉप-4 में फिनिश करने वाली मुंबई 5 बार की चैंपियन है। वहीं डिफेंडिंग चैंपियन गुजरात और लखनऊ 2022 में पहली बार शामिल होने के बाद लगातार दूसरे सीजन के प्लेऑफ में पहुंचीं।

टॉप-4 टीमों का पिछला प्लेऑफ रिकॉर्ड, कितने फाइनल खेले और कितनी बार चैंपियन बन सके...

1. गुजरात टाइटंस | प्लेऑफ में 100% जीत का रिकॉर्ड

हार्दिक पंड्या की कप्तान वाली गुजरात टाइटंस 20 अंकों के साथ पॉइंट्स टेबल में टॉप पर रही है। टीम ने 14 में से 10 मुकाबले जीते और केवल 4 ही गंवाए। 2022 से पहली बार आईपीएल में शामिल की गई टाइटंस लगातार दूसरे सीजन के प्लेऑफ में पहुंची। टीम ने पिछले साल फाइनल तक का सफर तय करते हुए ट्रॉफी भी जीती थी।

पिछले सीजन भी टीम ने 10 मैच जीते थे और इस बार भी उन्हें इतने ही मुकाबलों में जीत मिली। 2022 में जीटी ने क्वालिफायर-1 और फाइनल में राजस्थान रॉयल्स को हराकर ट्रॉफी उठाई थी। यानी टीम ने प्लेऑफ में कुल 2 मैच खेले हैं और दोनों में ही उन्हें जीत मिली। इस तरह टीम का प्लेऑफ मैच जीतने का रिकॉर्ड 100% है।

चेपॉक में अब तक नहीं खेली गुजरात

गुजरात इस बार 23 मई के क्वालिफायर-1 में सीएसके के खिलाफ उन्हीं के होम ग्राउंड एमए चिदंबरम स्टेडियम में भिड़ेगी। चेन्नई के खिलाफ टीम ने अब तक प्लेऑफ में कोई मैच नहीं खेला। लेकिन लीग स्टेज में दोनों के बीच 3 मुकाबले खेले गए और तीनों में गुजरात को ही जीत मिली। सभी मुकाबले 3 अलग-अलग ग्राउंड पर खेले गए, लेकिन सीएसके के होम ग्राउंड चेपॉक में दोनों टीमें अब तक नहीं भिड़ीं। इस बार चेपॉक में ही दोनों चैंपियन टीमों का पहली बार आमना-सामना होगा।

2. चेन्नई सुपर किंग्स | रिकॉर्ड 12वीं बार प्लेऑफ में पहुंचे

महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी वाली चेन्नई सुपर किंग्स इस बार 17 अंकों के साथ पॉइंट्स टेबल में नंबर-2 पर रही। टीम ने 14 में से 8 मैच जीते, 5 हारे और एक बेनतीजा मुकाबला खेला। 2008 से आईपीएल खेल रही चेन्नई रिकॉर्ड 12वीं बार प्लेऑफ में पहुंची। 12 प्लेऑफ में भी टीम 9 बार फाइनल में पहुंची और 4 बार ट्रॉफी भी उठाई। टीम ने टूर्नामेंट के ओवरऑल 16 में से 14 सीजन खेले हैं। 2016 और 2017 में 2 साल के लिए मैच फिक्सिंग और बेटिंग से जुड़े मामलों के कारण सीएसके बैन कर दी गई थी। सीएसके टूर्नामेंट में केवल 2 ही बार 2020 और 2022 के सीजन में टॉप-4 फिनिश नहीं कर सकी। दोनों ही बार टीम सेकेंड लास्ट पोजिशन पर रही थी। लेकिन 2021 में उन्होंने ट्रॉफी जीत ली। 2022 में भी 10 टीमों के पॉइंट्स टेबल में 9वें नंबर पर रहने के बाद टीम इस साल फिर प्लेऑफ में क्वालिफाई कर गई है।

सीएसके ने प्लेऑफ के 62.5% मैच जीते

अब तक सीएसके ने प्लेऑफ के 11 सीजन में 24 मुकाबले खेले। 15 में उन्हें जीत और 9 में हार मिली। यानी प्लेऑफ में उन्होंने 62.5% मैच जीते हैं। 2009 और 2014 ही ऐसे सीजन रहे, जब टीम टॉप-4 में फिनिश करने के बावजूद फाइनल में नहीं पहुंच सकी। टीम ने 2008, 2012, 2013, 2015 और 2019 के फाइनल हारे। वहीं 2010, 2011, 2018 और 2021 में सीएसके चैंपियन बनी हैं।

एक अहम बात ये भी है कि 2011 में पहली बार प्लेऑफ सिस्टम शुरू होने के बाद चेन्नई ने तीनों ट्रॉफी लीग स्टेज में नंबर-2 पर फिनिश करने के बाद ही जीती। 2010 में टीम नंबर-3 पर रहकर चैंपियन बनी थी, लेकिन तब सेमीफाइनल सिस्टम हुआ करता था। वहीं 2009 और 2019 में टीम नंबर-2 पर लीग स्टेज फिनिश करने के बाद भी ट्रॉफी नहीं उठा सकी। 2009 में उन्हें आरसीबी ने सेमीफाइनल हराया था, वहीं 2019 के फाइनल में टीम को मुंबई के खिलाफ एक रन की हार झेलनी पड़ी थी। यानी सीएसके ने कुल 5 बार पॉइंट्स टेबल में नंबर-2 पर रहने के बाद 4 फाइनल खेले और 3 बार ट्रॉफी भी उठाई। इस बार भी टीम ने नंबर-2 पर ही लीग स्टेज फिनिश किया है।

3. लखनऊ सुपरजायंट्स | आरसीबी से हारे थे पिछले साल

क्रुणाल पंड्या की कप्तानी वाली लखनऊ सुपरजायंट्स अपने आखिरी मैच को जीतकर प्लेऑफ में पहुंची। टीम लीग स्टेज में 17 अंकों के साथ तीसरे नंबर पर रही। उन्होंने 14 में से 8 मैच जीते, 5 हारे और एक बेनतीजा खेला। गुजरात की तरह 2022 से पहली बार आईपीएल में शामिल की गई सुपरजायंट्स भी लगातार दूसरे सीजन के प्लेऑफ में पहुंची।

पिछले सीजन एलिमिनेटर में आरसीबी से हारकर फाइनल की रेस से बाहर हो गई थी। तब भी टीम तीसरे नंबर पर ही रही थी, लेकिन उस बार टीम ने 9 मैच जीते थे और इस बार मुकाबले 8 जीते हैं। कुल मिलाकर कहें तो एलएसजी इससे पहले एक ही बार प्लेऑफ में पहुंची, टीम ने एक मैच खेला, लेकिन उसमें भी उन्हें हार ही मिली। यानी प्लेऑफ के मैचों में एलएसजी को अब भी पहली जीत की तलाश है।

मुंबई के खिलाफ किया है शानदार प्रदर्शन

चेन्नई के मैदान पर 24 मई के एलिमिनेटर में एलएसजी का सामना 5 बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस से होगा। दोनों प्लेऑफ में तो पहली बार ही आमने-सामने होंगी। लेकिन लीग स्टेज में दोनों टीमों के बीच 3 मैच खेले गए और तीनों में लखनऊ को जीत मिली। इनमें 2 मुकाबले मुंबई और एक लखनऊ में खेला गया। यानी दोनों टीमें पहली बार ही चेपॉक स्टेडियम में भी आमने-सामने होंगी।

4. मुंबई इंडियंस | 5 बार की चैंपियन

रोहित शर्मा की कप्तानी वाली मुंबई इंडियंस ने रविवार के पहले मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद को हराया। लेकिन टीम प्लेऑफ में जीटी और आरसीबी के बीच मैच की वजह से क्वालिफाई कर सकी। गुजरात ने बेंगलुरु को रविवार रात 6 विकेट से हराया और उन्हें 14 पॉइंट्स पर ही रोक दिया। ऐसे में मुंबई 16 अंकों के साथ पॉइंट्स टेबल में चौथे नंबर रही। उन्होंने 14 में से 8 मैच जीते और 6 गंवाए। अगर RCB आखिरी मैच जीत जाती तो 16 पॉइंट्स और बेहतर रन रेट के साथ प्लेऑफ में क्वालिफाई कर जाती, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

खैर जैसे-तैसे एमआई प्लेऑफ में तो पहुंच गई, लेकिन टीम प्लेऑफ की मास्टर टीमों में से एक है। उन्होंने 2010 में पहली बार टॉप-4 फिनिश करने के बाद अब 10वीं बार प्लेऑफ में जगह बनाई है, जो सीएसके के बाद सबसे ज्यादा है।

2010 में टीम ने सीएसके से पहली बार फाइनल हारा। उसके बाद मुंबई ने 8 प्लेऑफ में 5 फाइनल खेले और हर बार ट्रॉफी उठाई। 2013 से तो टीम ने 6 बार प्लेऑफ में जगह बनाई और केवल एक बार 2014 में ही चैंपियन नहीं बन सकी। तब लीग स्टेज में नंबर-4 पर रही एमआई को चेन्नई के खिलाफ एलिमिनेटर में हार का सामना करना पड़ा था। इस बार भी टीम नंबर-4 पर रहकर एलिमिनेटर में पहुंची है, लेकिन यहां उनका सामना लखनऊ सुपरजायंट्स से होगा।

मुंबई के नाम 66.67% प्लेऑफ मैच जीतने का रिकॉर्ड

मुंबई ने 2011 और 2012 में भी लीग स्टेज में नंबर-3 पर रहकर प्लेऑफ तक का सफर तय किया। लेकिन 2011 में टीम ने आरसीबी से क्वालिफायर-2 गंवाया, वहीं 2012 में सीएसके ने उन्हें एलिमिनेटर हराया। प्लेऑफ में मुंबई ने अब तक 18 मैच खेले हैं। 12 में जीत और 6 में उन्हें हार मिली। इनमें भी 4 बार टीम को सीएसके ही हरा सकी, वहीं एक-एक बार उन्हें पुणे और बेंगलुरु से भी हार का सामना करना पड़ा। कुल मिलाकर कहें तो प्लेऑफ में टीम ने 66.67% मुकाबले जीते हैं। टीम ने अब तक 3 एलिमिनेटर खेले, 2 में उन्हें हार और एक में जीत मिली है।

एक अहम बात ये भी है कि मुंबई जब-जब आईपीएल फाइनल में पहुंची, तब-तब टीम लीग स्टेज में पहले या दूसरे नंबर पर ही रही। तीसरे या चौथे नंबर पर रहने के बाद टीम एक भी फाइनल नहीं खेल सकी। इस बार भी टीम ने नंबर-4 पर रहकर ही लीग स्टेज फिनिश किया है।

पहलवानों ने बृजभूषण की नार्को टेस्ट की चुनौती स्वीकारी

बजरंग पूनिया बोले- हम तैयार पर सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में लाइव टेस्ट हो

पानीपत, 22 मई (एजेंसियां)। भाजपा सांसद और रेसलिंग फेडरेशन के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह की नार्को टेस्ट की चुनौती को रेसलर्स ने सोमवार को स्वीकार कर लिया। बजरंग पूनिया ने कहा कि हम सभी किसी भी टेस्ट के लिए तैयार हैं, लेकिन इसे सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में कराया जाए। नार्को टेस्ट लाइव हो ताकि सवाल और जवाबों को पूरा देश सुने।

बृजभूषण ने रविवार को कहा था कि मैं अपना नार्को टेस्ट, पॉलीग्राफी टेस्ट तथा लाई डिटेक्टर टेस्ट कराने के लिए तैयार हूं। मगर मेरी शर्त है कि मेरे साथ ही विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया का भी यही टेस्ट होना चाहिए। वह मीडिया बुलाकर इसका ऐलान करें।

रेसलर्स पिछले 30 दिनों से जंतर-मंतर पर बृजभूषण सिंह के खिलाफ जांच और गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। कल यानी 23 मई को इंडिया गेट पर पहलवान कैंडल मार्च निकालेंगे।

खाप पंचायतें रेसलर्स के हक में उतरीं

बृजभूषण के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे रेसलर्स के सपोर्ट में खाप पंचायतें भी आ चुकी हैं। रविवार को रोहतक के महम चौबीसी में खाप महापंचायत हुई। फैसला लिया गया कि पहलवानों के समर्थन में 23 मई को दिल्ली के इंडिया गेट पर कैंडल मार्च निकाला जाएगा। 28 मई को नए संसद भवन के सामने खापों की महिला महापंचायत होगी। इसमें देशभर से महिलाओं के अलावा खाप और किसान नेता भी पहुंचेंगे। ये महिला महापंचायत पहलवानों के साथ मिलकर जो भी फैसला लेगी, वह सभी खापों को मंजूर होगा।

23 अप्रैल से दिल्ली के जंतर-मंतर पर विनेश फोगाट, बजरंग पूनिया और साक्षी मलिक की अगुआई में रेसलर्स बृजभूषण के खिलाफ धरना दे रहे हैं। पहलवानों की मांग है कि बृजभूषण को पद से हटाया जाए और गिरफ्तार किया जाए। इससे पहले पहलवान सुप्रीम कोर्ट गए थे। यहां उनके मामले पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने दिल्ली पुलिस को सांसद पर केस दर्ज करने का आदेश दिया था। दिल्ली पुलिस ने बृजभूषण के खिलाफ छेड़छाड़ और पोस्को एक्ट के तहत 2 केस दर्ज किए हैं।

- WFI अध्यक्ष और कुछ कोच लड़कियों का यौन उत्पीड़न करते हैं।
- फेडरेशन के चहेते कोच महिला कोचों के साथ बदसलूकी करते हैं।
- विशेष रूप से खिलाड़ी और राज्य को टारगेट किया जाता है।
- खिलाड़ियों को मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जाता है।
- अध्यक्ष गाली-गलौज करते हैं, प्लेयर्स को पीटते हैं, हमें नीचा दिखाते हैं।
- खिलाड़ियों के घायल होने पर फेडरेशन कोई जिम्मेदारी नहीं लेता है।
- फेडरेशन ने मेंटली टॉर्चर किया, मैं सुसाइड करने की सोच रही थी। (विनेश फोगाट)
- अध्यक्ष के आदेश पर रातों रात नियम बदल दिए जाते हैं।
- कुश्ती संघ हमारे निजी जीवन में दखल देता है।
- संघ के खिलाफ आवाज उठाने के कारण हमें धमकाया जा रहा है।

रेसलर्स बनाम कुश्ती संघ अध्यक्ष विवाद में अब तक क्या हुआ...

दिल्ली के जंतर-मंतर पर 18 जनवरी 2023 को विनेश फोगाट, साक्षी मलिक के साथ बजरंग पूनिया ने धरना देना शुरू कर दिया। उनका आरोप है कि कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह ने कई महिला पहलवानों का यौन शोषण किया है।

खेल मंत्री अनुराग ठाकुर से पहलवानों की मुलाकात हुई और 21 जनवरी को धरना खत्म हो गया। भरोसा मिला कि चार हफ्ते के अंदर कमेटी की जांच रिपोर्ट आएगी, तब तक बृजभूषण सिंह के अधिकार छीने जाते हैं। समय खत्म हो गया लेकिन जांच रिपोर्ट अब तक सार्वजनिक नहीं हुई।

पहलवान एक बार फिर 23 अप्रैल को जंतर-मंतर पर धरना देने पहुंच गए। उन्होंने कहा कि जब तक बृजभूषण की गिरफ्तारी नहीं होती है धरना जारी रहेगा।

पहलवानों की अपील की सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर दिल्ली पुलिस ने 28 अप्रैल को बृजभूषण पर 2 एफआईआर दर्ज की है। एक नाबालिग पहलवान के यौन उत्पीड़न और दूसरी छेड़छाड़ की है। 3 मई की रात को पहलवानों और पुलिसकर्मियों के बीच झड़प हुई है। झड़प में पहलवान राकेश यादव और विनेश फोगाट के भाई दुष्यंत को चोटें आई हैं। 7 मई को जंतर-मंतर पर खापों की महापंचायत हुई। इस महापंचायत में बृजभूषण की गिरफ्तारी के लिए सरकार को 15 दिन का अल्टीमेटम दिया गया।

दिल्ली पुलिस ने बृजभूषण के भी बयान दर्ज कर लिए हैं। वहीं जनवरी में महिला बॉक्सर और राज्यसभा सदस्य मैरी कॉम की अध्यक्षता में बनाई गई ओवरसाइट कमेटी ने अपनी रिपोर्ट सौंप दी है।

21 मई को रोहतक में खाप महापंचायत हुई। जिसमें रेसलर्स के समर्थन का ऐलान किया गया।

विश्व टेबल टेनिस चैम्पियनशिप

शरत और साथियान ने की जीत से शुरुआत, श्रीजा भी पहला मैच जीती

डरबन, 22 मई (एजेंसियां)। विश्व टेबल टेनिस चैंपियनशिप में पुरुष और महिला दोनों एकल प्रतियोगिताएं राउंड ऑफ 128 से शुरू होंगी, जबकि तीनों युगल मुकाबले (पुरुष, महिला और मिश्रित) राउंड ऑफ 64 से शुरू हुए हैं। भारत के अनुभवी खिलाड़ियों अचंत शरत कमल और जी साथियान ने विश्व टेबल टेनिस चैंपियनशिप में जीत से शुरुआत की। राष्ट्रमंडल खेलों के चैंपियन और दुनिया में 56वें नंबर के खिलाड़ी शरत 170वें नंबर के ऑस्ट्रिया के डेविड सरडेरोगलू को 11-8, 9-11, 11-9, 11-6, 11-6 से हराकर अंतिम 64 खिलाड़ियों के दौर में प्रवेश किया। वहीं, विश्व में 51वें स्थान पर काबिज गणानाशेखरन साथियान ने इंग्लैंड के टॉम जारविस को 4-3 (11-9, 11-8, 7-11, 11-2, 15-13, 13-11, 11-6) से पराजित किया।

विश्व टेबल टेनिस चैंपियनशिप में पुरुष और महिला दोनों एकल प्रतियोगिताएं राउंड ऑफ 128 से शुरू होंगी, जबकि तीनों युगल मुकाबले (पुरुष, महिला और मिश्रित) राउंड ऑफ 64 से शुरू हुए हैं। इससे पहले शनिवार को मानुष शाह और हरमीत देसाई की जोड़ी अपने शुरुआती मैच में पराजित हो गई थी। श्रीजा अकुला ने इटली की निकोले अर्लिया को पराजित किया। शरत और जी साथियान की जोड़ी पुरुष युगल में भी उतरेगी। महिला वर्ग में विश्व में 39वें स्थान पर मौजूद मनिका बत्रा भारत की शीर्ष एकल खिलाड़ी हैं।भारत ने वर्ल्ड टेबल टेनिस चैंपियनशिप में केवल दो पदक जीते हैं। 1926 के पहले संस्करण में भारत की पुरुषों की टीम ने कांस्य जीता था और पुरुषों के एकल मुकाबले में एसआरजी सुप्पैया ने भी कांस्य पदक जीता था।

एथलेटिक्स: शैली ने अपने पहले सीनियर स्तर के प्रतियोगिता में किया कमाल, गोल्डन ग्रां प्री में जीता कांस्य

नई दिल्ली, 22 मई (एजेंसियां)। शैली ने गोल्डन ग्रांप्री में लंबी कूद में 6.65 मीटर की छलांग लगाई। 19 वर्षीय शैली ने पहले ही दौर में 6.65 मीटर की छलांग लगाई, जो विश्व एथलेटिक्स की गोल्ड लेवल की प्रतियोगिता में उनकी सर्वश्रेष्ठ जंप साबित हुई।

अंडर-20 विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में रजत पदक जीतकर सुर्खियों में आईं झांसी की शैली सिंह ने अपने सीनियर स्तर के पहले ही आउटडोर कंपटीशन में कांस्य पदक जीत लिया। शैली ने गोल्डन ग्रांप्री में लंबी कूद में 6.65 मीटर की छलांग लगाई। 19 वर्षीय शैली ने पहले ही दौर में 6.65 मीटर की छलांग लगाई, जो विश्व एथलेटिक्स की गोल्ड लेवल की प्रतियोगिता में उनकी सर्वश्रेष्ठ जंप साबित हुई।

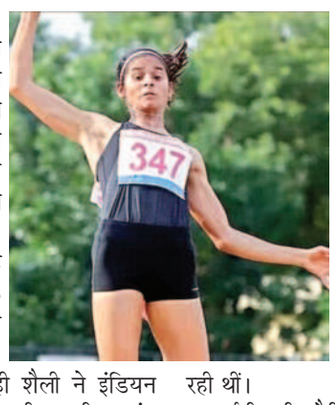

बीते माह लगाई है 6.76 मीटर की छलांग

बीते माह ही शैली ने इंडियन ग्रांप्री में 6.76 मीटर की छलांग लगाकर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया था। यह अंजू बॉबी जॉर्ज के 6.83 मीटर के बाद सर्वश्रेष्ठ भारतीय प्रदर्शन है। यहां वह अपने सर्वश्रेष्ठ से 11 सेंटीमीटर पीछे रहीं। कांस्य पदक जीतने के दौरान उन्हें थोड़ी हवा की भी मदद मिली। तीसरे दौर तक शैली बढ़त पर चल रही थीं।

जर्मनी की मैरीसे लुजोलो ने 6.79 मीटर के साथ स्वर्ण जीता, जबकि ऑस्ट्रेलिया की ब्रूक बुशकुएल ने 6.77 मीटर के साथ रजत पदक जीता। शैली ने 2021 में अंडर-20 विश्व एथलेटिक्स में 6.59 मीटर के साथ रजत जीता था। शैली एशियाई इंडोर एथलेटिक्स में 6.27 मीटर के साथ पांचवें स्थान पर रही थीं।

'कांस्य जीतना बड़ी उपलब्धि'

शैली की आदर्श अंजू बॉबी जॉर्ज ने कहा, "गोल्डन ग्रांप्री में कांस्य जीतना बड़ी उपलब्धि है। अभी वह 19 साल की है और स्पर्धा में सबसे कम उम्र की एथलीट थी। स्वर्ण और रजत जीतने वाली एथलीटों की उम्र 30 साल के करीब है। मैंने भी इसी इवेंट में 2004 में स्वर्ण पदक जीता था। शैली का भविष्य काफी उज्ज्वल है।"

भारतीय महिला फुटबॉल लीग: गोकुलम केरल ने लगातार तीसरी बार जीता खिताब, फाइनल में कर्नाटक को हराया

अहमदाबाद , 22 मई (एजेंसियां)। गोकुलम केरल ने किक स्टार्ट एफसी कर्नाटक को 5-0 से हराकर भारतीय महिला फुटबाल लीग का खिताब जीत लिया। गोकुलम लगातार तीसरे सत्र में खिताब जीतने वाली पहली टीम हो गई। सबरिता भंडारी (05वां मिनट), संध्या रंगनाथन (22, 52 वां मिनट), इंदुमति (37वां मिनट) और रोजा देवी (80वां मिनट) ने गोल किए। गोकुलम केरल के प्रदर्शन ने दिखाया कि बाकी टीम उनके मुकाबले कितनी पीछे हैं। पहला गोल बेहतरीन फुटवर्क का परिणाम था।

डेंगमेई ग्रेस ने कर्नाटक टीम की मध्य पंक्ति को छकाते हुए गेंद पर कब्जा रखा और बॉक्स के दाएं सिरे पर मौजूद भंडारी को गेंद सरका दी, जिन्होंने गोल करने में कोई कमी नहीं की। पहला गोल जल्द हासिल करने के बाद गोकुलम केरल ने फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा। सत्रह मिनट बाद संध्या ने गेंद को अपने कब्जे में लिया और फिर रक्षक खिलाड़ी को चकमा देकर स्कोर 2-0 कर दिया।

इंदुमति ने गोल कर गोकुलम को मध्यांतर से पहले 3-0 से आगे कर दिया था। दूसरे हाफ में टीम ने दो और गोल कर दिए।

भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया: दीपग्रेस के गोल से भारत ने ऑस्ट्रेलिया को बराबरी पर रोका, तीन मैच की सीरीज 2-0 से हारा

एडिलेड, 22 मई (एजेंसियां)। मैडिसन ब्रुक्स ने 25वें मिनट में गोल कर ऑस्ट्रेलिया को 1-0 से आगे किया, लेकिन दीपग्रेस ने 42वें मिनट में स्कोर 1-1 कर दिया। इस तरह ऑस्ट्रेलिया ने 2-0 से शृंखला अपने नाम की। दीपग्रेस इक्का ने पेनाल्टी कॉर्नर को भुनाकर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे महिला हॉकी टेस्ट को 1-1 से ड्रॉ कराने में मदद की। हालांकि पहले दो मैच हारने के कारण भारतीय टीम तीन मैचों की शृंखला पहले ही गंवा चुकी थी। तीसरे मैच में ऑस्ट्रेलिया को मैडिसन ब्रुक्स ने 25वें मिनट में गोल कर 1-0 से आगे किया लेकिन दीपग्रेस ने 42वें मिनट में स्कोर 1-1 कर दिया। इस तरह ऑस्ट्रेलिया ने 2-0 से शृंखला अपने नाम की।

भारतीय टीम ने पहले क्वार्टर में सकारात्मक शुरुआत की। गेंद पर ज्यादातर भारतीय खिलाड़ियों का ही कब्जा रहा। इस दौरान भारतीय टीम ने दो पेनाल्टी कॉर्नर भी अर्जित किए थे। ऑस्ट्रेलिया ने कई बार भारतीय रक्षक पंक्ति में सेंध लगाने की कोशिश की लेकिन उन्हें सफलता हासिल नहीं हुई। पहला क्वार्टर गोलरहित रहा था। दूसरे क्वार्टर में भारतीय खिलाड़ियों ने आक्रामक रुख अपनाया।

भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सविता के 250 मैच पूरे

नई दिल्ली, 22 मई (एजेंसियां)। सविता ने टोक्यो ओलंपिक में भारत के चौथे स्थान पर रहने के दौरान प्रभावी प्रदर्शन किया। वह 2016 रियो ओलंपिक और लंदन में महिला विश्वकप में खेलने वाली टीम का हिस्सा भी थी। भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सविता और अनुभवी रक्षक खिलाड़ी निक्की प्रधान ने रविवार को एडिलेड में

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे मैच के दौरान देश के लिए क्रमशः 250 और 150 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने की उपलब्धि हासिल की। डरबन में 2009 में चार देशों के स्पार कप टूर्नामेंट में पदार्पण के बाद सविता ने अच्छे प्रदर्शन की बदौलत टीम में अपनी जगह पक्की की। एक दशक से अधिक समय के अपने करियर के दौरान 32 साल की सविता ने कई उपलब्धियां हासिल की जिसमें अर्जुन पुरस्कार भी शामिल है।

अस्पतालों में अनुसंधान गतिविधि के लिए हरसंभव सहायता : हरीश राव

चिकित्सा क्षेत्र को मजबूती : 1061 सहायक प्रोफेसरों को मिले नियुक्ति पत्र

सोमवार को नए भर्ती सहायक प्रोफेसरों को नियुक्ति पत्र वितरित करते हुए स्वास्थ्य मंत्री टी. हरीश राव व अन्य।

हैदराबाद, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना ने सोमवार को सरकारी मेडिकल कॉलेजों और संबद्ध अस्पतालों में 1061 सहायक प्रोफेसर नियुक्त करके सार्वजनिक स्वास्थ्य क्षेत्र में एक तरह का रिकॉर्ड बनाया। यह संभवत: पहली बार है कि देश में इतनी बड़ी संख्या में विशिष्ट चिकित्सकों को एक ही दिन में नियुक्ति पत्र सौंपे गए हैं। 1061 सहायक प्रोफेसरों की भर्ती, जो सरकारी अस्पतालों में चिकित्सा शिक्षा और नैदानिक सेवाओं को मजबूत करने के लिए तेलंगाना सरकार के एक ठोस प्रयास का हिस्सा है, केवल 5 महीने की छोटी अवधि में संपन्न हुई।

विशिष्ट डॉक्टरों की इतनी बड़ी भर्ती न केवल दो-तेलुगु भाषी राज्यों में बल्कि पूरे देश में अभूतपूर्व है। यह उपलब्धि मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव और अलग राज्य के दर्जे की सावधानीपूर्वक योजना के कारण ही संभव हो पाई है, स्वास्थ्य मंत्री, टी. हरीश राव, जिन्होंने सोमवार को नए भर्ती सहायक प्रोफेसरों को नियुक्ति पत्र वितरित किए, ने कहा कि कुल मिलाकर, राज्य का दर्जा मिलने के बाद से, राज्य के स्वास्थ्य विभाग में विभिन्न विंगों में कुल 22, 263 पद भरे गए हैं।

अगले कुछ महीनों में, विभिन्न संवर्गों से संबंधित 9,222 अन्य पदों को भरने की प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी, जिससे कुल भर्तियों की संख्या 31,485 हो जाएगी।

हरीश राव ने नई भर्तियों को संबोधित करते हुए कहा कि आपके पास सरकारी अस्पतालों में शिक्षण, उपचार और यहां तक कि सार्वजनिक स्वास्थ्य अनुसंधान करने का अनूठा अवसर है। मुझे पूरी उम्मीद है कि आप इसका अच्छा उपयोग करेंगे। राज्य सरकार सरकारी अस्पतालों में किसी भी प्रकार की अनुसंधान गतिविधि के लिए हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए तैयार है।

सिर्फ एक महीने पहले, तेलंगाना सरकार ने राज्य में 956 डॉक्टरों की भर्ती पूरी की थी और विभिन्न प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी) में पोस्टिंग की थी। तेलंगाना राज्य चिकित्सा और स्वास्थ्य सेवा भर्ती बोर्ड के माध्यम से, राज्य सरकार आने वाले महीनों में कई विभागों में 5204 नर्सों की भर्ती करने की प्रक्रिया में है।

सचिव, स्वास्थ्य, एसएएम रिजवी, वीसी, केएन आरयूएचएस, डॉ करुणाकर रेड्डी, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण आयुक्त, श्वेता मोहंती, चिकित्सा शिक्षा निदेशक (डीएमई), डॉ. के. रमेश रेड्डी, सार्वजनिक स्वास्थ्य निदेशक (डीपीएच) डॉ सहित वरिष्ठ स्वास्थ्य अधिकारी जी श्रीनिवास राव और अन्य वरिष्ठ स्वास्थ्य अधिकारी उपस्थित थे।

पूर्व वारंगल में अलग-अलग हादसों में छह की मौत

वारंगल, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्ववर्ती वारंगल जिले में दो दिनों में अलग-अलग दुर्घटनाओं में छह लोगों की जान चली गई। हनमकोंडा जिले के अनंतसागर चौराहे पर हुए पहले हादसे में दो भाई-बहनों की मौत हो गई थी। मृतक व्यक्ति रेलवे के एक ट्रेनी टिकट कलेक्टर एप्पलापल्ली शिवराम (24) और उनके भाई हरिकृष्णा (23), एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर थे। इस विनाशकारी घटना ने उनके माता-पिता और रिश्तेदारों को गहरे शोक में डुबो दिया है। वे पड़ोस के करीमनगर जिले के कंडुगुला गाँव के इप्पलापल्ली मनोहर के बेटे थे।

परिवार ने अपने बेटों के समृद्ध करियर और खुशहाल शादियों को देखने की उम्मीदें संजोई थीं। हालांकि, दुर्भाग्यपूर्ण सड़क दुर्घटना से उनके सपने चकनाचूर हो गए। शिवरामऔरहरिकृष्णहैदराबादसे अपने दोपहिया वाहन पर सुबह 5 बजे निकले, उनका लक्ष्य सूर्योदय से पहले अपने गंतव्य तक पहुंचना था। दुखद रूप से, चश्मदीदों ने बताया कि सुबह 5:39 बजे, अनंतसागरचौराहे पर एक तेज रफ्तार वाहन ने दूसरे को ओवरटेक करने की कोशिश में उनके दोपहिया वाहन से टक्कर मार दी, जिससे उनकी तुरंत मौत हो गई।

तेज गति से चल रहा है तिरुपति स्टेशन का उन्नयन कार्य

हैदराबाद, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तिरुपति स्टेशन के उन्नयन का काम तेज गति से चल रहा है। दक्षिण की तरफ बेसमेंट फ्लोरिंग का काम पूरा हो चुका है। जिसमें पार्किंग की सुविधा होगी। फाउंडेशन तेजी से प्रगति कर रहे दो एयर कॉनकोर्स के लिए काम करता है। भूमिगत पानी की टंकी के लिए नींव और दीवारों की कंक्रीटिंग का काम पूरा हो गया है जबकि टॉप स्लैब की शटरिंग का काम चल रहा है। मई 2022 में शुरू हुआ तिरुपति रेलवे स्टेशन का उन्नयन कार्य तेजी से चल रहा है। रेल मंत्रालय द्वारा परिकल्पित "रेलवे स्टेशनों के प्रमुख उन्नयन" के हिस्से के रूप में इस परियोजना को दक्षिण मध्य रेलवे जोन द्वारा प्राथमिकता के आधार पर लिया गया है।

परियोजना को समय पर पूरा करने के लिए काम किया जा रहा है, जिसे फरवरी 2025 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। प्रारंभिक कार्यों के हिस्से के रूप में, भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण का पूरा होना, कैंप कार्यालय की स्थापना, कंक्रीट लैब और भंडारण शेड, दक्षिण की ओर नए बनने वाले स्टेशन भवन के लिए नींव की कंक्रीटिंग का काम पूरा हो चुका है। बेसमेंट फ्लोर की नींव में कंक्रीटिंग का काम 100 फीसदी पूरा कर लिया गया है। आज की तारीख में लगभग 11,905 घन मीटर बेसमेंट फ्लोर, रिटेनिंग वॉल और एयर कॉन्कोर्स के फाउंडेशन, कॉलम और स्लैब में कंक्रीट का इस्तेमाल किया गया है। स्टेशन के दक्षिण की ओर बेसमेंट फ्लोर में 500 वाहनों - 200 चार पहिया वाहनों और 300 दोपहिया वाहनों को रखने की क्षमता होगी। इसके लिए बेसमेंट फ्लोरिंग का काम पूरा हो चुका है। इसके अलावा, आगामी पुनर्विकास स्टेशन में दो आधुनिक वायु मण्डल होंगे। इन दोनों एयर कॉन्कोर्स के लिए नींव का काम प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर पूरा हो चुका है। 6, जबकि बाकी प्लेटफॉर्मों पर काम चल रहा है। अपग्रेडेड स्टेशन में 29 लाख लीटर क्षमता का भूमिगत टैंक भी होगा। इसके लिए जहां नींव और दीवारों की कंक्रीटिंग का काम पूरा हो चुका है, वहीं टॉप स्लैब के लिए शटरिंग का काम चल रहा है। इसी प्रकार, 24 लाख लीटर/दिन के सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट के निर्माण के लिए खुदाई का कार्य पूरा कर लिया गया है। अरुण कुमार जैन, महाप्रबंधक, दमरे ने कहा है कि जोन में रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास की प्रगति की नियमित रूप से समीक्षा की जा रही है और यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि नियोजित कार्यक्रम के अनुसार कार्य हो रहे हैं. उन्होंने यह भी कहा कि अपग्रेडेड स्टेशन में स्टेशन पर सभी आधुनिक सुविधाएं होंगी और आने वाले वर्षों में रेल यात्रियों की आकांक्षाओं को पूरा करने में सक्षम होगा।

तेलंगाना गठन के बाद मत्स्य पालन क्षेत्र में विकास हुआ : तलसानी

मत्स्य सहकारी समितियों के अध्यक्ष के कार्यभार समारोह में शामिल हुए मंत्री

हैदराबाद, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पशुपालन, मत्स्य पालन और डेयरी विकास और छायांकन मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने कहा कि तेलंगाना राज्य के बाद मत्स्य पालन क्षेत्र का बहुत विकास हुआ है और मछुआरे बहुत खुश हैं। मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव सोमवार को मसाब टैंक स्थित मत्स्य भवन में मत्स्य सहकारी समितियों के अध्यक्ष पित्तला रविंदर कार्यभार ग्रहण समारोह में लोगों को संबोधित कर रहे थे। मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव का उद्देश्य विभिन्न जातिगत कार्यों पर निर्भर रहने वाले परिवारों को जागरूक करना और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करना है। उसी के तहत प्रदेश के सभी जलाशयों में करोड़ों रुपये की लागत से मुफ्त में मछली के बच्चों को छोड़ा जा रहा है। संयुक्त राज्य में तेलंगाना क्षेत्र के मछुआरों ने दुखी थे। पिछली सरकार द्वारा उनकी उपेक्षा की गई थी। मिशन काकतीय नामक एक महान कार्यक्रम द्वारा तालाबों और झीलों का पुनर्वास किया गया था। आज तेलंगाना के जलाशय पानी से भरे मिल रहे है। मुख्यमंत्री के विचारों के अनुसार मछुआरों को लाभ पहुंचाने के लिए पंचायत राज के तहत आने वाले तालाबों को भी मत्स्य विभाग को हस्तांतरित कर दिया गया और सभी अधिकार अधिकारियों को सौंप दिए गए। मंत्री ने सुझाव दिया कि मछली को कम कीमत पर बेचने से नुकसान नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा शुरू किए गए कई कार्यक्रमों से राज्य की मत्स्य संपदा में अप्रत्याशित रूप से वृद्धि हुई है और मछुआरे बहुत खुश हैं। मछली बेचने के लिए मछुआरों को ट्रक, ट्रॉली ऑटो और दुपहिया वाहन सब्सिडी पर दिए गए हैं। इसी तरह, विभिन्न प्रकार के मछली के व्यंजन बेचने के लिए मोबाइल बिक्री वाहन भी प्रदान किए गए हैं। उन्होंने यह भी घोषणा की कि वह शेष पात्र मत्स्य कारों को सब्सिडी वाले वाहन उपलब्ध कराने के लिए मुख्यमंत्री के ध्यान में लाएंगे। कार्यक्रम में विधान परिषद उपाध्यक्ष बंदा प्रकाश, एमएलसी पाडी कौशिक रेड्डी, नारदसु लक्ष्मण राव, निगम अध्यक्ष दुद्मिेटला बलराज यादव, कोलेटी दामोदर गुप्ता, गेलू श्रीनिवास यादव, अल्लम नारायण, पशुपालन विभाग के विशेष मुख्य सचिव अधर सिन्हा, मत्स्य आयुक्त लछीराम भुक्या मौजूद थे।

पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए पूरी व्यवस्था करने के निर्देश

कलेक्टर ने किया गजवेल अर्बन पार्क के कार्य का निरीक्षण

सिद्दीपेट, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। कलेक्टर प्रशांत जीवन पाटिल ने अधिकारियों को अधिक पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए गजवेल अर्बन पार्क में 12 कॉटेज पर शेष निर्माण कार्य को अंतिम रूप देने का निर्देश दिया है। कलेक्टर ने सोमवार को गजवेल के पास सांगापुर स्थित पार्क का दौरा करने के दौरान पर्यटकों के लिए कॉटेज को उपयुक्त बनाने के लिए फर्नीचर खरीदने और बिजली आपूर्ति और अन्य आवश्यक सुविधाओं के प्रावधान को सुनिश्चित करने पर जोर दिया। पाटिल ने इस बात पर प्रकाश डाला कि सरकार ने इन 12 कॉटेज के निर्माण में पहले ही 1.5 करोड़ रुपये का निवेश किया है। अपनी यात्रा के दौरान, उन्होंने पार्क के भीतर वॉकिंग ट्रैक, वॉचटावर और अन्य सुविधाओं का निरीक्षण किया।

पर्यटकों के आकर्षण को बढ़ाने के लिए, पाटिल ने गजवेल अर्बन पार्क में उपलब्ध सुविधाओं को बढ़ावा देने के लिए राजीव राहधारी के किनारे साइनबोर्ड लगाने का सुझाव दिया।

भारी बारिश व हवाओं ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया

वज्रपात से पुत्र की मौत, पिता घायल

महबूबनगर, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्ववर्ती महबूबनगर जिले के कई हिस्सों में रविवार को तेज हवाओं के साथ हुई भारी बारिश से सैकड़ों पेड़ और बिजली के खंभे उखड़ गए। बारिश के कारण कई इलाकों में घंटों तक बिजली आपूर्ति ठप रहने से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। तेज हवाओं के कारण जिले के दशरापल्ली, वेमुला, जनमपेटा, नंदीपेट, अडाकल, पेड्डा मुनागलचेड़, कंदूर, गुडीबांडा, पोन्नाकल गांवों में आम की फसल को नुकसान पहुंचा है। कुछ घरों की एस्बेस्टस की छतें हवा में उड़ गईं।

नगरकुर्नूल जिले के बिजिनेपल्ली मंडल के खानापुर गांव में अपने खेत में काम करते समय बिजली गिरने से एक 25 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि उसके पिता घायल हो गए। उनकी पहचान रमेश (25) और उनके पिता के नगैया (55) के रूप में हुई, दोनों वेलिकोंडा गांव के निवासी थे। दोनों पट्टे की जमीन पर धान की खेती करते थे।

वर्षा सीजन के लिए निजामाबाद कृषि विभाग ने कमर कसी

निजामाबाद, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जिला कृषि विभाग वनकलम (खरीफ) सीजन के लिए कमर कस रहा है क्योंकि दक्षिण-पश्चिम मानसून के 7 से 15 जून के बीच राज्य में आने की संभावना है। वनकलम के मौसम के लिए बीज और उर्वरकों का पर्याप्त स्टॉक सुनिश्चित करने के लिए अधिकारी आवश्यक व्यवस्था कर रहे हैं। विभाग का अनुमान है कि इस फसल सीजन में 5.37 लाख एकड़ जमीन पर खेती की जाएगी। जिले में धान की खेती 4.17 लाख एकड़ में होने का अनुमान है, जबकि मक्का और हल्दी की खेती क्रमशः 32,185 एकड़ और 23,722 एकड़ में की जाएगी। साथ ही 58,715 एकड़ में सोयाबीन की खेती की जाएगी। निजामाबाद जिला कृषि अधिकारी (डीएओ) आर तिरुमाला प्रसाद ने कहा कि राज्य सरकार के निर्देशों के बाद, हमने जिले में नकली बीजों के खतरे को रोकने के लिए पुलिस विभाग और तेलंगाना राज्य बीज और जैविक प्रमाणन प्राधिकरण (टीएसएसओसीए) के साथ टास्क फोर्स टीमों का गठन किया है। टास्कफोर्स की टीमें बीज की गुणवत्ता की जांच के लिए बीज की दुकानों और गोदामों पर छापेमारी करेंगी. वे किसानों को गुणवत्तापूर्ण बीजों और उर्वरकों के उपयोग के महत्व के बारे में भी शिक्षित करेंगे।

बाढ़ त्रासदी में मरने वाली तेलुगु लड़की को 5 लाख की अनुग्रह राशि : कर्नाटक सीएम

हैदराबाद, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। कर्नाटक में बाढ़ दुर्घटना में अपनी जान गंवा बैठी विजयवाड़ा गन्नवरम की मूल निवासी तथा इंफोसिस की कर्मचारी एक 22 वर्षीय लड़की भानुरेखा रेड्डी को अनुग्रह राशि के रूप में 5 लाख रुपये देने की घोषणा कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया ने की। गौरतलब है कि रविवार को बेंगलुरु के केंद्र में के आर सर्किल में युवती की मौत हो गई, जब उसकी कार बाढ़ वाले मेट्रो में गिर गई। भानुरेखा के मृत शरीर को देखने और उसके परिवार के सदस्यों को सांत्वना देने के लिए कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने घटना की जानकारी के तुरंत बाद सेंट मार्था अस्पताल का दौरा किया। उन्होंने अस्पताल में भर्ती कराए गए परिवार के चार सदस्यों को मुफ्त इलाज के साथ-साथ 50 हजार रुपये मुआवजा देने का वादा किया। इंफोसिस में एक कर्मचारी भानुरेखा, कृष्णा जिले (एपी) में तेलाप्रोलू, गन्नवरम मंडल की रहने वाली हैं। रविवार की शाम को, उसने और उसके परिवार ने एक कैब किराए पर ली और बैंगलोर घूमने के लिए निकल पड़े। अंडरपास पर बैरिकेड गिरने पर चालक ने बिना सोचे-समझे पानी पार करने का प्रयास किया। जब भानुरेखा को अस्पताल लाया गया, तो उनकी सांसें चल रही थीं, लेकिन चिकित्सकों ने उनका इलाज करने से इनकार कर दिया, जैसा कि कुछ मीडिया पत्रकारों ने मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को सूचित किया। इन आरोपों के जवाब में, सिद्धारमैया ने कहा कि अस्पताल प्रशासन को जिम्मेदार और दंडित किया जाएगा। लेकिन अस्पताल के अधिकारियों के मुताबिक अस्पताल पहुंचने से पहले ही भानुरेखा की मौत हो गई।

18 साल की ब्रेन डेड छात्रा के 5 अंग दान किए

हैदराबाद, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। नालगोंडा के बालेमला गांव निवासी 18 वर्षीय छात्र पलवई ईश्वर के परिवार के सदस्यों ने, जिसे न्यूरो-चिकित्सकों की टीम में भाग लेकर ब्रेन डेड घोषित किया गया था, जीवनदान अंग दान योजना के तहत मृतक के अंगों को दान कर दिया है। सर्जनों ने दो गुर्दे, यकृत और दो कॉर्निया सहित पांच अंगों को पुनः प्राप्त किया और उन्हें जीवनदान अंग दान दिशानिर्देशों के आधार पर जरूरतमंद रोगियों को आवंटित कर दिया।

गुरुवार, 18 मई को, नालगोंडा जिले के बालेमला, एससी न्यू कॉलोनी निवासी ईश्वर को एक चौपहिया वाहन ने टक्कर मार दी, जब वह अपने दोपहिया वाहन पर मुख्य सड़क पार कर रहे थे। परिवार के सदस्य शुरू में उन्हें सूर्यापेट के सरकारी अस्पताल और बाद में निम्स अस्पताल पुंजागुट्टा ले गए।

निम्स के विशेषज्ञ डॉक्टरों ने 48 घंटे तक ईश्वर को आईसीयू में रखा लेकिन उनकी सेहत में कोई सुधार नहीं हुआ। रविवार 21 मई को शाम 5 बजकर 20 मिनट पर निम्स के न्यूरो फिजिशियन की टीम ने ईश्वर को ब्रेन डेड घोषित कर दिया. जीवनदान अंगदानसमन्वयकों ने ईश्वर के परिवार के सदस्यों के साथ शोक परामर्श सत्रों की एक श्रृंखला आयोजित की। जीवनदान पहल के तहत बच्ची की मां, देवर और ननद ने अंगदान की सहमति दी। जीवनदान के वरिष्ठ अधिकारियों ने युवक के परिवार के सदस्यों के हावभाव की सराहना की।

कुर्नूल पहुंचे सीबीआई अधिकारी, हो सकती है अविनाश रेड्डी की गिरफ्तारी

कुरनूल, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के अधिकारी पूर्व मंत्री वाई.एस. विवेकानंद रेड्डी की हत्या के मामले में पूछताछ के लिए दो बार एजेंसी के सामने पेश नहीं हुए कडप्पा के सांसद वाई.एस. अविनाश रेड्डी गिरफ्तार कर सकते हैं। सांसद ने सोमवार को एक बार फिर अपनी मां वाई.एस. लक्ष्मी के खराब स्वास्थ्य के कारण सीबीआई के सामने पेश होने की असमर्थता जताने पर जांच एजेंसी के अधिकारी कथित तौर पर कुरनूल पहुंचे, जहां उन्हें एक अस्पताल में रखा गया है। कथित तौर पर वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) के सांसद को आत्मसमर्पण कराने के लिए सीबीआई अधिकारी कुनरूल जिले के शीर्ष अधिकारियों के साथ बातचीत कर रहे थे। विश्वभारती अस्पताल के आसपास पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया था, जहां सांसद, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाई.एस. जगन मोहन रेड्डी, चार दिनों के लिए रुके हुए हैं। पुलिसकर्मी अविनाश रेड्डी के समर्थकों को भी रोकने की कोशिश कर रहे हैं, जो उनकी संभावित गिरफ्तारी की खबरों के मद्देनजर इलाके में पहुंच रहे हैं। एहतियात के तौर पर पुलिस ने अस्पताल परिसर के आसपास की दुकानें नहीं खोलने दी। रविवार रात अस्पताल के पास उस समय तनाव व्याप्त हो गया जब कडप्पा सांसद के समर्थकों ने कथित तौर पर कुछ मीडियाकर्मियों पर हमला किया और उनके कैमरों को क्षतिग्रस्त कर दिया। सीबीआई ने 19 मई को एक नया नोटिस जारी किया था, जिसमें उन्हें 22 मई को अपने हैदराबाद कार्यालय में पेश होने का निर्देश दिया था। सांसद 16 मई और 19 मई को हैदराबाद में सीबीआई के सामने पेश नहीं हुए थे।

16 मई को, उन्होंने कारण के रूप में पुलिवेंदुला में पहले से तय आधिकारिक व्यस्तताओं का हवाला दिया और चार दिनों का समय मांगा, और 19 मई को, सांसद ने सीबीआई को बताया कि वह इसके सामने पेश नहीं हो पाएंगे क्योंकि उनकी मां बीमार थीं। . सांसद जो हैदराबाद में थे कडपा जिले में अपने गृह नगर पुलिवेंदुला के लिए रवाना हुए और अपनी मां को कुरनूल अस्पताल में भर्ती कराया। तब से वह अस्पताल में ही रह रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने 17 मई को अविनाश रेड्डी की अग्रिम जमानत देने के लिए तेलंगाना उच्च न्यायालय को निर्देश देने की उनकी याचिका पर तत्काल सुनवाई के लिए उनकी याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया। कडप्पा सांसद, जिनसे सीबीआई पहले ही चार बार पूछताछ कर चुकी है, ने पिछले महीने अग्रिम जमानत के लिए तेलंगाना उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.